वार्षिक प्रतिवेदन

2017-2018

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् द्वारा 'ए' श्रेणी में प्रत्यायित

56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुलसचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : registrar.sansthan@gmail.com
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

पृष्ठ

1. पर्यावलोकन 5-7

2. प्राधिकरण एवं संरचना 8-12

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े 13-20

4. 2017-18 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप 21-51

4.1.1 प्रशासन अनुभाग 23

4.1.2 वित्त एवं लेखा अनुभाग 23

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग 24

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग 25

4.1.5 परीक्षा अनुभाग 25

4.1.6 पुस्तकालय 28

4.1.7 विक्रय इकाई 28

4.1.8 योजना अनुभाग 29

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग 32

4.1.10 56वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 38

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान 39

4.1.12 परियोजनाएँ 40

4.1.13 पालि एवं प्राकृत 43

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण 44

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग 49

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) 50

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप 53-115

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश) 55

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा) 58

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) 60

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल) 65

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान) 69

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) 75

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक) 78

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश) 84

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश) 92

4.2.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र) 98

4.2.11 दिल्ली परिसर मुख्यालय (नई दिल्ली) 103
4.2.12 एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) 104
4.2.13 श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) 110

5. वर्ष 2017-18 की प्रमुख गतिविधियाँ 117-128

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (09.08.2017) 119
5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव 119
5.3 स्थापना दिवस 122
5.4 दशम अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव 122
5.5 56वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा 123
5.6 तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित 125
5.7 पन्द्रहवाँ अन्तःपरिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव 125
5.8 स्वच्छता पखवाड़ा 127
5.9 हिन्दी पखवाड़ा 127
5.10 एकता दिवस 127
5.11 सतर्कता जागरुकता सप्ताह 128

6. संलग्नक 129-180

क. प्रबन्ध-मण्डल के सदस्यों की सूची 131
ख. विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची 133
ग. वित्त-समिति के सदस्यों की सूची 140
घ. संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण 141
ङ. विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण 149
च. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएँ 157
छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें 165
ज. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय 168
झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण 175
ञ. संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण 176
ट. प्रकाशन अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण 176
ठ. आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण 177

7. 2017-18 के वार्षिक लेखे 181-235

क. वर्ष 2017-2018 के लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखा 183
ख. 'महानिदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2017-18 वर्ष की रिपोर्ट 232

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमें इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना 15 अक्टूबर, 1970 में सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्ण रूप से निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के रक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु 1956 में भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग की विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में सक्रिय भूमिका निभाई है।

पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में संस्थान का योगदान (जिसमें संस्कृत-शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसन्धान आदि गतिविधियाँ सम्मिलित हैं) इसको देखते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से मानितविश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलूरु द्वारा दिनांक 5.7.2012 के दिन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय), नई दिल्ली को 'ए' श्रेणी से सम्मानित किया गया। मानितविश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा और आगे मानितविश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009) और मानितविश्व-विद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत डिग्रियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से अकादमिक विनियोजन को अलग करने वाले - विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में लगना।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच्.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परंपरागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है, के अंतर्गत मानितविश्वविद्यालय

संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोध कार्य करवाना, उस हेतु सहायता-प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि संदर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोधकार्यों के परिणामों को अन्त: सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित होगा।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रक अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें संस्थान उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्व-विद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. संस्थान के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।

माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।

स्नातक स्तर पर शिक्षक- प्रशिक्षण शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) का संचालन करना।

संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।

उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।

संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।

स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।

विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।

दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।

संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने तेरह परिसरों में संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन पुरी, जयपुर, जम्मू तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

संस्थान के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

शोध पत्रिकाएँ एवं पुस्तकें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान **'संस्कृत विमर्शः'** और **'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद शोध पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 639 दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

2. प्राधिकरण एवं संरचना

2.1 मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाधिपति होते हैं। प्रतिवेदन-वर्ष के दौरान दिनांक 01.04.2017 से 31.03.2018 तक **श्री प्रकाश जावडेकर, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार,** संस्थान के कुलाधिपति रहे। कुलपति संस्थान के प्रधान शैक्षिक एवं प्रशासनिक अधिकारी हैं। वे संस्थान के सभी प्राधिकरण समितियों के अध्यक्ष भी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 2017-18 के दौरान **प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री** राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति के रूप में आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकरण हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल** संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
4. **योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2017-18 में संस्थान के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
प्रबन्ध मण्डल	
59वीं बैठक	15.05.2017
60वीं बैठक	03.06.2017
61वीं बैठक	25.06.2017
62वीं बैठक	28.06.2017
63वीं बैठक	16.08.2017
64वीं बैठक	30.08.2017
65वीं बैठक	10.11.2017
66वीं बैठक	21.12.2017
67वीं बैठक	08.02.2018

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठक की तिथियाँ
विद्वत्परिषद्	27.06.2017
वित्त समिति	
36वीं बैठक	25.06.2017
37वीं बैठक	20.12.2017
38वीं बैठक	07.02.2018
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

प्रबन्ध मण्डल, विद्वत्परिषद तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः **संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग'** में दिया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का संगठन एवं संरचना

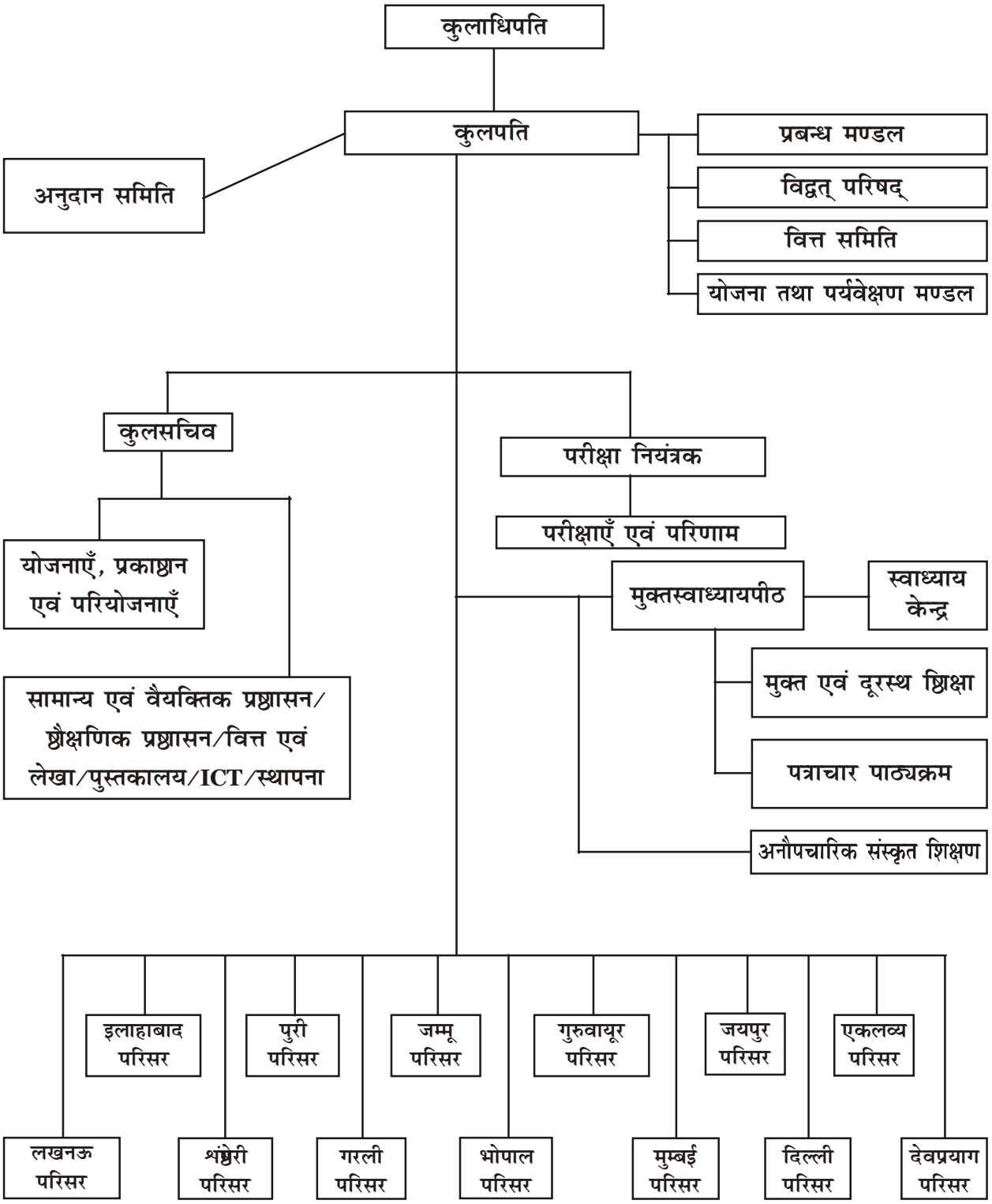

2.2 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

संस्थान की गतिविधियाँ इसके मुख्यालयाधीन विभिन्न विभागों, अनुभागों व इकाइयों द्वारा सञ्चालित हैं जो कि अधोनिर्दिष्ट है:

1. सामान्य, वैयक्तिक, परिसरीय, शैक्षिक एवं प्रशासनिक अनुभागों का प्रशासन
2. वित्त अनुभाग
3. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. शैक्षणिक अनुभाग
6. पुस्तकालय
7. विक्रय ईकाई
8. योजना अनुभाग
9. छात्रवृत्ति अनुभाग
10. आदर्श महाविद्यालय/शोध संस्थान
11. परियोजना विभाग
12. पालि एवं प्राकृत विभाग
13. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
14. पत्राचार पाठ्यक्रम
15. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली की प्रष्ठासनिक संरचना

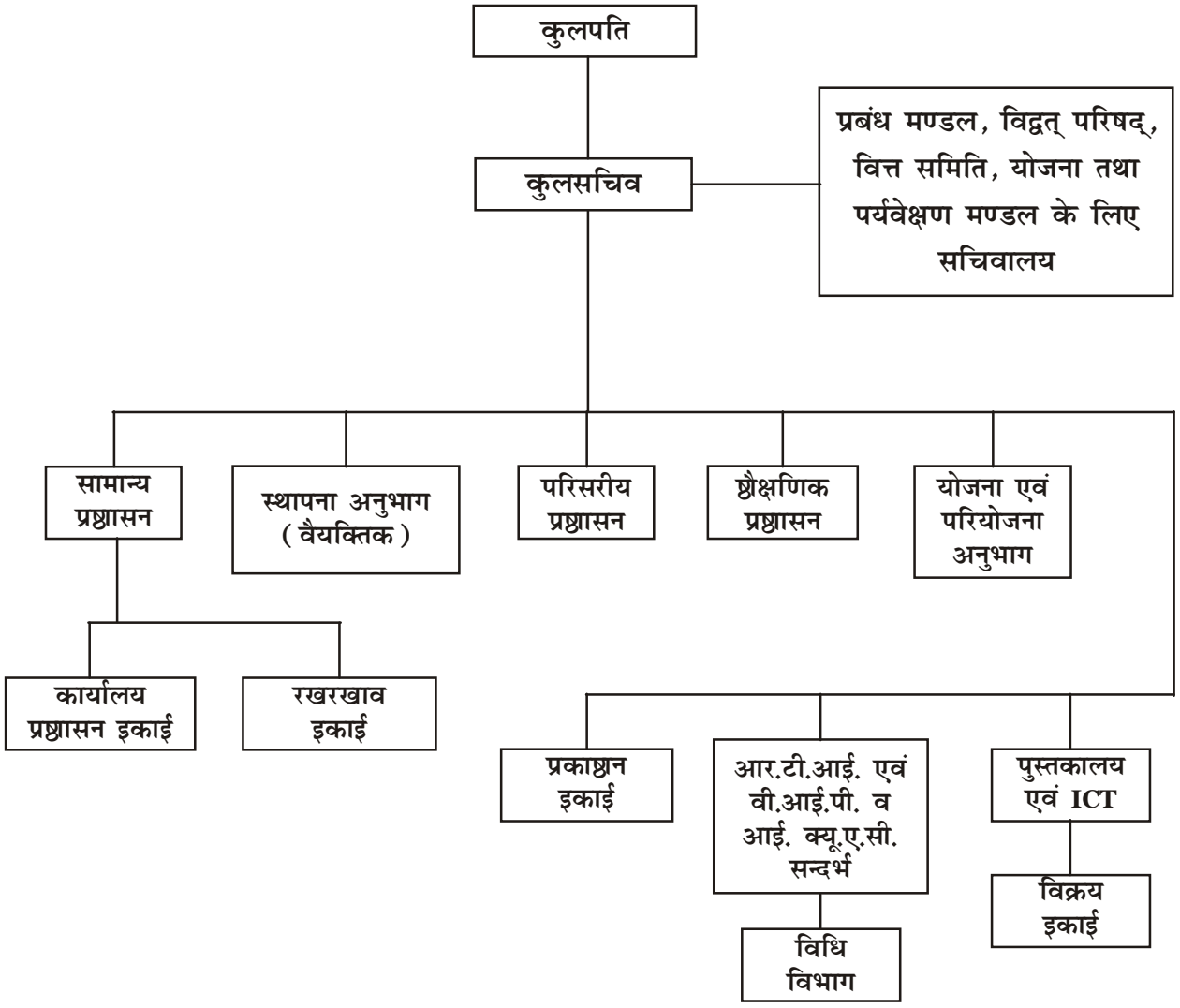

2.2.2 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है :

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर (मुख्यालय)	जनकपुरी, नई दिल्ली
12.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
13.	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। दिल्ली परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है।

परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री (सीनियर सेकेण्डरी/+2)
2.	शास्त्री (बी.ए. प्रतिष्ठा)
3.	आचार्य (एम.ए.-संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री (बी.एड्.)
5.	शिक्षा आचार्य (एम.एड्.)
6.	विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने मुक्तस्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान) के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों में क्रियान्वित किये जाते हैं। (विस्तृत विवरण के लिए प्रतिवेदन के 4.1. 16 अनुभाग को देखें)

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विविध कार्यक्रमों मे अध्येताओं की कुल संख्या 22666 है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या

		कक्षा											
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री		आचार्य		शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि
क्र.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	I	II	I	II	I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	05
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	112	96	131	121	112	101	101	334	245	37	11	–
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	29	32	60	59	40	94	94	14	19	–	–	05
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	23	33	69	62	54	48	48	51	25	–	–	43
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	30	37	109	93	80	100	95	111	77	07	11	07
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	26	18	56	37	41	46	44	40	24	–	–	12
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	47	44	62	56	54	98	–	57	37	–	–	15
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	30	21	126	114	96	50	50	71	80	–	–	11
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	45	39	67	41	67	100	95	52	24	08	13	12
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	04	01	05	06	03	49	45	06	09	–	–	02
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	08
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	31	07	19	18	10	92	–	29	21	–	–	02
13.	रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	10	08	22	22	–	–	–	19	03	–	–	03
	योग	**387**	**336**	**726**	**629**	**557**	**778**	**572**	**784**	**564**	**52**	**35**	**125**
											कुल योग – 5545		

3.2 सम्बद्धताप्राप्त संस्थाओं में नियमित रूप में कक्षावार छात्रों की संख्या

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	प्र.म.-I	प्र.म.-II	उ.म.-I/प्राश-I	उ.म.-II/प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	बिहार											
1	जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम	**6**	57	33	22	26	–	–	–	–	–	**138**
2	देवरहा बाबा भक्तशिवशंकर	**7**	11	11	09	10	–	–	–	–	–	**41**
3	सरस्वती आदर्श संस्कृत म.वि.	**12**	04	03	19	09	13	08	04	04	12	**76**
4	डा. मण्डन मिश्र संस्कृत म.वि.	**14**	30	10	34	15	20	05	07	–	–	**121**
5	अजीत कुमार मेहता संस्कृत शिक्षण	**15**	125	55	47	27	20	10	13	08	06	**311**
6	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक	**16**	55	44	14	14	–	–	–	–	–	**127**
7	दीनानाथ मिथिला संस्कत विद्यापीठ	**18**	41	40	14	06	–	–	–	–	–	**101**
	दिल्ली											
8	श्री मोतीनाथ संस्कृत म.वि.	**26**	11	09	16	21	17	13	08	14	14	**123**
9	ब्रह्मऋषि राम पी. संस्कृत वेद-वेदांग	**27**	04	05	11	05	–	–	–	–	–	**25**
10	श्री राम ज्यौतिष कर्मकाण्ड म.वि.	**28**	–	–	–	–	–	–	–	07	–	**07**
11	वसन्तग्राम आदर्श संस्कत विद्यालय	**29**	13	06	11	08	–	–	–	–	–	**38**
12	रामदल संस्कृत म.वि.	**31**	06	10	15	06	10	10	12	–	–	**69**
13	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ	**32**	30	35	32	29	28	20	21	–	–	**195**
14	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	**34**	10	15	24	12	16	14	06	14	16	**127**
15	श्री हनुमान संस्कृत म.वि.	**35**	20	20	27	13	08	08	08	–	–	**104**
16	आर्य कन्या गुरुकुल	**36**	13	14	05	09	–	–	–	–	–	**41**
17	श्री रामऋषि संस्कृत म.वि.	**37**	12	11	10	15	25	22	12	–	–	**107**
18	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली	**38**	20	10	06	08	03	04	04	–	–	**55**
19	बाल विद्या मन्दिर	**39**	24	15	15	12	–	–	–	–	–	**66**
	गुजरात											
20	श्री रघुवर रामानन्द वेदांत म.वि.	**47**	–	–	02	04	08	07	03	04	06	**34**
	हरियाणा											
21	आलोक संस्कृत महाविद्यालय	**52**	–	–	05	–	43	34	21	–	–	**103**
22	श्री रामानन्द ब्रह्मऋषि संस्कृत म.वि.	**55**	09	09	07	05	09	04	09	–	–	**52**
23	श्री लज्जाराम संस्कत म.वि.	**56**	25	15	19	17	60	23	49	26	15	**249**
	जम्मू											
24	श्री गरु गंगादेवजी संस्कत म.वि.	**62**	27	27	19	13	14	12	13	04	07	**136**

क्र.सं.	संस्था का नाम	कोड सं.	प.म.-I	प.म.-II	उ.म.-I/प्राश-I	उ.म.-II/प्राश-II	शा-I	शा-II	शा-III	आ-I	आ-II	योग
	केरल											
25	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	**66**	–	–	13	06	02	03	07	05	04	**40**
26	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत म.वि.	**67**	–	–	18	13	15	08	08	06	01	**69**
27	श्री शंकर संस्कृत वि. इडडाकडोम	**68**	–	–	04	05	10	07	05	01	–	**32**
28	कोडंगलूर विद्वत्पीठम्	**71**	–	–	24	05	09	06	06	07	02	**59**
29	श्री शंकर संस्कृत वि. हीरा एच.	**73**	–	–	06	08	–	–	–	–	–	**14**
30	माहेश्वरी संस्कत कालेज	**75**	–	–	05	10	–	–	–	–	–	**15**
	मणिपुर											
31	मणिपर संस्कत महाविद्यालय	**86**	45	19	99	49	32	27	16	10	11	**308**
	पंजाब											
32	श्री बाबा हरदीत गिरीजी सं.म.वि.	**96**	–	–	11	10	27	08	10	03	02	**71**
33	श्री सरस्वती संस्कत कालेज	**97**	–	–	18	32	38	30	16	–	–	**134**
	राजस्थान											
34	नवजागति संस्कत विद्यापीठ	**102**	16	14	–	–	–	–	–	–	–	**30**
	उत्तराखण्ड											
35	आदर्श संस्कत विद्यापीठ	**112**	03	02	08	06	05	03	04	–	–	**31**
	उत्तर प्रदेश											
36	रानी पद्मावती टी.टी. उच्च.मा.	**113**	28	21	–	–	–	–	–	–	–	**49**
37	श्री बटुकनाथ संस्कृत म.वि.	**114**	18	21	17	20	47	30	40	19	46	**258**
38	गिन्नीदेवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	**115**	07	07	05	05	05	01	05	–	–	**35**
39	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कत म.वि.	**118**	42	23	27	13	–	–	–	–	–	**105**
40	गांधी संस्कृत महाविद्यालय	**119**	–	–	14	04	47	34	40	39	22	**200**
41	अनन्तदेवी संस्कत महाविद्यालय	**120**	–	–	09	09	53	41	47	34	34	**227**
	पश्चिम बंगाल											
42	हरेश्वर संस्कृत म.वि. लिंगसे	**106**	08	10	05	15	09	03	06	–	–	**56**
43	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय	**126**	37	21	77	–	–	–	–	–	–	**135**
44	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ	**128**	22	10	24	24	–	–	–	–	–	**80**
45	मदर उषा एम.ओरियण्टल	**130**	83	60	90	60	–	–	–	–	–	**293**
46	भारती चतष्पति संस्कत महाविद्यालय	**131**	–	–	07	08	151	123	150	90	99	**628**
	योग		**856**	**605**	**864**	**586**	**744**	**518**	**550**	**295**	**297**	**5315**

आदर्श संस्कत महाविद्यालय

कक्षावार पाठयक्रम :-

क्र.सं.	परिसर का नाम	कोड	प.म.	उ.म	उ.म/प्रा.श.	उ.म./प्रा.श.	शास्त्री	शास्त्री	शास्त्री	शास्त्री	शास्त्री	शास्त्री	आचार्य	आचार्य	आचार्य	आचार्य	
			I	II	I	II	I	II	III	IV	V	VI	I	II	III	IV	
1.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट. मजफ्फरनगर-842001 (बिहार)	08	01	..	16	12	23	20	13	15	13	11	12	11	11	11	169
2.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ. पो.आ.-कोलहन्टा पटौरी जिला-दरभंगा-846003 (बिहार)	10	..	..	48	46	45	44	18	16	19	20	17	17	19	18	327
3.	राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान पो.आ. रमौली बेलौन (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया-बेहरा. जिला-दरभंगा-847201 (बिहार)	13	91	63	47	41	50	53	19	18	21	20	17	15	22	22	499
4.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो.आ. लगमा (आर.बी.पर). वाया-लोहना रोड जिला-दरभंगा-847407. (बिहार)	19	..	..	41	26	28	26	20	23	35	35	18	16	30	29	327
5.	लक्ष्मीदेवी सर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरीशरणम् कुटीर, काली रेखा, बैद्यनाथ धाम. देवधर-814112. झारखण्ड	09	..	..	20	06	17	14	10	09	09	09	18	16	18	17	163
6.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. बघौला, तहसील पलवल जिला-पलवल. पिन-121102. हरियाणा	53	..	..	04	04	33	27	31	30	12	12	36	30	24	28	271

7.	कालीकट आदर्श संस्कत विद्यापीठ पो.आ. बालुसरी जिला–कालीकट–673612. केरल	70	..	..	13	12	81	65	51	50	40	43	28	26	09	09	427
8.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कत महाविद्यालय राष्ट्रीय विद्या भवन, डॉ. कलपति मंशी मार्ग. मम्बई	81	..	..	09	05	11	10	07	07	07	06	15	14	04	04	99
9.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कत महाविद्यालय पो.आ. नम्बोल, पिन–795134. मणिपर	87	173	134	352	300	76	69	37	36	33	32	17	16	17	19	1311
10.	रानी पदमावती तारायोग तंत्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर) वाराणसी, पिन–221003. उत्तर प्रदेश	123	..	..	24	17	30	26	21	22	20	21	18	17	20	23	259
11.	श्री. सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय. 7/2, पी.डब्लू.डी. रोड, कोलकता, पिन–700035. पश्चिमी बंगाल	127	..	..	02	..	27	27	17	16	09	09	136	136	158	159	696
12.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय. गाँव–कालियाचक, पो.आ.–हरिया, जिला–पूर्वी मिदिनापुर, पिन–721430 पश्चिमी बंगाल	129	..	..	01	05	53	45	42	43	51	50	74	75	76	81	596
															कल		**5144**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2017-18) :

	प्रथम वर्ष	द्वितीय वर्ष	ततीय वर्ष
प्राक्शास्त्री सेत	37		
प्राक्शास्त्री	76	40	
शास्त्री सेत	176		
शास्त्री	152	82	72
आचार्य सेत	122		
आचार्य	688	358	
प्रारम्भिक-पालि-ज्ञान पाठ्यक्रम			
प्रारम्भिक-प्राकत-ज्ञान पाठ्यक्रम	03		
पालि-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	14		
प्राकत-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	08		
संस्कत-पत्रकारिता-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रम	42		
कल	**1318**	**480**	**72**
कल योग	**1870**		

3.4 अनौपचारिक संस्कृतशिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्या :

क्रम सं	राज्य	केन्द्र	छात्र संख्या (द्वितीय चक्र)
1.	पश्चिम बंगाल	06	
2.	गोवा	05	
3.	महाराष्ट्र	14	
4.	गुजरात	04	
5.	छत्तीसगढ़	01	
6.	आन्ध्रप्रदेश	04	
7.	हरियाणा	01	
8.	हिमाचल प्रदेश	02	
9.	जम्मू-कश्मीर	02	7325
10.	कर्णाटक	07	
11.	मध्यप्रदेश	08	
12.	उड़ीसा	04	
13.	पंजाब	03	
14.	राजस्थान	06	
15.	तमिलनाडु	04	
16.	केरल	03	
17.	तेलंगाना	05	
18.	उत्तराखंड	06	
19.	उत्तरप्रदेश	12	
20.	पूर्वोत्तर राज्य	21	
	कुल	**118**	

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए नामांकित छात्रों की संख्या :

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	4926 भारतीय
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	0009 विदेशी
	कुल	**4935**

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	387	269	118	21	19	63
प्राक् शास्त्री-II	336	212	124	21	14	78
शास्त्री-I	724	469	255	66	26	172
शास्त्री-II	630	390	240	40	31	136
शास्त्री-III	557	395	162	45	21	106
शिक्षा-शास्त्री	1346	633	713	204	97	435
आचार्य-I	773	350	423	73	29	180
आचार्य-II	550	242	308	48	20	108
शिक्षा-आचार्य	92	47	45	05	-	20
विद्यावारिधि	150	106	44	16	01	29
कुल योग	**5545**	**3113**	**2432**	**518**	**258**	**1327**

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन

संस्थान की प्रशासनिक सेवाओं के तत्संबंधी प्रकरण अधोलिखित एककों के द्वारा प्रभारी अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपरिलिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नूतन परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा प्रबन्ध मण्डल एवं वित्त समिति की बैठकों का आयोजन भी करती है। भिन्न-भिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

(क) श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर (उत्तराखण्ड) 3037.56 लाख रुपये (ख) के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, (महाराष्ट्र) 1332.08 लाख रुपये (ग) गुरुवायूर परिसर, (केरल)-50.70 लाख रुपये (घ) लखनऊ परिसर, (उत्तरप्रदेश) - 24.97 लाख रुपये (ङ) एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)-1540.00 लाख रुपये (च) मुख्यालय, नई दिल्ली 69.45 लाख रूपये (छ) जयपुर परिसर 15.34 लाख रुपये।

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 125 आरटीआई एवं 26 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 108 आरटीआई आवेदनों का उत्तर एवं 26 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया। 17 आवेदन सम्बद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किये गये हैं।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्त्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं

बजट (2017-18) :

वर्ष 2016-17 की रु. 2443.42 लाख रूपये (रु. 1414.01 लाख योजनागत एवं रु. 1029.41 लाख योजनेतर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2017-18 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 22274.48 लाख रुपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाइयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	निर्गत राशि
1.	नई दिल्ली मुख्यालय	7303.84
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	1304.64
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	699.54
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	748.44

5.	गुरुवायूर परिसर, केरल	993.23
6.	जयपुर परिसर	1242.12
7.	लखनऊ परिसर	828.07
8.	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	693.53
9.	वेद व्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश	567.07
10.	भोपाल परिसर, मध्य प्रदेश	784.60
11.	मुम्बई परिसर, महाराष्ट्र	1800.99
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	2097.35
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग	3211.06
	कुल योग	**22274.48**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय के अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2017-18 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-'ड'** में रखे गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :

- संस्थान के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (पाठ्य बोर्ड) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरुप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निर्धारित करता है।
- शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संवर्धन देने के कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है, संस्थान की शुरुआत कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था, परन्तु बाद में कुछ निजी शिक्षण संस्थाओं को भी सहबद्धता प्रदान की गयी। इन संस्थाओं को केवल प्रथमा से आचार्य एवं विद्यावारिधि के लिए सम्बद्धता प्रदान की गई है। फिलहाल विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के तहत नये विद्यालय/महाविद्यालयों को संबद्धता नहीं दी जा रही है, पूर्व में संबद्धता प्राप्त विद्यालयों को विद्वत

परिषद् व प्रबंधन मण्डल की अनुशंसा के आधार पर इस वर्ष भी यथावत् रखने का निर्णय किया गया।

- वर्ष के दौरान विद्वत् परिषद् की बैठक 27.06.2017 में आयोजित की गई। इसके साथ ही विद्वत् परिषद् उपसमिति की बैठक दिनांक 23 जनवरी, 2018 को सम्पन्न हुई।

4.1.4 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं -

1. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के शोध सम्बद्ध क्रियाकलापों का समन्वयन।

2. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशन कार्य का अवलोकन।

उपरोक्त कार्यों के सञ्चालन हेतु केन्द्रीय शोध मण्डल और प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन करना भी इस अनुभाग का दायित्व है।

संस्थान के केन्द्रीय शोध-मंडल की बैठक 14.11.2017 को संपन्न हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 99 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। संस्थान मुख्यालय सहित विभिन्न परिसरों में विद्यावारिधि में 04 कनिष्ठ शोध अध्येताओं का पंजीकरण किया गया है।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन-समिति के माध्यम से दिनांक 25-05-2017 एवं 26.12.2017 को महत्त्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किये:-

1. अमृतमन्थनम्
2. नजरबायेव काव्यम्
3. वैशाली
4. प्रमाणवार्तिकम्
5. विविध काव्य संग्रह
6. वीरभद्ररचनावली (I,II)
7. महाभाष्यादर्श
8. कवितापुत्रिकाजाति:
9. अभिज्ञानशाकुन्तलम्
10. भारतीय फलित ज्योतिष
11. अनुसन्धान प्रविधि प्रक्रिया

पुनर्मुद्रण प्रकाशन योजना/अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया गया।

1. शब्दकल्पद्रुम
2. अंग्रेजी संस्कृत शब्दकोश
3. संस्कृत-अंग्रेजी शब्दकोश
4. वाचस्पत्यम्
5. निरुक्तम्
6. प्रथमा दीक्षा
7. द्वितीया दीक्षा

इसके अतिरिक्त संस्कृत वार्ता पत्रिका एवं संस्कृत-विमर्श शोध पत्रिका का निरन्तर प्रकाशन किया जाता है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा-आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षायें शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2017-18 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का कक्षावार

विवरण निम्नलिखित है:-

कक्षा	छात्र संख्या			सम्मिलित छात्र	उत्तीर्ण छात्र	EP/Com.	FL	उत्तीर्ण%
	परुष	स्त्री	कल					
पर्वमध्यमा-I	704	417	1121	Home Exam	--	--	--	--
पर्वमध्यमा-II	536	266	802	757	655	88	14	86.52
उत्तरमध्यमा-I	322	106	428	Home Exam	--	—	—	—
उत्तरमध्यमा-II	248	89	337	321	285	33	03	88.78
प्राक्शास्त्री-I	880	485	1365	Home Exam	--	—	—	—
प्राक्शास्त्री-II	628	427	1055	1012	890	109	13	87.94
शास्त्री-I	507	237	744	668	586	71	06	88.38
शास्त्री-II	336	182	518	505	470	32	01	93.43
शास्त्री-III	310	240	550	539	514	14	11	95.36
शास्त्री-I सेमेस्टर	797	520	1317	1278	1150	120	07	90.05
शास्त्री-II सेमेस्टर	730	463	1193	1171	951	208	12	81.21
शास्त्री-III सेमेस्टर	581	385	966	951	876	72	03	92.11
शास्त्री-IV सेमेस्टर	603	378	981	967	854	110	03	88.31
शास्त्री-V सेमेस्टर	528	319	847	837	812	25	00	97.01
शास्त्री-VI सेमेस्टर	554	331	885	863	796	34	33	92.23
शिक्षा शास्त्री-I	314	414	728	716	709	05	00	99.29
शिक्षा शास्त्री-II	335	328	663	662	657	05	00	99.24
आचार्य-I	161	134	295	264	239	20	05	90.53
आचार्य-II	163	134	297	284	258	22	04	90.84
आचार्य-I सेमेस्टर	535	623	1158	1122	1055	63	04	94.02
आचार्य-II सेमेस्टर	505	607	1112	1088	1016	65	07	93.38
आचार्य-III सेमेस्टर	426	517	943	933	898	31	04	96.24
आचार्य-IV सेमेस्टर	444	527	971	956	870	43	43	91.00
शिक्षा आचार्य- I सेमेस्टर	22	27	49	48	48	00	00	100
शिक्षा आचार्य-II सेमेस्टर	20	26	46	44	42	00	00	95.45
शिक्षा आचार्य- III सेमेस्टर	24	12	36	36	36	00	00	100
शिक्षा आचार्य-IV सेमेस्टर	25	12	37	36	36	00	00	100
योग	**11238**	**8206**	**19444**	**16058 Home Exam**	**14703 Home Exam**	**1170 Ho.Ex.**	**173**	**92.97607**

परिसरों के छात्रों ने 2017-18 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है

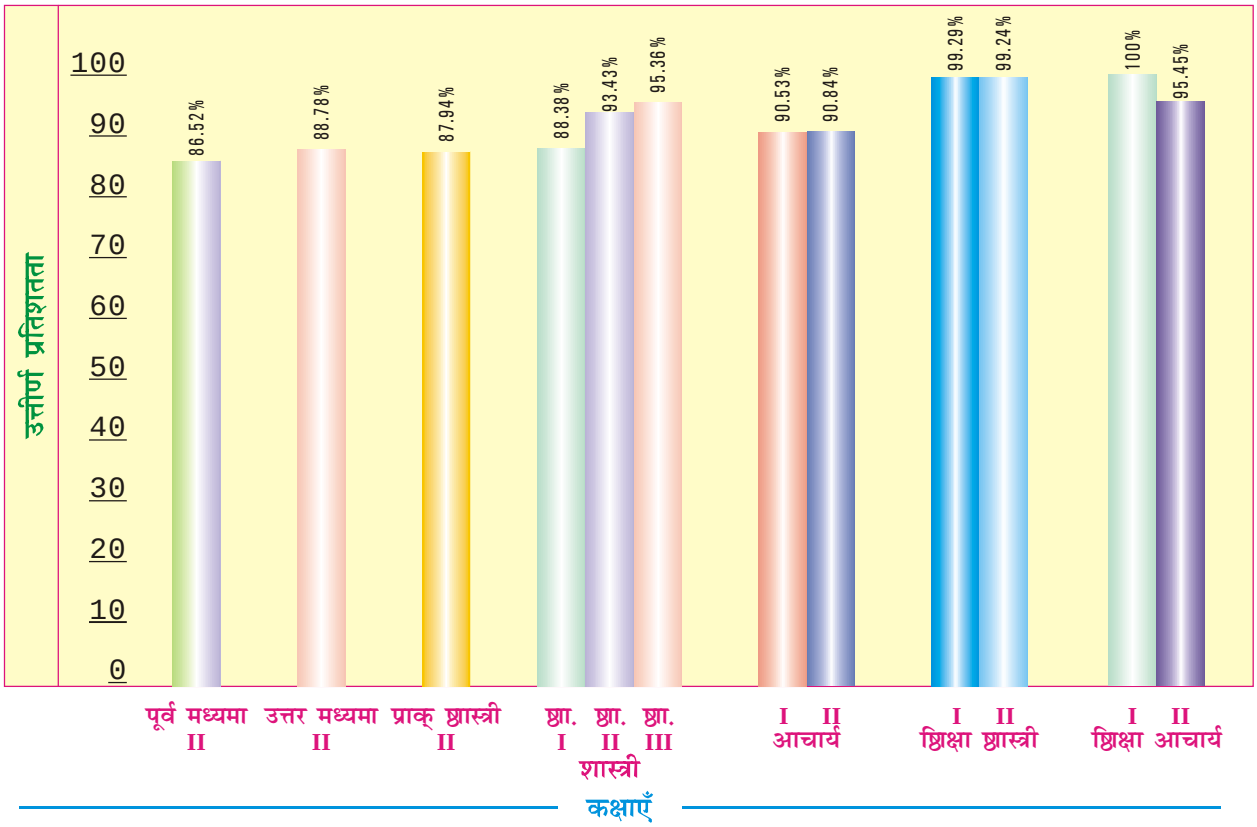

परिसरों में प्रशिक्षित नियमित शिक्षण संकाय है। नियमित संकाय सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'घ'** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान 127 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-'ङ'** में दिया गया है।

वार्षिक परीक्षा 2017-18 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्र.सं.	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	विषय	परिसर/संस्थान
1.	172851	युमखाइबम हेमोलता देवी	.....	राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर
2.	174242	महादेव	व्याकरणम्	शारदादेवी संस्कृत विद्यापीठ, दरियागंज, दिल्ली
3.	175646	सत्यवान साहु	व्याकरणम्	रा.सं.सं., राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
4.	14261	श्रीनिवास	सिद्धान्तज्यौतिषम्	राजकुमारी गणेश शर्मा आ.सं. विद्यापीठ, बिहार
5.	26567	शिल्पी उपाध्याय	नव्यव्याकरणाचार्य	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल
6.	26458	योगिता दिलीप छत्रे	नव्यव्याकरणाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
7.	26849	विपाशा जैन	साहित्याचार्य	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
8.	26564	अंशुल कुमार दूबे	सिद्धान्तज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल
9.	26630	बनप्रिया मार्था	फलितज्यौतिषाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
10.	26738	प्रमोद कुमार षण्ढ़	सर्वदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी

11.	26607	गोपाल कृष्ण मिश्र	धर्मशास्त्राचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
12.	26717	शशिकान्त वराल	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	26724	संयुक्ता वारिकी	पुराणेतिहासाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	26877	गिरिजा शर्मा	वेदाचार्य	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
15.	26531	खुमुकचम रामानन्द सिंह	पौरोहित्याचार्य	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर
16.	26819	गौरव दिनकर उखलकर	जैनदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., जयपुर परिसर, जयपुर
17.	26911	टाशी नागमेल	बौद्धदर्शनाचार्य	रा.सं.सं., लखनऊ परिसर, लखनऊ
18.	26762	याज्ञशेनि पाढ़ी	सांख्ययोगाचार्य	रा.सं.सं., श्री सदाशिव परिसर, पुरी
19.	23519	रञ्जिनि एम्.	नव्यनयायाचार्य	रा.सं.सं, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर
20.	26454	सुब्राय हेच.जे.	मीमांसाचार्य	रा.सं.सं., राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
21.	26470	महेश्वरी हुल्लूर	अद्वैतवेदान्ताचार्य	रा.सं.सं., राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
22.	18093	अवनीश कुमार मिश्र	.....	रा.सं.सं., लखनऊ गान्धी परिसर, लखनऊ
23.	928	प्रतिभा	.....	रा.सं.सं., भोपाल परिसर, भोपाल

4.1.6 पुस्तकालय

बारह परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त संस्थान मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 27,534 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय स्थापित है। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग आरम्भ की गई है। अब तक 20,000 के लगभग प्रविष्टियाँ वर्तमान वर्ष में की जा चुकी हैं।

संस्थान के पुस्तकालय हेतु इस वर्ष प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण निम्नलिखित है–

1. उपहार स्वरूप में प्राप्त ग्रन्थों का मूल्य	रूपये 83,832/–

4.1.7 विक्रय इकाई

संस्थान के मुख्यालय में विद्यमान विक्रय इकाई राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रकाशनों को सर्वजनसाधारण तक पहुँचाने के लिए निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई अधोलिखित क्रियाकलापों को सञ्चालित करती है –

- संस्थान के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय के विक्रय-केन्द्र का सञ्चालन
- विभिन्न परिसरों के मान्यताप्राप्त विक्रय-केन्द्रों को विक्रय हेतु पुस्तकों/प्रकाशनों को वितरित करना।
- सम्पूर्ण देश में विविध संगठनों द्वारा आयोजित पुस्तक मेलों के दौरान संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को बढ़ाने के लिए संस्थान का प्रतिनिधित्व करना।

मुख्यालय में विक्रय इकाई द्वारा प्रकाशनों के विक्रय से प्राप्त राशि का विवरण अधोलिखित हैं –

1. मंत्रालय पुस्तकें (पुनर्मुद्रित)	रूपये	2,95,325.00
2. संस्थान के प्रकाशन	रूपये	27,26,050.00
3. ज्ञान दर्शन डी.वी.डी./सान्द्रमुद्रिकाएँ	रूपये	9,601.00
कुल योग	**रूपये**	**30,30,976.00**

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:

योजना

योजना-I
संस्कृत शिक्षण हेतु वित्तीय सहायता
(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु
(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/महाविद्यालयों के आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेत
(ग) राज्य सरकार के माध्यमिक/उच्चमाध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेत

योजना-II
असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

योजना-III
संस्कृत के प्रोन्नयन सम्बन्धी विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता।

योजना-IV
प्रकाशन. दर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पनर्मद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

योजना-V
साहित्यिक संस्कृत विद्वानों (शास्त्रचडामणि) को सेवानिवत्ति के पश्चात सेवाओं के उपभोग हेत वित्तीय सहायता।

योजना-VI (व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना)
पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं, संस्थाओं, पंजीकृत शैक्षिक संगठनों के छात्रों को "प्रायोगिक प्रशिक्षण" व्यावसायिक प्रशिक्षण हेत वित्तीय सहायता

योजना-VII
संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्धन के लिए विश्वविद्यालयों/मानित विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई./एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी को वित्तीय सहायता।

योजना-VIII
संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/विद्यालयों के छात्रों को छात्रवत्ति प्रदान करना।

योजना-IX
अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/ महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 703.81 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 419 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 8000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2017-18 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 151.79 लाख व्यय किए गए। 111 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ग) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों के वेतन हेतु वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2017-18 में कुल 26 सरकारी विद्यालय लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 58.17 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

II. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि

इस योजना के अन्तर्गत, 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मानराशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है ऐसे सुझाव राज्य सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुँचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान् को रुपये 36000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पण्डितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 36000/- प्रतिवर्ष से कम है।

III. संस्कृत के स्तरोन्नयन के विभिन्न कार्यक्रमों/ गतिविधियों और शोध परियोजनाओं पर स्वैच्छिक संगठनों, संस्कृत विश्वविद्यालयों/संस्थाओं को वित्तीय सहायता

एवं

VII. संस्कृत शिक्षण के स्तरवर्द्धन के लिए विश्व-विद्यालयों/ मानितविश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.ई. / एन.सी.ई.आर.टी./एस्.सी.ई.आर.टी. इत्यादि को वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2017-18 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 3.00 लाख व्यय किए।

IV. प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण तथा संस्कृत ग्रन्थों का थोक क्रय

वर्ष 2017-18 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक दिनांक 12.08.2017 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 80.00 लाख रुपये जारी किए गए, जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न विद्वानों ने 9 ग्रन्थों का सम्पादन एवं प्रकाशन किया तथा 11 अन्य ग्रन्थों के प्रस्तावों को प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृति प्रदान की गई जिसका विवरण **संलग्नक 'ञ'** एवं **'ट'** में द्रष्टव्य है। इसके अतिरिक्त 20 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष का ग्रन्थ क्रय योजना से संबंधित विवरण निम्नलिखित है

आवेदकों की संख्या	175
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	551
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	361

V. शास्त्रचूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 10,000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 16 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2017-18 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 68.54 लाख व्यय किये गये।

VI. व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 में रु. 2.15 लाख व्यय किए गए।

VIII. छात्रवृत्तियाँ

यह योजना छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सञ्चालित है, इससे सम्बद्ध विवरण 4.1.2 व 3 में दर्शाया गया है।

IX. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

'अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा' नाम से विभिन्न शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया जाता है। 2017-18 के दौरान कार्यक्रम का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 4.1.10 भाग में दिया गया है।

X. अष्टादशी परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग पत्र संख्या F.No. 1-27/2015, Skt.II दिनांक 18.11.2015 के माध्यम से संस्कृत के विकास के लिए अगले दस वर्षों के लिए दीर्घकालिक विजन और रोडमैप का सुझाव देने के लिए श्री एन्. गोपालस्वामी, कुलाधिपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति की अध्यक्षता में तेरह (13) सदस्यों की समिति गठित की थी।

उक्त सन्दर्भ में संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक प्रमुख सिफारिश अष्टादशी (18 परियोजनाएं) है। रिपोर्ट के अनुसार संस्कृत के विकास इंजन के लिए तथा अत्यधिक आवश्यक बढ़ावा देने के लिए अष्टादशी योजना को एक विशेष मामले के रूप में लिया गया। अष्टादशी परियोजना के प्रमुख क्षेत्र हैं-

1. ज्ञानात्मक साहित्य अनुवाद परियोजना
2. पांडुलिपियों का संपादन एवं प्रकाशन
3. डिजिटल एवं ऑन-लाईन परियोजना
4. ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना
5. समकालीन साहित्य परियोजना
6. सांध्यकालीन विद्यालय परियोजना
7. प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना
8. कम्प्यूटर शिक्षा परियोजना
9. द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना
10. जनता तक पहुँच परियोजना
11. शब्दशाला परियोजना
12. दुर्लभ पुस्तकों का पुनः प्रकाशन परियोजना
13. आवासीय प्रशिक्षण परियोजना
14. संस्कृत-आधुनिक विषयों की समेकन परियोजना
15. इंटर्नशिप परियोजना के लिए सहायता
16. बाल साहित्य परियोजना
17. संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग
18. संस्कृत माध्यम से आयुर्वेद

रोड मैप कमेटी और मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सिफारिशों के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अष्टादशी

परियोजनाओं के अंतर्गत विश्वविद्यालयों/शैक्षणिक संस्थानों/ संगठनों को वित्तीय सहायता के प्रस्तावों को आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना जारी की थी। पूर्व-जांच समिति की अधिसूचना और सिफारिशों के अनुसार परियोजनाओं की प्रस्तति के लिए कुल 64 प्रस्तावों की इंटरफेस मीटिंग बुलाई गई थी। अष्टादशी परियोजनाओं दिशानिर्देशों और प्रस्तुति की गुणवत्ता के आधार पर उच्च स्तरीय समिति ने 42 परियोजनाओं के लिए लागत 1,84,44,000/- (एक करोड़ चौरासी लाख चौवालीस हजार मात्र) सिफारिश की है। फलस्वरूप वित्तीय अनुदान समिति और प्रबंध समिति की मंजूरी के बाद संबंधित संस्थानों को अनुदान वितरित किया जा रहा है।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि संस्थान के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।

2. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि नवमी कक्षा से Ph.D. तक के आधुनिक पद्धति से पढ़ने वाले संस्कृत छात्रों को अखिल भारतीय स्तर पर प्रदान की जाती है।

3. प्रतिभाधारित छात्रवृत्ति जो कि पारंपरिक संस्कृत संस्थाओं में पूर्वमध्यमा से विद्यावारिधि तक अथवा तत्समकक्ष कक्षाओं में पढ़ रहे छात्रों को दी जाती है।

पूर्वोक्त 1, 2, 3 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हों को संस्थान के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। प्रकार '2' और '3' की छात्रवृत्तियाँ भारत सरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन संस्थान मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध-छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 8000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2017-18 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		12
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	36	36	72	72	72	120	161	162	41	17
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	14	11	31	24	18	120	22	21	–	15
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	31	25	36	36	36	60	37	29	–	13
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	25	24	65	65	63	119	71	52	13	05
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	14	15	36	30	35	57	20	16	–	46
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	36	36	36	36	37	60	46	37	–	13
8.	वेदव्यास परिसर, बलाहर	25	21	72	72	72	60	60	60	–	–
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	36	36	36	36	36	120	40	23	21	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	04	01	05	06	03	60	06	09	–	–
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	01
12.	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	19	07	13	17	06	60	17	19	–	–
13.	श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग	10	08	22	22	–	–	19	03	–	03
	योग	**250**	**220**	**424**	**416**	**378**	**836**	**499**	**431**	**75**	**125**
							कुल योग - 3654				

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	250	151	99	33	10	70
प्राक् शास्त्री-II	220	120	100	17	11	58
शास्त्री-I	424	209	215	38	21	114
शास्त्री-II	416	216	200	36	19	98
शास्त्री-III	375	202	173	65	18	85
शिक्षा शास्त्री	837	417	420	100	46	242
आचार्य-I	499	235	264	72	17	77
आचार्य-II	431	150	281	29	15	100
शिक्षा आचार्य	75	42	33	05	01	16
विद्यावारिधि	125	70	55	11	--	19
कुल योग	3652	1812	1840	406	158	879

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ

(प्रकार 2 व 3) पाठ्यक्रम/स्तर	राशि
9वीं एवं 10वी तथा समकक्ष	रु. 250/- प्रतिमाह (10 माह)
11वीं एवं 12वी तथा समकक्ष	रु. 300/- प्रतिमाह (10 माह)
बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा समकक्ष	रु. 400/- प्रतिमाह (10 माह)
एम.ए. (संस्कृत)/पालि/प्राकृत तथा समकक्ष	रु. 500/- प्रतिमाह (10 माह)
पी-एच.डी. तथा संस्कृत/पालि/प्राकृत समकक्ष	रु. 1500/- प्रतिमाह रु. 2000/-प्रतिवर्ष सांयोगिक अनुदान। (12 माह)

योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों की संख्या :

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या का निश्चय भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई धनराशि के आधार पर अधिकाधिक प्रतिशतता वाले छात्रों की कट-ऑफ लिस्ट के अनुसार किया जाता है। इस संदर्भ में भारत सरकार की आरक्षण नीति का भी पालन किया जाता है।

वर्ष-2017-18 के लिए छात्रवृत्ति हेतु 34089 आवेदन पत्र इस योजना के अन्तर्गत संस्थान को प्राप्त हुए है जिनमें से 15348 आवेदनों को निर्धारित मानदण्ड के अनुसार आधुनिक तथा परम्परागत धारा के संस्थाओं/ महाविद्यालय/ विद्यालयों में नवमी कक्षा से पी-एच.डी. तक के छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए चुना गया। धन की उपलब्धता के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2017-18 की प्रदत्त छात्रवृत्ति का कक्षावार विवरण निम्न प्रकार से है :

आधुनिक वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
9वीं	774	231	116	416	03	1540x2500	रु.38,50,000
10वीं	722	216	108	388	03	1437x2500	रु.35,92,500
11वीं	733	220	110	397	09	1469x3000	रु.44,07,000
12वीं	1168	349	174	628	07	2326x3000	रु.69,78,000
बी.ए.-प्रथम	655	196	98	352	03	1304x4000	रु.52,16,000
बी.ए.-द्वितीय	403	120	60	215	00	798x4000	रु.31,92,000
बी.ए.-तृतीय	359	107	53	192	01	712x4000	रु.28,48,000
एम.ए.-प्रथम	219	65	33	117	00	434x5000	रु.21,70,000
एम.ए.-द्वितीय	131	39	20	70	01	261x5000	रु.13,05,000
पी.एच.डी.	29	08	04	15	00	56x20000	रु.11,20,000
कुल	**5193**	**1551**	**776**	**2790**	**27**	**10337**	**3,46,78,500**

आधुनिक वर्ग (पूर्वोत्तर)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
9वीं	70	21	11	38	00	140x2500	रु. 3,50,000
10वीं	67	20	10	36	00	133x2500	रु. 3,32,500
11वीं	32	10	05	18	00	65x3000	रु. 1,95,000
12वीं	02	00	00	01	00	03x3000	रु. 9,000
बी.ए.-प्रथम	08	02	01	04	00	15x4000	रु. 60,000
बी.ए.-द्वितीय	05	01	01	02	00	09x4000	रु. 36,000
बी.ए.-तृतीय	03	01	00	02	00	06x4000	रु. 24,000
एम.ए.-प्रथम	01	00	00	00	00	01x5000	रु. 5,000
एम.ए.-द्वितीय	01	00	00	00	00	01x5000	रु. 5,000
पी.एच.डी.	00	00	00	00	00	00x20000	--
कुल	**189**	**55**	**28**	**101**	**00**	**373**	**10,16,500**

परम्परागत वर्ग

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	171	51	25	91	00	338x2500	08,45,000
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	278	82	41	148	00	549x2500	13,72,500
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	248	74	37	133	00	492x3000	14,76,000
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	233	69	35	125	01	463x3000	13,89,000
शास्त्री प्रथम	352	104	52	188	00	696x4000	27,84,000
शास्त्री द्वितीय	338	100	50	181	00	669x4000	26,76,000
शास्त्री तृतीय	303	90	45	163	01	602x4000	24,08,000
आचार्य प्रथम	195	58	29	105	02	389x5000	19,45,000
आचार्य द्वितीय	184	55	27	99	01	366x5000	18,30,000
विद्यावारिधि	23	07	03	12	00	45x20000	9,00,000
कुल	**2325**	**690**	**344**	**1245**	**05**	**4609**	**1,76,25,500**

पूर्वोत्तर (परम्परागत वर्ग)

कक्षा	कुल छात्र संख्या					छात्र संख्या+ छात्रवृत्ति दर	कुल राशि
	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग		
पूर्व मध्यमा-प्रथम/9वीं	00	00	00	00	00	00x2500	--
पूर्व मध्यमा-द्वितीय 10वीं	04	01	01	02	00	08x2500	20,000
उत्तरमध्यमा प्रथम/प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष/11वीं	00	00	00	00	00	00x3000	--
उत्तरमध्यमा द्वितीय/प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष/12वीं	01	00	00	01	00	02x3000	6,000
शास्त्री प्रथम	02	01	00	01	00	04x4000	16,000
शास्त्री द्वितीय	02	01	00	01	00	04x4000	16,000
शास्त्री तृतीय	02	00	00	01	00	03x4000	12,000
आचार्य प्रथम	02	00	00	01	00	03x5000	15,000
आचार्य द्वितीय	03	01	00	01	00	05x5000	25,000
विद्यावारिधि	00	00	00	00	00	00x20000	--
कुल	**16**	**04**	**01**	**08**	**00**	**29**	**1,10,000**

कुल योग

वर्ग	कुल छात्र संख्या						कुल राशि
	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	कुल	
परम्परागत	2325	690	344	1245	05	4609	1,76,25,500
आधुनिक	5193	1551	776	2790	27	10337	3,46,78,500
पूर्वोत्तर (परम्परागत+आधुनिक)	205	59	29	109	00	402	11,26,500
कुल योग	**7723**	**2300**	**1149**	**4144**	**32**	**15348**	**5,34,30,500**

4.1.10 56वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

56वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृतविश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2017-18 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर : रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश : वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली : श्री ला.ब.शा.रा.सं. विद्यापीठ, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड : श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5. ओडिशा : सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड : दरभङ्गा सं.वि.वि. बिहार
7. पश्चिम बंगाल : सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता
8. राजस्थान : जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश : लखनऊ परिसर, जयपुर
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ : भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात : दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र, गोवा : के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ परिसर, मुम्बई
13. आन्ध्र प्रदेश : रा.सं. विद्यापीठ, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श सं महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल : गुरुवायूर परिसर, केरल
16. कर्णाटक : कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : एकलव्य परिसर, अगरतला

राष्ट्रीय स्तर की 56वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 18.01.2018 से 21.01.2018 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियोगिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

दिनांक 18.01.2018 को त्रिपुरा राज्य के महामहिम राज्यपाल प्रो. तथागत राय जी ने कार्यक्रम का समुद्घाटन किया। विशिष्टातिथि रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलसचिव प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा जी उपस्थित थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एकलव्य परिसर के प्राचार्य प्रो. आर.के.बर्मन भी उद्घाटन सत्र उपस्थित थे।

इस आयोजन का संपूर्ति समारोह दिनांक 21.01.2018 को अपराह्न में सम्पन्न हुआ। जिसमें हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय के भूतपूर्व आचार्य प्रो. श्रीपाद सुब्रह्मण्य विशिष्टातिथि के रूप में समुपस्थित थे। संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री ने सम्पूर्ति सत्र की अध्यक्षता की।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

योजना का नाम

मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

परिचय

मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत सरकार द्वारा वर्ष 1978 में इन्हें प्रारम्भ किया गया है। भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्कृत संस्थाओं के विकास हेतु इनका समर्थन किया गया। आदर्श योजना नियमावली द्वारा 1993 में पूर्व आदर्श योजना नियमावली को संशोधित करते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा के पत्रांक फा. 30-19/88-संस्कृत-I दिनांक 7 जुलाई 1993 के माध्यम से आदर्श योजना नियमावली बनाई गयी, बाद में संशोधित योजना को मंत्रालय के पत्रांक फा.-83/94-संस्कृत-I दिनांक 16 जून 1995 के माध्यम से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को कार्यान्वयन हेतु भेजा गया। आदर्श योजना नियमावली 1993 को वर्ष 2012 में मंत्रालय के पत्रांक एफ. एन. 31-4/2009-संस्कृत-I दिनांक 29 जून, 2012 द्वारा संशोधित किया गया।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आये, विशेषतया संस्कृत शिक्षा में छठे वेतन आयोग को लागू करने तथा ग्रेड पे एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियमों के द्वारा उच्च शिक्षा में मानकों के रखरखाव हेतु जारी किये गये नियमों के फलस्वरूप यह जरुरी हो जाता है कि सभी मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों को पारम्परिक शिक्षा के बढ़ावा हेतु एवं शोध को प्रभावशाली बनाने हेतु तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

संशोधित योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 25 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं, जिनमें 21 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 4 आदर्श शोध संस्थान (एक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जो कि श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, भीलवाड़ा, राजस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु मार्च, 2015 में आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के रूप में मान्यता प्रदान की गई)। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय हेतु आवर्ती मद में कुल राशि का 95 प्रतिशत तथा अनावर्ती मद में व्यय हेतु कुल राशि का 75 प्रतिशत अनुदान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिया जाता है।

उद्देश्य

परम्परागत संस्कृत शिक्षा तथा शोध कार्य को बढ़ावा देते हुए शास्त्री, आचार्य, विद्यावारिधि की कक्षाओं में ज्यादा सुविधाएँ उपलब्ध कराते हुए संस्कृत शिक्षा का समग्र विकास करना एवं अनुसंधान आधारित प्रकाशन एवं शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2017-18 में निर्गत किये गये अनुदान का विवरण-

क्र.सं.	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2017-18 में निर्गत राशि का विवरण
1.	तेलंगाना	01	62.60.303.00
2.	बिहार	05	07.06.33.473.00
3.	हरियाणा	02	2.26.09.544.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	3.53.80.494.00
5.	झारखण्ड	01	1.02.32.119.00

6.	कर्नाटक	01	96.51.616.00
7.	केरल	02	1.61.18.611.00
8.	महाराष्ट	02	1.15.64.474.00
9.	मणिपर	01	57.96.450.00
10.	तमिलनाड	02	2.20.85.908.00
11.	उत्तराखण्ड	01	98.61.942.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	4.14.04.784.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	3.79.89.592.00
14.	राजस्थान	01	--
कल निर्गत अनदान राशि		**26**	**29.95.89.310.00**

4.1.12 परियोजनाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2003 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। निम्नलिखित उन सम्पन्न/प्रवर्तमान योजनाओं का विवरण दिया जा रहा है।

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। प्रारम्भ से अभी तक तीस मिनट के 730 कथानक इग्नू से प्रसारित हो चुके हैं। इसका अग्रिम कार्य अभी प्रगति पर है।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है। 120 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम्, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम

एवं भासनाटकचक्रम् विक्रय हेतु उपलब्ध हैं। इस परियोजना को विकसित करते हुए संस्कृत भाषा शिक्षण की 120 व्याख्यानों की वीडियो संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिसको नि:शुल्क डाउनलोड कर अध्ययन कर सकते हैं।

4. एम.पी.-3 ऑडियो

प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्डिड 'तत्त्वचिन्तामणि' तथा श्री वेदमूर्ति प्रभाकरशास्त्री बापट एवं श्री पुण्डलिक कृष्ण भागवत के द्वारा तैयार की गई 'राणायणीयं सामगानम्' एम.पी-3 ऑडियो विक्रय हेतु उपलब्ध है।

5. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 3,05,567 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

6. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

7. हू इज हू (Who is Who)

संस्थान के द्वारा संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार किया गया है। पुस्तक के रूप में 'संस्कृतविद्वत्परिचायिका' नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2012 में प्रकाशित हो चुकी है और अन्तर्जाल में स्थापित भी की जा चुकी है।

8. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषीय अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 'बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश' की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। यह परियोजना विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान पारिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में योगदान देगी। निम्नलिखित शब्दकोशों का विवरण इस प्रकार है-

(i) भोपाल परिसर, भोपाल में 'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश' एवं 'मालवी-संस्कृत-शब्दकोश' तैयार किये जा रहे हैं। **'बुन्देली-संस्कृत-शब्दकोश'** में बुन्देली के 14000 शब्दों के संकलन का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, च, छ, ज वर्णों से प्रारम्भ होने वाले बुन्देली शब्दों के बुन्देली से संस्कृत शब्दार्थ का कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष शब्दों का संकलन कार्य पूर्ण हो चुका है। **'मालवी- संस्कृत-शब्दकोश'** में मालवी के 15000 शब्दों के संकलन एवं टंकण का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा स्वर, कवर्ग, चवर्ग के मालवी शब्दों का संस्कृत रूपान्तर का कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ii) संस्कृत साहित्य परिषद्, कोलकाता में चल रहे **'पूर्व एवं पूर्वोत्तर राज्य की बोलियाँ एवं उपबोलियाँ'** परियोजना के अन्तर्गत उड़िया एवं बांग्ला भाषाओं के कुल 11,487 शब्दों का चयन किया गया है।

(iii) संस्थान मुख्यालय में **'संस्कृत-फारसी-उर्दू-हिन्दी-शब्दकोश'** तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत स्वरों पर आधारित प्रथम भाग प्रकाशित हो चुका है तथा व्यञ्जनों में 'क' से 'ध' तक का कार्य किया जा चुका है। शेष पर कार्य जारी है।

9. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें समृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है। यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस योजना में प्रथम चरण का कार्य सम्पन्न हो चुका है, जिसमें प्रथम पाद के 51 सूत्रों पर 11 टीकाओं एवं उनमें उपलब्ध पारिभाषिक शब्दों को संयोजित किया गया है। परिशिष्टात्मक भाग में योग सूत्र के पाठभेद एवं उद्धृत श्लोकों को अकारादिक्रम से संयोजित कर प्रथम खण्ड को प्रकाशन हेतु शोध एवं प्रकाशन विभाग को दिया गया है। पातञ्जलयोगसूत्र की 7 एवं सांख्यप्रवचनभाष्य की 4 टीकाओं पर कार्य किया जा रहा है।

10. पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन एवं एकत्रीकरण हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। डिज़िटाईजेशन का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली से प्राप्त जानकारी के अनुसार इलाहाबाद परिसर में 55369 पाण्डुलिपियों में से कुल 52187 पाण्डुलिपियों के डिज़िटाईजेशन का कार्य सम्पन्न हो चुका है।

वर्तमान में प्रचलित परियोजनायें

संस्थान के परिसरों में लघु एवं बृहद् अनुसंधान परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान शिक्षण एवं अनुसंधान द्वारा संस्कृत शास्त्रों के विकास हेतु निरन्तर प्रयासरत है। इसके अनुरूप संस्थान के विभिन्न परिसर उच्च शिक्षा की विभिन्न शाखाओं के अनुसन्धान के केन्द्रों के रूप में कार्यरत है। संस्थान के द्वारा परियोजनाओं के माध्यम से तदीय परिसरों में कार्यरत प्राध्यापकों की अनुसन्धान के क्षेत्र में सम्वर्द्धन हेतु सहायता प्रदान करता है। इस क्रम में संस्थान विभिन्न परिसरों की प्रतिवर्ष 1-2 बृहद् परियोजनाएं और 1-2 लघु परियोजनाएं उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्प है। इस लक्ष्य को पुरा करने हेतु प्रथम चरण में 32 (4 बृहत एवं 28 लघु परियोजना) परियोजनाएँ प्रचलित है।

मूक्स परियोजना

मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (Mooc) के अन्तर्गत राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान के परिसरों में कार्यरत सभी विभाग के अध्यापकों को Moocs पाठ्यक्रम निर्माण पद्धति के ऊपर एक कार्यशाला मार्च 22-28, 2018 को एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) में आयोजित किया गया जिसमें संसाधकों के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. से प्राध्यापक आए।

राजभाषा

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु राजभाषा नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में संस्थान के द्वारा पर्याप्त मात्रा में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

डेक्कन (Deccan) महाविद्यालय संस्कृत शब्दकोश परियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आर्थिक सहयोग से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से डेक्कन महाविद्यालय के संस्कृत विभाग में ऐतिहासिक तथ्य/सिद्धान्त आधारित बृहत् संस्कृत कोश नामक परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना के अन्तर्गत अब तक 32 संस्करणों का मुद्रण किया जा चुका है।

भारतवाणी परियोजना

भारतवाणी एक परियोजना है, जिसका उद्देश्य मल्टीमीडिया (पाठ, श्रव्य, दृश्य एवं छवि) का उपयोग करते हुए भारत की समस्त भाषाओं के बारे में एवं भारतीय भाषाओं में उपलब्ध ज्ञान को एक पोर्टल (वेबसाइट) पर उपलब्ध कराना है। भारतवाणी, भारतीय भाषाओं/मातृ भाषाओं को बृहद पैमाने पर उपलब्ध करायेगा। भारतवाणी पोर्टल पर उपलब्ध समस्त सामग्री को शैक्षिक और अनुसंधान प्रयोजना के लिए निःशुल्क उपयोग में लाया जा सकता है। एतदर्थ भारतवाणी परियोजना के निवेदन के अनुसार प्रथम चरण में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रकाशित 40 ग्रंथों को भारतवाणी पोर्टल पर upload किया गया।

4.1.13 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में चालू की गई पालि-प्राकृत परियोजना वर्तमान पंचवर्षीय योजना (वर्ष 2012-2017) में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) की संचालित योजनाओं का अभिन्न अंग बन चुकी है। इस योजना के अन्तर्गत 2017-2018 में दिल्ली, जयपुर एवं लखनऊ केन्द्रों में निम्नलिखित मुख्य गतिविधियाँ सम्पन्न हुई

दिल्ली केन्द्र :

कार्यशाला :

1. प्राकृत-संस्कृतच्छाया-हिन्दी-अनुवाद संशोधन/सम्पादन कार्यशाला दिनाङ्क 11.10.2017 से 13.10.2017 तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
2. आचार्य पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला दिनांक 24.02. 2018 से 26.02.2018 तक तक मुख्यालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

प्रकाशित ग्रंथ-

1. पउमचरियं खण्ड-1 (संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद)
2. भगवती-आराधना (संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद)
3. गणिविज्जा (संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद)

जयपुर केन्द्र :

प्रकाशितग्रन्थः

1. दंसणकहरयणकरंडु खण्ड-1 (संपादन-हिन्दी अनुवाद)
2. मागधी प्राकृत एक खोज - खण्ड 1,2,3
3. गाहारयणकोश - (संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद)

संपन्न कार्य-

1. दंसणकहरयणकरंडु खण्ड-2 (मूल संपादन)
2. कण्हचरिय (संस्कृतच्छाया- हिन्दी अनुवाद)
3. पैशाची प्राकृत (व्याकरण एवं संदर्भ)

लखनऊ केन्द्र :

पालि संस्कृतच्छाया हिन्दी अनुवाद-संशोधन सम्पादन कार्यशाला 10-19 नवम्बर 2017

प्रकाशित ग्रंथ

1. संयुत्तनिकायपालि (2 निदानवग्गो)
2. संयुत्तनिकायपालि (3 खन्धवग्गो)
3. संयुत्तनिकायपालि (4 सळायतनवग्गो)
4. संयुत्तनिकायपालि (5 महावग्गो)
5. अपदान - 1 (थेरअपदान)
6. बुद्धवंसपालि
7. थूपवंस
8. पालि-सल्लाप-सहस्सकं
9. पाइअ-सद्द-कोसो (प्राकृत डिक्शनरी)
10. पालि-प्राकृत-अनुशीलनम्

सम्पन्न कार्य-

1. धातुकथापालि
2. पुग्गलपञ्ञत्तिपालि
3. कथावत्थुपाली
4. अपदानपालि
5. पटिसंभिदामग्गपालि

4.1.14 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने शैक्षिक वर्ष 2017-18 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण विभाग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन किया

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन
2. शिक्षक परीक्षण कार्यक्रम
3. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण
4. शिक्षकाभिमुखीकरण कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप बहुत विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें सन्निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना है। इस महान् उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्र के संस्कृत जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया है।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्चशिक्षण संस्थाओं यथा भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (IIT) अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थानों, आधुनिक महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों से प्राप्त आवेदन के आधार पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा केन्द्रों का निर्धारण किया गया। इन केन्द्रों मे संस्थान प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षक को वर्तमान शैक्षिक सत्र के लिए नियुक्त किया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के सुचारू सञ्चालन हेतु संस्था प्रमुख के द्वारा प्रत्येक केन्द्र में एक अधिकृत अधिकारी को नामित किया गया। अधिकृत अधिकारी की सहायता से शैक्षिक सत्र 2017-18 में पूर्वोत्तर राज्यों, पश्चिम बंगाल, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू -कश्मीर, कर्णाटक, मध्यप्रदेश, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, तथा उत्तरप्रदेश में कुल 118 केन्द्रों का सञ्चालन किया गया। अधिकृत अधिकारी अपने केन्द्र के समस्त क्रियाकलापों का मूल्यांकन कर मासिक प्रगति विवरण विभाग को प्रेषित किए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण द्वारा सञ्चालित संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृत भाषा दक्षता पाठ्यक्रम में विभिन्न आयु वर्ग के कुल 7,325 अध्येता इस शैक्षिक सत्र में लाभान्वित हुए।

राज्यानुसार 2017-18 सत्रीय केन्द्रों की सूची

1.	पश्चिम बंगाल	06
2.	गोवा	05
3.	महाराष्ट्र	14
4.	गुजरात	04
5.	छत्तीसगढ़	01
6.	आन्ध्रप्रदेश	04
7.	हरियाणा	01
8.	हिमाचल प्रदेश	02
9.	जम्मू-कश्मीर	02
10.	कर्णाटक	07
11.	मध्यप्रदेश	08
12.	उड़ीसा	04
13.	पंजाब	03
14.	राजस्थान	06
15.	तमिलनाडु	04
16.	केरल	03
17.	तेलंगाना	05
18.	उत्तराखंड	06
19.	उत्तरप्रदेश	12
20.	पूर्वोत्तर राज्य	21
	कुल	**118**

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का सञ्चालन न केवल नगरों और महानगरों में किया गया अपितु सुदूरवर्ती छोटे कस्बों, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व (North-East) राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, सहित विविध व्यवसाय से जुड़े पुरुष तथा महिलाओं ने अत्यन्त उत्साह के साथ भाग लिया।

संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम तथा संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्य-सामग्री का अध्यापन किया गया। अध्येताओं ने इसकी भूरिशः प्रशंसा की है। सत्र के अन्त में परीक्षा का आयोजन किया गया। संस्कृतभाषाप्रमाण पत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र तथा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृतेतर क्षेत्र में कार्य करने वाले महत्त्वपूर्ण अभ्यागतों ने अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्कृत भाषा के संवर्धन की आवश्यकता बतायी। संस्था प्रमुखों ने अपनी संस्था में अग्रिम शैक्षिक सत्र में भी अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने हेतु संस्थान को निवेदन किया।

उपर्युक्त केन्द्रों के सञ्चालन में राज्य संयोजकों का महत्त्वपूर्ण योगदान होता है। शैक्षिक सत्र 2017-18 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के राज्य संयोजकों की सूची अधोलिखित है-

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्रप्रदेश	डॉ. यू. वेंकटरमणमूर्ति, लेक्चरर इन संस्कृत, शिवाराय स्ट्रीट, सत्यनारायणपुर, विजयवाडा-520011, आन्ध्रप्रदेश
2.	बिहार	प्रो. श्रीप्रकाश पाण्डेय, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं. 23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	झारखण्ड	डा. ताराकान्त शुक्ल, अध्यक्ष, संस्कृतविभाग, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखण्ड
4.	दिल्ली	डॉ. कीर्तिकान्त शर्मा, कलानिधिविभाग, पाण्डुलिपि ईकाई, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रिय कला केन्द्र, जनपथ- नई दिल्ली-01
5.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए. जी. हाईवे, छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात)
6.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्रमोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा)
7.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174 307
8.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, भूतपूर्व प्राचार्य, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू जम्मू-कश्मीर-180 007
9.	कर्नाटक	डॉ. हरिप्रसाद के., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक शृंगेरी-577139
10.	केरल	प्रो. सीएच्.एल्.एन्.शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)
11.	महाराष्ट्र	प्रो. रवीन्द्र अंबादास मुले, संस्कृत प्रगत अध्ययन केन्द्र, पुणे विश्वविद्यालय, गणेश खिण्ड रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र)

12.	मध्यप्रदेश	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम् (मा.वि.) भोपालपरिसरः, संस्कृतमार्गः, बागसेवनिया, भोपालम्-462043 (मध्यप्रदेश)
13.	छत्तीसगढ़	डॉ.मुकुन्द हेम्बरडे, एफ-7, पेंशनवडा, नीयर कुंदन पैलेस, रायपुर, छत्तीसगढ़-492001
14.	पूर्वोत्तर राज्य	डॉ. धरणी डुगल, जिला-बारतीगुड़ी, पोस्ट-गमीरी, डिस्ट्रिक-विश्वनाथ, असम-784172
15.	पंजाब	प्रो. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत-विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-14702 (पंजाब)
16.	राजस्थान	प्रो. वाई,एस,रमेश, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर-302 018 राजस्थान
17.	तमिलनाडु	डॉ. आर्. रामचन्द्रन्, संस्कृत विभाग, रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द कालेज, मलईपुर, चेन्नई-04, (तमिलनाडु)
18.	उत्तराखण्ड	डॉ. हरीशचन्द्र गुरुराणी, उत्तराखण्ड संस्कृत एकेडमी, रानीपुर झाल, ज्वालापुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249407
19.	उत्तर प्रदेश	प्रो. गोपबन्धुमिश्र, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, कलासंकाय, काशीहिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तरप्रदेश
20.	पश्चिम बंगाल	डॉ. दीपा वन्द्योपाध्याय, डिपार्टमेंट ऑफ संस्कृत, आशुतोष कालेज, कोलकाता-700073
21.	गोवा	श्री आनन्द देसाई, करूषनेई हाउस नं. 214, दीमानी, कानकोलिम, सालसेट, गोवा-403703

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के दायित्व का निर्वहण किया गया।

2. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों में अध्यापन करने हेतु शिक्षकों का चयन किया जाता है। एतदर्थ लिखित तथा मौखिक रूप से प्रशिक्षण पूर्व परीक्षण एवं प्रशिक्षणोत्तर परीक्षण का आयोजन किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2017-18 में अखिल भारतीय स्तर पर दिनांक 16.04.2017 को आयोजित लिखित परीक्षण में 1327 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 136 प्रतिभागी उत्तीर्ण हुए। उन्हें अधोलिखितानुसार मौखिक परीक्षा में बुलाया गया-

राज्यों के नाम	परीक्षा स्थान	दिनांक	अभ्यर्थियों की संख्या
इलाहाबाद लखनऊ	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.) गंगानाथ झा परिसरः, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश-752001	01.05.2017	17
चेन्नई बेंगलूरू शृंगेरी	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम् पूर्णप्रज्ञ विद्यापीठम्, कट्रिगुप्पा मेन रोड, बेंगलूरू कर्णाटकम्-560028	03.05.2017	12

हैदराबाद तिरुपति	संस्कृत अकादमी, आदर्श शोध संस्थान, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद आन्ध्र प्रदेश-500007	04.05.2017	19
कोलकाता हजारीबाग मुजफ्फरपुर पुरी	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय 7/2 पी. डब्ल्यू. डी. राड कोलकाता पश्चिम बंगाल - 700035	05.05.2017	11
गौहाटी	लावण्या भवन, मकान नं. 49 दुर्गा सरोवर, कामख्या गेट, गौहाटी, असम-781009	06.05.2017	07
अहमदाबाद मुम्बई	'दर्शनम्' संस्कृतमहाविद्यालय सरखेज गान्धीनगर हाईवे, छारोड़ी, पो. चान्दलोदिया, जिला अहमदाबाद, गुजरात-382481	08.05.2017	09
देहली जम्मू	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि.), 56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नवदेहली-110058	09.05.2017	28
हरिद्वार अम्बाला कैण्ट जयपुर भोपाल बलाहार		10.05.2017	33

प्रशिक्षाणोत्तर में कुल 47 परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए।

3. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा संस्कृत विषय का अध्यापन संस्कृत के माध्यम से करने हेतु 23 दिवसीय अनौपचारिक आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण कुल 74 परीक्षार्थियों को आवासीय प्रशिक्षण तदनु परीक्षण हेतु संस्थान के गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद में आहूत किया गया। प्रशिक्षण वर्ग का विवरण अधोलिखित है-

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या	प्रशिक्षक
1.	गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश	22.06.2017 से 14.07.2017	90	प्रो. वाई, एस. रमेश प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी डा. रत्नमोहन झा श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्र डॉ. मनीष जगरान

श्री निरंजन दीक्षित
डॉ. मीनाक्षी शर्मा
श्री उमा महेश्वर
श्री सर्वज्ञ भूषण
डॉ. तिलकराव

उद्‌बोधक

श्रीमान् जनार्दन हेगड़े
प्रो. सुदेश कुमार शर्मा
प्रो. गोपबन्धु मिश्र
श्री दिनेश कामत
श्री श्रीश देवपजारी
डॉ. संजीव

प्रबन्धक

डॉ. चोडिशेट्टि रामगोपाल
श्री सनल विक्रम
श्री अनुपम तिवारी
श्री दिवाकर शुक्ल
श्री आशीष कुमार द्विवेदी
श्री सन्दीप सिंह

4. शिक्षकाभिमुखीकरण कार्यक्रम

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र सञ्चालित करने वाली संस्थाओं की प्रकृति भिन्न होने के कारण अध्यताओं का स्तर भी अलग-अलग होता है। अत: शिक्षकों को शैक्षणिक एवं व्यवस्था विषयक विविध परिस्थितियों का सम्मुखीकरण करना होता है। कार्यक्षेत्र में होने वाली कठिनाईयों के निदान तथा कार्य के गुणस्तर के संवर्धन हेतु अनौपचारिक संस्कृत शिक्षकों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। शैक्षिक सत्र 2017-18 में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय तथा संस्कृतभाषा दक्षता-पाठ्यक्रम में अध्यापन करने वाले शिक्षकों का आह्वान किया गया। इस कार्यक्रम का विवरण अधोलिखित है-

स्थान	अवधि	प्रतिभागियें की संख्या	विदग्ध व्यक्ति
महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान वेदविद्या मार्ग, उज्जैन-456006 (मध्यप्रदेश)	18.01.2018 से 23.01.2018	50	प्रो. वाई.एस्. रमेश श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्र डॉ. रत्नमोहन झा

4.1.15 पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन वर्ष 1970 से दो स्तरों पर करता रहा है, अर्थात्

(अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम

(ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम।

वर्ष 2017-18 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत सीखने के लिए 950 छात्रों ने पंजीकरण कराया। वर्तमान में पत्राचार पाठ्यक्रम में कुल 4935 (4926 भारतीय एवं 09 विदेशी) छात्र नामांकित हैं।

सत्र 2017-18 में विभाग की अकादमिक गतिविधियाँ

दिनांक 13.11.2017 से 22.11.2017 तक पत्राचार पाठक्रम की पाठ्यसामग्री संशोधन करने हेतु संस्थान मुख्यालय में दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन 13 नवम्बर 2017 को प्रो. पी.एन्. शास्त्री, माननीय कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा किया गया। स्वागत भाषण डॉ. सुनीता गुप्ता, प्रभारी पत्राचार विभाग द्वारा दिया गया। अन्य गणमान्य विद्वान् प्रो. वाई.एस्. रमेश, डॉ. एच.आर्. विश्वास, श्री सुधीष्ठ कुमार मिश्रा, डॉ. मधुकेश्वर भट्ट, डॉ. अनीता शर्मा, डॉ. रानी दाधीच तथा विभिन्न परिसरों से अन्य प्रतिष्ठित विद्वान् भी कार्यशाला में उपस्थित रहे।

दिनांक 22.11.2017 को प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, प्र. कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा समापन भाषण दिया गया।

4.1.16 मुक्तस्वाध्यायपीठम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा मुक्तस्वाध्यायपीठम् (Institute of Distance Education) के माध्यम से परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 में किया गया।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो से मान्यता प्राप्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की एक स्वायत्त संस्था है। इसके द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रम दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त हैं। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय (नई दिल्ली) सहित सभी परिसरों में संचालित इसके अध्ययन केन्द्रों को 'स्वाध्याय केन्द्र' कहा जाता है।

संचालित पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
2. प्राक्शास्त्री सेतु/संस्कृतावतरणी (6 माह)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
4. शास्त्री सेतु/संस्कृतावगाहनी (1 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
5. आचार्य (2 वर्ष) - साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
6. आचार्य सेतु/शास्त्रावगाहनी (1 वर्ष)-साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष
7. संस्कृत पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
8. पालि प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
9. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)
10. प्राकृत प्रारंभिक ज्ञान पाठ्यक्रम (03 माह)
11. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (06 माह)

शैक्षिक सत्र 2017-18 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण

मुक्तस्वाध्यायपीठम् के सभी स्वाध्याय केन्द्रों में शैक्षिक वर्ष 2017-18 में कुल 1870 छात्रों ने प्रवेश लिया। जिनका विस्तृत विवरण इस वार्षिक प्रतिवेदन के क्र.सं. **3.3** में दिया गया है।

अभिकल्प समिति

अभिकल्प समिति मुक्तस्वाध्यायपीठ की नियामक परिषद है। इस वर्ष अभिकल्प समिति की बैठक संस्थान मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 26.06.2017 को आयोजित की गई।

मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा वर्ष 2017-18 में आयोजित कार्यशाला/सेमिनार :

क्र.सं.	दिनांक	कार्यशाला/कार्यक्रम का नाम
1.	17.04.2017 से 01.05.2017	साहित्यविषयक स्वाध्यायसामग्री निर्माण कार्यशाला. संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
2.	05.05.2017 से 14.05.2017	आधुनिक विषय सम्बन्धी संशोधन कार्यशाला (शास्त्री. द्वितीयवर्ष. राजनीतिविज्ञान). संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
3.	08.09.2017 से 25.09.2017	ज्योतिषविषय की स्वाध्यायसामग्री संशोधन/सम्पादन कार्यशाला. संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
4.	29.10.2017 से 09.11.2017	आधुनिक विषय सम्बन्धी संशोधन एवं सम्पादन कार्यशाला (शास्त्री. हिन्दी). संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
5.	21.12.2017 से 30.12.2017	आधुनिक विषय के पाठ्य सामग्री का निर्माण, संशोधन एवं सम्पादन कार्यशाला (शास्त्री. इतिहास/अर्थशास्त्र/राजनीतिविज्ञान). संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली

6.	03.01.2018 से 04.01.2018	परीक्षा नियमों के निर्माण हेत बैठक. संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
7.	27.01.2018 से 05.02.2018	आधुनिक विषय के पाठ्य सामग्री निर्माण, संशोधन एवं सम्पादन कार्यशाला (शास्त्री. इतिहास/अर्थशास्त्र/राजनीतिविज्ञान). संस्थान मख्यालय. नई दिल्ली
8.	15.03.2018 से 24.03.2018	दूरस्थ शिक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला. श्री राजीव गान्धी परिसर. शंगेरी. कर्णाटक

सम्पर्क कक्षाएँ

स्वाध्यायकेन्द्र (मुक्तस्वाध्यायपीठम्) द्वारा संचालित सभी पाठ्यक्रमों की परामर्श सह सम्पर्क कक्षाएँ निर्धारित समय पर एक सत्र में क्रमशः पाँच बार (15-15 दिनों के लिए) चलायी जाती हैं।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

1. परिसर परिचय

गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भूभाग पर गंगानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदन मोहन मालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर की गयी थी।

शोध संस्थान के भवन की योजना को सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत 12.01.1945 को पंजीकृत करा लिया गया था। म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार से कम्पनी बाग में चन्द्रशेखर आजाद पार्क के पार्श्व में, डेढ़ एकड़ भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 03.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों से सम्पन्न हुआ।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉक्टर भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस. राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे। उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉक्टर बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान करते रहे।

बाद में 01 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तब से यह 'गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण 'गंगानाथ झा परिसर' हुआ। यह परिसर एक ऐसा प्रतिष्ठित शोध-केन्द्र है जो संस्कृत विद्या की विभिन्न विधाओं के शोधकार्य हेतु समर्पित है।

2. परिसर की स्थिति

गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क कम्पनी बाग के अन्दर इण्डियन प्रेस चौराहा के नजदीक चन्द्रशेखर आजाद शहीद स्थल के पास अवस्थित है। परिसर के सम्मुख पन्नालाल रोड है, उत्तर की ओर जवाहर लाल नेहरु रोड (जी.टी. रोड), परिसर के पीछे इलाहाबाद संग्रहालय कमला नेहरु रोड पर स्थित है। परिसर सिविल लाइंस बस अड्डा से 3 किमी., इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से 5 किमी. एवं एअर पोर्ट बमरौली से 20 किमी की दूरी पर स्थित है।

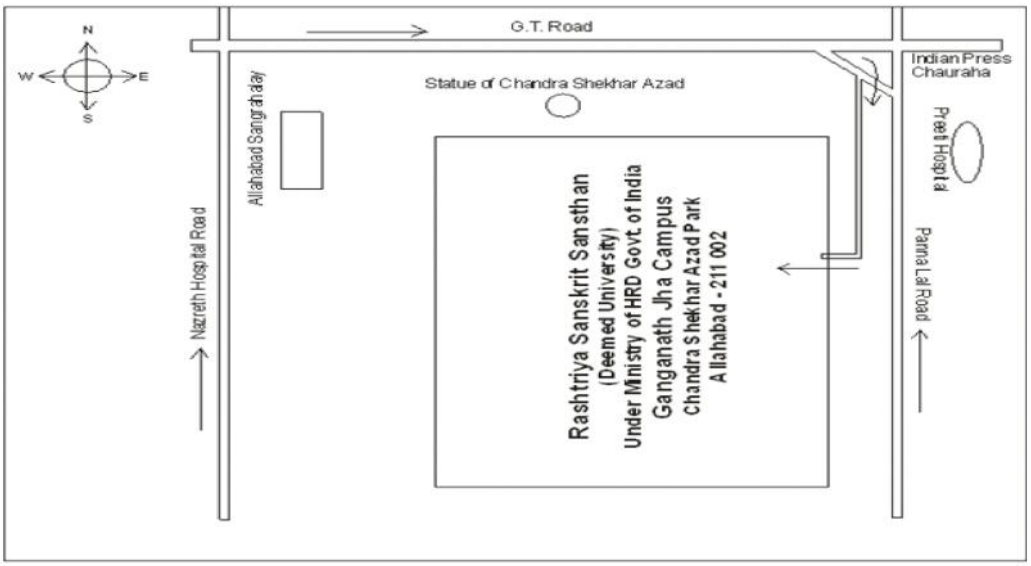

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण ब्यौरे के साथ)

परिसर में मुख्यतया विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) शोधकार्य होता है। इसके अतिरिक्त दूरस्थ शिक्षण माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (साहित्य व्याकरण ज्यौतिष) एवं प्राक्शास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्यौतिष) मुख्य हैं।

4. अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

- अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस का आयोजन
- राष्ट्रिय संस्कृत-शिक्षक-प्रशिक्षण-वर्ग का आयोजन
- संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन
- स्वतन्त्रता दिवस का आयोजन
- सर्वपरिसरीय शोधच्छात्रों के षाण्मासिक प्राक्शोध पाठ्यक्रम का आयोजन
- जागरूकता सप्ताह का आयोजन
- राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन
- हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन
- अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आयोजन
- स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन
- प्राक्शोधपाठ्यक्रम उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन
- हीरकजयन्ती व्याख्यान माला का आयोजन
- दिनांक 29.12.2017 को परिसर के वरिष्ठ लिपिक श्री कृष्णानन्द पाठक का विदाई समारोह (सेवानिवृत्ति)
- बसन्त पंचमी कार्यक्रम का आयोजन
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन
- गणतन्त्रता दिवस का आयोजन
- मातृभाषा दिवस का आयोजन
- दिनांक 28.03.2018 को परिसर के साहित्य विभाग के आचार्य विश्वम्भरनाथ गिरि का विदाई समारोह (सेवानिवृत्ति)
- विभागीया विचार गोष्ठी का आयोजन -
- व्याकरण विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
- साहित्य विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
- धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
- पुराणेतिहास विभाग के द्वारा सेमिनार एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन
- राष्ट्रिय कार्यशाला (शीर्षकम्-संगणकसाहाय्येन भट्टि-काव्यस्य कारक विश्लेषणम्) 30 मार्च 2018 से 05 अप्रैल 2018 तक
- स्वाध्याय केन्द्र की वार्षिक परीक्षा
- शोधरत छात्रों के लिए क्रीडा प्रांगण की व्यवस्था

गंगानाथ झा परिसर एक शोध-संस्थान है। इस परिसर का प्रमुख कार्य है-शोध एवं प्रकाशन। वर्तमान में यहाँ 5 आचार्य एवं 4 सहायकाचार्य शोधछात्रों को विद्यावारिधि (पी.-एच.डी.) उपाधि हेतु मार्ग-निर्देशन करते हैं एवं परिसर के संग्रहालय में उपलब्ध अप्रकाशित दुर्लभ महत्त्वपूर्ण हस्तलेखों का सम्पादन करते हैं। सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन संस्थान के लिए परिसर कराता है। इनके अतिरिक्त संस्थान द्वारा अनुमोदित शोध योजनाओं पर भी विद्वानों द्वारा कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

शैक्षिक विभाग के अग्रलिखित कार्य प्रगति पर हैं -

- मीमांसाचन्द्रिका (ब्रह्मानन्दसरस्वतीविरचिता) सम्पादन कार्य
- विधवोद्वाहशंकासमाधिः (कालोकशेपनामक श्री राजाराम शास्त्री इत्यनेन निर्मितः) सम्पादन कार्य
- लिंगनिर्णय, लिंगप्रकाशः लिंगानुशासनसूत्रवृत्तिः आख्यात चन्द्रिका
- **हस्तलेख सम्पादन**-सारस्वती प्रक्रिया (द्वादश पक्ष टीका), पद्ममुष्टिप्रकाशिका - मुकुन्दशास्त्रीकृता, धातुरत्नमञ्जरी-रामसिंहकृता, सौन्दर्यलहरीटीका
- सम्बन्ध विवेक - शूलपाणि (बंग एवं मैथिल लिपि) सम्पादनाधीन।
- ब्रह्मानन्दसरस्वतिकृत - परिभाषेन्दुशेखरव्याख्या
- चित्प्रभा का सम्पादन क्रियमाण
- लघुविभक्त्यर्थनिर्णयः का समीक्षात्मक सम्पादन
- वृत्तिदीपिका - समीक्षात्मकसम्पादन

- वैयाकरणमतोन्मज्जनटीका का समीक्षात्मकसम्पादन
- वशिष्ठस्मृति की विद्वन्मोदिनी टीका (संयुक्त सम्पादन) सम्पादनाधीन।
- काशीतत्त्वविचार:
- रामचन्द्रचरित्रमहाकाव्यम् संयुक्तसम्पादन जारी
- नाचिकेतोपाख्यान (सम्पादन कार्य)
- सुश्लोकलाघव (चित्रबन्ध) काव्य का सम्पादन
- दुष्करचित्रप्रकाशिका (सरस्वतीकण्ठाभरणटीका) सम्पादित
- उपचारमाला महामुद्गल भट्ट कृत सम्पादन एवं हिन्दी अनुवाद कार्य समाप्त (प्रकाशनाधीन)
- तत्त्वदीपिनी टीका प्रकाशनाधीन
- सुबन्धुकृतवासवदत्ता की जगद्धरभट्ट यन्त्रालयस्थ
- विभ्रमविवेक: यन्त्रालयस्थ
- चन्द्रलक्ष्मोत्प्रेक्षाशतकम् (गैर्वाणीवाणी)
- प्रस्तावसागर प्रकाशनाधीन
- शृंगारसप्तशतिका प्रकाशनाधीन
- द्रव्यसारसंग्रह प्रकाशनाधीन
- आनन्द रघुनन्दनम् प्रकाशनाधीन
- श्यामाभक्तिसुधार्णव: प्रकाशनाधीन
- सुदामाशतकम्
- कारक खण्डनमण्डन
- जर्नल आफ दी गंगानाथ झा कैम्पस अंक 71 शीघ्र प्रकाश्यमाण
- उशती का सम्पादन (अंक द्वादश-त्रयोदश) प्रकाश्यमाण
- भट्टिकाव्यस्वाध्यायपरियोजना कार्य प्रगति पर

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 15

उत्तर प्रेषित - 15

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

अप्रैल, 2018 को परिसर के पहले शताब्दी समारोह का जश्न मनाया गया। हमारे संस्थान को एक प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान पंडित सदाशिव मिश्र के समर्पित प्रयास से 01.04. 1918 को श्री सदाशिव परिसर नामक वैश्विक कॉलेज में बदल दिया गया था। इससे पहले, 1865 में पंडित हरिहर दाश ने निरंतर प्रयास और बलरामपुर राज्य के राजा की वित्तीय सहायता से अयोध्या राजवंश के सर दिग्विजय सिंह बहादुर ने पुरी में एक संस्कृत संस्थान स्थापित किया गया था और इसे 1888 में एक संस्कृत स्कूल में परिवर्तित कर दिया गया। उस समय संस्कृत स्कूलों के साथ-साथ कॉलेज ओडिशा राज्य सरकार के मंत्रालय के अधीन काम कर रहे थे। साहित्य, व्याकरण, धर्मशास्त्र, वेदांत, न्याय, सांख्ययोग, मीमांसा, ज्योतिष, आगम-पुराण और आयुर्वेद जैसे विषयों के साथ ओडिया, अंग्रेजी, गणित, इतिहास, भूगोल आदि आधुनिक विषयों को भी शामिल किया था। उसके बाद 15 अगस्त, 1971 में, भारत सरकार के शिक्षा विभाग ने इसे अपने प्रशासन के अधीन ले लिया था। और पुरी संस्कृत महाविद्यालय, को श्री सदाशिव संस्कृत महाविद्यालय को अंततः श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से घोषित किया। फिर इस संस्थान को भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के द्वारा श्री सदाशिव परिसर (मानित विश्वविद्यालय) के रूप में 7 मई 2002 को अनुमोदन किया गया। यू.जी.सी. ने 13 जून, 2002 को इस संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में एक सहमति दी और उसका उद्घाटन 3 जुलाई, 2002 को हुआ था। हाल ही में यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव कैंपस, पुरी के रूप में लोकप्रिय हैं। इस उद्देश्य में इतनी सारी बाधाओं के बावजूद, वर्तमान में यह संस्थान का परिसर एक विशाल छाया के रूप में उभरा है और हमारे प्रतिष्ठित विद्वानों और छात्रों ने पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा, सफलता और प्रकाशनों से अपनी प्रतिष्ठा बढ़ा दी है।

01.04.1918 से 01.01.1968 के बाद से 50 वर्षों के पूरा होने के दौरान हमने अर्ध शताब्दी समारोह मनाया था और अब हम 01.04.2018 को शताब्दी समारोह मनाएंगे। इस इस अवसर पर हमारी पत्रिका "पौर्णमासी" का 100 वां अंक भी जारी किया जा रहा है।

परिसर स्थान

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, पुरी, 752001, ओडिशा
दूरभाष - 06752-223439
ई-मेल: principalpuri2009@gmail.com
वेबसाइट: www.rskpuri.ac.in

सञ्चालित पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

यह परिसर वेदांत, साहित्य, व्याकरण और न्याय के विषयों में प्राक् शास्त्री (इंटरमीडिएट), शास्त्री (बी.ए), शिक्षा शास्त्री (बी.एड), आचार्य (एम.ए) शिक्षाचार्य (एम्. एड) के पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभिन्नशास्त्रों में शोध हेतु विद्यावारिधि (पी.एच्.डि) पाठ्यक्रम भी संचालित हैं। परिसर बहु-पक्षीय प्रतिभा वाले छात्रों के लिए इतिहास, अंग्रेजी, कंप्यूटर विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों की शिक्षा भी प्रदान करते हैं। भारतीय ज्योतिष में अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी परिसर के मुख्य केंद्र में आयोजित किए जा रहे हैं।

वर्ष-2017-18 में परिसर के अतिरिक्त शैक्षिक क्रियाकलाप

विश्वयोग दिवस-

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 21 जून, 2017 को तृतीय विश्वयोग दिवस का अनुपालन 2017 हरेकृष्ण महापात्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी अध्यापकों एवं छात्रों ने योगाभ्यास किया।

स्वतन्त्रता दिवस–

71 वाँ स्वतन्त्रता दिवस अत्यन्त उत्साह के साथ मनाया किया गया। जिसमें सभी अध्यापक, छात्र–छात्राओं एवं शोधछात्रों ने सोत्साह भाग लिया।

अन्तः परिसरीययुवमहोत्सव–

इस वर्ष 8 से 11 मार्च पर्यन्त दशम अन्त परिसरीय युवमहोत्सव में छात्रों ने विविध प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें तीन स्वर्णपदक एवं एक कांस्यपदक प्राप्त किया।

संस्कृत सप्ताह समारोह–

प्रतिवर्ष की भाँति 7 अगस्त से 14 अगस्त सप्ताहव्यापी संस्कृतोत्सव मनाया गया। जिसमें शङ्कराचार्य निश्चलान्द सरस्वती जी महाराज एवं महर्षि पाणिनी संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेश चन्द्र पण्डा, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य प्रो. गङ्गाधर पण्डा तथा अन्य संस्कृत विद्वज्जन समुपस्थित रहे।

पन्द्रहवाँ नाट्य महोत्सव–

22 से 24 नवम्बर 2017 तक आयोजित नाट्य समारोह में परिसरीय 18 छात्रों ने पण्डित वैकुण्ड बिहारी नन्द विरचित बाणहरण नाटक का अभिनय किया। जिसमें सर्वोत्तम नेपथ्यविधान का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्द्धा–

21 अक्टूबर 2017 को राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्द्धा का आयोजन हुआ। जिसमें राज्य के विभिन्न स्थानों से अनेक छात्र छात्राओं ने भाग लिया तथा अनेक पुरस्कारों को प्राप्त किया।

26 वाँ अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्द्धा–

18 से 21 जनवरी 2018 तक एकलव्य परिसर, अगरतला में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीयस्पर्द्धा में ज्योतिष भाषण में विद्या सागर रेड्डी ने कांस्यपदक, गौरप्रसादपण्डा ने सांख्ययोग भाषण में कांस्यपदक तथा ज्योतिषशलाका में रामनारायण द्विवेदी ने सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

वार्षिक शैक्षिक प्रतियोगिता–

14 से 18 मार्च पर्यन्त तक इस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें 42 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गयी तथा छात्रों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

इसके अतिरिक्त शासनादेश से पण्डित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशतवार्षिक कार्यक्रम, अन्त्योदय मिशन कार्यक्रम, स्वच्छता कार्यक्रम, राष्ट्रिय मतदाता संकल्प दिवस, मातृभाषा दिवस समारोह, शिक्षक दिवस, हिन्दी पखवाड़ा समारोह, दूरस्थ शिक्षासत्र का आरम्भ, सतर्कता–जागरुकता समारोह आदि का यथासमय सुचारुरूप से पाल किया गया। इसी प्रकार समस्त विभागों में विविध शैक्षिक क्रियाविधियों के साथ राष्ट्रिय शोध संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। जिसमें देश–विदेश के कीर्तिलब्ध आचार्यों, प्राचार्यों तथा शोधछात्रों ने भाग लिया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	–	4
उत्तर प्रेषित	–	4

4.2.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिसर के विषय में

परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली, विश्व का एकमात्र वृहत्तम एवं बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। वर्तमान में माननीय प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री इसके कुलपति हैं। देशभर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 13 (मुख्यालय सहित) परिसर हैं । जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है ।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुत ज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वृहत्तम बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय घोषित किया गया। तब से श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात है। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक) तथा प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक), प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक) तथा प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्रो. बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), प्राचार्य रहे हैं। वर्तमान में प्रो. फतह सिंह परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य हैं।

कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

कश्मीर शैव दर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बलजिन्नाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोध सहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों में हो चुका है। ये दोनों भाग विक्रय के लिये सर्वजन सुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में लिपिबद्ध हैं। इनका लिप्यन्तरण तथा अनुवाद कार्य परिसर से शोध सहायकों का मुख्यालय में स्थानान्तरण एवं सेवा निवृत होने के कारण रुक गया है, जिसको पुनः आरम्भ करने हेतु संस्थान मुख्यालय से स्टाफ की नियुक्तियों के लिए प्रार्थना की गई है और शीघ्र ही स्टाफ उपलब्ध होने की सम्भावना है। स्टाफ की नियुक्ति होने पर परियोजना का कार्य पुनः आरम्भ कर दिया जाएगा।

प्रकाशन

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं । इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणा पूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित श्रीवैष्णवी नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। यह पत्रिका को गत वर्ष (National Institute of Science & Communication and Information Resources, New Delhi) ls ISSN & 755 2277-906-X नम्बर प्राप्त है। परिसर प्राध्यापकों के अथक प्रयासों से इस पत्रिका को प्रत्येक वर्ष प्रकाशित किया जाता है।

सत्र 2011-12 से परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी शिक्षामृतम् नामक शिक्षाशास्त्र पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया है।

सत्र 2016-17 से परिसरीय विभागीय शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया।

2. परिसर की स्थिति

पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का अंकनात्मक उपक्रम चल रहा है।

वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिष शास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है । इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण यन्त्र, ग्रहकक्षा क्रम यन्त्र, चन्द्रकला यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण यन्त्र तथा गोल यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

सम्मेलन कक्ष

श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है जो कि आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की व्यवस्था है।

वाणी विलास सभागार

विद्वानों के व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारू संचालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीक युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित 'वाणीविलास' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

सङ्गणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 17 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से परिपूर्ण है।

प्रति विभाग कम्प्यूटर

विभागीय कार्यों को सुचारू गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में एक एक कम्प्यूटर इन्टरनेट सुविधा सहित लगाये गए हैं।

विभागीय पुस्तकालय

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से इस सत्र से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भाषा प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग (Pedagogy) में इस सत्र से भाषा प्रयोगशाला का निर्माण हुआ। इस में दस छात्रों एवं एक अनुदेशक के लिए भाषा कौशल अधिगम की व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित है।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला

परिसर के शिक्षा शास्त्र विभाग में मनोविज्ञान प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिस में अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

प्राध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी

परिसर में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 35 शैक्षणिक सदस्य 23 कार्यालयीय, 04 सुरक्षा प्रहरी तथा 04 CPWD कर्मचारी कार्यरत हैं।

छात्रावास

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये

अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुष छात्रावास तथा महिला छात्रावास हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में 4 गीजर भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधा युक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

व्यायाम शाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीडा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायाम शाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायाम शाला में विविध आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं।

क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है जिस में सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम (विषय एवं विभाग)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन विषयानुरूप आठ विभाग हैं -

1. व्याकरण विभाग
2. साहित्य विभाग
3. सर्वदर्शन विभाग
4. ज्योतिष विभाग
5. वेद विभाग
6. आधुनिक विषय विभाग
7. शिक्षाशास्त्र विभाग

अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली भी लागू की जा चुकी है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राकशास्त्री (इण्टरमीडिएट 10+2), शास्त्री 1 + 2 + 3 तथा आचार्य 1 + 2 + 3 + 2 शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरण शास्त्र, साहित्य शास्त्र, दर्शन शास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा वेदवाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षा शास्त्र विभाग में शिक्षाशास्त्री का प्रशिक्षण दिया जाता है।

शोधकार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 24 है।

मुक्तस्वाध्याय केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने दूरस्थ शिक्षा परिषद् की मान्यता प्राप्त करके संस्कृत के विश्वव्यापी विस्तार के उद्देश्य से दूरस्थ शिक्षा निदेशालय प्रारम्भ किया गया है । इस दूरस्थ शिक्षा निकाय को मुक्तस्वाध्यायपीठम् (मु.स्वा.पी/MSP) का नाम दिया गया है। मुख्यालय सहित संस्थान के सभी परिसरों में मुक्तस्वाध्याय केन्द्र बनाये गये हैं। श्री रणवीर परिसर में भी 2010-2011 से मुक्तस्वाध्याय केन्द्र प्रारम्भ हो चुका है। वर्तमान सत्र में 50 विद्यार्थी हैं।

इसमें प्राकशास्त्री (10+2) से आचार्य कक्षा पर्यन्त अध्ययन-अध्यापन सत्रार्द्ध प्रणाली (Semester System) द्वारा चल रहा है। मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवम् आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर (Non-Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासुजनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के

लिये विविध स्तरों पर सेतु पाठ्यक्रमों (Bridge courses) को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्य-श्रव्य (Audio-Visual) सामग्री भी उपलब्ध करायी जाती है ताकि संस्कृत से अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

केन्द्र में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ संस्कृत पत्रकारिता प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम चल रहा है। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की भी सुचारू व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमप्रारम्भ किये जायेंगे। सूत्रपात के लिए संस्कृत के क्षेत्र में संस्थान मुख्यालय, मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं विविध पाठ्यक्रमों में समाज का प्रबुद्धवर्ग भी जुड़ा है जिसमें इंजीनियर, डॉक्टर, वकील, प्राध्यापक आदि हैं।

7. अन्य क्रिया कलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

नाट्यमहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पंचदश संस्कृतनाट्यमहोत्सव महोत्सव का आयोजन दिनांक 22 नवम्बर 2017 से 24 नवम्बर 2017 तक एकलव्य परिसर अगरतला में किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों द्वारा चैतन्यचन्द्रोदय (कवि कर्णपूरप्रणीतम्) नाटक का मंचन किया गया। जिसमें परिसर के शिक्षाशास्त्री विभाग के छात्र अरुण शर्मा को प्रथम विद्यावारिधि के छात्र ऋषिकुमार को द्वितीय तथा शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र अंकज शर्मा को तृतीय पुरस्कार नाटक में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के रूप में दिया गया।

युव महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा प्रतिवर्ष भिन्न-भिन्न परिसरों में युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष दिनांक 08 मार्च से 11 मार्च 2018 तक युव महोत्सव का आयोजन के.जे. सोमय्या संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई परिसर, मुम्बई, महाराष्ट्र में किया गया। इस महोत्सव में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में भाग ग्रहण किया। जिसमें लघुचलच्चित्रस्पर्धा में आचार्य द्वितीयवर्ष (वेद) के छात्र विवेक खजूरिया ने कांस्य पदक प्राप्त किया। चित्र स्पर्धा में शिक्षाशस्त्रीविभाग की छात्रा मोनालिजा प्रधान ने कांस्य पदक प्राप्त किया। अकादमिक प्रतियोगिताओं में परिसर के शिक्षाशास्त्री द्वितीयवर्ष के छात्र दीपेन्द्र ने पद्य रचना में कांस्य पदक प्राप्त किया। क्रीडा स्पर्धाओं में परिसर तथा परिसर की Volleyball टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। तथा शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्ष के छात्र रोहित शर्मा ने मल्लयुद्ध स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया। मल्लयुद्ध स्पर्धा में ही परिसर के शिक्षाशास्त्री विभाग के छात्र अंकुश कुमार और जयदीप ने कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके साथ ही शिक्षाशास्त्र विभाग की छात्रा राजलक्ष्मी मिश्र ने चक्रक्षेपणम् स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 18.01.2018 से 22.01.2018 तक अखिलभारतीयशास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में किया गया। जिसमें परीसरीय छात्रों ने भाग ग्रहण किया।

समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 15.05.2017 से 26.05.2017 तक परिसर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संस्कृत शिक्षकों का सेवाकालिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसके संयोजक पूर्व प्राचार्य प्रो. बच्चा भारती रहे।
- दिनांक 29.05.2017 को प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष एवं शास्त्री प्रथम वर्ष की प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 06.06.2017 को को प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष एवं शास्त्री प्रथम वर्ष की द्वितीय चरण में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया।
- दिनांक 21.06.2016 को परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन परिसर के सहायक प्रोफेसर डॉ. सतीश कुमार कपूर के द्वारा किया गया।
- दिनांक 06.07.3017 को परिसर में सत्रारम्भ के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया जिसका संयोजन ज्योतिष विभाग के आचार्य डॉ. चन्द्र मौलि रैणा द्वारा किया गया।
- दिनांक 04.08.2017 को संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर डॉ. नेहा शर्मा Block

Development Officer, कोट भलवाल, जम्मू तथा प्रो. प्रियतमचन्द्र शास्त्री मुख्यातिथि तथा विशिष्टातिथि रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य प्रो. लोकमान्य मिश्र थे। इस अवसर पर परिसरीय छात्र/छात्राओं के लिए विविध स्पर्धाएं आयोजित की गई।

- दिनांक 10.08.2017 को परिसर संस्कृत सप्ताह का सम्पूर्ति सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुहम्मद इलियाज खाँ (SDM) मुख्यातिथि रहे। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री रहे। परिसर ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. प्रभात कुमार महापात्र का विशिष्ट्य व्याख्यान सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य प्रो. लोकमान्य मिश्र थे। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के संयोजक साहित्यविभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर रहे।
- दिनांक 12.08.2017 को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन रेड रिबन क्लब के तत्त्वावधान में किया गया। इसका संयोजन डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित एवं डॉ. निगम पाण्डेय द्वारा किया गया।
- 15.08.2017 को परिसर में स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया। ध्वजारोहण परिसरप्राचार्य द्वारा किया गया।
- दिनांक 25.08.2017 को परिसर में गणेश चतुर्थी की पूजा का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन डॉ. तेजनाथ पौडेल एवं डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। श्री वि. सन्तोष कुमार, प्राचार्य, केन्द्रिय विद्यालय बनतालाब मुख्यातिथि रहे।
- दिनांक 14.09.2017 को हिन्दी पखवाडा समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्यातिथि सुश्री अंजली शर्मा, निदेशक, रेडियो काश्मीर रहीं। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. परमेश्वरी शर्मा, जम्मू विश्वविद्यालय रही। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के प्राचार्य थे।
- दिनांक 13.10.2017 को विश्वविख्यात नृत्यांगना सुश्री रोजालिनी महान्ति द्वारा ओडिशी नृत्य का प्रदर्शन किया गया।
- दिनांक 31.10.2017 को परिसर में राष्ट्रिय एकता दिवस का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन डॉ. घनश्याम मिश्र एवं सह संयोजन डॉ. धनेश कुमार पाण्डेय एवं डॉ. शुभश्री दाश द्वारा किया गया।
- दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया जिसका संयोजन डॉ. संजय कुमार मिश्र एवं डॉ. आशीष कुमार, डॉ. कृष्णमुरारीमणित्रिपाठी द्वारा किया गया।
- दिनांक 13.11.2017 को राज्यस्तरीय शास्त्रीयस्पर्धा का आयोजन किया गया जिसका संयोजन डॉ. सच्चिदानन्द शर्मा, डॉ. कृष्णमुरारीमणित्रिपाठी एवं डॉ. दे. दयानाथ द्वारा किया गया।
- 01.12.2017 को परिसर में विश्व एड्स दिवस का आयोजन किया गया जिसका संयोजन डॉ. प्रभात कुमार महापात्र द्वारा किया गया।
- दिनांक 24.12.2017 से 02.01.2018 तक परिसर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन के संस्कृत शिक्षकों का सेवाकालिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया जिसका संयोजन आधुनिक विषय विभागाध्यक्ष श्री शरत् चन्द्र शर्मा द्वारा किया गया।
- दिनांक 04.01.2018 से 07.01.2018 तक युव महोत्सव हेतु चयन स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- दिनांक 22.01.2018 को वसन्त पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन वेदविभागीय अध्यापक डॉ. दे. दयानाथ द्वारा किया गया।
- दिनांक 25.01.2018 को परिसर में राष्ट्रिय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया जिसका संयोजन डॉ. योगेन्द्र कुमार दीक्षित के द्वारा किया गया।
- दिनांक 26.01.2018 को गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण परिसर प्राचार्य प्रो. फतह सिंह के द्वारा किया गया।
- दिनांक 02.02.2018 को परिसर में प्रो. गजेन्द्र शर्मा, शारीरिक शिक्षा विभाग, जयपुर परिसर ने 'खेल एवं योग की महत्ता' विषय पर विशिष्टव्याख्यान दिया।
- दिनांक 21.02.2018 को परिसर में मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया।

10. जनसूचना अधिकार - 2005

प्राप्त जनसूचना पत्रों की संख्या - 15

उत्तर दी गई सूचनाओं की संख्या - 15

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

1. परिचय

श्री शङ्कराचार्यजी के जन्म से पवित्रीभूत ईश्वरीय भूमि केरल आदि शङ्कराचार्यजी के वेदान्त दर्शन से प्रभावित पुण्य भूमि है, जहाँ जाति, धर्म, लिंग और संप्रदाय के भेद बिना लोग आपसी प्रेम भाव में रहते हैं।

सन् 1909 में **संस्कृत प्रणय भाजनम** श्री पी.टी. कुरियॉकोस मास्टर ने पावरटी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की थी। पी.टि. कुरियॉकोस मास्टर सचमुच में एक दिव्य आत्मा थे जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तथा सारी संपत्ति संस्कृत की सेवा एवं संस्कृत भाषा के प्रचार प्रसार में समर्पित की थी। सन् 1934 में विद्यापीठ में उन्होंने संस्कृत में बी.ए. और एम.ए. की कोर्सेस प्रारंभ किया। उस समय ये कोर्सेस मद्रास विश्वविद्यालय के अधीन चलाये जा रहे थे। बाद में सन् 1972 में इस विद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अपना हिस्सा बनाया उसके बाद यह साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाने लगा।

सन् 1979 जुलाई 16 को इस विद्यापीठ को भारत सरकार के मानव संसाधन विभाग ने अपने हाथों में ले लिया। और इसका नाम गुरुवायूर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। बाद में सन् 1989 में अधिक आधारिक संरचना एवं शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु इस विद्यापीठ को पावरटी से पुरनाट्टुकरा में स्थानान्तरित कर दिया। पुरनाट्टुकरा के इस नये इमारत का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री आदरणीय श्री मुरली मनोहर जोशी जी ने 16 अगस्त सन् 1999 को किया।

दिल्ली स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को जब बहु परिसर युक्त मानित विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठ प्राप्त हुई तब से, याने कि सन् 2002 मई 7 से यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर के नाम से जानने लगा।

2. परिसर स्थान

गुरुवायूर परिसर केरल के त्रिश्शूर जिले के अडाट पंचायत के पुरनाट्टुकरा में स्थित है। अमला मेटिक्कल कॉलेज, श्री रामकृष्ण आश्रम, एस.आर.के.जी.वी.एम. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शारदा महिला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय, आई.ई.एस. अभियांत्रिकी महाविद्यालय आदि गुरुवायूर परिसर के चारों और की विभिन्न दिशाओं में स्थित है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

प्राक्-शास्त्री - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

शास्त्री - त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम

आचार्य - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

शिक्षा-शास्त्री - द्विवर्षीय पाठ्यक्रम

विद्यावारिधि

योग एवं आयुर्वेद में एक वर्षीय प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

उपलब्ध परम्परागत विषय

व्याकरण - प्राक्शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

साहित्य - प्राक्शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

दर्शन - प्राक्शास्त्री

वेदान्त - शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

न्याय - शास्त्री से आचार्य पर्यन्त

ज्योतिष - शास्त्री

उपलब्ध आधुनिक विषय - अनिवार्य विषय

अंग्रेजी - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

मलयालम - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

हिन्दी - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

संगणक विज्ञान - प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

पर्यावरण विज्ञान - शास्त्री तृतीय वर्ष में

उपलब्ध आधुनिक विषय – ऐच्छिक विषय

इतिहास – प्राक्शास्त्री से शास्त्री पर्यन्त

अंग्रेजी साहित्य – शास्त्री

मुक्तस्वाध्यायपीठ के अन्तर्गत उपलब्ध पाठ्यक्रम

सेतु पाठ्यक्रम – शास्त्री एवं आचार्य

शास्त्री – व्याकरण, साहित्य एवं ज्योतिष

आचार्य – व्याकरण, साहित्य एवं ज्योतिष

प्रारंभिक विषय – पालि एवं प्राकृत

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम – पालि, प्राकृत एवं पत्रकारिता

3. परिसर की अन्य गतिविधियाँ

वाग्वर्धिनी सभा

सभी कक्षाओं के लिए हर बुधवार को दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक वाग्वर्धिनी सभा का आयोजन किया जाता है। इसके लगभग 30 सम्मेलन हो चुके हैं। इसके अन्तर्गत वाक्यार्थ विचार:, शास्त्र परिचय, समकालीन विषय, प्रश्नोत्तरी एवं कलाविनोद का आयोजन किया जाता है।

वाक्यार्थ परिषद

इसके अंतर्गत परिसर अध्यापकों द्वारा वाक्यार्थों का नमूना प्रस्तुत किया जाता है और फिर बच्चों के लिए स्पर्धाएँ चलायी जाती हैं।

महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम

- परिसर में जून 21, 2017 को योग दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान "योग फोर वेलनेस" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यापक एवं छात्रों द्वारा योगासनों का प्रदर्शन हुआ। परिसर कर्मचारियों के लिए 15 दिन के योग शिविर का आयोजन भी किया गया।
- भारत के 71वें स्वतन्त्रता दिवस वार्षिक समारोह के अवसर पर परिसर द्वारा स्वतन्त्रता दिवस एवं स्वतन्त्रता पक्ष का आयोजन किया गया।
- संस्कृत सप्ताह समारोह सन् 2017, 4 अगस्त से 10 अगस्त तक विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। समारोह का उद्घाटन् SCS विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विष्णु पोट्टि द्वारा संपन्न हुआ। इस समारोह का समापन कार्यक्रम 10 अगस्त को आयोजित किया था। कालटी श्री शङ्कराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्री धर्मराज अडाट्ट महोदय के करकमलों से समापन कार्यक्रम का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सुवर्णा नालप्पाट्ट एवं प्रो. मुरली माधवन ने अपने भाषण से सभा को अनुगृहीत किया।
- ओणम के त्यौहार से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन सन् 2017, 30 और 31 अगस्त को किया गया था।
- परिसर में स्वच्छ भारत मिशन 2 अक्टूबर 2017 से साल भर में होने वाले कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया।
- छात्र कल्याण परिषद का उद्घाटन 11 अक्टूबर सन् 2017 को संपन्न हुआ। मलयालम के जाने माने साहित्यकार "अशोकन चेरुविल" कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे। इस अध्ययन वर्ष के छात्र कल्याण परिषद् के पदाधिकारी रहे– कुमारी रंजिनी एम. (अध्यक्षा), कुमारी थेरेसा टि. जे. (सचिवा) और प्रो. के.पि. केशवन (छात्रकल्याण परिषद् अधिकारी)।
- हिन्दी पखवाड़ा समारोह का आयोजन 16 सितंबर 2017 से 5 अक्टूबर 2017 तक किया गया। डॉ. बाबु के विश्वनाथन, सहायक अध्यापक श्री शङ्कराचार्य संस्कृत विद्यालय, तिरूर केन्द्र, कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे।
- श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म स्मृति के अवसर पर 31 अक्टूबर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया।
- नवम्बर 1 तारीख सन् 2017 को परिसर में केरल पिरवी– श्रेष्ठभाषा का दिवस मनाया गय।
- नवम्बर 2 सन् 2017 को सतर्कता दिवस के रूप में मनाया गया है।
- 26 नवंबर सन् 2017 को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया।
- श्री स्वामी विवेकानन्द जी का 155वाँ जन्म वार्षिक 12 जनवरी 2018 को युव दिवस के रूप में मनाया गया।
- स्वार्ट् अप इंडिया कार्यक्रम का आयोजन 15 जनवरी 2018 को आयोजित किया गया।
- 26 जनवरी सन् 2018 को भारत का 69वाँ गणतन्त्र दिवस मनाया गया।

- परिसर की वार्षिक खेल क्रीडा प्रतियोगिताएँ "रणधीरा:" सन् 2018 जनवरी 29,30,31 तारीखों में चलायी गयी।
- परिसर की वार्षिक कला एवं साहित्यिक प्रतियोगिताएँ "रसझरी" सन् 2018 फरवरी 27 से मार्च 1 तारीख तक चलायी गयी।
- 21 फरवरी सन् 2018 को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया गया। श्री के.पि. हरिदास (H.S.S. Govt. School), कोडकरा कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे।
- 23 फरवरी सन् 2018 को मुक्तस्वाध्यायपीठ श्री पी.टी. कुरियाकोस मास्टर पावर्टी केन्द्र में पी.टी. कुरियाकोस मास्टर अन्तर्राष्ट्रीय स्मृति भाषण का आयोजन किया गया। श्री प्रो.पी.एन्.एन्. इलयत् मुख्यातिथि एवं उद्घाटक रहे थे और "हर्मनूटिक ऑफ वेदान्त" इस विषय पर स्मृतिभाषण प्रस्तुत किये।
- अहल्या फाउण्डेशन एवं एन.एस.एस. के तत्वावधान में परिसर के छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए मुक्त नेत्र कैम्प का आयोजन किया गया।
- परिसर का वार्षिक दिवस 11 मार्च सन् 2018 को मनाया गया। श्री अनूप शङ्कर कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे एवं प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय के कुलसचिव, सम्मेलन के सम्माननीय अतिथि रहे।

संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान माला

न्याय विभाग

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 20-22 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया। संगोष्ठी का विषय रहा न्यायवैशेषिकदर्शनयो: प्रमेयविचार:। पोंडिचेरी विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रो. श्री. धरणीधरन महोदय संगोष्ठी के उद्घाटक रहे थे।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह सन् 2018, 22 फरवरी को संपन्न हुआ। उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्री पीयूषकान्त दीक्षित समापन सम्मेलन के उद्घाटक रहे। मुख्यातिथि द्वारा "आन्वीक्षिकी-महत्वनिरूपणम्" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

ज्योतिष विभाग

19 मार्च सन् 2018 को ज्योतिष विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। "अधिमास:" इस विषय पर मुख्यातिथि श्रीपाद भट्ट द्वारा विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया गया।

साहित्य विभाग

साहित्य विभाग द्वारा त्रिदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2018 मार्च 21, 22 और 23 तारीख को किया गया। संगोष्ठी का विषय रहा "स्वातंत्र्योत्तर संस्कृत काव्यानी काव्यशास्त्रग्रन्थश्च:"। प्रो. नागराज राव संगोष्ठी के मुख्यातिथि एवं उद्घाटक रहे।

"ध्वन्यालोकव्यक्तिविवेकयो: ध्वनिसंकल्प:" इस विषय पर उन्होंने विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

व्याकरण विभाग

व्याकरण विभाग द्वारा त्रिदिसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2018 मार्च 26-27 और 28 तारीख को किया गया। "विभक्त्यर्थविचार:" संगोष्ठी का विषय था। डॉ. बी. वी. वेंकटरमण संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे। "नञार्थ विमर्श" इस विषय पर मुख्यातिथि ने भाषण प्रस्तुत किया।

आधुनिक विभाग

आधुनिक विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी मार्च 27 तारीख सन् 2018 को संपन्न हुई। श्रीमती हिता पॉलसन संगोष्ठी की मुख्यातिथि रहीं। उन्होंने "कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा सी" पर मुख्यभाषण दिया।

शिक्षाशास्त्र विभाग

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2018 मार्च 29 एवं 30 तारीख को किया गया। संगोष्ठी का विषय था शास्त्र शिक्षणम् तथा भाषा शिक्षा; नव्यप्रवृत्तियां श्री.पी. नागमुनी रेड्डी संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे। मनोविज्ञान एवं ज्योतिष का शैक्षणिक संबन्ध इस विषय पर मुख्यातिथि द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया।

वेदान्त विभाग

वेदान्त विभाग द्वारा "उपनिषद् प्रमेयविचार:" इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सन् 2018, मार्च

27 एवं 28 तारीख को किया गया। डॉ. के.एस. महेश्वरन् संगोष्ठी के मुख्यातिथि रहे।

संगोष्ठी का समापन कार्यक्रम 28 मार्च को संपन्न हुआ। प्रो. रामकृष्ण भट्ट समापन सम्मेलन के मुख्यातिथि रहे। उन्होंने "अद्वैत वेदान्ते जीवेश्वरस्वरूपम्" इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिताएँ

युव महोत्सव-दशम अंतर परिसरीय युव महोत्सव

इस साल युव महोत्सव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ मुम्बई में सन् 2018, 8 मार्च से 11 मार्च तक चलाया गया। गुरुवायूर परिसर से 52 सदस्यों का एक दल जिनमें 48 विद्यार्थी गण और 4 अध्यापक शामिल थे।

इस साल युवमहोत्सव के साहित्य, कला, खेल क्रीडाओं की प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए गुरुवायूर परिसर ने "विजय वैजयन्ति" का पुरस्कार प्राप्त किया। बच्चों ने अपने हुनर का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। इस बार युव महोत्सव में गुरुवायूर परिसर सर्वप्रथम "विजयवैजयन्ती" पुरस्कार से सम्मानित हुए। परिसर में सभी छात्र-छात्राओं एवं अध्यापक, कर्मचारियो की प्रार्थना एवं आशीर्वाद से यह जीत हमें प्राप्त हुई है।

अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम 2017-18

बारहवीं अखिल भारतीय संस्कृत प्रतिभा संगम का आयोजन राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान तिरुपति विद्यापीठ में सन् 2018 जनवरी 31 तारीख से फरवरी 2 तारीख तक किया गया। संस्कृत साहित्य एवं संस्कृत शास्त्रीय अध्ययन के प्रचार प्रसार में समर्पित वाग्वर्द्धिनी परिषद संगठन के नेतृत्व में हर साल इसका आयोजन, विद्यार्थी विकास आयोजन के तहत किया जाता है। गुरुवायूर परिसर से 14 विद्यार्थीयों के दल विभिन्न संस्कृत प्रतियोगिताओं में भाग लिया। परिसर के अध्यापक - डॉ. एम.के. षीबा (अंग्रेजी विषय) श्री मनोज शिण्डे (वेदान्त) ने बच्चों का अनुगमन किया। संघनृत्यम् में प्रथम स्थान, एकपात्राभिनय में श्री प्रतीष एन्.आर्.) आचार्य द्वितीय वर्ष) द्वितीय स्थान, वेदान्त भाषण प्रतियोगिता में वीणा चन्द्रन (आचार्य प्रथम वर्ष) द्वितीयस्थान, न्याय भाषण में दीपज्योति देब (शास्त्री तृतीय वर्ष) तृतीय स्थान, साहित्य भाषणम् में मीरा ऐ.जे. (आचार्य द्वितीय वर्ष) सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करके परिसर का नाम रोशन किया।

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता

56वाँ अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता सन् 2017-18 18 जनवरी से 21 जनवरी तक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला में चलाई गयी। इसके राज्यस्तरीय स्पर्धाओं का आयोजन परिसर में 13 नवंबर सन् 2017 को किया गया था। इन स्पर्धाओं में से योग्य 10 बच्चों को चुना गया और ये बच्चे शास्त्र विषय में अपने हुनर का प्रदर्शन किया। डॉ. हर्षकुमार के.के. (सहायक आचार्य, शिक्षा शास्त्र) तथा श्रीमति राधिका पी.आर्. (सहायक आचार्या, वेदान्त विभाग) ने बच्चों के साथ अनुगमन किया।

पावर्टी केन्द्र में दूरस्थ शिक्षा

कुल 171 छात्र मुक्तस्वाध्यायपीठ के द्वारा विभिन्न कक्षाओं में अध्ययनरत हैं-"Hermenuetics in Vedanta" विषयमधिकृत्य अन्ताराष्ट्रीय सम्मेलन 23 फरवरी, 2018 में आयोजित किया जाता है जिसमें डॉ. के.एन्. एलायत मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :-

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	07
उत्तर प्रेषित	-	07

4.2.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

1. परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री स्व. श्री शिवचरण-माथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र (पूर्वनिदेशक) के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 को परिसर "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिये प्रयासरत यह जयपुर-परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान अपना 35 वाँ वार्षिक समारोह समाज के विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित कर गौरव का अनुभव कर रहा है। इस सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में अपना विशिष्ट स्थान रखता है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ है।

2. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदय के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्यायपीठ, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त हमारा यह परिसर शोभायमान है। नूतनभवन निर्माण की स्वीकृति भी प्राप्त है। जिसका शिलान्यास शीघ्र होगा।

3. परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	विषय
1.	साहित्य
2.	व्याकरण
3.	ज्योतिष (सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष)
4.	धर्मशास्त्र
5.	जैनदर्शन
6.	सर्वदर्शन
7.	वेद
8.	शिक्षाशास्त्र
9.	शिक्षाचार्य
10.	विद्यावारिधि
11.	योग एवं आयुर्वेद

7. विविध कार्यक्रम 2017-18 सत्र में आयोजित कार्यक्रम

1. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस 21-22.06.2017
2. सरस्वती पूजन सत्रारम्भ समारोह 04.07.2017
3. शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य प्रवेश 27.07.2017
4. स्वतन्त्रता दिवस समारोह 15.08.2017
5. संस्कृत सप्ताह महोत्सव 11.8.17-18.8.17
6. शिक्षक दिवस समारोह 05.09.2017
7. व्याकरण परिषद् गठन 29.8.17
8. भाषा बोधन वर्ग कार्यशाला 1.9.17 से 18.09.17
9. हिन्दी दिवस एवं पखवाड़ा 14.09.17 से 4.10.17
10. फलित ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम सत्र 2017-18
11. सतर्कता जागरूकता सप्ताह 30.10.17 से 4.11.17
12. एकता दिवस 31.10.17
13. राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा 9 एवम 10.11.17
14. युव महोत्सव 11.1.18 से 13.1.18
15. ज्योतिष परिषद् गठन एवं आचार्य स्तरीय संगोष्ठी 6.11.2017
16. खेल कूद प्रतियोगिता 8 से 10.1.18

17. शास्त्री स्तरीय ज्योतिष संगोष्ठी 16.11.17
18. संविधान दिवस 26.11.17
19. विवेकानन्द जयन्ती समारोह 12.1.18
20. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा तिरुपतिनगरे 31.01.18 से 3.2.18
21. सद्भावना यात्रा 13.2.18
22. व्याकरण विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
23. वसन्त पंचमी एवं सरस्वती पूजन 22.01.18
24. गणतन्त्र दिवस 26.01.16
25. ज्योतिष विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
26. वसन्त उत्सव नाट्यस्पर्धा
27. साहित्य विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
28. सर्वदर्शन विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
29. धर्मशास्त्र विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
30. शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
31. जैनदर्शन विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
32. आधुनिक विभाग की एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 26.2.18
33. वेद विभाग की राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान 19 से 23.3.18
34. वार्षिकोत्सव 28.3.18
35. मातृभाषा दिवस 21.02.18

3.1 सत्रारम्भ – राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान जयपुर परिसर में 4 जुलाई 2017 को सरस्वती पूजन के साथ सत्रारम्भ हुआ इस कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य सभी प्राध्यापक तथा छात्र उपस्थित होकर वैदिकमन्त्रोच्चारणविधि से सरस्वती देवी का पूजन किये। प्राचार्य ने निर्विघ्नतापूर्वक परिसर की उन्नति हेतु कामना की।

3.2 संस्कृत सप्ताह समारोह – 11.8.17 से 18.8.17 दिनांक को संस्कृत सप्ताह महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. लम्बोदर मिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय जी के द्वारा की गयी तथा कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्रीधरमिश्र ने किया। इस अवसर पर छात्रों के द्वारा अनेक शैक्षिक स्पर्धाओं में भाग लिया गया।

3.3 युव समारोह शैक्षिक स्पर्धा – दिनांक 11 से 13.01.2018 विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सुभाषित कण्ठ पाठ, वादविवाद, आशु भाषण, अनुवाद, गद्यपद्यरचना, संस्कृत वार्तालेखन, आशु चित्र, व्यंग्य चित्र, प्रचार पत्र निर्माण, संगणक स्पर्धा, रंगवल्ली, प्रश्नमंच, एककशास्त्रीय गान, एककशास्त्रीय वादन तथा समूह नृत्य आदि प्रतियोगिताये समायोजित हुई।

3.4 शिक्षक दिवस समारोह – दिनांक 5.09.2017 को जयपुर परिसर में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

3.5 हिन्दी दिवस समारोह – जयपुर परिसर में दिनांक 14.09.2017 को हिन्दकेसरी सभागार में हिन्दी दिवस समारोह का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी आचार्य एवं प्राध्यापक सम्मिलित हुए तथा छात्रों के समक्ष राष्ट्रभाषा के महत्त्व को दर्शाते हुए कार्यालयीय गतिविधियों में इसका अधिक से अधिक उपयोग करने पर बल दिया।

3.6 राजस्थान राज्यस्तरीय शलाका एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा – राजस्थान राज्यस्तरीय शलाका एवं शास्त्रीय भाषण स्पर्धा 9.11.17 से 10.11.2017 को जयपुर में आयोजित हुई। जिसका संयोजन प्रो. श्रीधर मिश्र महोदय ने किया तथा निर्णायक के रूप में परिसर के विद्वानों के अतिरिक्त प्रो. अशोक तिवारी, सुरेन्द्र शर्मा, प्रो. इन्द्रमणि दास, प्रो. जगन्नारायण पाण्डेय, प्रो. मोहन लाल शर्मा, प्रो. राजधर मिश्र, प्रो. लम्बोदरमिश्र डॉ. भगवान सहाय आदि विशिष्ट विद्वान् बाह्य निर्णायक के रूप में उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में 19 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। स्पर्धा में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस स्पर्धा में परिसर के छात्रों का वर्चस्व रहा।

3.7 विवेकानन्द जयन्ती समारोह – 12.1.2018 को जयपुर परिसर में विवेकानन्द जयन्ती कार्यक्रम के उपलक्ष्य में युवसमारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार विभिन्न प्रकार से किया गया।

1. विवेकानन्द के जीवन से सम्बद्ध लघु चलचित्र दिखाया गया। जिसमें परिसर के सभी छात्र तथा प्राध्यापक उपस्थित थे।

2. विवेकानन्द के जीवन से सम्बद्ध तथा उनके प्रवचन से सम्बद्ध एक प्रदशर्नी आयोजित की गयी।

3. राष्ट्रीय एकता की वर्तमान चुनौतियों तथा समाधान विषय पर भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया।

4. युवाओं के व्यक्तित्व विकास में सोशल मिडिया का प्रभाव इस विषय के पक्ष व विपक्ष में वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

5. वर्तमान समय में युवाओं के व्यक्तित्व विकास में स्वामी विवेकानन्द के विचारों की प्रासंगिकता इस विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वेदवेदांग संकाय अध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा उपस्थिति थे तथा कार्यक्रम की अध्यता परिसर प्राचार्य डॉ. प्रकाश पाण्डेय महोदय ने की। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. गजेन्द्र शर्मा ने किया।

3.8. वसन्त पंचमी पूजन – 22.01.2018 को डॉ. हिन्दीकेसरी सभागार में सरस्वती पूजन समारोह वैदिकमन्त्रोच्चारण तथा पौराणिक विधियों के अनुसार सम्पूर्ण परिसरीय कर्मचारी तथा छात्रों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

3.9. व्याकरण विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवम् विशिष्ट व्याख्यान – दिनांक 19 से 23 मार्च, 2018 को जयपुर परिसर के व्याकरण विभाग के द्वारा राष्ट्रीय गोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। गोष्ठी का विषय व्याकरण विद्या रहा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यातिथि प्रो. अशोक तिवारी, सारस्वतातिथि प्रो. श्रीकृष्णशर्मा तथा सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. राजधर मिश्र प्रो. प्रमोद शर्मा आदि विद्वान थे। इस कार्यक्रम का संयोजन व्याकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो. शिवकान्त झा, संचालन डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बाह्य विद्वानों के अतिरिक्त परिसरीय विद्वान् तथा शोधच्छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

3.10. व्याकरणपरिषद् का गठन एवं उद्घाटन –

29.8.2017 को व्याकरण विभाग में व्याकरण परिषद का उद्घाटन किया गया। जिसमें छात्राध्यक्ष के रूप में आचार्य द्वितीय वर्ष के कृष्ण वैष्णव, उपाध्यक्ष के रूप में आचार्य प्रथम वर्ष की छात्र आशीष शर्मा, सचिव पद के लिए शास्त्री तृतीय वर्ष की छात्रा का चयन किया गया। चयन प्रक्रिया परीक्षा में प्राप्त सर्वश्रेष्ठ अंक के आधार पर थी। दिनांक 8.9.2017 को परिषद् की द्वितीय संगोष्ठी, 9.2.2018 को तृतीय संगोष्ठी एवं 8.3.2018 को चतुर्थ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 29.3.2018 से 02.04.18 तक व्याकरण विभागीय शैक्षिक भ्रमण पर छात्रों को ले जाया गया।

11. ज्योतिष विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान-

जयपुर परिसर के ज्योतिष विभाग में ज्योतिष विभागीय छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निम्न गतिविधियों का संचालन किया गया-

- वाग्वर्धिनी परिषद का गठन
- टेलिस्कोप द्वारा प्रायोगिक नक्षत्र परीक्षण
- वेधशाला (जन्तर-मन्तर) का दर्शन
- सत्रीय मूल्यांकन कार्य
- विविधयन्त्रों द्वारा प्रायोगिक
- प्रो. रामचन्द्र झा का उपरागसाधन विषय पर व्याख्यान
- विद्या विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी
- नक्षत्रजातकम् ग्रन्थ के विषय में प्रोजेक्ट का सम्पादन
- फलितज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम

❖ **साहित्य विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान** –

दिनांक 19-23, 2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन साहित्य विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि पूर्व आचार्य साहित्य विभाग जयपुर, सारस्वत अतिथि के रूप में डॉ. उमेश नोपाल, प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा, डॉ. राकेश जैन आदि विद्वान् उपस्थित रहे। गोष्ठी का संयोजन प्रो. रामकुमार शर्मा एवं संचालन डॉ. राकेश जैन द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में अध्यापकों एवं शोधच्छात्रों द्वारा अनेक शोध पत्र पढे गए। गोष्ठी की

अध्यक्षता प्राचार्य महोदय द्वारा की गयी। प्रत्येक गुरूवार को वाग्वर्धिनी परिषद् के अन्तर्गत "काव्यश्लोकव्याख्यानपद्धतिः" कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें नैषधीयचरित के दशम तथा तेरहवें सर्ग के श्लोकों पर छात्रों तथा प्राध्यापकों के द्वारा इस क्रम से व्याख्यान पद्धति बतलायी गयी - उच्चारण, छन्द, पदच्छेद, खण्डान्वयक, पदार्थोक्ति, समासविग्रह, दण्डान्वय, वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ, व्यंग्यार्थ, भावार्थ अलंकार तथा वाच्यपरिवर्तनादिव्याकरणक्रिया का उल्लेख किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से छात्रों ने श्लोकों के मौखिक व्याख्यान पर प्रकाश डाला तथा प्राचार्य महोदय की यथासमय उपस्थिति छात्रों के लिए भी प्रेरणाप्रद रही।

❖ दर्शन विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान-

दिनांक 19-23 मार्च, 2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दर्शन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें प्रो. कमलनयन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं प्रो. बौआनन्दझा सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। गोष्ठी का आयोजन प्रो. वैद्यनाथ झा द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में परिसरीय अध्यापक एवं शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय द्वारा की गयी।

❖ धर्मशास्त्र विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान -

दिनांक 19-23.03.2018 को एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन धर्मशास्त्र विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें आचार्य कमलनयन शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में एवं भगवान सहाय शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस गोष्ठी का आयोजन धर्मशास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. भगवती सुदेश तथा संचालन अतिथि अध्यापिका डॉ. कृष्णा शर्मा द्वारा किया गया। जिसमें परिसरीय अध्यापकों एवं परिसरीय शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया। धर्मशास्त्र विभाग शैक्षणिक सत्र 2017-18 में दिनांक 15.11.2017 को तथा दिनांक 08.03.2018 को कक्षा में छात्रों की सामूहिक संगोष्ठी आयोजित हुई। जहाँ सभी छात्रों ने प्राध्यापक के समक्ष अपना-अपना पत्रवाचन किया।

❖ जैनदर्शन विभागीय राष्ट्रीय संगोष्ठी -

दिनांक 19 से 23.3.2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन जैनदर्शन विभाग के द्वारा किया गया। जिसमें विशिष्ट व्याख्याता प्रो. उदयचन्द जैन संयोजन दर्शनविभागाध्यक्ष प्रो. श्रीयांशकुमार सिंघई, प्रो. कमलेशकुमार जैन द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में परिसरीय अध्यापकों एवं परिसरीय शोधच्छात्रों द्वारा विविध शोधपत्रों का वाचन किया गया।

❖ वेद विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान-

वेद विभाग द्वारा दिनांक 19 से 23.03.2018 को राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. राजेन्द्र मिश्र, सारस्वत अतिथि लम्बोदर मिश्र, संकाय अध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा एवं अध्यक्ष डा. प्रकाश पाण्डेय, सत्राध्यक्ष प्रो. वैद्यनाथ झा मंच संचालक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार पाठक, कार्यक्रम संयोजक प्रो. श्रीधर मिश्र रहे। इसके अतिरिक्त परिसरीय विद्वानों एवं शोधच्छात्रों द्वारा उपर्युक्त विषय पर शोधपत्र पढ़े गए।

❖ आधुनिक विभागीय एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान-

आधुनिक विभाग द्वारा दिनांक 26.02.18 को 'भाषा, साहित्य, समाज, विज्ञान, एवं तकनीकी विषयों के आधुनिक राष्ट्रीय संगोष्ठी' विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें मुख्य अतिथि प्रो. एच.के.शर्मा, विशिष्ट अतिथि प्रो. नन्दभारद्वाज, सारस्वत अतिथि प्रो. प्रवीण गुप्ता, डॉ. ललितशर्मा आदि उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. गजेन्द्र शर्मा अध्यक्ष आधुनिक विभाग एवं संचालन डा. सुभाष चन्द तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रो. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया। इस गोष्ठी में बाह्य विद्वान् एवं परिसरीय विद्वान् तथा शोधच्छात्रों द्वारा शोधपत्रों का वाचन किया गया। इस सेमिनार में डॉ. रेखा पाण्डेय ने स्वागत भाषण दिया एवं डॉ. सुभाष, डॉ. नमिता मित्तल, कुमारी कान्ता गिलानी ने मंच संचालन किया तथा डॉ. विनी शर्मा ने सेमिनार का प्रतिवेदन सुनाया। आधुनिक विभाग के सभी प्राध्यापक एवं छात्रों द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

❖ क्रीडा विभाग की विशिष्ट उपलब्धियाँ-

प्रो. गजेन्द्रप्रकाश शर्मा के निर्देशन में परिसर के छात्रों ने अन्तःपरिसरीय युवमहोत्सव में प्रतिभाग करके उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की।

❖ शिक्षाशास्त्र विभाग की वार्षिक गतिविधियाँ – 2017–18

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	विवरण
1.	सत्रारम्भ	27.06.2017
2.	कक्षारम्भ	13.07.2017
3.	पाठयोजना निर्माण एवं प्रदर्शन	11 जुलाई 2017
4.	स्वतन्त्रता दिवस	15.08.2017
5.	शिक्षक दिवस	05.09.2017
6.	हिन्दी पखवाड़ा	01.09.2017 से 04.09.2017
7.	विद्यालय अवबोधान कार्यक्रम व संस्कृत संभाषण (01 विद्यालयों में)	01.09.2017 से 18.09.2017
8.	राष्ट्रीय एकता दिवस	05.09.2017
9.	(द्वितीय वर्ष) समालोचनात्मक पाठ	15–25.11.17
10.	प्रथम वर्ष सूक्ष्मशिक्षणाभ्यास कार्यक्रम	01.09.2017 से 13.11.2017
11.	कार्यशाला संस्कृत विकीपीडिया	15–16.02.2018
12.	गणतन्त्र दिवस समारोह	26.01.2018
13.	विशिष्ट व्याख्यानमाला	23.02.2018
14.	शाब्दबोध विषय पर राष्ट्रपति सम्मानित विद्वान् डॉ. प्रमोद शर्मा एवं डॉ. विष्णुकान्तपाण्डेय द्वारा विशिष्ट व्याख्यान	21.01.2018
15.	कला एवं शिल्प कार्यशाला	8–9.01.2018
16.	प्रायोगिक परीक्षा	28.01.2018 से 03.02.2018
17.	शिक्षणसहायक उपकरण प्रदर्शनी	22.02.2018
18.	राष्ट्रिय संगोष्ठी	19.03.2018 से 23.03.2018
19.	नशा मुक्ति/पक्षी बचाओं/सामाजिक चेतना यात्रा एवं वीथी नाटक	12.01.2018

"बेटी बचाओ बेटी पढाओ" विषय पर संस्थान के छात्रों द्वारा निर्मित "मम पुत्री मम गौरवम्" शीर्षकांकित लघुचलचित्र का बालिका दिवस के अवसर पर दिनांक 11.10.2018 को विशेष प्रदर्शन।

विशेष उपलब्धि

1. उपकरणों से सुसज्जित एवं समृद्ध प्रयोगशालाएँ

* मनोविज्ञान प्रयोगशाला
* शैक्षिक तकनीकी प्रयोगशाला
* सामाजिक – अधययन प्रायोगिक कक्ष
* कला शिल्प कक्ष

2. परिसर पुस्तकालय के अतिरिक्त पृथक् शिक्षा–शास्त्र विभाग का समृद्ध पुस्तकालय जिसमें 2 हजार पुस्तकें कुल 762 शीर्षकों को समाहित करते हुए तैयार किया गया हैं।

3. वर्तमान में प्राय: अधिकांश: अध्यापक अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यताओं का अर्जन निरन्तर कर रहे हैं तथा नवीनतम पाठ्यक्रम के विकास हेतु अपना योगदान देने हेतु तत्पर हैं।

❖ राष्ट्रीय सेवा योजना –

* 22.9.2017 मंगलवार को एकदिवसीय शिविर का आयोजन

* 2.10.2017 शुक्रवार को एकदिवसीय शिविर "हमारा परिसर स्वच्छ परिसर" (स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत) का आयोजन।

* यूनियन बैंक द्वारा प्रायोजित "Vigilance Awareness Week" के अन्तर्गत "Preventeive vigilance as tool if good Governance" विषयक प्रोग्राम में NSS की परिसर इकाई के 8 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें प्रतिभागियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा।

* 1.12.2017 को एड्स दिवस पर जागरूकता सम्बन्धी रैली का आयोजन।

❖ प्राकृत अध्ययन–शोध–केन्द्र –

सम्पादित कार्य –

1. दंसणकहरयण करंडु पाण्डुलिपि का सम्पादन तथा हिन्दी अनुवाद – प्रथम संधि से ग्यारहवीं संधि तक (प्रस्तावना सहित) सम्पन्न।

2. (क) मागधी प्राकृत के प्राचीनतम अभिलेख

(ख) मध्यकालीन मागधी प्राकृत के संदर्भ

(ग) मध्यकालीन मागधी प्राकृत व्याकरण

(घ) मागधी–प्राकृत–संस्कृत–हिन्दी कोश

(च) मागधी प्राकृत की व्यक्ति विशेष विभाषा : शाकारी

3. (क) प्राकृत –शोध योजना गाहारण्यकोसो की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य पूर्ण।

(ख) कण्हचरियं की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद के अन्तर्गत 420 गाथाओं का कार्य सम्पन्न।

संचालित कार्य

1. दंसणकहरयण करंडु पाण्डुलिपि का सम्पादन तथा हिन्दी अनुवाद - बारहवीं संधि से एक्कीसवीं संधि तक।

2. मागधी प्राकृत की क्षेत्रीय विभाषाएँ : ढक्की, बाह्लीकी, ओड्री, औत्कली, दाक्षिणात्या, आन्ध्रजा।

3. कण्हचरियं की संस्कृतच्छाया एवं हिन्दी अनुवाद के अन्तर्गत 421 से 1000 गाथाओं तक का निर्माण।

राजकीय सेवा में नियुक्त परिसर के छात्रों का विवरण

संस्थान से उत्तीर्ण अनेक छात्रों का राजस्थान राज्य में एवं अन्य राज्यों में भी विविध पदों के लिए चयन होता है। इस वर्ष प्रथम श्रेणी अध्यापक के रूप में 10 छात्रों का एवं द्वितीय श्रेणी अध्यापक के रूप में 82 छात्रों का चयन राजकीय सेवा के लिए हुआ है।

यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ. प्राप्त छात्रों का विवरण -

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्थान के छात्रों ने राष्ट्रीय अध्यापक पात्रता परीक्षा उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। इस सत्र में 3 छात्रों ने जे.आर.एफ. एवं 10 छात्रों ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है।

वर्ष 2017-18 में परिसर में सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त पत्रों का विवरण निम्न प्रकार से है-

1. प्राप्त पत्र	01
2. निस्तारित पत्र	01

4.2.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर-परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्तपोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा वर्ष 1986 में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में लखनऊ में स्थापित हुई। वर्ष 2002 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। वर्ष 2012 में संस्थान को राष्ट्रिय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन संस्थान (नैक) द्वारा ए श्रेणी से सुशोभित किया गया। संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है। लखनऊ परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्ध दर्शन, शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०) में स्थित है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक-पृथक आवास की व्यवस्था है। लखनऊ परिसर अन्य शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य विद्या का भी केन्द्र है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्मसमन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र के इस नगर में इस तरह के संस्कृत संस्थान का होना विशिष्ट महत्व रखता है। परिसर का विस्तार 10 एकड़ भूमि पर है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम-

1. प्राक्शास्त्री
2. शास्त्री
3. आचार्य
4. शिक्षाशास्त्री
5. विद्यावारिधि

शास्त्रीय विषय-

1. नव्यव्याकरण
2. प्राचीन व्याकरण
3. साहित्य
4. सिद्धान्त ज्योतिष
5. फलित ज्योतिष
6. बौद्ध दर्शन
7. वेद
8. शिक्षाशास्त्र

आधुनिक विषय-

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. राजनीतिक विज्ञान
4. अर्थशास्त्र
5. कम्प्यूटर

मुक्तस्वाध्याय पीठीय पाठ्यक्रम-

1. प्राकशास्त्री सेतु
2. प्राकशास्त्री
3. शास्त्री सेतु
4. शास्त्री
5. आचार्य सेतु (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष)
6. आचार्य (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष)

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम-

1 पाली
2. प्राकृत

3. भोट भाषा

4. ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम

वर्ष 2017-18 में हुई परिसरीय गतिविधियाँ

परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए हैं, जो कि निम्नलिखित हैं-

1. 21 जून 2017 दिनांक को परिसर में अन्तर्राष्ट्रिययोग दिवस मनाया गया। यह आई.सी.पी.आर. लखनऊ तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के तत्वावधान में मनाया गया। इसमें डॉ. लूसी की सहभागिता विशेष रही।

2. परिसर में 15 जुलाई से 15 अगस्त तक श्री प्रमोद कुमार शुक्ल के द्वारा सरल संस्कृत सम्भाषण चलाया गया।

3. 21 जुलाई 2017 को वित्तीय शिक्षण एवं जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4. 28 जुलाई 2017 को वाग्वर्धिनी सभा का उद्घाटन किया गया जो छात्रों के भाषा विकास के लिए उपयोगी है।

5. 4 अगस्त 2017 से 10 अगस्त तक संस्कृतसप्ताह का आयोजन किया गया। जिसमें कानूनमन्त्री उ०प्र० श्रीमान ब्रजेश पाठक एवं प्रो.सर्वनारायण झा (कुलपति, दरभंगा सं. वि.वि.) श्रीमती डॉ पूजा व्यास, (निदेशिका, आई.सी.पी. आर.) का विशेष उद्बोधन हुआ।

6. 7 अगस्त 2017 को पूर्व प्राचार्यों का स्वागत किया गया जिसमें प्रो. सुरेन्द्र पाठक, प्रो. उमारमण झा, प्रो. रामसागर मिश्र, प्रो. सुरेन्द्र झा, प्रो. आजाद मिश्रादि विद्वान् उपस्थित रहे।

7. 15 अगस्त 2017 को स्वतन्त्रता दिवस मनाया गया जिसमें कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय सहित समस्त परिसरीय प्राध्यापक छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

8. 17 अगस्त 2017 को पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. सुरजीत सिंह डंग, तथा तत्कालीन राज्य मानव संसाधन मन्त्री श्रीमान् महेन्द्र नाथ पाण्डेय जी का उद्बोधन हुआ।

9. 01 सितम्बर 2017 से 15 सितम्बर तक परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया।

10. 14 सितम्बर से 20 सितम्बर तक हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। जिसका संयोजन कार्य प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय जी ने किया।

11. 31 अगस्त 2017 को राष्ट्रिय एकता दिवस के उपलक्ष्य में विविध प्रतियोगिता एवं शोभा यात्रा का आयोजन किया गया।

12. 30 अक्टूबर से 04 नवम्बर 2017 तक जागरुकता सप्ताह का आयोगण किया गया।

13. 02 नवम्बर 2017 को ज्योतिषपरिचय पाठ्यक्रम के 13वाँ चक्र का उद्घाटन किया गया।

14. 11 नवम्बर से 12 नवम्बर 2017 तक राज्यस्तरीय शास्त्रीय चयनस्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. कमलेश झा, प्रो. जानकी प्रसाद द्विवेदी, प्रो. आजाद मिश्र एवं प्रो. धनीन्द्र कुमार झा जी ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

15. 15 दिसम्बर 2017 को परिसर में संस्कृत भारती द्वारा संस्कृत विज्ञान प्रदर्शिनी का आयोजन किया गया।

16. 05 जनवरी 2018 को श्रीमान् राजेश कुमार मिश्र का सौप्रस्थानिक एवं डॉ. प्रदीप दीक्षित, सुश्री ज्योति सिंह जी का स्वागत कार्यक्रम किया गया।

17. 10 जनवरी 2018 को विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमान प्रमोद कुमार शुक्ल, श्रीमान् घनानन्द त्रिपाठी, डॉ. हरशान्तवीर सिंह एवं श्री कन्हैया लाल ने काव्यपाठ किया।

18. 22 जनवरी 2018 को बसन्तपंचमी के अवसर पर परिसर में सरस्वती का पूजन किया गया।

19. 26 जनवरी 2018 को परिसर में गणतन्त्र दिवस मनाया गया। जिसमें प्राचार्य सहित समस्त परिसरीय प्राध्यापक छात्र-छात्राएं एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

20. फरवरी एवं मार्च महीने में छात्रों के लिए एक अतरिक्त परामर्श कक्षाएं लगाई गयी। जिसमें बाहर से आये हुए विद्वानों ने छात्रों का मार्ग दर्शन किया।

21. 21 फरवरी से 23 फरवरी 2018 तक विविध विभागों में वार्षिक शैक्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसका संयोजन कार्य व्याकरण विभागीय प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी एवं श्रीमान प्रमोद कुमार शुक्ल जी ने किया।

22. 27 फरवरी 2018 को व्याकरण विभाग में छात्रों के उत्साह वर्धन के लिए एक प्राक्शास्त्रि स्तर पर शलाका परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें निर्णायक की भूमिका

में प्रो. धनीन्द्रकुमार झा, प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी, डॉ. यदुवीरस्वरूप ब्रह्मचारी, डॉ. प्रवीण चौधरी थे।

23. एक दिवसीय वेद-व्याकरण विभागीय अखिल भारतीय शास्त्रीय संगोष्ठी दिनांक 14.03.2018 को "वैश्विकसंदर्भे वेदानां महत्वम् एवं व्याकरणशास्त्रे वृत्तिनिरूपणम्" विषय पर आयोजित हुई। इसमें विभिन्न प्रान्तों के विद्वान् सम्मिलित हुए जिसमें प्रो. हृदयरंजनशर्मा एवं डा. रामसलाही द्विवेदी, जी उपस्थित थे।

24. 16 मार्च 2018 को साहित्य विभागीय संगोष्ठी सम्पन्न हुई। बाह्य विद्वान प्रो. विजय कुमार पाण्डेय थे, जिसके संयोजक डॉ. पवन कुमार दीक्षित जी थे।

25. 20 मार्च 2018 को ज्योतिष विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी हुई जिसमे श्रीमान कृपाशंकर मिश्र, प्रो. ब्रजेश कुमार शुक्ल, श्री वैद्यनाथ मिश्र, डॉ. प्रयाग नारायण मिश्र एवं समस्त विभागीय प्राध्यापक के उद्बोधन से कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

26. आधुनिक विभागीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 27 मार्च 2018 को "राष्ट्रियता एवं स्त्री विमर्श" विषय पर आयोजित हुई। जिसमें प्रो. विजय कुमार जैन, प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय एवं परिवहन मन्त्री श्रीमान् स्वतंत्रदेव महोदय तथा सुश्री श्वेता सिंह भी उपस्थित रहीं।

27. 28 मार्च 2018 को बौद्धदर्शन एवं शिक्षाशास्त्र विभागीय राष्ट्रियसंगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे प्रो. करुणेश शुक्ल, एवं भदन्तशान्तिमित्रमहाथेर जी उपस्थित रहे।

28. 23 मार्च 2018 से एक सप्ताह का 'राष्ट्रिय सेवा योजना कार्यक्रम चला, जिसमें 100 छात्रों ने भाग लिया इसके समन्वयक डॉ. पवन कुमार एवं डॉ. एस.पी.सिंह हैं।

29. 30 मार्च 2018 को परिसर में वर्षिकोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यातिथि के रूप में प्रो.वी.मुरलीधरन्, उपस्थित रहे।

मुम्बई युवामहोत्सव में छात्रों का प्रतिभा प्रदर्शन

मुम्बई में आयोजित युवामहोत्सव में विविध प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त कर तथा अन्य सभी प्रतिभागियों ने अच्छा प्रदर्शन कर परिसर एवं उत्तर प्रदेश को गोरवान्वित किया है। छात्रों की सूची -

(i) भास्करकाण्डपाल (तबला वादन)

(ii) पतंजलि त्रिपाठी (संस्कृतवार्ता लेखन)

(iii) कबड्डी टीम

द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हैं-

(i) शीतल- (श्लोकगायन)

(ii) विशाल शर्मा (कुश्ती)

(iii) प्रदीप (चक्का फेंक)

(iv) सोमदेव एवं मनीष (बैडमिण्टन)

तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र हैं -

(i) सनितगौड (कुश्ती)

(ii) चन्दनसरकार (कुश्ती)

(iii) प्रदीप (गोला फेंक)

(iv) हर्षित (कुश्ती)

(v) अंकित पाण्डेय (शास्त्रीय एवं एकल गायन)

(vi) आनन्द एवं मयोभव (स्फूर्तिस्पर्धा)

इस युव महोत्सव की सफलता में प्रो. पाण्डेय, सुश्री ज्योति सिंह के साथ छात्रों ने अथक परिश्रम किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	0
उत्तर प्रेषित	-	0

4.2.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान ने अपने अंगीभूत इकाई के रूप में 13 जनवरी 1992 को राजीव गांधी केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना शृंगेरी में की। उस समय भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. अर्जुन सिंह जी, संस्थान के अध्यक्ष थे। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरामन् के कर कमलों द्वारा दिनांक 05 मार्च 1992 को इस परिसर का उद्घाटन हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा.वि) राजीव गांधी परिसर के नाम से जाना जाता है। इस परिसर के मुख्य भवन का निर्माण केंद्रीय निर्माण विभाग ने 1.63 करोड़ की लागत से किया। द्वितीय चरण में छात्र एवं छात्राओं के लिए छात्रावास प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के लिए आवास का निर्माण रू 4. 17 करोड़ की लागत से किया गया।

परिसर में वर्तमान सत्र – 2017-18 में कुल 470 छात्र-छात्राओं ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्राप्त किया है। यह परिसर श्रद्धेय श्री जगद्गुरू श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी तथा श्रद्धेय जगद्गुरू श्री विधुशेखर भारतीतीर्थ महास्वामीजी और आदरणीय पद्मश्री. डॉ.वी.आर. गौरीशंकर प्रशासक श्री शारदापीठ, शृंगेरी, एवं स्थानीय सलाहकार समिति राजीव गांधी परिसर शृंगेरी, के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता है। जिनकी महान उदारता से हमारे परिसर के छात्र छात्राओं का दोपहर शारदा प्रसाद उपलब्ध कराया जाता है।

परिसर की स्थिति

परिसर हेतु कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी मेणसे में 10.2 एकड भूमि प्रदान की गई है, जो राज्य के चिकमंगलूरू जिले में स्थित है। यह परिसर मंगलूर से 120 कि.मी., बेंगलूर से 380 कि.मी., उडुपि से 90 कि.मी. और शिवमोग्ग जंक्शन से 105 कि.मी., की दूरी पर स्थित है। शिवमोग्ग (जं) बेंगलूर से रेलमार्ग द्वारा जुड़ा है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

यह परिसर साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैतवेदान्त मीमांसा, नव्यन्याय और फलितज्योतिष विषयों में आचार्य (एम.ए) शास्त्री (बी.ए) स्तर तक की, शिक्षाशास्त्री (बी.एड) और प्राक्शास्त्री (इण्टरमीडिएट) स्तर तक की शिक्षा प्रदान करता है।

इस परिसर द्वारा शोध छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने के पश्चात्, विद्यावारिधि (पी.एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त आधुनिक विषयों के अंतर्गत हिंदी, कन्नड़, अंग्रेजी, इतिहास, डिप्लोमा, शास्त्री प्रतिष्ठा, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा की विशेष व्यवस्था है।

विविध परिषद् एवं व्याख्यानमाला – छात्र-छात्राओं के शास्त्र कौशल, विविध शैक्षिक-सांस्कृतिक प्रतिभा के विकास, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध परिषदों का गठन हुआ जिस में वाग्वर्धिनीपरिषद्, स्पर्धिष्णुपरिषद्, वाक्यार्थपरिषद् और विशिष्टव्याख्यानमाला प्रमुख हैं जिनका विवरण अधोलिखित है।

1. **वाग्वर्धिनीपरिषद्**- वाग्वर्धिनीपरिषद् का गठन छात्रछात्राओं के संस्कृत संभाषण के प्रवीणता और शास्त्र में अध्ययन की पारंगता का अवलोकन करने के लिये किया जाता है। इससे उन्हें स्वतन्त्र रूप में चिन्तन मनन की प्रेरणा मिलती है। सत्र 2017-2018 परिषद के समन्वय के रूप में न्यायविभाग के डॉ. नवीन होळ्ळजी एवं साहित्यविभाग के डॉ. विनय कुमार कोम्पल्लिजी को नियुक्त किया गया है। श्री सुब्राय हेच्.जे. (आचार्य-II) एवं योगिता छत्रे (आचार्य-II) को कार्यदर्शी का दायित्व दिया गया। प्रत्येक कक्षाप्रतिनिधि को भी सहयोग हेतु लगाया है। इस वर्ष शास्त्री से आचार्यस्तर तक 14 तथा प्राक्शास्त्रीस्तर में 17 अधिवेशन आयोजित हो चुके हैं।

2. **स्पर्धिष्णुपरिषद** - इस परिसर का गठन राष्ट्रीय, प्रान्तीय एवं क्षेत्रीय स्तर की विविध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं खेल-कूद की प्रतियोगिताओं में स्मृति मेधा विविध कलाओं एवं शारीरिक शक्ति के प्रशिक्षणार्थ छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जाता है। शैक्षिक सत्र 2017-2018 के लिए शिक्षाशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डा. रामचन्द्रुल बालाजी

महोदयजी एवं ज्योतिष विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रसाद भट्टजी को मार्गदर्शक बनाया गया। आचार्य द्वितीयवर्ष के प्रमोद जी. के., आचार्य प्रथमवर्ष के अश्विन भट्ट और शास्त्री तृतीय वर्ष के शरण्य पि. को कार्य दर्शी का दायित्व दिया गया। इस सत्र में विविधस्पर्धाओं का संचालन हुआ, बाह्यसंस्थाओं को अनेक प्रतियोगिताओं में परिसर के श्रेष्ठ छात्रों को भेजा गया और संस्था परिसर की विजयवैजयन्ती सहित विविध पुरस्कार अर्जित किये। जिनका संक्षिप्त विविरण इस प्रकार है।

1. दिनाङ्क 17 अगस्त 2017 श्रावण कृष्ण दशमी को धारवाड नगर में कर्णाटक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नाटक स्पर्धा में 14 छात्रों ने भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2. दिनांक 3 सितम्बर 2017, भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को शिवमोग्गानगर में संस्कृतभारती तथा तरूणोदय संस्कृत सेवा संस्थान द्वारा आयोजित भाषण स्पर्धा में परिसर छात्रों ने भाग लिया और प्रथम तथा द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।

3. दिनांक 4,5 नवम्बर 2017, कार्त्तिक पूर्णिमा को स्वर्णवली महासंस्थान में आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धा में हमारे परिसर के छात्रों ने भाग लिया और 4 स्पर्धाओं में प्रथम पुरस्कार, 5 स्पर्धाओं में द्वितीय पुरस्कार और 5 स्पर्धाओं में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किये।

4. दिनांक 12 नवम्बर 2017, कार्त्तिक शुक्ल चतुर्थी को अगरतला क्षेत्र में हुए कौमुदी महोत्सव में परिसर के 24 छात्र-छात्राओं ने भाग ग्रहण कर नाट्य स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

5. दिनांक 3 दिसम्बर 2017, मार्गशीर्ष पूर्णिमा को उडुपि नगर में हुई राज्यस्तरीय शास्त्र प्रतियोगिता में हमारे परिसर के छात्रों भाग लेकर के 5 स्पर्धाओं में प्रथम, 5 स्पर्धाओं में द्वितीय, 8 स्पर्धाओं में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करके परिसर की शोभा को बढाया।

6. दिनांक 6 दिसम्बर 2017, मार्गशीर्ष कृष्ण तृतीया को Times of India संस्था द्वारा सञ्चालित स्पर्धा में हमारे परिसर के छात्र ने भाग लेकर के प्रथम स्थान प्राप्त किया।

7. दिनांक 28 दिसम्बर 2017, पौष शुक्ल दशमी को शृंगेरी के जगद्गुरु चन्द्रशेखर भारती कलाशाला में आयोजित विवेकानन्दसप्ताह के अन्तर्गत भाषण स्पर्धा में हमारे छात्र ने भाग लेकर के प्रथमस्थान प्राप्त किया।

8. दिनांक 19-20 जनवरी 2018, पौष शुक्ल द्वितीया को अगरतला में आयोजित राष्ट्रस्तरीय शास्त्र प्रतियोगिता में परिसरीय छात्रों ने भाग लेकर प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किये।

3. वाक्यार्थपरिषद - इस में छात्रों प्राध्यापकों एवं विद्वानो में शास्त्रीय तेजस्विता के प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन हेतु विविध शास्त्रों के निष्णात प्राध्यापक, आचार्य अपने-अपने शास्त्र से सम्बन्धित परम्परागत शैली में वाक्यार्थ प्रस्तुत कर शास्त्रचर्चा करते हैं। इस शैक्षिक सत्र में मीमांसा विभाग के प्राध्यापक डा. एन्. वेङ्कटेश तातार्यजी एवं व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डॉ. प्रमोद भट्टजी को इसका समन्वयक बनाया गया। इस सत्र में हुए वाक्यार्थ परिषद् के अधिवेशनों का विवरण निम्नलिखित है -

1. वाक्यार्थ परिषद का प्रथम अधिवेशन दिनांक 11 अगस्त 2017 को श्रावण कृष्ण चतुर्थी में सम्पन्न हुआ जिस की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्दजी ने की। वाक्यार्थ कर्त्ता विद्वान् एवं उनके विषय का विवरण निम्नवत है-

प्रो. महाबलेश्वर पि.भट्टजी - 'प्राणाधिकरणम्' इस विषय में (अद्वैतवेदान्त)

प्रो. के.ई. मधुसूदनजी - 'उपाधिनिरूपणम्' इस विषय में (नव्यन्याय)

डॉ. चन्द्रकान्तजी - 'शिक्षणसूत्रशास्त्रसूत्रम्' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

डॉ. के.ए. पद्मनाभजी - 'एत्येधत्यूट्सु' इस विषय में (व्याकरण)

डा. चन्द्रकला आर्. कोण्डिजी - 'सहृदयः' इस विषय में (साहित्य)

2. वाक्यार्थ परिषद का द्वितीय अधिवेशन दिनांक 18 सितम्बर, 2017 को भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी में प्रातः 10.30 बजे प्रो.महाबलेश्वरभट्टजी के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विद्वान् एवं उनके विषय का विवरण इस प्रकार है -

* प्रो. सुब्राय वि. भट्टजी - 'अनुपलब्धिः' इस विषय में (मीमांसा)

* डा. नवीनहोळ्ळजी - 'न्यायदर्शनेऽपवर्गविचारः' इस विषय में (नव्यन्याय)

* डा. राघवेन्द्र भट्टजी - 'साधर्म्यमुपमाभेदः' इस विषय

में (साहित्य)

* डा. वेङ्कटरमण एस्. भट्टजी- 'विविधस्तरेषु संस्कृत-पाठ्यपुस्तकनिर्माणसिद्धान्ता:' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

* श्री रमानन्द एन्. भट्टजी - 'अयनांश:' इस विषय में (वास्तुशास्त्र)

3. वाक्यार्थ परिषद का तृतीय अधिवेशन दिनांक 16 अक्टूबर 2017 को सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता डा. चन्द्रकान्त भट्टजी ने की। विद्वान एवं उनके विषय का विवरण इस प्रकार है -

* डा. रामचन्द्रुल बालाजी महोदय - 'संश्लिष्टभावना' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

* डा. के. हरिप्रसादजी- 'अन्त:क्रिया' इसविषय में (शिक्षाशास्त्र)

* डा. सूर्यनारायण भट्टजी - 'आतिथ्याबर्हिर्न्याय:' इस विषय में (मीमांसा)

* श्री. ए. श्यामसुन्दरजी - 'धेनुशब्दशक्तिविचार' इस विषय में (नव्यन्याय)

* डा. टि. मुरलीकृष्णजी - 'विंशोत्तरीदशाक्रम:' इस विषय में (ज्योतिष)

4. वाक्यार्थ परिषद का चतुर्थ अधिवेशन दिनांक 17 नवम्बर 2017 को कार्त्तिक कृष्ण द्वादशी में प्रात: 10.30 बजे शुरु हुआ। जिस की अध्यक्षता प्रो. सुब्राय वि. भट्टजी ने की। विद्वान एवं उनके विषय का विवरण इस प्रकार है -

* डा. सि. एस्. एस्. नरसिंहमूर्तिजी - 'षष्ठीस्थानेयोगा' इसविषय में (व्याकरण)

* डा. गणेश ईश्वर भट्टजी - 'ब्रह्मण: वृत्तिव्याप्यत्वम्' इस विषय में (वेदान्त)

* डा. आर्. नवीनजी 'न्यायकुसुमञ्जलौ कारणत्व-विचार:' इस विषय में (नव्यन्याय)

* डा. अरविन्द कुमार सोमदत्तजी - 'रचनाशिक्षणम्' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

* डा. प्रदीप शर्माजी - 'सुनफादियोगविमर्श:' इस विषय में (ज्योतिष)

5. वाक्यार्थ परिषद का पाँचवाँ अधिवेशन 18 दिसम्बर 2017 को मार्गशीर्ष अमावस्या में शुरु हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रो. का. इ. मधुसूदन जी ने किया। विद्धान् एवं उनके विषय का विवरण इस प्रकार है।

* डा. चन्द्रशेखर भट्टजी - 'उपमानानि सामान्यवचनै:' इस विषय में (व्याकरण)

* डा. एस्. वेङ्कटेश तातार्यजी - 'अभ्युदयेष्टि' इस विषय में (मीमांसा)

* डा. कोम्पल्लि विनय कुमारजी - 'वीररसविवेचनम्' इस विषय में (साहित्य)

* डा. सुधांशु कुमार नन्दजी - 'वास्तुशास्त्रोक्त-भूपरीक्षणविधि:' इस विषय में (वास्तुशास्त्र)

* श्री श्रीकरजी - 'रससूत्रव्याख्याविचार:' इस विषय में (साहित्य)

6. वाक्यार्थ परिषद का छठा अधिवेशन 31 जनवरी 2018 को माघ पूर्णिमा में संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता डा. सि.एस्.एस्.एन्. मूर्तिजी ने किया। विद्वान एवं उनके विषय का विवरण इस प्रकार है।

* डा. श्रीकर जी. एन्.जी - 'दृश्यत्वहेतुनिरूपणम्' इस विषय में (अद्वैतवेदान्त)

* डा. श्रीनिवास मूर्तिजी - 'रसविषये आनन्दवर्धना-भिनवगुप्तयो: मतभेद:' इस विषय में (साहित्य)

* डा. नारायण वैद्यजी - 'अभ्यासवशगं मन:' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

* श्री अरुण भट्जी - 'न वेति विभाषा' इस विषय में (व्याकरण)

7. वाक्यार्थ परिषद का सातवाँ अधिवेशन 14 मार्च 2018 को संपन्न हुआ। जिसकी अध्यक्षता डॉ. चन्द्रकांतजी ने किया। विद्वान एवं विषय का विवरण इस प्रकार है।

* डा. गणेश पण्डितजी - 'दर्शनम्' इस विषय में (शिक्षाशास्त्र)

* डा. प्रमोद भट्टजी - "उच्चारणार्थकवर्णानाम् इत्संज्ञालोपाभ्यां निवृत्ति: उत न' इस विषय में (व्याकरण)

* डा. प्रसादभट्टजी - 'अहर्गणविचार' इस विषय में (ज्योतिष)

* श्री निरञ्जन भट्टजी-'प्रकृत्याधिकरणम्' इस विषय में (अद्वैतवेदान्त)

4. शारदाविशिष्टव्याख्यानमाला :- इस शैक्षिक सत्र में विशिष्टव्याख्यानमाला के समन्वयक का दायित्व डा.

चन्द्रकान्त भट्टजी एवं श्री श्यामसुन्दर भट्टजी को दिया गया। जिसके दो अधिवेशन पूर्ण हो चुके हैं।

* प्रथम व्याख्यान माला का उद्घाटन दिनांक 31 जुलाई 2017 को हुआ जिस मे उत्तरखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पीयूषकान्त दीक्षित जी द्वारा न्यायशास्त्र पर व्याख्यान हुआ।

* द्वितीय विशिष्टव्याख्यान दिनांक 17 अक्तूबर 2017 को व्याकरण शास्त्र में कालडि, श्रीशङ्कराचार्यविश्वविद्यालय के प्राध्यापक डा. विष्णुनम्बूदिरिजी के द्वारा किया।

* तृतीय विशिष्ट व्याख्यान दिनांक 20 नवम्बर 2017 को साहित्य शास्त्र में राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान, जयपुर परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष प्रो. रामकुमार शर्मा महोदय जी के द्वारा किया गया।

* चतुर्थ विशिष्ट व्याख्यान दिनांक 20 दिसम्बर 2017 को ज्योतिष शास्त्र में वेद संस्कृत निर्देशन संस्था के निर्देशक डा. गोपाल कृष्ण हेगड़ेजी के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

* पञ्चम विशिष्ट व्याख्यान दिनांक 16 मार्च 2018 को धारवाड, कर्नाटक विश्वविद्यालय के निवृत्त अध्यापक श्री वेणीमाधव शास्त्री महोदय द्वारा वेदान्त शास्त्र पर किया गया।

* षष्ठविशिष्ट व्याख्यान दिनांक 16 मार्च 2018 को राष्ट्रिय-संस्कृत- संस्थान के जयपुर परिसर के शिक्षाविभाग के प्राध्यापक प्रो. वाई.एस्. रमेशजी द्वारा शिक्षाशास्त्र पर किया गया।

परिसरीय अन्य गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम

परिसरीय अन्य गतिविधियाँ/कार्यक्रमों का विवरण अधोलिखित है -

1. गुरुपूर्णिमा महोत्सव-

दिनांक 09.07.2017, आषाढ़ पूर्णिमा के दिन परिसर प्रमुख प्राचार्य महोदय और सभी अध्यापकों के साथ छात्रों ने अपने अपने गुरुओं को और गुरुतत्त्व का स्मरण करते हुए गुरुगीता का पारायण करके गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर प्राचार्य ने गुरुतत्त्व विषय को लेकर सभी का उद्बोधन किया। इस कार्यक्रम का निर्वहण डा. नवीन होळ्ळ महोदय ने किया।

2. संस्कृत उत्सवः

श्रावणकृष्णतृतीया 10 अगस्त 2017 को श्रीमठीय नरसिंह वन में विराजमान श्रीगुरुनिवास में जगद्गुरु श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामीजी और श्री श्री विधुशेखर भारती तीर्थ महास्वामी जी के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन पूर्वक इस वर्ष का संस्कृतोत्सव का उद्घाटन किया गया। संस्कृत भाषा की और साधुशब्द प्रयोगों की आवश्यकता पर सप्रबोधन प्रदान कर परिसर के सभी अध्यापकों और छात्रों को अनुगृहीत किया । इस अवसर पर जगद्गुरुजी ने गतवर्ष की संगोष्ठियों में विरचित विविध विषयों के संग्रहात्मक ग्रन्थों का विमोचन किया। फिर 11 अगस्त 2017 दिनांक को श्रावण कृष्ण चतुर्थी में परिसर में संस्कृत उत्सव के समापन समारोह में अतिथि श्रीमान् दिनेश कामत् महोदय जी ने और श्रीमान् के. एम्. चन्द्रशेखर महोदय जी ने छात्रों का उद्बोधन किया। इस कार्यक्रम का संयोजन आचार्य सुबाय वि. भट्टजी और डा. रामचन्द्रुल बालाजी महोदय ने किया।

3. स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 2017 को इस परिसर प्राचार्यजी, सभी अध्यापकों और छात्रों ने स्वतन्त्रता दिवस को मनाया। ध्वजारोहण पूर्वक प्राचार्य जी ने अध्यक्षीय भाषण में स्वातन्त्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। डा. हरिप्रसादजी और श्री रामचन्द्र एच्. जी ने इस कार्य को सञ्चालित किया।

4. शिक्षक दिवस

5 सितम्बर 2017 को इस परिसर में शिक्षक दिवस का पालन हुआ। उस समारोह में परिसर प्राचार्य जी ने जयपुर के सत्यसाई संस्था के प्रमुख श्री जयन्त भट्ट महोदय का और परिसर के पूर्व अंग्रेजी शिक्षक श्री हरीश महोदय जी का सम्मान किया। डा. चन्द्रकला कोण्डी तथा डा. अरविन्द सोमदत्त जी ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया।

5. हिन्दी दिवस

14 सितम्बर 2017 को परिसर में हिन्दी दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि धारवाड नगर के कर्नाटक विश्वविद्यालय से निवृत्त आचार्य सुमङ्गला घट्टी महोदया जी थी। हिन्दी प्राध्यापिका डा. रेखा मिश्रजी के समायोजन में हुए इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य अध्यक्ष थे।

6. स्वच्छभारत अभियान कार्यक्रम

2017-18 में गान्धी जयन्ती के उपलक्ष्य में प्रो. ए.पि. सच्चिदानन्द, प्राचार्य के मार्ग निर्देशन में सभी परिसरीय प्राध्यापकों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने शपथ ग्रहण कर

दिनांक 02 अक्टूबर 2017 को स्वच्छ भारत अभियान का आरम्भ किया।

7. कन्नड राज्योत्सव

01 नवम्बर 2017 को परिसर में कन्नड राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि विभु अकादमी संस्था का प्रमुख वि.बि.आरती महोदया जी थी। इस कार्यक्रम में प्रो. पी. महाबलेश्वर भट्टजी अध्यक्ष थे। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सफल छात्रों को पुरस्कार प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक का दायित्व वेदान्त विभाग के गणेश ईश्वर भट्टजी एवं कन्नड प्राध्यापिका डा. कविता एस्. महोदया ने निर्वहन कर कन्नड राज्योत्सव को सफल बनाया।

8. राष्ट्रीय एकता दिवस एवं राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर दिनांक 07 नवम्बर 2017 को राष्ट्रीय एकता दिवस तथा राष्ट्रीय सतर्कता जागृति दिवस का आयोजन परिसर में किया गया। डा. प्रमोदजी, डा. लक्ष्मीजी, श्री गोपाल हण्डाजी, श्री वेणुगोपालजी, श्रीसतीशजी इस कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि थे। कार्यक्रम का सञ्चालन व्याकरण विभाग के प्राध्यापक डा. कृष्णानन्त पद्मनाभजी ने किया।

9. गीता जयन्ती

30 नवम्बर 2017 को परिसर में गीता जयन्ती दिवस का पालन किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर प्राचार्य सहित सभी प्राध्यापकों और छात्रों ने भगवान विष्णु की आराधना पूर्वक श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ किया। इस कार्यक्रम का सञ्चालन वेदान्त विभाग के प्राध्यापक एन्. श्रीकरजी ने किया।

10. केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षकों के सेवावृत्ति प्रशिक्षण

23 दिसम्बर 2017 को दस दिन का केन्द्रीय विद्यालय संस्कृत शिक्षकों के प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन हुआ। पद्मश्री श्री चमू कृष्ण शास्त्रीजी ने दीप प्रज्वलन कर इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मीमांसा विभागाध्यक्ष प्रो. सुब्राय भट्टजी उद्घाटन सत्र का अध्यक्ष रहे। डा. आर्. बालाजी महोदय एवं प्रमोदभट्टजी इस वर्ग के संयोजक थे।

11. राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी

22-23 जनवरी 2018 को परिसर में पूर्वोत्तर मीमांसा विभाग द्वारा "ज्ञान-कर्मणो: पुरुषत्वासाधनत्व विमर्ष:" शीर्षक को ले कर दो दिनों की राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संस्कृत शोध संस्था के प्रमुख डा. जी. एन्. भट्टजी ने इस संगोष्ठी का उद्घाटन किया। महामहोपाध्याय डा. मणि द्राविड शास्त्रीमहोदय जी ने इस संगोष्ठी में दिक्सूची भाषण दिया। देश के विविध राज्यों से आए हुए विद्वानों परिसर के प्राध्यापकों और शोध छात्रों सहित 51 लोगों ने इस संगोष्ठी में अपने शोध पत्र को प्रस्तुत किये। डा. गणेश ईश्वर भट्टजी और डा. सूर्य नारायण भट्टजी के समायोजन में हुई इस संगोष्ठी के समापन समारोह में श्री वि. सुब्रमण्य जी ने समापन भाषण किया। निम्न परिसर में आयोजित अन्य विविध राष्ट्रीय संगोष्ठी की विवरण तालिका प्रस्तुत की जा रही है-

क्र.सं.	दिनांक	विभाग	संयोजक	शीर्षक
1.	10-11 फरवरी 2018	साहित्य	डा. विनय कुमार कोम्पल्लि	काव्येषु राजधर्म-विचार:
2	10-11 फरवरी 2018	अद्वैत वेदान्त	डा. श्रीकर जी. एन्.	सिद्धान्तलेशसंग्रह:
3	17-18 फरवरी 2018	मीमांसा	डा. सूर्यनारायण भट्ट	भाटदीपिकायां चतुर्थाध्याय:
4	17-18 फरवरी 2018	व्याकरण	डा. चन्द्रशेखर भट्ट	संख्याविचार:
5	17-18 फरवरी 2018	न्याय शास्त्र	डा. आर्. नवीन	आत्मतत्त्वविवेकसमीक्षणम्
6	24-25 फरवरी 2018	ज्योतिष	डा. मुरली कृष्ण टि.	जातकफलनिर्णये बलाबलविचार:
7	24-25 फरवरी 2018	शिक्षाशास्त्र	डा. गणेश टि. पण्डित	समावेशात्मक शिक्षा

12. गणतन्त्र दिवस

26 जनवरी 2018 को गणतन्त्र दिवस का अनुपालन किया गया। परिसर प्राचार्य जी ने प्रातः 8.30 बजे राष्ट्रध्वज को लहराया। उसके बाद सभाकार्यक्रम का आयोजन हुआ। डा. श्रीनिवासमूर्ति जी और श्री एच. डी. रामचन्द्र इस कार्यक्रम का निर्वहन किया।

13. मुक्तस्वाध्यायकेंद्र (MSP)

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान का स्वाध्याय केंद्र, "मुक्तस्वाध्याय-पीठम्" भी इस परिसर में स्थित है। इस केंद्र में व्याकरण, साहित्य, फलितज्योतिष, प्राकशास्त्री सेतु, आचार्य परीक्षाऐं भी संचालित होती हैं तथा संस्कृत पत्रकारिता, पालि प्राकृत भाषा की प्रमाण पत्रीय परीक्षा भी आयोजित होती है। दिये हुए पाठयक्रम के आधार पर संपर्क कक्षा चलाई जाती है। हर साल में छात्रों की सहायता के लिए 15 दिन की जाती है। संपर्क कक्षा को आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान इस केंद्र को पोषण करने को रू 5,00,000/- मंजूर करता है। इस केंद्र के सहसचिव श्री. वेंकटेशमूर्ति, संचालक है। 2017-18 वर्ष में कुल 146 छात्रों ने इस केंद्र में प्रवेश लिया। विविध पाठ्यक्रमों में प्रविष्ट छात्रों के अनुकूलित अध्ययन के लिए उनको मुद्रित स्वाध्याय सामग्री भी दी जाती है और यथा समय सम्पर्क कक्षा, मार्गदर्शनसत्रों का आयोजन साक्षात तथा तन्त्रोपकरणों के माध्यम से भी किया जाता है। इस वर्ष में विविधविषयों में सचित्रध्वनि पाठों को C.D. के रूप में उपलब्ध करवाया गया है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त	-	07
उत्तर प्रेषित	-	07

4.2.8 वेद व्यास परिसर, बलाहार (हिमाचल प्रदेश)

1. परिसर परिचय

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, स्वायत्त संस्था का एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत स्वतंत्रता की स्वर्ण जयन्ती वर्ष में दिनांक 16.09.1997 को स्थापित हुआ था। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित-विश्वविद्यालय) नई दिल्ली के वेदव्यास परिसर नाम से प्रचलित है जो कि बलाहर ग्राम में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में 28.01.2012 से संचालित है।

वेद व्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर में वर्ष 1997 से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं अद्वैत वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पी. एच. डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावनाएँ है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र और उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानितविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम :

3.1 नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	समकक्षता	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	+2 बारहवीं	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम. ए.	फलित ज्योतिष/साहित्य/ व्याकरण/अद्वैत वेदान्त	-
4.	विद्यावारिधि		पी.एच.डी.	फलित ज्योतिष/ साहित्य/ व्याकरण/ अद्वैत वेदान्त/ शिक्षाशास्त्र	-

5.	शिक्षा-शास्त्री 2 वर्ष	बी. एड.	संस्कृत शिक्षण, हिन्दी शिक्षण/अंग्रेजी शिक्षण/ सामाजिक विज्ञान शिक्षण

3.2 दूरस्थ पाठ्यक्रम :- (Distance Education)

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा	अवधि	शास्त्रीय विषय	आधुनिक विषय
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत	-
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण	-
7.	पाली-प्राकृत प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	6 माह	पाली-प्राकृत	-

4. अन्य गतिविधियाँ -

(क) परिसरीय पाठ्येत्तर कार्यक्रम-

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21.06.2017)

परिसर में प्रभारी प्राचार्य डॉ. अशोक चन्द्र गौड़ जी की अध्यक्षता में अध्यापकों व कर्मचारियों ने मिलकर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् ने किया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि स्थानीय शिक्षाविद श्री हरीश गुलेरी जी थे। स्थानीय योग विशेषज्ञ श्री बलवीर सिंह पटियाल जी ने उपस्थित सभी को योग का महत्त्व बताया तथा योगासन व क्रियाओं का प्रयोग कराया।

भाषा बोधन वर्ग कार्यक्रम (12.07.2017 से 11.08.2017)

परिसर में दिनांक 12.07.2017 से 11.08.2017 तक शिक्षाशास्त्री प्रथम वर्षीय छात्रों का भाषा बोधन वर्ग कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में संस्कृत भारती के हिमाचल प्रान्त के संगठन मंत्री श्री नरेन्द्र कुमार तथा श्री हीरा सिंह एवं सुश्री तरूणा उपस्थित रहे।

हिमाचल संस्कृत अकादमी द्वारा शिमला में आयोजित कार्यक्रम (17.07.2017)

दिनांक 17.07.2017 को हिमाचल संस्कृत अकादमी द्वारा हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित कार्यक्रम में परिसर के प्राचार्य, प्राध्यापक एवं छात्र सम्मिलित हुए।

साहित्य परियोजना के अन्तर्गत परिसंवाद कार्यक्रम (28.07.2017 एवं 29.07.2017)

दिनांक 28.07.2017 एवं 29.07.2017 तक परिसर में डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति द्वारा संचालित साहित्य विभाग की परियोजना के अन्तर्गत परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित हुआ,

जिसके उद्घाटन कार्यक्रम में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी के प्राचार्य प्रो. भक्तवत्सल शर्मा, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, शिमला के उपाचार्य डॉ. ओमप्रकाश शर्मा उपस्थित रहे तथा समापन कार्यक्रम में हिमाचल सर्वकारीय महाविद्यालय से सेवानिवृत प्राचार्य प्रो. वेदप्रकाश अग्नि, राजकीय महाविद्यालय, बडोह के प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार शर्मा एवं सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र उपस्थित रहे।

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का शिक्षण अभ्यास (01.08.2017 से 30.11.2017 तक)

दिनांक 01 अगस्त 2017 से 30 नवम्बर 2017 तक निकटतम विद्यालयों में शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्षीय छात्रों का शिक्षण अभ्यास सम्पन्न हुआ।

स्वतन्त्रता पखवाड़ा (15.8.2017-30.08.2017)

स्वतन्त्रता पखवाड़ा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा वृक्षारोपण स्वच्छता अभियान इत्यादि कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्कृत सप्ताह (04.08.2017 - 10.08.2017)

भारत सर्वकार के आदेशानुसार हर वर्ष श्रावणपूर्णिमा को संस्कृत दिवस के रूप में मनाया जाता है तथा प्राप्त निर्देशों के अनुरूप संस्कृत सप्ताह का भी आयोजन इस सन्दर्भ में किया जाता है। इस सत्र में दिनांक 04.08.2017 से 10.08. 2017 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सन्दर्भ में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति थे।

1. दि. 04.08.2017 को उद्घाटन सत्र में परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. रामनारायण दास जी का संस्कृत सेवा सम्मान।
2. दिनांक 05.08.2017 को महिला छात्रावास में 'संस्कृत प्रचार उपाय' विषय पर परिसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. दिनांक 06.08.2017 को पुरुष छात्रावास में संवाद सत्र का आयोजन किया गया।
4. दिनांक 07.08.2017 को स्तोत्र पाठ एवं परिसंवाद का आयोजन किया गया।
5. दिनांक 08.08.2017 को डॉ. पी.टी. जी वी. रङ्गाचार्युलु जी का कालिदास काव्यों पर आधारित अवधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
6. दि. 09.08.2017 को स्थानीय परागपुर ब्लॉक में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन हुआ। संस्कृत सम्भाषण शिविर के सभी छात्र भी इसमें सम्मिलित होकर सम्भाषण शिविरों के समापन कार्यक्रम में भाग लिए। अपराह्ण में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
7. दिनांक 10.08.2017 को समापन सत्र में मुख्यातिथि सहायकाचार्य डॉ. बृहस्पति मिश्र तथा सेवानिवृत भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी श्री बलराम शर्मा परिसर पधारे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय ने की।

शिक्षक दिवस (05.09.2017)

स्वर्गीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार के द्वारा हर वर्ष मनाये जाने वाला शिक्षक दिवस परिसर में भी श्रद्धा के साथ मनाया गया। छात्रों द्वारा यह कार्यक्रम डॉ. पुरूषोतम एवं डॉ. वासुमोहन के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया।

हिन्दी पखवाड़ा (14.09.2017 से 28.09.2017)

भारत सरकार के प्रयासों एवं निर्देशों के अनुरूप परिसर में भी हिन्दी पखवाड़ा 14.09.2017 से 28.09.2017 तक मनाया गया। इस दौरान छात्रों के लिए भाषण, निबंध लेखन तथा कविता पाठ, कार्टून रचना तथा पेंटिग इत्यादि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। "वर्तमान समय में महिलाओं की समस्याएँ एवं समाधान" विषय पर छात्र एवं छात्रा वर्गों के लिए परिचर्चा कार्यक्रम तथा अशैक्षणिक कर्मचारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

1. उद्घाटन कार्यक्रम में दिनांक 14.09.2017 को 11:00 बजे मुख्यातिथि के रूप में प्रो. मधु शर्मा, प्राचार्या राजकीय महाविद्यालय, ढ़लियारा तथा विशिष्टातिथि के रूप में श्री राज कुमार, प्राचार्य के. वी. नलेटी उपस्थित हुए।
2. दिनांक 28.09.2017 को समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी तथा डॉ. प्रीति शर्मा रहे।

स्थापना दिवस (16.09.2017)

परिसर का इक्कीसवां स्थापना दिवस प्रेरणा तथा संकल्प दिवस के रूप में दिनांक 16.09.2017 को मनाया गया। ध्यातव्य है कि इस परिसर की स्थापना सितम्बर 16 सन् 1997 को हुई थी। इस उपलक्ष्य में "परिसर विकास" विषय पर में स्थानीय नागरिकों तथा परिसरीय सदस्यों का अन्त: क्रियात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा (02.10.2017 से)

दि. 02.10.2017 को महात्मा गांधी के जन्मदिवस पर स्वच्छता दिवस मनाया गया, स्वच्छ भारत बनाने का संकल्प लिया गया तथा स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह - (31.10.2017 से 05.11.2017)

दि. 31.10.2017 से 05.11.2017 तक परिसर में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके अन्तर्गत परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर भ्रष्टाचार उन्मूलन सम्बद्ध प्रतिज्ञा को दोहराया।

संविधान दिवस (08.12.2017)

दि. 08.12.2017 को भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया एवं परिसर में "भारत का संविधान" विषय पर परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन किया गया तथा संविधान निर्माण के कुशल शिल्पी भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा (01.12.2017 - 02.12.2017)

अखिल भारतीय स्पर्धाओं हेतु हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों का चयन करने के लिए दिनांक 01.12.2017 से दिनांक 02. 12.2017 तक राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषण स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् तथा सह-संयोजक डॉ. भगवान सामन्तराय थे।

गणतन्त्र दिवस- (26 जनवरी 2018)

गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में "बेटी बचाओ, बेटी पढाओ" अभियान के तहत परिसर की छात्राओं कु. स्वागतिका (शिक्षाशास्त्री) तथा कु. काजल शर्मा (ज्यौतिषाचार्य प्रथम वर्ष) के द्वारा ध्वजारोहण कराया गया एवं कई देशभक्तिपरक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

मातृभाषा दिवस (21.02.2018)

दिनांक 21.02.2017 को परिसर में मातृभाषा दिवस मनाया गया। इसमें विभिन्न भाषाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् थे।

अन्ताराष्ट्रीय महिला दिवस (08.03.2018)

वेदव्यास परिसर में दिनांक 08.03.2018 को अन्ताराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया है जिसमें विविध समाज सेविकाओं को सम्मानित किया गया है। डॉ. सागरिका नन्दा इस कार्यक्रम के सह संयोजिका के रूप में कार्य निर्वहण किया है।

ख) राष्ट्रीय कार्यक्रम-

राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ -

दिनांक	विभाग	अतिथिगण/संसाधक	संयोजक
07-08.10.2017	व्याकरण	प्रो. भागवतशरण शुक्ल, डॉ. प्रदीप पण्डेय	डॉ. अशोकचन्द्र गौड़
11-12.11.2017	अद्वैत वेदान्त	डॉ. के. पी. पाठक, डॉ. जयकृष्ण	डॉ. भगवान सामन्तराय
04-05.02.2018	शिक्षा शास्त्र	प्रो. सुरेन्द्र झा, डॉ. देवेन्द्र प्रसाद शर्मा, डॉ. वीणा गौतम	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी
17-18.02.2018	साहित्य	प्रो. जी. एस. आर. कृष्णमूर्ति	डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति
30-31.03.2018	ज्यौतिष	प्रो. वासुदेव शर्मा, प्रो. विनय पाण्डेय	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्

(ग) विस्तार कार्यक्रम

संस्कृत सम्भाषण शिविर

परिसर के संस्कृत प्रचार मंच की ओर से संस्कृत सप्ताह के दौरान आस-पास के गाँवों में 12 संस्कृत सम्भाषण शिविरों का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

गतवर्ष की भाँति इस वर्ष भी राष्ट्रीय सेवा योजना के विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुए। जिसमें परिसरीय छात्रों ने स्वयं सेवकों के रूप में अपना योगदान दिया-

शिक्षाशास्त्र परिषद कार्यक्रम

सम्भाषण शिविर-संस्कृत प्रचार मंच के सहयोग से संस्कृत सप्ताह के दौरान शिक्षाशास्त्री के छात्रों ने परिसर के समीप गाँवों में 12 सम्भाषण शिविर चलाए।

24.02.2018 सामाजिक सद्भावना शोभा यात्रा एवं वीथी नाटक-

शिक्षाशास्त्रि प्रथम वर्ष के छात्रों ने 24.02.2018 को गरली, नगरोटा एवं चम्बापत्तन में सामाजिक सद्भावना शोभा-यात्रा एवं वीथीनाटक प्रस्तुत किये। इस के दौरान नशामुक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सामाजिक अन्धविश्वास के ऊपर नाटक प्रस्तुत किये गए।

अन्य सहभागितायें

1. परागपुर में राज्यस्तरीय लोहड़ी पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता।

(घ) शोध गतिविधियाँ-

षाण्मासिक स्थानीय शोध बैठक-

प्रथम स्थानीय शोध समिति की बैठक - 31.7.2017

द्वितीय स्थानीय शोध समिति की बैठक- 20-21.01.2018

(ङ) व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम एवं छात्र सुविधाएँ-

(क) शिक्षणेतर गतिविधियों के माध्यम से छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरन्तर निम्नलिखित कार्यक्रम सायं काल में चलाए जाते हैं। हर एक गतिविधि के लिए विभिन्न अध्यापक, अध्यक्ष एवं संयोजक के रूप में मार्गदर्शन देते हैं तथा एक छात्र एवं एक छात्रा प्रतिनिधि इसका संचालन करते हैं।

सोमवार एवं मंगलवार - विभागशः शास्त्र प्रबोधन कार्य एवं परामर्श।

बुधवार - वाग्वर्धिनी परिषद् द्वारा शास्त्रीय भाषण का अभ्यास।

प्रथम एवं तृतीय बुधवार-विभागशः (शास्त्रीय) द्वितीय एवं चतुर्थ बुधवार-

सभी आचार्य कक्षाओं का सामूहिक

आधुनिक विषय कक्षावार (प्रा.शा., शास्त्री)

गुरुवार एवं शुक्रवार - स्वास्थ्य क्लब, पर्यावरण क्लब, मीडिया क्लब, संस्कृत प्रचार मञ्च, कलारञ्जनी, छात्र परामर्श केन्द्र के कार्यक्रम।

गुरुवार - प्रथम एवं तृतीय गुरूवार - शोध परिषद

द्वितीय एवं चतुर्थ गुरूवार - शिक्षक परिषद्

(ख) छात्रावास - किराए पर दो छात्रावासों को लिया गया है।

(1) पुरुष छात्रावास, बलाहर में 50 छात्र, अधिष्ठाता- डॉ. पुरुषोत्तम, डॉ. मनोज श्रीमाल,

(2) महिला छात्रावास, नगरोटा में 80 छात्राएँ, अधिष्ठात्री- डॉ. प्रीति शर्मा, डॉ. सागरिका नन्द

(ग) परिसरीय बस व्यवस्था - प्रतिदिन 3 चक्कर लगाकर नगरोटा, गरली प्रागपुर से छात्रों के गमनागमन व्यवस्था संयोजक डॉ. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् के पर्यवेक्षण में होता है।

(घ) कैन्टीन - "अन्नपूर्णा मन्दिर" - कैण्टीन में अध्ययनार्थी

छात्रों के लिए स्वास्थ्यकर एवं पौष्टिक भोजन न्यून मूल्य पर उपलब्ध कराया जाता है।

(च) छात्र सहभागिता/उपलब्धियाँ

राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता पुरस्कार-

दिनांक 09 एवं 10.09.2017 को हिमाचल प्रदेश राष्ट्रिय योग प्रतियोगिता, नालागढ़, सोलन में परिसर के 06 छात्रों ने भाग लिया तथा पुरस्कार प्राप्त किए। छात्रों के संरक्षक के रूप में डॉ. पुरूषोतम उपस्थित रहे।

क्र. सं.	छात्र का नाम	पदक
1.	निशेष तोमर	स्वर्ण पदक
2.	काजल शर्मा	रजत पदक
3.	विभा मिश्रा	रजत पदक
4.	रजत शर्मा	कांस्य पदक
5.	अखिल शर्मा	सांत्वना
6.	काजल	प्रतिभागिता

दशम युव महोत्सव (08.03.2018-11.03.2018)

08.03.2018-11.03.2018 तक मुम्बई परिसर में दशम युवमहोत्सव का आयोजन हुआ। जिसमें वेदव्यास परिसर ने अच्छा प्रदर्शन किया। युव महोत्सव में 09 स्वर्ण पदक 06 रजत पदक 06 कांस्य पदक वेदव्यास परिसर ने जीते, जिसमें विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं शारीरिक स्पर्धाओं हेतु परिसर से 48 छात्रों का दल चुना गया था। परिसर के अध्यापक डॉ. एस.एल.सीताराम शर्मा, श्री अमित वालिया, श्री प्रियजित महापात्र एवं डॉ. के श्रीसमीरजा मार्गदर्शक रहे।

अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा-

एकलव्य परिसर अगरतला में आयोजित 56वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में सम्मिलित होने के लिए परिसर के प्राध्यापक डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम् तथा डॉ. वैथि सुब्रमण्यन् के मार्गदर्शन में हिमाचल राज्य स्तरीय स्पर्धा में चयनित छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया।

उत्तराखण्ड् संस्कृत अकादमी द्वारा आयोजित शलाका परीक्षा में भागग्रहण-

उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी द्वारा जनवरी 2018 में आयोजित शलाका परीक्षा में परिसर के छात्रों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय अन्तःविश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता-
(कुश्ती, एथलैटिक्स एवं बैडमिण्टन)

अखिल भारतीय अन्तःविश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में -(कुश्ती, एथलैटिक्स एवं बैडमिण्टन) परिसर के छात्रों ने भाग लिया।

अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा महोत्सव-

तिरूपति में राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के द्वारा जनवरी में आयोजित अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह में परिसर के छात्रगण डॉ. जय कृष्ण जी के मार्गदर्शन में भाग लिए।

वसन्तोत्सव- नाट्य प्रतियोगिता (22.11.2017 से 24. 11.2017)

संस्थान के द्वारा अगरतला में आयोजित वसन्तोत्सव नाट्य प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों द्वारा 'उदात्तराघवम्' नाटक की प्रस्तुति की गई जिसकी सभी ने सराहना की। इसके निर्देशक डॉ. मनोज श्रीमाल तथा डॉ. पुरूषोतम थे।

हिमाचल प्रदेशीय अन्तःमहाविद्यालयीय संस्कृतभाषणादि प्रतियोगिता

हिमाचल प्रदेश सरकार के द्वारा आयोजित हिमाचल प्रदेशीय संस्कृतभाषणादि प्रतियोगिताओं में परिसर के छात्रों ने भाग लिया एवं अत्यधिक पुरस्कार प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।

(छ) विभिन्न परिषद कार्यक्रम

महिला चेतना कार्यक्रम

महिला अध्ययन केन्द्र के माध्यम से महिला चेतना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समाज में महिलाओं को किन किन विषयों पर सावधानी बरतनी चाहिए इस विषय पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम का संचालन महिला अध्ययन केन्द्र की सह संयोजिका, डॉ. सागरिका नन्द द्वारा किया गया।

कलारञ्जनी क्रियाकलाप-

कलारञ्जनी परिषद द्वारा इस वर्ष कई कार्यक्रम किए गए। इसके अतिरिक्त कवि समवाय, छात्र प्रशिक्षण, नाटक प्रशिक्षण आदि कई क्रियाकलाप किए गए।

(ज) विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ-

आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ

मुख्यालय के निर्देशानुसार दिनांक 20.10.2015 को प्राचार्य, प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय की अध्यक्षता मे आन्तरिक गुणवता प्रत्यायन प्रकोष्ठ का गठन हुआ। इसमें बाह्य विशेषज्ञ के रूप में हिमाचल प्रदेश सेवा में पूर्व उप-शिक्षानिदेशक श्री हरीश गुलेरी को मनोनीत किया गया। संस्थान से प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा, केन्द्रीय समिति के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में रहे तथा परिसर के ज्योतिष विभागाध्यक्ष डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्

इसके संयोजक रहेगें। अन्य सदस्य-

1. प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय - अध्यक्ष
2. श्री हरीश गुलेरी - बाह्य सदस्य
3. श्री अतुल शर्मा - सदस्य (पूर्व छात्र)
4. डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति - सदस्य (सहायक आचार्य, साहित्य)
5. डॉ. श्रीमती प्रीति शर्मा - सदस्य (अधिष्ठात्री, महिला छात्रावास)
6. डॉ. सीताराम शर्मा - सदस्य (अनुबन्धित प्राध्यापक, शि.शा.)
7. डॉ. पुरुषोत्तम - सदस्य (अधिष्ठाता, पुरूष छात्रावास)
8. डॉ. संजय मनकोटिया - सदस्य (अतिथि प्राध्यापक, शा.शि.)
9. श्री सम्पूर्णानन्द नौटियाल - सदस्य
10. डॉ. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम् - सदस्य सचिव
11. श्री प्रमोद कुमार - कार्यालय सहयोग
12. कु. राधा शर्मा - छात्रा सदस्या
13. श्री गौरव - छात्र सदस्य

(झ) परियोजनाएँ

साहित्य परियोजनाः- परिसर में डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति के निर्देशन में एक वर्षीय साहित्य परियोजना "हिमाचलप्रदेशस्य सांस्कृतिकं साहित्यिकं च रिक्थं प्रति संस्कृतस्य योगदानम्" की सम्पूर्ति हो चुकी है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य थे -

डॉ. सुज्ञान कुमार महन्ति - प्रधान जाँचकर्ता

कु. मधुबाला - परियोजना सहायिका

कुमारी बबिता - डाटा एन्ट्री ऑपरेटर

व्याकरण परियोजनाः- परिसर में डॉ. ब्रजभूषण ओझा के निर्देशन में एक वर्षीय व्याकरण परियोजना "शास्त्रानुसन्धान सर्वेक्षण परियोजना" की सम्पूर्ति हो चुकी है। इस परियोजना में निम्नलिखित सदस्य थे-

डॉ. ब्रजभूषण ओझा - प्रधान जाँचकर्ता

श्री दिनेश चौबे - परियोजना सहायक

श्री अंकुश शर्मा - डाटा एन्ट्री ऑपरेटर

भावी लक्ष्य एवं योजनाएँ-

1. वेदव्यास परिसर, हिमाचल प्रदेश तथा समीपवर्ती राज्यों में उत्तम संस्कृत शिक्षा केन्द्र के रूप में प्रतिष्ठापित होने की दिशा में अग्रसर रहेगा।
2. स्थानीय भाषाओं, लोककलाओं एवं संस्कृति का संस्कृतभाषा के परिप्रेक्ष्य में अन्तः शास्त्रीय अध्ययन के लिए परियोजनाएँ परिकल्पित की जाएँगी।
3. दूरस्थ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षादि केन्द्रों के द्वारा स्थानीय लोगों में संस्कृत भाषा के व्यावहारिक प्रयोग के लिए व्यापक प्रचार किया जाएगा।
4. संस्कृत शिक्षा, भारतीय संस्कृति एवं उत्तम चारित्रिक प्रेरणा द्वारा छात्रों को मानवीय गुणों से युक्त समाजोपयोगी उत्तम नागरिक के रूप में विकसित किया जाएगा।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 04

उत्तर प्रेषित - 04

4.2.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

1. परिसर के विषय में (परिसर का संक्षिप्त इतिहास)

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-1957) की अनुशंसा के आधार पर संस्कृत के विकास और प्रचार-प्रसार हेतु तथा संस्कृत से सम्बद्ध केन्द्र सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के उद्देश्य से 15 अक्टूबर, 1970 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की स्थापना की थी। उसके सदुद्देश्यों की बहु-आयामी उपयोगिता को देखते हुए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने इसे मई 2002 को बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय के रूप में घोषित किया है। वर्तमान में इस मानित विश्वविद्यालय के तेरह परिसर देश के विभिन्न प्रदेशों में कार्यरत हैं। उनमें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल नगर में शिक्षा सत्र 2002-2003 से भोपाल परिसर सञ्चालित है।

भोपाल प्राचीनकाल से प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं राजनैतिक आदि विभिन्न सम्पदा से सम्पन्न रहा है। अत: यहाँ भोपाल परिसर को स्थापित करने के लिए तत्कालीन केन्द्रीय मन्त्री डा. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने पत्र क्रमांक संस्कृत-1- सैक्सन दिनांक 31 मार्च 2002 के द्वारा स्थापना आदेशपत्र निर्गत किया था। उक्त शासनादेश को क्रियान्वित करने के लिए रा. सं. सं. नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक-37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश संख्या 107/दिनांक 05.06.2002 के द्वारा एतदर्थ प्राचार्य आदि विभाग उपलब्ध कराकर 1 जुलाई 2002 से भोपाल परिसर को क्रियाशील किया था। यद्यपि इस तिथि से प्राय: दस वर्ष पूर्व ही 1991-92 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह की घोषणा से भोपाल परिसर के स्थापना की योजना प्रकल्पित हुई थी और उसी समय मध्यप्रदेश शासन ने पत्र क्रमांक-एफ 6730/शास./सा.-2बी/93 दिनांक 27.05.1993/20.07.1993 के शासनादेश के द्वारा इस परिसर के विकास के लिए 10 एकड़ भूमि नि:शुल्क आवंटित की थी। इस प्रकार भोपाल में 6 जुलाई 2002 से बरकत-उल्ला विश्वविद्यालय के अतिथि गृह के कक्ष में भोपाल परिसर की गतिविधि प्रारम्भ होने पर 02 अगस्त 2002 को अरेरा कॉलोनी में भाटक भवन प्राप्त करके उसमें छात्रों के प्रवेश एवं शिक्षण की गतिविधि प्रारम्भ हुई।

तत्पश्चात् मध्यप्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम भाई महावीर ने संस्थान के तत्कालीन कुलपति प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री और परिसर संस्थापक प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र जी के साथ संस्कृत जगत् के मूर्धन्य विद्वज्जनों की उपस्थिति में दिनांक 16 सितम्बर 2002 को भोपाल परिसर के औपचारिक उद्घाटन की उद्घोषणा की थी। तदनन्तर मध्यप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने अपने करकमलों से दिनांक 27.02.2003 को आवंटित भूखण्ड पर परिसर का शिलान्यास किया था। तत्पश्चात् परिसर के विकास के लिए तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री माननीय अर्जुन सिंह के करकमलों से दिनांक 19 सितम्बर 2005 को शैक्षिक एवं प्रशासनिक मुख्य भवन का शिलान्यास सम्पन्न हुआ था।

तदनन्तर माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी की उपस्थिति में राम नवमी बुधवार दिनांक 24.03.2010 को निर्मित मुख्यभवन का वत्सराज भवन नामकरण हुआ और उसी दिन से अपने वत्सराज भवन में परिसर की सभी गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी थी। इस समय वत्सराज मुख्यभवन के अन्तर्गत सभी कक्षाएँ, सभी प्रयोगशालाएँ, अनौपचारिक कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, दूरस्थशिक्षण केन्द्र, नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, सभाकक्ष और सर्वसाधन सम्पन्न सभागार, शोधकक्ष सुव्यवस्थित रूप में उपलब्ध हैं। इनके साथ ही परिसर में व्यवस्थित वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) और दृश्य साधन सम्पन्न वातानुकूलित भवभूति प्रेक्षागार भी उपलब्ध है। उसमें अतिथिनिवासकक्ष, शिक्षककक्ष और विभागाध्यक्ष कक्ष आदि नियमानुसार प्रकल्पित हैं।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर के सम्बन्ध में निम्न बिन्दु महत्त्वपूर्ण हैं-

- इसके अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का

महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवासों के निर्माण का कार्य हो गया है।

- परिसर में वर्तमान में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षा, जैनदर्शन तथा आधुनिक विभाग सञ्चालित हैं। साथ ही वेद, पुराण इतिहास, सांख्य योग इत्यादि विभागों की स्वीकृति उपलब्ध है। प्राकशास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) शिक्षाचार्य (M.Ed.) तथा विद्यावारिधि पाठ्यक्रम परिसर में गुणवत्तापूर्ण पद्धति से सञ्चालित किए जा रहे हैं।
- साथ ही अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, वास्तु, ज्योतिष के प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के साथ मुक्त स्वाध्याय पीठ में दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से भी पाठ्यक्रम सञ्चालित हो रहे हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में अग्रसर है।
- परिसर में निरौपचारिक रूप से **'मुक्तस्वाध्यायपीठ'** सञ्चालित होता है जहाँ दूरस्थ माध्यम से संस्कृत शिक्षा का प्रसार-प्रचार किया जाता है।
- परिसर में AC आदि सुविधाओं से युक्त 'वररुचि ग्रंथागार' एक केन्द्रीय पुस्तकालय हैं, जिसमें अभी सञ्चालित विभागों के लिए उपयोगी पुस्तकें उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षाशास्त्र, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, आधुनिक विभाग और नाट्य अनुसन्धान केंद्र के अपने स्वतन्त्र विभागीय पुस्तकालय भी हैं।
- परिसर में संगणक, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यचर्या और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ भी हैं, जहाँ विद्यार्थी प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।
- परिसर में 'भरत रंगमण्डप' एक मुक्त सभागार और 'भवभूति प्रेक्षागार' एक AC आदि सुविधाओं से युक्त सभागार है, जहाँ 300 दर्शकों के बैठने लिए स्थान उपलब्ध होता है।
- 'नाट्य अनुसन्धान केन्द्र' भोपाल परिसर में सञ्चालित एक विशिष्ट उपक्रम है, संस्कृत नाटकों के मंचन और संस्कृत गीत एवं श्लोकों के प्रस्तुतीकरण पर कार्य किया जाता है।
- परिसर प्रकाशन के क्षेत्र में भी सक्रिय है। शास्त्रमीमांसा (ISSN- 2231-2129) के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों का और राष्ट्री (ISSN- 2321-6948) के द्वारा आलेखों, गीतरचना आदि प्रकाशन किया जाता है।

इस प्रकार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लक्ष्य के साथ प्रयासरत है।

2. परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल-462 043, म.प्र.
दूरभाष 0755-2418043, दूरप्रेष्य 0755-2418003
ईमेल : rsks_bhopal@yahoo.com
वेव साइट : www.rsksbhopal.ac.in

3. उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	उपलब्ध पाठ्यक्रम
1.	प्राक्शास्त्री- प्रथम
2.	प्राक्शास्त्री-द्वितीय
3.	शास्त्री-प्रथम
4.	शास्त्री-द्वितीय
5.	शास्त्री-तृतीय
6.	आचार्य-प्रथम
7.	आचार्य-द्वितीय
8.	शिक्षाशास्त्री-प्रथम
9.	शिक्षाशास्त्री-द्वितीय
10.	शिक्षाचार्य-प्रथम
11.	शिक्षाचार्य-द्वितीय
12.	विद्यावारिधि

4. अन्य क्रियाकलाप / समारोह / कार्यशालाओं पूर्ण विवरण (2017-18)

1. अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में 21 जून 2017 को अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। योग गुरु श्री रत्नेश पाण्डेय द्वारा 'योग परम्परा व उसके लाभ' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया गया। इससे पूर्व, प्रथम सत्र में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर के साथ समस्त अध्यापकों व अन्य विभागीय सदस्यों ने योगाभ्यास

किया। प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समस्त उपस्थित जनों को नियमित योगाभ्यास हेतु प्रेरित किया जिससे वे स्वस्थ बने रहें।

2. संस्कृत सप्ताह महोत्सव

04.08.2017 से 10.08.2017 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। वेद पाठ, संस्कृत कवि सम्मेलन के साथ-साथ संस्कृत गीत, श्लोक, पाठ, एकाकी अभिनय आदि प्रतियोगिताएँ संपन्न हुईं जिनमें समस्त छात्र-छात्राओं ने सोल्लास भाग लिया। उद्घाटन समारोह में म. प्र. IPS श्री ब्रजभूषण शर्मा मुख्य अतिथि तथा शहर के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. ज्ञान चतुर्वेदी विशिष्ट अतिथि थे। समापन अवसर पर IPS, एवं सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन वि. वि. के रजिस्ट्रार डॉ. राजेश गुप्ता मुख्य अतिथि थे। दोनों समारोहों की अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। उन्होंने समस्त छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को संस्कृत भाषा में सम्भाषण व लेखन कौशल विकसित करने की प्रेरणा दी। उनका कहना था कि संस्कृत जानने वाले सभी लोगों संस्कृत शास्त्रों के ज्ञान का प्रचार प्रसार करना चाहिए जिससे भारतीय परम्परा की यह अमूल्य सम्पदा आधुनिक परिप्रेक्ष्य में उपयोग की जा सके।

3. स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 2017 को समारोह पूर्वक स्वतन्त्रता दिवस परिसर में मनाया गया। प्राचार्य, भोपाल परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने राष्ट्रीय ध्वज के आरोहण के पश्चात् हमारे राष्ट्र के महान् स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य योगदान पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु हम सभी को कठिन परिश्रम करने की आवश्यकता है।

4. पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह

परिसर में 22.08.2017 से 24.08.2017 तक पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी समारोह आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह 22.08.2017 को संपन्न हुआ जिसमें म. प्र. भाजपा के मीडिया प्रभारी डॉ. अमित सौमित्र मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर राष्ट्रीय गीत, निबंध लेखन व भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। पुरस्कार वितरण व समापन समारोह 24.08.2017 को आयोजित हुआ जिसमें आरोग्य भारती के संगठन सचिव डॉ. अशोक वार्ष्णेय मुख्य अतिथि थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने कार्यक्रमों की अध्यक्षता की।

5. स्वच्छता कार्यक्रम

दिनांक 1 से 15 सितम्बर 2017 तक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसके अन्तर्गत छात्रों व संस्थान के विभागीय सदस्यों द्वारा विशिष्ट श्रमदान किया गया। छात्र-छात्राओं ने छात्रावासों में साफ-सफाई अभियान चलाया गया। संस्थान परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समस्त छात्र छात्राओं व परिसर परिवार को सन्देश दिया कि व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ सार्वजनिक मामलों में भी स्वच्छता अपनाते हुए आचरण करें।

6. वार्षिक प्रतियोगिताएँ 2017

4 से 14 सितम्बर 2017 तक विभिन्न शैक्षिक, सांस्कृतिक व खेल गतिविधियाँ परिसर में संपन्न हुईं। कनिष्ठ व वरिष्ठ वर्गों के छात्रों ने अपने-अपने वर्गों की प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता की। विजेता छात्रों ने मुम्बई में हुए युवा महोत्सव में परिसर का प्रतिनिधित्व किया।

7. शिक्षक दिवस कार्यक्रम व राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यानमाला

5.09.2017 को शिक्षक दिवस कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता समिति के उपाध्यक्ष श्री रमेश शर्मा मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर अ.बि.वा.हि. वि.वि. भोपाल के कुलपति प्रो. रामदेव भारद्वाज का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. नगेन्द्र नाथ झा थे।

8. ज्योतिष पाठ्यक्रम संपादन संशोधन कार्यशाला

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में ज्योतिष पाठ्यक्रम संपादन व संशोधन कार्यशाला आयोजित की गई। 8.09.2017 से 20.09.2017 तक चली इस कार्यशाला में म. प्र., दिल्ली, केरल, उत्तराखण्ड व अन्य भागों से आये विद्वानों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के संरक्षक राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर व संयोजक ज्योतिष विभागाध्यक्ष भोपाल परिसर प्रो. हंसधर झा थे।

9. हिन्दी पखवाड़ा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में 14.09.2017 से 19.09.2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार, पद्मश्री प्रो. रमेशचन्द्र शाह मुख्य अतिथि एवं आयकर विभाग के उप संचालक व राजभाषा अधिकारी श्री डी. के. त्यागी विशिष्ट अतिथि थे। इस पखवाड़े में भाषण, निबंध लेखन व साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। समापन समारोह में म. प्र. भोज मुक्त विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति रवीन्द्र कन्हेरे मुख्य अतिथि थे। इन समारोहों की अध्यक्षता भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। इन कार्यक्रमों के संचालक डॉ. नितिन जैन व सुमित सक्सेना थे। इस कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. अर्चना दुबे थीं।

10. शोध प्रस्ताव लेखन व शोध उपकरण पर कार्यशाला

परिसर के शिक्षाविभाग द्वारा 10 से 13 अक्टूबर 2017 तक शिक्षाचार्य के छात्रों में शोध कौशल के विकास हेतु कार्यशाला का आयोजित की गई। वक्ता के रूप में इस कार्यशाला में ज.रा.रा.सं.वि.वि. के शिक्षा विभाग जयपुर के भूतपूर्व अधिष्ठाता प्रो. गोपीनाथ शर्मा, एस.एल.एस.आर.एस. विद्यापीठ नई दिल्ली से प्रो. आर.एस.पी. पाठक व प्रो. रजनी जोशी उपस्थित रहे। शिक्षाचार्य के छात्रों में लघु शोध प्रबन्ध की तैयारी हेतु कौशल विकास के लिए इस कार्यशाला का आयोजन हुआ।

11. आधुनिक विषय एवं जैनदर्शन विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठियाँ

27 एवं 28 अक्टूबर 2017 को आधुनिक विषय विभाग एवं जैनदर्शन विभाग भोपाल परिसर ने 'आधुनिक विषयों की मौलिकता' एवं 'संस्कृत साहित्य के संवर्धन में जैन आचार्यों का अवदान' विषयों पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया। इस अवसर पर श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रिय-संस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली के जैनदर्शन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनेकान्त कुमार जैन, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय आई. टी. विभाग के अध्यक्ष डॉ. नन्दन त्रिपाठी, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक, अटलबिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल के हिन्दी विभाग की अध्यक्षा प्रो. रेखा रॉय तथा जैन शोध संस्थानम्, नई दिल्ली के निदेशक श्री जयकुमार जैन अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने इन कार्यक्रमों की अध्यक्षता की। आधुनिक विषय विभागसंगोष्ठी में 76 एवं जैनदर्शन विभाग संगोष्ठी में 51 शोधपत्र प्रस्तुत हुए। आधुनिक विषय विभाग संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. अर्चना दुबे तथा सचिव श्री सुमित सक्सेना थे। जैनदर्शन विभाग की संगोष्ठी के संयोजक श्री प्रताप शास्त्री तथा सचिव श्री पंकज जैन थे।

12. राष्ट्रीय एकता दिवस

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर 31 अक्टूबर 2017 को भोपाल परिसर में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक पाण्डेय का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समस्त छात्र-छात्राओं शिक्षकों एवं समस्त कार्यालयीय स्टाफ को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलवाई। इस कार्यक्रम के संचालन डॉ. दाताराम पाठक व संयोजक डॉ. अशोक कछवाहा थे।

13. सतर्कता जागरुकता सप्ताह

30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह भोपाल परिसर में मनाया गया। बरकतउल्लाविश्वविद्यालय के रा. से. यो. के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनन्त कुमार सक्सेना का विशिष्ट व्याख्यान आयोजित हुआ। इस सप्ताह में छात्र-छात्राओं हेतु निबन्ध लेखन, भाषण एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। उन्होंने सभी लोगों को अपने समस्त व्यवहार में सतर्कता बनाए रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने जीवन के सभी पक्षों में सभी कार्य व व्यवहार में पारदर्शिता की अवधारणा पर बल दिया। इस कार्यक्रम की संयोजन समिति में श्री सुमित सक्सेना, डॉ. विवेक सिंह व डॉ. मंजू सिंह थे।

14. ज्योतिष व साहित्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठीयाँ

'ज्योतिषशास्त्रे रोगविचार:' एवं 'संस्कृतकाव्यशास्त्रे गुणा:' विषयों पर ज्योतिष विभाग व साहित्य विभाग द्वारा 3 व 4 नवम्बर 2017 को द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन किया गया। 3 नवम्बर 2017 को संगोष्ठियों के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान नई दिल्ली के वेदवेदाङ्ग संकाय एवं ज्योतिष विभाग राष्ट्रिय

संस्कृत संस्थान जयपुर के अध्यक्ष प्रो. वासुदेव शर्मा तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.बी. पण्डा उपस्थित रहे। मुक्तस्वाध्यायपीठ, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान, नई दिल्ली के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय विशिष्ट अतिथि थे एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने इन समारोहों की अध्यक्षता की। 4 नवम्बर 2017 को समापन समारोह सम्पन्न हुआ जिनमें मुख्य अतिथि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पूर्वकुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं महर्षिपाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के अधिष्ठाता प्रो. तुलसीदास परौहा थे। इन समारोहों के अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने बताया कि सामान्य जन में संस्कृत के प्रति रुचि व अनुराग जगाने हेतु संस्थान ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। मध्यप्रदेश, दिल्ली, जयपुर, नागपुर एवं हैदराबाद आदि स्थानों के विभिन्न विद्वानों ने इन संगोष्ठियों में प्रतिभागिता दर्ज कराई। ज्योतिष विभागीय संगोष्ठी में 70 एवं साहित्य विभागीय संगोष्ठी में 50 शोधपत्र प्रस्तुत किये गये। ज्योतिष विभागीय संगोष्ठी के संयोजक प्रो. हंसधर झा व सचिव डॉ. श्यामदेव मिश्र एवं साहित्य विभागीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी तथा सचिव डॉ. अजय कुमार मिश्र थे।

15. 56 वीं राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा (मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़)

7 नवम्बर 2017 को 56 वीं राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा (म.प्र./छ.ग.) का शुभारम्भ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में हुआ। इन स्पर्धाओं में प्रो. आजाद मिश्र, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य, प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी, श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ, नई दिल्ली के वास्तुविभाग के अध्यक्ष तथा प्रो. रामलखन पाण्डेय रा. सं. सं. लखनऊ परिसर के साहित्य विभाग के अध्यक्ष अतिथियों के रूप में उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। इन स्पर्धाओं का समापन 1 नवम्बर 2017 को आयोजित हुआ। समापन सत्र के अध्यक्ष प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समस्त प्रतिभागियों को भाषण, कंठपाठ, समस्यापूर्ति, शलाका आदि प्रतियोगिताओं में सक्रिय भाग लेने के लिए बधाई देते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दीं। इन स्पर्धाओं के संयोजक प्रो. हंसधर झा ने बताया कि उज्जैन, भोपाल, बिलासपुर, श्रीकोट आदि स्थानों की संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

16. व्याकरण तथा शिक्षाशास्त्र विभागों की राष्ट्रीय संगोष्ठीयाँ

10 एवं 11 नवम्बर 2017 को व्याकरण तथा शिक्षाशास्त्र विभागों ने 'परिभाषार्थ विमर्श:' व 'पाठ्यचर्यापुनरीक्षण एवं परामर्श' विषयों पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया। 10 नवम्बर 2017 को हुए उद्घाटन समारोहों में मुख्य अतिथियों के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लखनऊ परिसर के पूर्वप्राचार्य प्रो. रामसागर मिश्र व राष्ट्रीय एकता समिति भोपाल के उपाध्यक्ष श्री महेश श्रीवास्तव थे। इन समारोहों की अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसरके प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। संगोष्ठियों का समापन 11 नवम्बर 2017 को हुआ जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुम्बई परिसर के आचार्य प्रो. बोधकुमार झा एवं मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के पूर्व निदेशक डॉ. देवेन्द्र दीपक मुख्य अतिथि थे। श्रीलालबहादुरशास्त्रिराष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठ दिल्ली की प्राध्यापिका डॉ. अनीता पाण्डेय विशिष्ट अतिथि थीं। इन समारोहों के अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसरके प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने बताया कि ऐसे आयोजनों के पीछे संस्थान का उद्देश्य होता है कि अध्ययन की विभिन्न शाखाओं के नए आयामों की खोज की जा सके। व्याकरण विभाग संगोष्ठी के संयोजक प्रो. सुबोध शर्मा व सचिव डॉ. कैलास चन्द्र दाश थे। एवं शिक्षाशास्त्र विभाग संगोष्ठी के संयोजक प्रो. जे. भानुमूर्ति व डॉ. नगेन्द्रनाथ झा तथा सचिव डॉ. सोमनाथ साहू थे।

17. अन्तर्परिसरीय नाट्य प्रतियोगिता

अगरतला, त्रिपुरा में ही 22 नवम्बर से 24 नवम्बर 2017 तक अन्तर्परिसरीय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ था जिसमें प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा रचित नाटक प्रेमपीयूषम् का मंचन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के छात्रों द्वारा किया गया। इस नाटक का निर्देशन डॉ. सनन्दनकुमार त्रिपाठी ने किया। इस प्रस्तुति में भोपाल परिसर के डॉ. संजय द्विवेदी को सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक का पुरस्कार मिला। डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. मंजू सिंह, श्री सुमित सक्सेना, डॉ. शीतांशु त्रिपाठी, डॉ. संजय द्विवेदी, श्री मनोज पाटीदार एवं डॉ. देवेन्द्र पाठक गए थे। पूर्व वर्षों की तरह इस वर्ष भी इस प्रतियोगिता में नाट्यशास्त्र अनुसंधान केन्द्र भोपाल परिसर ने पूर्वरङ्ग की प्रस्तुति की जिसमें डॉ. शीतांशु त्रिपाठी निर्देशक, डॉ. संजय द्विवेदी संगीत निर्देशक एवं श्री मनोज पाटीदार

वादक के साथ श्री तुषार धरन एवं श्री वैभव सन्तोरे का सहयोग रहा। पूर्वरंग का आलेख डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी का था।

18. ज्योतिष शास्त्र की वैज्ञानिकता एवं वर्तमान समय में प्रासंगिकता' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

इस द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन संयुक्त रुप से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर तथा महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, भोपाल द्वारा 28 व 29 नवम्बर को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में किया गया। उद्घाटन सत्र में मध्यप्रदेश विद्यालयीय शिक्षा मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह मुख्य अतिथि थे तथा महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन के पूर्व कुलपति प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी व महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान भोपाल के निदेशक श्री प्रभात राज तिवारी विशिष्ट अतिथि थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने इस सभा की अध्यक्षता की। समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालयीय शिक्षा मध्यप्रदेश राज्य मंत्री श्री दीपक जोशी उपस्थित थे। प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने उद्बोधन में श्री दीपक जोशी ने कहा कि आधुनिक विषयों साथ जोड़कर संस्कृत का अध्ययन व विश्लेषण होना चाहिए। इससे ज्ञान के नये आयाम प्राप्त होंगे साथ ही साथ अध्ययन के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं के हल में भी सहायता प्राप्त होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने कहा कि संस्थान ज्योतिष के वैज्ञानिक अध्ययन पर जोर देता है। यह परिसर अन्य शोध पत्रिकाओं के साथ-साथ श्री भोजराज पञ्चाङ्ग प्रकाशित करता है एवं सामान्य जनों के लिए कई डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

19. गणतन्त्र दिवस

परिसर में 26 जनवरी 2018 को गणतन्त्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ध्वजारोहण के पश्चात् दिये अपने संदेश में कहा कि संविधान में निहित भावनाओं को बनाए रखना हम सभी का कर्त्तव्य है। हमारे राष्ट्र में कई भाषाएँ, धर्म व संस्कृतियाँ पाई जाती हैं और हमारा संविधान इन सभी को समानता प्रदान करता है। इस प्रकार हमारा संविधान एक महान् दस्तावेज है जो विभिन्नता में एकता स्थापित करता है।

20. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

त्रिपुरा के अगरतला में 18 जनवरी 2018 से 21 जनवरी 2018 तक हुई अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के छात्रों ने भाग लिया। शास्त्री द्वितीय वर्ष के शुभम पाठक व शिखा चन्द्रवंशी को सांत्वना पुरस्कार आचार्य द्वितीय वर्ष के अश्वनी ठाकुर व अंशुल दुबे को प्रश्नोत्तरी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रो. हंसधर झा एवं डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय इस दल के साथ अगरतला गए थे।

21. मातृभाषा दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर में 21 फरवरी 2018 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार वर्मा मुख्य अतिथि थे। भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी लोगों का आह्वान किया कि दैनिक वार्तालाप में अपनी मातृभाषा व संस्कृत का उपयोग करें। इस कार्यक्रम के समन्वक डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय थे।

22. 'नाट्यशास्त्र अनुसंधान के आयाम' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी

नाट्यशास्त्र अनुसंधान के आयाम विषय पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर द्वारा 26 व 27 फरवरी 2018 को द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के पूर्वकुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी मुख्य अतिथि थे एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समारोह की अध्यक्षता की। इस संगोष्ठी में प्रो. आजाद मिश्र, प्रो. विजयबहादुर सिंह, प्रो. कुसुम भूरिया एवं डॉ. कुलिन जोशी के विशिष्ट व्याख्यान संपन्न हुए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. आजाद मिश्र समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। परिसर प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने समारोह की अध्यक्षता की। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव ने बताया कि अगरतला, दिल्ली, उड़ीसा, कोलकाता, वाराणसी, भोपाल व उज्जैन आदि विद्वानों ने संगोष्ठी में भाग लिया एवं 86 शोधपत्र प्रस्तुत किए।

23. संस्कृत विकिपीडिया कार्यशाला

22 एवं 23 फरवरी 2018 को परिसर के शिक्षा विभाग ने EPC के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्री व शिक्षाचार्य के छात्रों हेतु प्रायोगिक गतिविधि के प्रयोजन से एक कार्यशाला आयोजित की थी। इस द्विदिवसीय कार्यशाला में प्रायोगिक सत्र व अभिविन्यास सत्र संपन्न हुए। इन दोनों ही सत्रों में हैदराबाद के डॉ. अनिल कुमार, अहमदाबाद के श्री नेहल दवे, भोपाल के श्री स्वप्निल द्विवेदी तथा श्री सुयश काम्बलेकर ने सहयोग किया। इस कार्यशाला में संस्कृत विकिपीडिया एवं एक कम्प्यूटर प्रयोग वाली भाषा के रूप में संस्कृत विषयों पर मुख्य चर्चा हुई।

24. युव महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुम्बई परिसर में 8 मार्च से 11 मार्च 2018 तक आयोजित हुए अन्तर्परिसरीय युव महोत्सव में भोपाल परिसर के छात्रों ने प्रतिभागिता की एवं 2 स्वर्ण, 7 रजत एवं 6 कांस्य पद प्राप्त किए। छात्रों के इस दल के साथ डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय, डॉ. विवेक सिंह एवं डॉ. मंजु सिंह गए थे।

25. शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी

इस द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 13 व 14 मार्च 2018 को किया गया। उद्घाटन में IIM इन्दौर के डॉ. पवन सिंह मुख्य अतिथि थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की। इस अवसर पर प्रो. पवन सिंह एवं डॉ. सुमित रॉय के विशिष्ट व्याख्यान संपन्न हुए। भोपाल प्रभाग के नवोदय विद्यालय समिति के उपायुक्त डॉ. नयन किशोर पटेल समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे एवं प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस संगोष्ठी के संयोजक डॉ. नगेन्द्र नाथ झा एवं सचिव डॉ. कृष्णकान्त तिवारी थे। शिक्षाशास्त्र एवं शिक्षाचार्य पाठ्यक्रमों में समावेशी शिक्षा के प्रति यह संगोष्ठी केन्द्रित एवं समर्पित थी।

26. वार्षिकोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान भोपाल परिसर, भोपाल का वार्षिकोत्सव 16 मार्च 2018 को मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव के मुख्यातिथ्य में संपन्न हुआ इस अवसर पर नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह चौहान विशिष्ट अतिथि व माखनलाल राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रो. बी.के. कुठियाला सारस्वतातिथि थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल परिसर के प्राचार्य प्रो. एम्. चन्द्रशेखर ने की एवं उन्होंने वार्षिक प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थान परिसर में सत्र के दौरान हुई विभिन्न गतिविधियों/प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी प्रस्तुत किया गया।

27. विविध प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अध्यापकों का भागग्रहण

डॉ. मोहिनी अरोड़ा (साहित्य), दिनांक 29.01.2018 से 21.02.2018 तक बी.पी.एस. महिलाविश्वविद्यालय, खानपुर, हरियाणा में भाग लिया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर के विषय में (संक्षिप्त परिचय)

भारत के पश्चिमी तट पर निहित, लगभग 2.5 करोड़ की आबादी वाला मुम्बई महानगर, देश के चार महानगरों में से एक है। यह महाराष्ट्र की राजधानी है। महानगर की अधिष्ठात्री मुम्बादेवी के चरण कमलों में पल्लवित यह स्थान भारत की आर्थिक राजधानी के नाम से जाना जाता है।

संस्कृत पारम्परिक विद्या में नवाचारों एवं नवोन्मेषों का समन्वय करते हुए, शास्त्रीय आर्ष परम्परा के प्रचार-प्रसार हेतु महानगरस्थ-सुप्रसिद्ध क.जे.सोमैया ट्रस्ट द्वारा, केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को प्रारम्भ करने हेतु, भवन निर्माण के लिए एक एकड़ भूमि दानरूप में प्रदान करने की योजना रखी। जिसको साकार करने के लिए राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान मानित विश्वविद्यालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया। कमेटी सदस्यों द्वारा दानरूप में प्राप्त भूमि का जायजा लिया गया, और विद्यापीठ मुम्बई में प्रारम्भ किया जा सकता है, ऐसे आश्वस्त होकर, एक प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय को अग्रेषित किया गया।

मन्त्रालय द्वारा 31 मार्च 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ आरम्भ करने की संस्तुति प्रदान की तथा क.जे. सोमैया ट्रस्ट ने विभिन्न कक्षाओं के पाठ्यक्रम आरम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर का उद्घाटन तत्कालीन मानव संसधान विकास मन्त्री, भारत सरकार के माननीय डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा 16 मई 2002 को किया गया। क.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ में प्राक्शास्त्री (2), शास्त्री (बी.ए.), आचार्य (एम.ए), साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष शास्त्रीय विषयों में, सम्बद्ध शास्त्रों में पी.एच्.डी. (विद्यावारिधि) तक के शिक्षण का प्रावधान है। इसके साथ-साथ अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान व पर्यावरण विज्ञान जैसे आधुनिक विषयों का भी शिक्षण होता है जो संस्थान के पाठ्यक्रमानुसार पढाया जाता है। यह पाठ्यक्रम व्यवसाय उन्मुख होने के साथ ही मुक्त स्वाध्याय केन्द्र के द्वारा संस्कृत पढ़ने का एक सर्वोत्तम साधन भी है। हिन्दी, अंग्रेजी, आधुनिक पद्धति के साथ संस्कृत अनिवार्य विषय के रूप में शिक्षकों के प्रशिक्षण 100 छात्रों के लिए एक वर्ष का शिक्षाशास्त्री (बी. एड्.) प्रोफेशनल कोर्स (व्यावसायिक प्रशिक्षण) भी करवाया जाता है। (सत्र 2015-16 से पाठ्यक्रम दो वर्ष का हो गया है) इसका आरम्भ एन.सी. टी.ई. के अनुमोदन के बाद शैक्षिणक वर्ष 2007 में शुरु किया गया था।

वर्तमान में क.जे.सोमैया ट्रस्ट ने विद्याविहार में ही बहुमूल्यीय एक एकड़ भूमि विद्यापीठीय भवन निर्माण के लिए उपलब्ध करायी है। यहाँ भवन निर्माण की समस्त औपचारिकताएँ पूरी हो चुकी हैं।

इस समय सोमैया विद्याविहार परिसर में ही ट्रस्ट के सौजन्य से विद्यापीठ का प्रशासनिक कार्य सुरूचि कलाभवन, पुस्तकालय पॉलिटेक्निक भवन में, अध्ययन-अध्यापन, प्रशिक्षण, शोध आदि कार्य चाणक्य भवन में चल रहा है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लक्ष्य है कि-

संस्कृत को हर तरह से सुविधाजनक बनाने, दूसरी भाषाओं के साथ संस्कृत साहित्य का शिक्षा से सम्बन्ध, पारम्परिक धारा के क्षेत्रों में संस्कृत शिक्षा और अनुसन्धान की पारम्परिक प्रणालियों को बढ़ावा देने, संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम और प्रचार व प्रसिद्धि तथा पारम्परिक संस्कृत विज्ञान के सर्वांगीण विकास के लिए नीतियों को लागू करना है।

संस्कृत की सम्पूर्ण पृष्ठभूमि के साथ, कुशल मानव संसाधानों का उत्पादन, संस्कृत साहित्य के सन्दर्भ में विज्ञान के क्षेत्र में अनुसन्धान तथा तुलनात्मक अध्ययन के लिए तथा संस्कृत सीखने व आधुनिक तकनीकों के माध्यम से संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने की सभी शाखाओं के संचालन के लिए सर्वविध प्रयास करना है।

वैश्विक स्तर पर आधुनिक तकनीकों के माध्यम से

संस्कृत संसाधन उपलब्ध कराने तथा संस्कृत सीखने की महिमा स्थापित करने के लिए एक दृश्य के साथ विश्व स्तर के विश्वविद्यालय के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को विकसित करने के लिए हरसंभव प्रयास करना है।

परिसर में उपलब्ध पाठ्यक्रम (पूर्ण विवरण के साथ)

1. प्राक्शास्त्री (द्विवर्षीय)
2. शास्त्री (त्रिवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
3. आचार्य (द्विवर्षीय) (सत्रार्द्ध प्रणाली के साथ)
4. शिक्षाशास्त्री (एकवर्षीय) (सत्र 2014-15 से द्विवर्षीय)
5. विद्यावारिधि (पी-एच्.डी.)
6. मुक्त स्वाध्याय केन्द्र
7. भारतीय ज्योतिष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (त्रैमासिक)

मुख्य रूप से परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष एवं शिक्षाशास्त्र इन चार विषयों का अध्ययन, अध्यापन एवं शोध कार्य चल रहे हैं।

अन्य क्रियाकलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण।

ख विद्यापीठ प्रकाशन-

1. विद्याश्रीः -

इस सत्र में व्याकरण विभाग के अध्यक्ष आचार्य प्रकाशचन्द्र महोदय की कार्यनिवृत्ति के सन्दर्भ में वर्ष 2017-18 दिसंबर माह में परिसरीय वार्तापत्रिका विद्याश्रीः प्रकाशित की गई।

2. शिक्षारश्मिः

शिक्षाशास्त्र विभाग से **शिक्षारश्मिः** नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका (ISSN- 2395-7921) का प्रकाशन किया गया। इस पत्रिका में विभागीय प्राध्यापक एवं अन्य विश्वविद्यालयीय विद्वानों तथा छात्राध्यापकों के विभिन्न प्रकार के शोध लेख के साथ विभागीय गतिविधियों का प्रकाशन किया।

3. विद्यारश्मिः

इस शैक्षिक सत्र में आचार्य रामानुज देवनाथन् महोदय के स्मारिका के रूप में वार्षिक शोध पत्रिकाविद्यारश्मिः भारत के विख्यात विद्वानों के लेखों का संग्रह करके प्रकाशित किया गया है। इस वार्षिक शोध पत्रिका का ISSN -2277-6443 है।

4. वाग्वै ब्रह्म

इस शैक्षिक सत्र में व्याकरण विभाग द्वारा वर्ष 2017-18 में 'वाग्वै ब्रह्म' नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका प्रकाशित की गई जिसमें विभिन्न विषयों के शोधपत्र एवं लेख प्रकाशित किए गए।

5. काव्यलतिका

इस शैक्षिक सत्र 2017-18 में साहित्य विभाग द्वारा काव्यलतिका नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका प्रकाशित की गई।

6. वैभाषिकी

इस शैक्षिक सत्र में आधुनिक विषय विभाग द्वारा वैभाषिकी नाम की विभागीय वार्षिक शोधपत्रिका प्रकाशित की जाएगी।

शैक्षणिक कार्यक्रम-

1. शैक्षिक सत्रारम्भ

इस शैक्षिक सत्र का आरंभ 19.06.2017 को हुआ। 05.07.2017 को सरस्वती पूजा का आयोजन परिसर में सत्रारम्भ के लक्ष्य पर किया गया।

2. अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस -

दिनांक 21.06.2017 को अन्ताराष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। योगश्चित्तवृत्तिनिरोध पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्रों द्वारा संस्कृत माध्यम से योग का महत्व के बारे में बताया गया।

3. शिक्षा-शास्त्र विभाग शैक्षिक सत्र प्रारंभ

शिक्षाशास्त्र अध्ययन हेतु आये हुये छात्रों का स्वागत करते हुए विभागाध्यक्ष ने सत्र का आरंभ दिनांक 03 मार्च. 2017 को किया।

4. गुरू पूर्णिमा-

गुरू पूर्णिमा (दिनांक 09.07.2017) के उपलक्ष्य में दिनांक 10.07.2017 को छात्रों एवं गुरुओं ने मिलकर पारम्परिक रूप से उत्सव का आयोजन किया। सभी छात्रों को गुरू पूर्णिमा का महत्व के बारे में बताया गया।

5. संस्कृत वाचन शिविर

शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा छात्रों में संस्कृत वाचन कौशल वर्धन हेतु दिनांक 20-29, जुलाई 2017 को 10 दिवसीय शिविर चलाया है एवं 21 दिन की कार्यशाला भी दिनांक 20. 07.2017 को आयोजित किया गया।

6. संस्कृत सप्ताह समारोह-

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी संस्कृत सप्ताह दिनांक 08.08.2017 से 11.08.2017 तक मनाया गया। जिसमें शास्त्रार्थ सभा, विभिन्न स्पर्धाएँ आयोजित की गई हैं।

7. नव भारत संकल्प

परिसर में मुख्यालय के आदेशानुसार नवभारत संकल्प कार्यक्रम 09.08.2017 से 30.08.2017 तक छात्रों के लिए विभिन्न स्पर्धाओं के आयोजन के साथ मनाया गया।

8. स्वतन्त्रता दिवस -

सोमैया परिसर में इस वर्ष सबने मिलकर 15.8.2017 को स्वतन्त्रता दिवस का आचरण किया गया।

9. स्वच्छता पखवाडा

प्रधानमंत्री जी के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाडा कार्यक्रम 01.09.2017 से 15.09.2017 तक परिसर में मनाया गया। इस सन्दर्भ में परिसर में बहुविध स्वच्छता कार्य सभी सदस्यों ने मिलकर किए।

10. शिक्षक दिवस-

डॉ. सर्वपल्लि राधाकृष्णन् जी का जन्मदिन के उपलक्ष्य मे दिनांक 06.09.2017 को शिक्षाशास्त्र विभाग के छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक दिवस मनाया गया एवं विद्यापीठ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

11. हिन्दी पखवाड़ा-

राष्ट्रभाषा हिन्दी के सम्मान के रूप में विद्यापीठ में सितम्बर 14 से 20, 2017 तक हिन्दी पखवाडा पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में हिन्दी भाषण, लेखन, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

12. पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी

मुख्यालय के निर्देशानुसार परिसर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती तथा जन्मशताब्दी साप्ताहिक कार्यक्रम सितम्बर 14 से 20, 2017 तक मनाया गया।

13. सतर्कताजागरूकता सप्ताह

मुख्यालय के निर्देशानुसार सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 30.10.2017 से 04.11.2017 तक छात्रों के लिए विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन करके मनाया गया।

14. राष्ट्रीय मतदाता दिवस

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार इस सत्र में राष्ट्रिय मतदाता दिवस का आचरण दिनांक 25.01.2018 को शपथ ग्रहण करके किया गया।

15. वसंत पंचमी

दिनांक 22.01.2018 को परिसर में वसंत पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती पूजन कार्यक्रम परिसर के सभी सदस्यों ने मिलकर किया।

16. गणतंत्र दिवस

सोमैया परिसर में जनवरी 26, 2018 को सभी सदस्यों ने मिलकर गणतंत्र दिवस का आचरण किया।

17. मातृभाषा दिवस

केन्द्र सरकार के आदेशानुसार इस सत्र में मातृभाषा दिवस का आचरण दिनांक 22.02.2018 को किया गया।

अन्य क्रियाकलाप

1. शिक्षाशास्त्री सत्रारम्भ

दिनांक 03.07.2017 को शिक्षाशास्त्र विभाग में सहर्ष

सत्रारम्भ का कार्यक्रम हुआ। प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को सम्बोधित करते हुये राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका के बारे में बताया गया।

2. संस्कृत भाषा बोधन वर्ग-

शिक्षाशास्त्र विभाग में दिनांक 20.07.2017 को दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिबिर तथा 21 दिवसीय संस्कृत भाषा बोधन वर्ग का आरम्भ किया गया।

3. वाग्वर्धिनी परिषद् -

दिनांक 28.07.2017 को परिसर में छात्रों के भाषण कौशल और शास्त्रार्थ कौशल के विकास हेतु वाग्वर्धिनी परिषद् का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

4. प्रायोगिक परीक्षा

शिक्षाशास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों का प्रायोगिक शिक्षणाभ्यास तथा मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का आयोजन 29.01.2018 से 02.02.2018 तक आयोजित किया गया।

5. विभिन्न क्रीडा स्पर्धाएँ

परिसर में क्रीडा विभाग द्वारा छात्रों के लिए नवम्बर 2017 में विभिन्न क्रीडा स्पर्धाएँ आयोजित की गई।

कार्यक्रम एवं संगोष्ठी

1. महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा-

इस शैक्षिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार महाराष्ट्र राज्यों की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई है। अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 17.11.2017 को महाराष्ट्र राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा परिसर में आयोजित की गई, जिसमें महाराष्ट्र के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने स्पर्धा में भाग लिया।

2. गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा-

इस शैक्षिक सत्र में संस्थान के निर्देशानुसार गोवा राज्यों की राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा तपोभूमी, कुंडई में आयोजित की गई है। अखिल भारतीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा के उपलक्ष्य में दिनांक 20.11.2017 को गोवा राज्यस्तरीय शास्त्रीय वाक्स्पर्धा आयोजित की गई, जिसमें गोवा के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्रों ने स्पर्धा में भाग ग्रहण किया।

3. कौमुदी महोत्सव (वसन्तोत्सव)-

दिनांक 20.11.2017 से 23.11.2017 तक संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला में सम्पन्न हुए। संस्कृत नाट्य महोत्सव में परिसर के छात्रों ने विवेकानन्दविजयम् नाटक का मंचन अत्यन्त रोचकता के साथ प्रस्तुत करके तृतीय स्थान प्राप्त किया।

4. अखिल भारतीय प्रतिभा समारोह-

दिनांक 30.01.2018 से 02.02.2018 तक अखिलभारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह, तिरुपति स्थित राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ द्वारा प्रतिवर्ष की भाँति आयोजित समारोह में छात्रों ने विभिन्न स्पर्धाओं में सहर्ष भाग लेकर 3 पदक प्राप्त किए।

राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला-

आय. क्यू. ए. सी. के मार्गदर्शन के अनुसार परिसर में स्थित विभिन्न विभागों में राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विवरण निम्नलिखित है।

1. त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला- शिक्षा दिवस के सन्दर्भ में परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत प्राविधिक कार्यशाला दिनांक 09.11.2017 से 11.11.2017 तक आयोजित की गई।
2. व्याकरण विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान- दिनांक 19.12.2017 से 22.12.2017 को व्याकरण विभागीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला आयोजित की गई।
3. शिक्षाशास्त्र विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान- दिनांक 08.02.2018 एवं 09.02.2018 को शिक्षाशास्त्र विभागीय संगोष्ठी वं विशिष्ट व्याख्यानमाला आयोजित की गई।
4. साहित्य विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान- दिनांक 16.03.2018 एवं 17.03.2018 को साहित्य विभागीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला आयोजित की गई।
5. आधुनिक विभागीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यान-दिनांक 19.03.2018 एवं 20.03.2018 को

आधुनिक विभागीय संगोष्ठी एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला आयोजित की गई।

6. त्रिदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशाला परिसर में शिक्षा विभाग के प्राध्यापक डॉ. देवदत्त सरोदे के मार्गदर्शन में प्रचलित संस्कृत विज्ञान परियोजना के अंतर्गत 'निरामयानंद जीवनम' इस शीर्षक से योगायुर्वेद विषय पर दिनांक 22.03.2018 से 24.03.2018 त्रिदिवसीय राष्ट्रिय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशाला आयोजित की गई।

दशम अन्तः परिसरीय युव महोत्सव-

इस शैक्षिक सत्र में मुख्यालय के आदेशानुसार विशेष रूप से मुम्बई परिसर द्वारा 10वें अन्तः परिसरीय युव महोत्सव का आयोजन दिनांक 08.03.2018 से 11.03.2018 तक सफलतापूर्वक किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त - 00
उत्तर प्रेषित - 00

4.2.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

परिसर-परिचय

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र इत्यादि भी हैं। परिसर की गतिविधियाँ अधोलिखित हैं

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण
2. पत्राचार पाठ्यक्रम
3. मुक्त स्वाध्यायपीठम् के दिल्ली स्वाध्याय केन्द्र द्वारा दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम।
4. संगोष्ठियों/कार्यशालाओं इत्यादि का संयोजन।
5. मुक्तस्वाध्यायपीठम् के द्वारा लक्षित समूह की आवश्यकतानुसार अल्पकालीन शिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन।
6. शोध गतिविधियों का संयोजन
7. अधोलिखित कार्यक्रमों का संगठन

- संस्कृत सप्ताह
- स्थापना दिवस
- राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ
- युवमहोत्सव
- कौमुदी महोत्सव
- अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिल्ली परिसर द्वारा संगठित/संयोजित कार्यक्रमों का विवरण वार्षिक प्रतिवेदन के 5वें अध्याय (वर्ष के मुख्य समारोह) में दिया गया है।

4.2.12 एकलव्यपरिसर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा

परिसर के विषय में (परिसर का संक्षिप्त इतिहास)

भारत के सुदूर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत की महान परम्पराओं के पुनरुज्जीवन और प्रचार प्रसार हेतु संस्थान द्वारा कृत्सङ्कल्प तथा तत्कालीन कुलपति एवं कुलसचिव महोदय के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप त्रिपुरा राज्य की राजधानी अगरतला के मोहनपुर क्षेत्र में संस्थान परिसर का आरम्भ स्वामी विवेकानन्दमहाविद्यालय में 04 जून 2013 को किया गया। वर्तमान में त्रिपुरा सरकार ने रिक्त होने के कारण ओल्ड आई.ए.एस.ई भवन को एकलव्य परिसर का नाम दिया हैं जो कि अगरतला नगर के मध्य मे स्थित है। इस परिसर में प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य और विद्यावारिधि के साथ-साथ आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, बंगाली, राजनीति विज्ञान, इतिहास तथा कम्प्यूटर साइंस का भी अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। परिसर सभी विषयों के मेधावी विद्यार्थियों हेत छात्रवृत्ति प्रदान करता है। इसका मुख्य परिसर युवतारा (लम्बूछेरा) पूर्वी त्रिपुरा जिले में स्थित है। पूर्ण विश्वास है कि परिसर में अध्ययनरत छात्र राष्ट्रीय एकता और भाईचारा बढाने हेत निश्चित रूप से अग्रणी होंगे।

परिसर की स्थिति

वर्तमान में एकलव्य परिसर अगरतला नगर में राधानगर नामक स्थान पर बुद्धमन्दिर के निकट पुरातन IASE भवन में चल रहा है. जो कि त्रिपरा सरकार द्वारा प्रदत्त है।

अन्य क्रियाकलाप। समारोह। कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण

सत्रारंभ दिनांक 19 जून 2017 को नूतन शैक्षिक सत्र 2017-18 का आरम्भ किया गया है जिसमें प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापक उपस्थित थे।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन	विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण
3.	शिक्षा-शास्त्री	2 वर्ष	बी.एड.		
4.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	
5.	विद्यावारिधि		पीएच.डी	ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन, बौद्धदर्शन, धर्मशास्त्र	

अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस

भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अन्तर्गत, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा) के अन्ताराष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून, 2017 को सेमिनार हॉल में सोत्साह मनाया गया है। इस कार्यक्रम में प्रमुख योगगुरु श्री कालिचरण घोष, सभी कर्मचारी एवं विद्यार्थियों से योगभ्यास करवाया है एवं परिसर प्राचार्य प्रो. रञ्जित कुमार बर्मन जी ने दैनन्दिनी में योग का विशिष्टता के बारे में उपन्यास दिया है।

पण्डितदीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दीवर्ष समारोह-

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के निर्देशानुसार एकलव्य परिसर में दिनांक 24,25 एव 26 जुलाई, 2017 को आचार्य सच्चिदानन्द तिवारी जी की अध्यक्षता में पण्डित दीन दयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में परिसर के सभी प्राध्यापकों, प्राध्यापिकाओं, कर्मचारियो एवं छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में प्राध्यापकों के लिए परिचर्चा तथा छात्रों के लिए निबन्धलेखनस्पर्धा का आयोजन किया गया। आयोजित सम्पूर्ति कार्यक्रम मे त्रिपुरा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ. मिलनरानी जमातिया को मुख्यवक्ता के रूप में आमान्त्रित किया गया। मिलनरानी जमातिया जी ने उपाध्याय जी के विचारों की प्रासंगिकता पर विचार प्रस्तुत किए। डॉ.महतो ने उपाध्याय जी के एकात्ममानववाद पर प्रासंगिक एव दार्शनिक व्याख्यान प्रस्तुत किया। अध्यक्षीय **उद्‌बोधन** में परिसर प्राचार्य आचार्य रञ्जिक कुमार बर्मन ने स्वतन्त्रता संग्राम में उपाध्याय के योगदान पर विचार प्रस्तत किए।

संस्कृतसप्ताह कार्यक्रम-

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष एकलव्य परिसर में 4 से 10 अगस्त 2017 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। एकलव्य परिसर के छात्रों द्वारा अगरतला नगर में संस्कृत के प्रति जागरुकता लाने के उद्देश्य से शोभायात्रा आयोजित की गई जिसमें प्राचार्य सहित परिसर के सभी प्राध्यापकों ने भाग लिया। संस्कत सप्ताह के उपलक्ष्य में परिसर में छात्रों के विविध कौशलों के विकास के उद्देश्य से भाषण, संस्कृत गीत, आशुभाषण, प्रश्नमञ्च, निबन्धलेखन, श्लोकोच्चारण, समस्यापूर्ति इत्यादि अनेक स्पर्धायें आयोजित की गई। 10 अगस्त को संस्कृत सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमे महाराजा वीर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो, गौतम कुमार बसु को मुख्यातिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया। समारोह के अन्त में स्पधाओं में विजयी रहे छात्रों को परस्कार प्रदान किए गए।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त 2017 को एकलव्य परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। परिसर प्राचार्य ने ध्वजारोहण कर स्वंतत्रता के महत्व का प्रतिपादन कर स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण किया। इसके पश्चात परिसर के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें देश भक्ति गीत, नाटक एवं नत्य आदि को परिसर सदस्यों के समक्ष प्रस्तत किया।

न्यू इण्डिया मन्थन

9 अगस्त से 30 अगस्त, 2017 पर्यन्त भारत सरकार के आदेशानुसार एकलव्य परिसर में न्यू इण्डिया मन्थन नामक कार्यक्रम को आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत छात्रों के लिए विचार संगोष्ठी, वादविवाद स्पर्धा एवं प्रश्न मञ्च इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा

संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार 1 सितंबर से 15 सितंबर पर्यन्त स्वच्छता पखवाडा का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत 6, 7 एवं 8 दिनांक को परिसर की स्वच्छता, 9 एवं 10 दिनांक को छात्रावास की स्वच्छता तथा 11 एवं 12 दिनांक को छात्रों के लिए निबंध लेखन इत्यादि स्पर्धा का आयोजन किया गया। 15 सिंतबर 2017 को स्वच्छता पखवाडा के समापन समारोह मे पश्चिम त्रिपुरा जिला परिषद के प्रमुख श्री दिलीप दास को मख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने

स्वच्छता के विषय में छात्रों को जागरूक करने के लिए तथा वर्तमान समय में स्वच्छता के महत्व के विषय मे अपने विचार प्रस्तुत किए। समापन समारोह में परिसर प्राचार्य एवं परिसर के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

हिंदी पखवाडा

14 सितंबर, 2017 को एकलव्य परिसर में हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर आचार्य रंजित कुमार बर्मन की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पश्चिम त्रिपुरा जिला के जिला परिषद प्रमुख श्री दिलीप दास को मुख्य अतिथि के रूप मे आमंत्रित किया गया। उन्होंने हिंदी के महत्व का प्रतिपादन किया एवं सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने में हिंदी भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इस विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी, प्रो. धनीन्द्र झा, प्रो. बच्चा भारती एवं डॉ. ब्रह्मानन्द मिश्र उपस्थित हए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार एकलव्य परिसर में 30.10.2017 से 05.11.2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। इस उद्घान समारोह में प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी की अध्यक्षता में प्रो. धनीन्द्र कुमार झा ने सतर्कता की भ्रष्टाचार के विरुद्ध उपयोगिता पर प्रकाश डाला। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में छात्रो के लिए अनेक स्पर्धाओं जैसे घोष वाक्य निर्माण, भाषण स्वर्धा, वादविवाद स्पर्धा एवं निंबध लेखन स्पर्धा इत्यादि का आयोजन किया गया। दिनांक 05.11.2017 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह परिसर प्राचार्य आचार्य रंजीत कुमार वर्मन महोदय की अध्यक्षता मे संपन्न हुआ, जिसमें त्रिपुरा राज्य के उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश श्री विनय भूषण भट्टाचार्य को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा किस प्रकार व्यक्ति अनैतिक कार्यों मे प्रवृत्त होता है और उसके क्या परिहार हो सकते हैं। कार्यक्रम में एकलव्य परिसर के सभी विभागाध्यक्षों, आचार्यों, प्राध्यापकों एवं छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस

एकलव्य ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष में 31.10.2017 को परिसर प्राचार्य रंजीत कुमार वर्मन की अध्यक्षता में एकलव्य परिसर ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयन्ती के उपलक्ष्य में 31.10.2017 को परिसर प्राचार्य की अध्यक्षता में राष्ट्रीय एकता दिवस का परिपालन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अगरतला स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय की राजनीति विज्ञान विभाग की सहाचार्या डॉ, रीना दत्ता को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में परिसर प्राध्यापकों के लिए राष्ट्रियैकताभिवर्धने सरदार-वल्लभ-भाईपटेल-महोदयस्य योगदानम् इस विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में परिसर छात्रों के लिए अंखडभारतनिर्माणे सरदारवल्लभभाईपटेलमहोदयानां योगदानम् इस विषय पर निबंध लेखन स्पर्धा का आयोजन किया गया।

नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला

नवम्बर मास के प्रथम दिनांक से लेकर 15 दिनांक पर्यन्त एकलव्य परिसर में नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला साहित्यशास्त्र विभागाध्यक्ष आचार्य सच्चिदानंद तिवारी जी के समन्वयकत्व में आयोजित की गई। इस कार्यशालाा में अभिनय का प्रशिक्षण देने के लिए असम राज्य से श्री प्रांजल सैक्य तथा त्रिपुरा राज्य से श्री विद्युत जी को आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला में एकलव्य परिसर के 25 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के व्यवस्था संयोजक के रुप में डॉ. अरुण कुमार, डॉ, मंजू ठेमदेव, डॉ, दीप कुमार, डॉ. महेश पाणिग्राही तथा डॉ. उत्तम सिंह ने कार्य किया।

15वां अंतः परिसरीय नाट्य महोत्सव

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के द्वारा आयोजित किए जाने वाला 15वां नाट्य महोत्सव इस वर्ष त्रिपुरा स्थित एकलव्य परिसर में 21 से 24 नंवबर 2017 तक आयोजित किया गया। संस्थान मुख्यालय के बाहर पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कुल 11 परिसरों ने भाग लिया, जिसमें एकलव्य परिसर ने प्रोत्साहन परस्कार तथा सर्वोत्कृष्ट प्रकाश

व्यवस्था परस्कार प्राप्त किया।

56 वां अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा कार्यक्रम

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के द्वारा एकलव्य परिसर में 56 वां अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस उद्घाटन समारोह में प्रो. तथागत राय, माननीय राज्यपाल, त्रिपुरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे इनके साथ-साथ संस्थान के कुलसचिव प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा एवं प्रो. दीपक कुमार शर्मा, कुलपति, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और प्राचीन शिक्षा विश्वविद्यालय उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन समारोह में प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं प्रो. गौतम कुमार बासु, कुलपति, एम.बी.बी. विश्वविद्यालय मुख्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शास्त्रीय स्पर्धा से संबंधित इस प्रकार का अखिल भारतीय कार्यक्रम दूसरी बार पूर्वोत्तर राज्य में आयोजित किया गया। इस स्पर्धा में सम्पूर्ण भारतवर्ष से कुल 22 प्रदेशों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस स्पर्धा मे एकलव्य परिसर की प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा दीपश्री नाथ ने सुभाषित कण्ठपाठ स्पर्धा में सांत्वना परस्कार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस

संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार 25 जनवरी के दिन पूर्वाह्न 11:00 बजे एकलव्य परिसर में राष्ट्रीय निर्वाचक दिवस के उपलक्ष्य में लोगों को निर्वाचन मे सहभागिता को प्रेरित करने के लिए परिसर के प्राचार्य प्रो. रंजित कुमार बर्मन द्वारा परिसर के सभा भवन मे आयोजित कार्यक्रम में प्रतिज्ञा दिलाई गई। आधुनिक विषय विभाग के प्राध्यापक डॉ. समन आचार्जी ने इस कार्यक्रम का संचालन किया।

गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी 2018 के दिन एकलव्य परिसर मे गणतंत्र दिवस समारोह उत्साह पूर्वक मनाया गया। प्रात: 8:00 बजे परिसर प्राचार्य आचार्य रंजीत कुमार बर्मन महोदय के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण हुआ। इस समारोह में डॉ. राजीव घोष एवं डॉ. के. कमार संयोजक थे।

10वां अंत: परिसरीय युवमहोत्सव

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के द्वारा अंत: परिसरीय युवमहोत्सव प्रतिवर्ष उसके विविध परिसरों में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष 10वां अंत: परिसरीय युवमहोत्सव राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मुंबई स्थित के.जे. सोमैया परिसर में 8 से 11 मार्च पर्यन्त आयोजित किया गया। एकलव्य परिसर प्रतिस्पर्धियों ने इसमें 7 पुरस्कार प्राप्त किए। जैसे लघु चलचित्र निर्माण में प्रथम, आशुचित्र निर्माण में द्वितीय, व्यंग्यचित्र निर्माण में द्वितीय, खो-खो क्रीडा में द्वितीय, गद्य रचना में तृतीय, सुभाषित कण्ठपाठ में तृतीय तथा रंगोली स्पर्धा में ततीय परस्कार प्राप्त किये।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सम्पूर्ण विश्व के साथ एकलव्य परिसर ने भी अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का परिपालन में 8 मार्च, 2018 को डॉ. वीणापाणि चन्दा जी की अध्यक्षता में इस कार्यक्रम में एकलव्य परिसर के सभी आचार्यों, प्राध्यापकों, कार्यालय कर्मचारियों तथा छात्रों ने भाग लिया।

SWAYAM MOOCS प्रशिक्षण कार्यशाला

22 से 28 मार्च 2018 तक एकलव्य परिसर में संस्थान मुख्यालय द्वारा संस्थान के विविध परिसरों में कार्य करने वाले प्राध्यापकों को प्राविधिक प्रशिक्षण देने के लिए SWAYAM MOOCS प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ICFAI विश्वविद्यालय के कुलसचिव आचार्य ए. रंगनाथ तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय शैक्षिक प्राविधिक संस्थान नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. यशपाल शर्मा उपस्थित हुए। सभा की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य द्वारा की गई। इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षण के रूप में केंद्रीय शैक्षिक प्राविधिक संस्थान नई दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. यशपाल शर्मा तथा उनके सहायक श्री शोभित सक्सेना कार्यशाला की समाप्ति तक उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी एकलव्य परिसर में वार्षिक दिवस के उपलक्ष्य में स्पर्धाओं का आयोजन

मार्च, 2018 के द्वितीय एवं तृतीय सप्ताह में किया गया। जिनमें शैक्षिक स्पर्धाओं में भाषण, सुभाषित कण्ठपाठ, संस्कृत गीतस्पर्धा एवं क्रीडा स्पर्धाओं में धावन, गोलक्षेपण, चक्र क्षेपण, बालीबाल, कबड्डी एवं योगासन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं मे परिसर के सभी छात्रों ने उत्साह पर्वक भाग लिया।

परिसर में आयोजित संगोष्ठियां एवं विशिष्टव्याख्यान

धर्मशास्त्रविभागीय संगोष्ठी

15 एवं 16 मार्च 2018 को एकलव्य परिसर के धर्मशास्त्र विभाग द्वारा आशौचस्य कालांगत्वम् इस विषय पर द्विदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय धर्म शास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. जय कृष्ण मिश्र को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रंजीत कुमार बर्मन महोदय द्वारा की गई। इस संगोष्ठी में कुल तीन अधिवेशनो में 23 विद्वानों ने अपने शोध पत्र पढ़े। 16 मार्च, 2018 को आचार्य जय कृष्ण मिश्र जी ने कालः कलयतीति विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तत किया।

व्याकरणविभागीय सङ्गोष्ठी

19 एवं 20 मार्च, 2018 को एकलव्य परिसर के व्याकरण विभाग ने प्रत्ययार्थविमर्शः विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि, मुख्यवक्ता के रूप में श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के व्याकरण विषय के आचार्य डॉ. सुधाकर मिश्र उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रंजित कुमार वर्मन जी ने की। सङ्गोष्ठी में 15 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

बौद्धदर्शन विभागीय सङ्गोष्ठी

20-21 मार्च, 2018 को एकलव्यपरिसर के बौद्धदर्शन विभाग ने बौद्ध दर्शन की लोकोपयोगिता विषय पर राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय कोलकता के प्राचार्य **प्रो. सोमेश मिश्र** जी उपस्थित हुए। कर्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रंजित कमार बर्मन ने की।

शिक्षाशास्त्र विभागीय सङ्गोष्ठी

21-22 मार्च, 2018 को एकलव्य परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग ने पाठ्यचर्याः दशा दिशा च इस विषय पर राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य रमेश कुमार पाण्डेय जी उपस्थित हुए। डॉ. नृसिंहचरण पण्डा, संस्कृतभारती, उड़ीसा से मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रञ्चित कुमार बर्मन् जी ने की। सङ्गोष्ठी में कल 25 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

साहित्यविभागीय सङ्गोष्ठी

25-26 मार्च, 2018 को एकलव्यपरिसर के साहित्यविभाग ने संस्कृतसाहित्यं भारतीयसंस्कृतिश्च विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि। मुख्यवक्ता के रूप में नई दिल्ली स्थित श्री लालबाहादुर-शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरप्राचार्य आचार्य रंजित कुमार वर्मन जी द्वारा की गई। 26 मार्च 2018 को मुख्य अतिथि द्वारा काव्यविमर्शः विषय पर विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तत किया गया। सङ्गोष्ठी में 15 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

अद्वैतवेदान्तविभागीय सङ्गोष्ठी

26-27 मार्च, 2018 को एकलव्य परिसर के अद्वैतवेदान्तविभाग ने जीवेश्वरस्वरूपविचारः विषय पर राष्ट्रियसङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मुख्यातिथि। मुख्यवक्ता के रूप में श्रीसीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के अद्वैतवेदान्त विभाग के आचार्य डॉ. राजेश्वर द्विवेदी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रंजित कुमार वर्मन जी ने की। सङ्गोष्ठी में 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

आधुनिकविभागीय सङ्गोष्ठी

27-28 मार्च. 2018 को एकलव्य परिसर के आधनिकविभाग ने Contemporary Socio Polotical Life A confluence of literary Yoga and science विषय पर राष्टीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें मख्यतिथि

के रूप में असम केन्द्रिय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो कृष्ण मोहन झा उपस्थित हए। सङ्गोष्ठी में कल 20 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

ज्योतिषविभागीय सङ्गोष्ठी

मार्च मास में दिनाङ्क 30 एवं 31 को एकलव्य परिसर के ज्योतिष विभाग ने **ज्योतिषशास्त्रे विवाहविमर्शः** इस विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय सङ्गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्यातिथि के रूप में श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के ज्योतिष विभागाध्यक्ष **प्रो बिहारी लाल शर्मा** जी को मुख्यातिथि के रूप में आमन्त्रित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर प्राचार्य आचार्य रञ्जित कुमार बर्मन् द्वारा की गई। सङ्गोष्ठी में कल 30 विद्वानों ने शोधपत्र पढे।

परिसर की उपलब्धियां

1. नाटय महोत्सव में एकलव्य परिसर के छात्रो ने राघवाभ्युदयम् नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने प्रौत्साहन पुरस्कार तथा सर्वोत्कष्ट प्रकाश व्यवस्था परस्कार प्राप्त किया।

2. 56वें अखिलभारतीय शास्त्रस्पर्धा में प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष की छात्रा **दीपश्री नाथ** ने सभाषित कण्ठपाठ में सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया।

3. 10वें अंत:परिसरीय युवमहोत्सव मे एकलव्य परिसर के प्रतिस्पर्धियों ने 7 पुरस्कार प्राप्त किए। जैसे लघु चलचित्र निर्माण मे प्रथम, आशुचित्र निर्माण में द्वितीय, व्यंगचित्रनिर्माण में द्वितीय, खो खो क्रीडा में द्वितीय, गद्य रचना में तृतीय, सुभाषित कण्ठपाठ में ततीय तथा रंगोली स्पर्धा में ततीय परसकार प्राप्त किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना–पत्र प्राप्त	– 02
उत्तर प्रेषित	– 02

4.2.13 श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत-महाविद्यालय (स्थापित 1908), देवप्रयाग को अपने त्रयोदश परिसर के रूप में दिनांक 16.06.2016 को अधिगृहीत किया गया। पूर्व महाविद्यालय की तरह इस परिसर का नामकरण भी दो पौराणिक नदी अलकनन्दा एवं भागीरथी के दिव्य संगमस्थल के समीप पहाड़ों की कत्यूरी-शैली में निर्मित प्राचीन श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर में विद्यमान प्रसिद्ध देवता श्रीरघुनाथजी के नाम पर हुआ है। यही स्थान वास्तविक रूप से गङ्गा का उद्गम-स्थान भी है।

दिनांक 16.06.2016 को इस परिसर का उद्घाटन उत्तराखण्ड के तत्कालीन माननीय शिक्षामन्त्री श्री मन्त्रीप्रसाद नैथानी द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माननीय कुलपति श्री पी-एन. शास्त्री, पूर्व राज्यसभा-सदस्य श्री एम. के धयानी एवं सूचना आयुक्त श्री राजेन्द्र कोटियाल की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। यहाँ पूर्व से गतिमान् संस्कृत-महाविद्यालय ने परिसर को अपनी परिसरस्थ 3.443 हेक्टेयर भूमि दानस्वरूप दी। साथ ही उत्तराखण्ड सरकार ने भी 9.228 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई। इस प्रकार परिसर के पास कुल 23 एकड़ भूमि वर्तमान है जिसे सम्बद्ध परिसरीय समिति से परामर्श के पश्चात् गत वर्ष ही आवश्यक शैक्षिक, प्रशासनिक आवासीयभवन (बालक छात्रवास, बालिका छात्रवास एवं स्टाफ क्वार्टर), ग्रन्थालय, सभागृह (अडिटरियम), खेल-मैदान (स्टाडियम) आदि के निर्माण हेतु सी. पी. डब्ल्यू. डी. की श्रीनगर शाखा को ले-आउट भूमि सौंप दी गई थी। परिसर-प्राचीर (बाउण्ड्री)-निर्माण-कार्य लगभग पूर्ण है और विविध भवन-निर्माण-कार्य उत्तराखण्ड के राज्यपाल के हाथ से शिलान्यास के पश्चात् मई 2017 से प्रारम्भ हो गई है। प्रारम्भिक स्तर पर शैक्षणिकभवन, प्राशासनिक भवन एवं छात्रावास निर्माण-कार्य प्रगति पर है।

परिसर की अवस्थिति - जहाँ तक परिसर की भौगोलिक, ऐतिहासिक, पौराणिक तथा शैक्षिक स्थिति का प्रश्न है, देवप्रयाग उत्तराखण्ड (पूर्व उत्तरांचल और इससे पूर्व उत्तरप्रदेश) में विद्यमान है जो सांस्कृतिक दृष्ट्या देवभूमि के नाम से प्रसिद्धि-प्राप्त है। इस देवभूमि में न केवल प्रसिद्ध ज्योतिर्मठों में अन्यतम श्रीबद्रिकाश्रम-धाम अवस्थित है अपितु द्वादश-ज्योतिर्लिंगों में प्रधान श्रीकेदारनाथ जी भी यहाँ विराजमान है। साथ ही भारतीय संस्कृति की अमूल्य स्रोतस्विनी श्रीगंगा एवं श्री यमुना का उद्गम-स्थान भी यही पावन प्रदेश है। देवतात्मा हिमालय आज भी यहाँ पृथ्वी के मानदण्ड की गौरवमयी गाथा को अपनी अमित-प्रभा से भासित कर रहा है। पौराणिक मान्यता (स्कन्दपुराण-केदारखण्ड) के अनुसार देवशर्मा नामक तपस्वी के नाम से इस स्थान को देवप्रयाग नाम से जाना जाता है जिन्होंने कभी यहाँ घोर तपस्या की थी। उत्तराखण्ड के पाँच प्रयागों में देवप्रयाग प्रथम प्रयाग है जिसके बाद रुद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, नन्दप्रयाग एवं विष्णुप्रयाग का क्रम आता है। देवप्रयाग का नगरीय-भूभाग तीन पर्वत-मालाओं से परिवेष्टित है। भगवान् श्रीरघुनाथ जी के मन्दिर वाला भूप्रदेश गृद्धाचल-श्रेणी में आता है, दूसरा भागीरथी का दक्षिण-तटीय भाग दशरथाचल शृंखला में है, तथा तीसरा अलकनन्दा-तटीय भाग नृसिंहाचल नाम से जाना जाता है। यहाँ की मान्यता के अनुसार, प्राचीन समय से ही देवप्रयाग का नृसिंहाचल विद्या-क्षेत्र के नाम से अभिहित है। उल्लेख्य है कि यह एक मात्र प्रदेश है जहाँ संस्कृत को प्रदेश की द्वितीय राजभाषा बनाया गया है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नवप्रतिष्ठित इस परिसर में वर्ष 2017-18 में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेद, वेदान्त एवं न्याय जैसे 06 विभागों में लग-भग 100 छात्रों को अधोलिखित कक्षाओं में नियमित शिक्षा प्रदान किया जा रहा है जिन्हें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ - साथ स्नातक-समकक्ष आधुनिक विषयों (हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं कंप्यूटर साइंस आदि) का भी

ज्ञान कराया जाता है।

- प्राक-शास्त्री (इंटर मीडिएट)

- शास्त्री (स्नातक)

- आचार्य (स्नातकोत्तर)

- विद्यावारिधि (पी-एच-डी-) - इस परिसर में अब कुल तीन शोधछात्र शोधकार्य कर रहे हैं।

अग्रिम-पाठ्ययोजना

अग्रिम वर्षों में यहाँ शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) कक्षा भी खोलने की सम्भावना है।

दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम मुक्तस्वाध्यायपीठम्, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा खोलने की सम्भावना है।

अनौपचारिक शिक्षण -

संस्कृत- सम्भाषण-पाठ्यक्रम - संस्कृत में बोलने को प्रोत्साहित करने के लिए अनौपचारिक रूप से यहाँ सम्भाषण-संस्कृत की कक्षा भी चलाई जाती है। गतवर्ष 03 मई से 13 मई 2017 तक परिसर में आवासीय शिविर चलाया गया था जिसमें राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रथम दीक्षा एवं द्वितीय दीक्षा का पाठ्यक्रम पढाया गया। आगे भी परिसर में ऐसे अनेक कर्यक्रम चलाने की योजना है।

प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (सर्टिफिकेट कोर्स) - भविष्य योजना के रूप में यहाँ ज्योतिष, वास्तु एवं योग आदि विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे।

परिसर के विविध क्रियाकलाप/समारोह/कार्याशालाओं का पूर्ण विवरण

राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यान-माला- प्रतिवर्ष इस परिसर में प्रत्येक विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला एवं विशिष्ट व्याख्यानमाला का भी आयोजन किया जाता है। परिसर में गत वर्ष भी कार्यक्रम आयोजित हुये थे। पर इस प्रसंग में वर्ष जो विशेषता रही वह यह है कि इस वर्ष साहित्य एवं व्याकरण इन दो विभागों ने अलग अलग अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी का आयोजन किया।

विशिष्ट-व्याख्यानमाला - इस परिसर में विविध-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमालाएं 01.02.18 से 10.02.2018 तक एवं पुनः 27.2.18 को सभी विभागों की विशिष्ट-व्याख्यानमालाएं सम्पन्न हुई

व्याकरणविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 03.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यान-विषय- शब्दविद्यायां बौद्धाचार्याणां योगदानम्। मुख्यवक्ता - प्रो.किशोर चन्द्र पाढी (पुरी)

साहित्य-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 04.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यान-विषय-"बौद्ध-मिश्रितसंस्कृतसाहित्ये अनुवाद-अनुसन्धानयोः सम्भावनाः"। मुख्यवक्ता - प्रो. के.टी. एस. सराव (नई दिल्ली)

वेद-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 01.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यान-विषय - वैदिकस्वराः तेषां प्रयोजनानि च, मुख्यवक्ता - प्रो. राजेश्वर मिश्र (कुरुक्षेत्र)

ज्योतिष-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 06.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यान-विषय-ज्योतिष-दर्शनयोः सम्मतः ब्रह्मस्वरूपविचारः, मुख्यवक्ता-आचार्य प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी (नई दिल्ली)

आधुनिक-विभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 08.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यानविषय-हिन्दीसाहित्य में अन्तर्निहित ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक तत्त्व। मुख्यवक्ता - प्रो. नरेन्द्रप्रसाद सिंह।

वेदान्तविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 09.02.2018 को सम्पन्न हुई। व्याख्यानविषय-वेदान्तदृष्ट्या वस्त्ववस्तुरूप-विमर्शः। मुख्यवक्ता - प्रो. के. एस. सतीश।

न्यायविभागीय विशिष्ट-व्याख्यानमाला 27.02.2018 को सम्पन्न हुआ । व्याख्यानविषय - न्यायशास्त्रे पदवृत्तिविचारः। मुख्यवक्ता - प्रो. वीरनारायण पाण्डुरङ्गी।

अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय संगोष्ठी - परिसर में विविधविभागीय अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय संङ्गोष्ठी दिनाङ्क 01.02.2018 से 10.02.2018 तक तथा 27.2.18 से 28.2.2018 तक कुल 07 अन्ताराष्ट्रिय एवं राष्ट्रिय संगोष्ठियाँ सम्पन्न हुई।

अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी

व्याकरणविभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 02.02.2018 से 03.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय - 'बौद्धवैयाकरणानां संस्कृतव्याकरणपरम्परायां योगदानम्।

साहित्य-विभागीय द्विदिवसीय अन्ताराष्ट्रिय संगोष्ठी 04.02.2018 से 05.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी

का केन्द्रीय विषय- 'बौद्धमिश्रितसंस्कृतसाहित्यस्य वैश्विक-सन्देशः'।

राष्ट्रियसङ्गोष्ठी -

वेद-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 01.02.2018 से 02.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- "वेदस्मृत्योः धर्मादिविचारः"।

ज्योतिष- विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 06.02.2018 से 07.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- ज्योतिष-दर्शनयोः अन्तःसम्बन्धः।

आधुनिक-विभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 08.02.2018 से 09.02.2018 तक आयोजित हुई संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय-"भारतीय समाज का प्रतिबिम्बन-(ऐतिहासिक और साहित्यिक सन्दर्भ में)"।

वेदान्तविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 09.02.2018 से 10.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषय- आधुनिकयुगे वेदान्तशास्त्रस्योपयोगिता

न्यायविभागीय द्विदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी 27.02.2018 से 28.02.2018 तक आयोजित हुई। संगोष्ठी का केन्द्रीय विषयपदवृत्तिविचारः।

राष्ट्रिय संस्कृत-कविसम्मेलन- दिनांक 04.02.2017 को परिसर के व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल की अध्यक्षता में एवं डा. मुकेश कुमार के संयोजकत्व में एक अखिल भारतीय कविसम्मेलन अनुष्ठित हुआ जिसमें भारत के प्रतिष्ठित संस्कृत कवि - डा. रामविनय सिंह, प्रो. बनमाली बिश्वाल, डा. शैलेश तिवारी, डा. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डा. रवीन्द्र आर्य, डा. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डा. मनीष जुगरान, डा. आशुतोष गुप्त आदि ने काव्यपाठ किया।

रिसर्च प्रोजेक्ट

स्वीकृत - बौद्ध तर्कभाषाविषयक एक रिसर्च प्रोजेक्ट यहाँ चल रहा है जो पूर्णता की ओर है।

प्रस्तावित - अष्टादशी के अन्तर्गत इस वर्ष अधोलिखित दो अन्य रिसर्च प्रोजेक्ट के लिये संस्थान को प्रस्ताव भेजा गया है।

परिसरीय अन्तर्जाल (website) - गत वर्ष परिसरीय अन्तर्जाल (website) का उद्घाटन हुआ जिसे www-srkcampus-org में देखा जा सकता है

संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन - विगत वर्ष परिसर में अधोलिखित चार नियमित पत्रिकाओं का प्रकाशन प्रस्तावित था इनमें से सभी पत्रिकाओं का कार्य प्रगति पर है। ISSN नंबर की उपलब्धता में विलम्ब के कारण इन में से कुछ का प्रकाशन अब विलम्बित है।

1. **'देवभूमि-सौरभम्'** - एक अन्ताराष्ट्रिय वार्षिक शोधपत्रिका

2. **संस्कृतगङ्गा** - परिसरीय शोधपत्रिका

3. **'रघुनाथ-कीर्ति-पताका'** - परिसरीय वार्षिक पत्रिका

4. **'रघुनाथ-वार्तावली'** - परिसरीय त्रैमासिक वार्ता-पत्रिका (इस पत्रिका के दो संयुक्तांक प्रकाशित हो चुके हैं तीसरा संयुक्तांक अब प्रेस में)

विभागीय पत्रिका - इसके अतिरिक्त सभी विभागों की ओर से 06 विभागीय पत्रिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है।

व्याकरण	शाब्दी त्रिपथगा
साहित्य	साहिती
ज्योतिष	दैवी
वेद	आम्नाय हैमवती
आधुनिक	आधुनिक शोध त्रिवेणी
न्याय	न्यायशास्त्रार्थप्रकर्षः

विविध साहित्यिक सांस्कृतिक कार्यक्रम उत्सव एवं समारोह

प्रथम शिलान्यास-समारोह-दिनाङ्क 06.05.2017 को इस परिसर का प्रथम शिलान्यास-समारोह उत्तराखण्ड के माननीय राज्यपाल महामहिम डा. के.के पाल जी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ था। संस्थान के कुलपति प्रो. पी. एन. शास्त्री की अध्यक्षता में सम्पन्न इस समारोह में देवप्रयाग विधानसभाक्षेत्र के विधायक श्रीमान् विनोदकण्डारि, पौडी विधान-सभाक्षेत्र के विधायक श्रीमुकेश कोलि, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग के मुख्याभियन्ता श्रीएस, सी. भारद्वाज विशिष्टातिथि के रूप में उस्थित रहे। इस अवसर पर परिसर-प्राचार्य प्रो. के-बी-सुब्बरायुडु ने प्रास्ताविक भाषण किया और परिसर के व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो-बनमालीविश्वाल ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा डा. आर बालमुरुगन् ने धन्यवाद ज्ञापन किया।)

द्वितीय शिलान्यास-समारोह - दिनाङ्क 8.11.17 को इस परिसर का द्वितीय शिलान्यास समारोह भारतसरकार के मानव संसाधनविकास राज्यमन्त्री मान्यवर डॉ. सत्यपालसिंह महोदय के मुख्यातिथ्य में, उत्तराखण्ड सरकार उच्चशिक्षामन्त्री डॉ. धनसिंहरावत के सारस्वतातिथ्य में, देवप्रयाग विधानसभाक्षेत्र के विधायक श्रीमान् विनोदकण्डारि, पौडी विधान-सभाक्षेत्र के विधायक श्रीमुकेश कोलि, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग के मुख्याभियन्ता श्रीएस-पी-भारद्वाज, सहायकाभियन्ता श्रीआर-पी-यादव के विशिष्टातिथ्य में तथा परिसरप्राचार्य प्रो-के-बी-सुब्बरायुडुस्य की अध्यक्ष्यता में सम्पन्न हुआ। (इस अवसर पर प्रास्ताविक भाषण परिसर के व्याकरण-विभागाध्यक्ष प्रो-बनमालीविश्वाल ने किया। कार्यक्रम संचालन डॉ-मुकेशकुमार ने किया तथा डा. आर बालमुरुगन् ने धन्यवाद ज्ञापन किया।)

राष्ट्रिय योगदिवस- परिसर में योगदिवस 21.06.2017 को मनाया गया।

संस्कृत-सप्ताहोत्सव - श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर 04.08.2017 से 10.08.2017 तक संस्कृत-सप्ताहोत्सव मनाया गया। 04.08.2017 को उद्घाटन समारोह में उत्तराखण्ड विधानसभा के माननीय अध्यक्ष श्रीमान् प्रेमचन्द अग्रवाल मुख्यातिथि के रूप में, संस्कृतभारती के पश्चिमोत्तर-उत्तरप्रदेशक्षेत्र के क्षेत्रीयसंघटन-मन्त्री श्रीमान् प्रतापसिंह विशिष्टातिथि एवं परिसर के प्राचार्य प्रो-के-बी-सुब्बरायुडु अध्यक्ष के रूप में उद्बोधित किये। दिनाङ्क 10.08.2017 को सम्पूर्तिसमारोह में देवप्रयाग के विधानसभा के मान्य विधायक श्रीमान् विनोदकण्डारि मुख्यातिथि के रूप में, व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमालीविश्वाल विशिष्टातिथि के रूप में तथा परिसरप्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।

हिन्दी-पखवाडा - 14.09.2017 से 28.09.2017 तक मनाया गया। उद्घाटनसमारोह में उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के हिन्दीविभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश चमोला ने उद्बोधित किया।

स्वतन्त्रता दिवस 15 अगस्त 2017 को मनाया गया।

राष्ट्रिय एकता-सप्ताह - सरदार बल्लभभाई पटेल-जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 31.10.2017 से 06.11.2017 तक राष्ट्रिय-एकता-सप्ताह मनाया गया।

स्वच्छतादिवस - गान्धी जयन्ती के अवसर पर 2.10.2017 को परिसर में स्वच्छतादिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के कर्मचारी एवं छात्रों ने परिसर की सफाई में भाग लिया।

सतर्कतादिवसोत्सव - 25.11.2017 को परिसर में सतर्कतादिवसोत्सव (vigilance day) मनाया गया।

बसन्तपंचमी-22.01.2018 को परिसर में बसन्त-पंचमी मनाई गयी।

गणतन्त्रदिवसः - 26.01.2018 को परिसर में गणतन्त्रदिवस मनाया गया।

वार्षिकोत्सव - 2018 - आज 20.04.2018 को परिसर प्राचार्य जी की अध्यक्षता में परिसर का वार्षिकोत्सव मनाया गया। इस वार्षिकोत्सव में श्री रघुनाथकीर्ति उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के डॉ. सी.वाई.सिंह, प्रधानाचार्य, ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने वक्तव्य दिए। जिस में प्रतिभावान् छात्रों को पुरस्कृत किया गया। व्याकरणविभागाध्यक्ष प्रो. बनमालीविश्वाल ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

छात्र-प्रतिभागिता

पञ्चदश-अन्तःपरिसरीय नाट्योत्सव में भागग्रहण 22.11.17 से 24.11.17 तक संस्थान के अगरतला परिसर में आयोजित पञ्चदश अन्तःपरिसरीयनाट्योत्सव में परिसर के छात्रों ने कविश्रीदिवाकरविरचित "लक्ष्मीमानवेदम्" नाटक प्रदर्शित कर प्रशंसित हुये। नाट्यप्रस्तुति के निदेशक एवं मार्गदर्शक के रूप में परिसर के प्रो. बनमालीविश्वाल, डॉ. मुकेशशर्मा, श्रीपंकज कोटियाल तथा राकेशभट्ट तथा सर्वोपरि परिसर के प्राचार्य प्रो. के. बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीयशास्त्रस्पर्धा में भागग्रहण - दिनाङ्क 8.11.17 से 10.11.2017 तक परिसर में आयोजित राज्यस्तरीय-शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत परिसर के छात्रों ने उत्तम प्रदर्शन किया। इस राज्यस्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं में अखिलभारतीय स्पर्धा के लिए चयनित परिसरीय प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार हैं-

क्र.स.	स्पर्धा का नाम	विजेता का नाम	कक्षा
1.	साहित्यभाषण	पंकज	आचार्य प्रथम वर्ष
2.	धर्मशास्त्रभाषण	गंगाशरण	आचार्य द्वितीय वर्ष
3.	ज्यौतिषभाषण	नीरज कुमार	आचार्य प्रथम वर्ष
4.	अष्टाध्यायीकण्ठपाठ	प्राची नौटियाल	शास्त्री द्वितीय वर्ष

5. शास्त्रार्थविचार	हरीश डंगवाल	शोधच्छात्र, व्याकरण
	देवेन्द्र पोखरियाल	शोधच्छात्र, साहित्य
6. समस्यापूर्ति	पंकज	आचार्य प्रथम वर्ष
7. शास्त्रीयस्फूर्तिस्पर्धा	हरीश डंगवाल	शोधच्छात्र, व्याकरण
	देवेन्द्र पोखरियाल	शोधच्छात्र, साहित्य

अखिलभारतीयशास्त्रस्पर्धा– अगरतला परिसर में दिनांक से 18.01.2018 से 21.01.2018 तक आयोजित अखिलभारतीय-शास्त्रस्पर्धा के अन्तर्गत अष्टाध्यायी शलाकापाठ में सुश्री प्राची नौटियाल पुरस्कृत हुई।

दशम् युवमहोत्सव– अन्त:परिसरीय-युवमहोत्सव में भागग्रहण - 08.03.2018 से 11.03.2018 तक मुम्बई के के-जी. सोमैया परिसर में आयोजित राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान के दशम अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव में परिसर ने भाग लिया। इस परिसर के शास्त्री-द्वितीय-वर्ष के छात्र मनीष पन्त ने 1500 मीटर-धावन-स्पर्धा में रजत पदक तथा आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र नीरज ने कांस्यपदक जीता।

नेटपरीक्षा में उत्तीर्ण परिसर के छात्र -

1. देवेन्द्रपोखरियाल (शोधच्छात्र, साहित्यशास्त्र)
2. हरीशडंगवाल (शोधच्छात्र, व्याकरणशास्त्र)
3. मधुसूदनसती (शोधच्छात्र, साहित्यशास्त्र)
4. पङ्कज (आचार्य, साहित्यशास्त्र)

राष्ट्रीय सेवा योजना– आवासीय कैंप - दिनांक 20.03.2018 से 26.03.2018 तक परिसर के छात्रों ने राष्ट्रीयसेवायोजना (आवासीय कैंप) में भागग्रहण किया। इसका आयोजन देवप्रयाग के निकट 'सौंड़' गांव में हुआ जिसका संयोजन डॉ. सुरेश शर्मा, डा. वीरेन्दर वर्त्वाल ने किया। इस राष्ट्रिय सेवायोजना में कुल 25 छात्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह परिसर-प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु तथा समापन-समारोह प्रो. बनमाली बिस्वाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिसमें ग्रामप्रधान एवं श्रीरघुनाथ कीर्ति आदर्श संस्कृत महाविद्यालय के पूर्वप्रधानाचार्य श्री देवेन्द्र टोडरिया विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित रहे।

भावी योजनाएं

परिसरीय समृद्ध ग्रन्थालय

वर्तमान में परिसरीय पुस्तकालय में विविध-विषयक कई हजार पुस्तकें संगृहीत हैं। भविष्य में परिसर में एक समृद्ध पुस्तकालय (पुस्तक एवं हस्तलेखों का) स्थापित करने की योजना है।

आधुनिक संस्कृत-साहित्य-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र - भारत वर्ष के किसी भी पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य के विविध विधाओं की पुस्तकों का सामग्रिक संकलन नहीं है। अत: परिसरीय शोधसमिति द्वारा निर्णय के अनुसार प्रो. बनमाली बिश्वाल के समन्वयकत्व में एवं परिसर प्राचार्य के संरक्षण में परिसर के पुस्तकालय में आधुनिक संस्कृत-साहित्य का एक विशेष विभाग प्रतिष्ठित किया गया जिसका उद्घाटन माननीय उच्च शिक्षामन्त्री डॉ. सत्यपालसिंह के हाथ से दिनांक 8.11.17 को आधुनिक संस्कृत-साहित्य-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र के नाम से हुआ है। इस केन्द्र में अब अनेक सम्बद्ध पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का संकलन हुआ है। प्रो. बनमाली बिश्वाल द्वारा समकालिक संस्कृत-साहित्य-विवरणात्मक ग्रन्थसूची का जो प्रोजेक्ट प्रस्तावित है उसे इसी केन्द्र के माध्यम चलाया जाना है।

पाण्डुलिपि-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र - पुस्तकालय में प्राचीन, दुर्लभ एवं महत्त्वपूर्ण पाण्डुलिपियों का संग्रह एवं संरक्षण भी प्राथमिकता के आधार पर किया जायेगा। एतदर्थ परिसर में पाण्डुलिपि-अनुसन्धान-संसाधनकेन्द्र की संकल्पना है पर इस दिशा में कार्य होना अपेक्षित है।

बौद्ध-संस्कृत-साहित्य-संसाधनकेन्द्र - इस वर्ष 04.02.18 को डा. प्रफुल्ल गडपाल के संयोजकत्व में बौद्ध-संस्कृत-साहित्य-संसाधनकेन्द्र का उद्घाटन हुआ। इस केन्द्र के माध्यम से पुस्तकालय में बौद्ध-संस्कृत-साहित्य का संकलन एवं उस पर अनुसन्धान कार्ययोजनाएं बनाई जायेगी।

राष्ट्रीय कार्यशाला

इस वर्ष अगरतला में आयोजित युवमहोत्व में प्रदर्शनार्थ एक विशेष कार्यशाला के माध्यम से परिसरीय छात्रों के द्वारा एक संस्कृत लघुचलचित्र का निर्माण किया गया। शीर्षक था - कन्यां जीवय कन्यां पाठय (बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ) आनेवाले समय में परिसर में कवि-शिक्षा एवं अनुवाद प्रविधि तथा अन्य विषयों पर अलग अलग कार्यशालाएं प्रस्तावित हैं।

शोध एवं प्रकाशन

संस्थान के सभी उपाधियों के लिये नियमित शिक्षण के अतिरिक्त यह परिसर विविध शोध एवं प्रकाशन के लिये भी समर्पित है

शोध एवं प्रकाशन समिति के विविध उपवेशण – परिसर प्राचार्य प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु की अध्यक्षता में, शोधविभागाध्यक्ष प्रो. बनमाली बिश्वाल के संयोजकत्व तथा प्रो. महावीर प्रसाद अग्रवाल, एवं प्रो. विनिता घिल्डियाल जैसे बाह्य सदस्यों एवं प्रो. बनमाली बिश्वाल, डा. आर बाल मुरुगन तथा डा. प्रफुल्ल गडपाल जैसे आन्तरिक सदस्यों के समेत एक स्थानीय शोधसमिति का परिसर में गठन हुआ जिसके देख-रेख में परिसरीय विविध शोधयोजना (प्रोजेक्ट, संगोष्ठी आदि) एवं प्रकाशन (पत्र-पत्रिका एवं पुस्तक) आदि कार्य को गति दी जाती है। इस वर्ष कई बिन्दुओं पर इस समिति की दो बैठक सम्पन्न हुई।

संसाधन

परिसर में स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर, कंप्यूटर लैब, इंटरनेट आदि की सुविधा उपलब्ध है।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या :

प्रार्थना-पत्र प्राप्त – 0

उत्तर प्रेषित – 0

5. वर्ष-2017-18 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष-2017-18 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 विशिष्ट संस्कृत सेवाव्रती सम्मान (09.08.2017)

श्री भाग्येश वासुदेव झा

महोदय का गुजरात साहित्य अकादमी के अध्यक्ष रूप में कार्य कर रहे हैं। गुजरात विश्वविद्यालय से संस्कृत विषय में स्वर्णपदक के साथ स्नातक एवं माञ्चस्टर विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. उपाधि प्राप्त की। भारतीय लोक सेवा आयोग परीक्षा में उत्तीर्ण करने के पश्चात् गुजरात राज्य के नडियाद एवं वडोदरा प्रान्त के जिलाधीश के रूप में कार्य किया। Management in Bhagwad Geetha विषय पर अनेक देशों में उपन्यास दिया।

डॉ. आर.वि.एस.एस. अवधानुलु

महोदय का जन्म 25 सितम्बर 1948 को आन्ध्र प्रदेश राज्य के पोडगट्लपल्ली गांव में हुआ। महोदय ने आन्ध्र विश्वविद्यालय से परमाणु भौतिक शास्त्र विषय में स्नातक उपाधि तथा अस्ट्रो साइंस विषय पर तेलगू विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। हैदराबाद स्थित Nizam's Institute of Medical Science संस्था का उप-निदेशक के रूप मे कार्य किया। पारंपरिक रूप से यजुर्वेद एवं मीमांसा शास्त्रों का अध्ययन किया। महोदय Computer Codes for Indian languages, Computer Science with Vedic Mimamsa, Braille Script for Vedic Mathematics आदि विषयों प्रकल्प आरंभ किया।

डॉ. मुरली नन्दी

महोदय का जन्म 16 मई, 1975 को आन्ध्र प्रदेश के तिरुपति प्रान्त में हुआ। महोदय का अध्ययन संगणक क्षेत्र में है किन्तु संस्कृत व्याकरण विषय पर अधिक अभिरूचि है। तान्त्रिक क्षेत्र में एम.एस.सी. उपाधि प्राप्त की। चन्द्रशेखर सरस्वती विश्वद्यालय से Understanding of Elementary Sanskrit – text at Word Level Phrase Level and Sentence Level विषय पर शोधोपधि प्राप्त की। अनेक तन्त्रांशो की वेबसाइट का निर्माण किया।

5.2 संस्कृत सप्ताहोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में दिनाङ्क 04.08.2017 से 11.08.2017 तक संस्कृत सप्ताह का उल्लास पूर्वक आयोजन किया गया। संस्कृत सप्ताह का विशिष्ट समारोह मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ सहित अन्य संस्कृत के प्रतिष्ठित संस्थाओं के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 09.08.2017 को मावलंकर हॉल, कान्स्टीट्यूशनल क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समारोह के अध्यक्ष माननीय मानव संसधान विकास राज्य मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय जी थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति महोदय, श्री ला.बा.शा.रां.सं. विद्यापीठ के कुलपति महोदय के तत्त्वाधान में कार्यक्रम संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में

संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर माननीय डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय, मानव संसाधन विकास राज्यमन्त्री, भारत सरकार, का सम्मान करते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री

संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर माननीय डॉ. महेन्द्रनाथ पाण्डेय, मानव संसाधन विकास राज्यमन्त्री, भारत सरकार शुभाशीष देते हुए

स्पर्धा में तल्लीन छात्र

संस्कृतेतर संस्कृत के प्रचार-प्रसार में संलग्न विद्वानों श्री भाग्येश वासुदेव झा (आई.ए.एस.) डॉ. आर.वी.एस.एस. अवधानुलु तथा डॉ. मुरली नन्दी को विशिष्ट सेवाव्रती सम्मान से सम्मानित किया गया। संस्कृत सप्ताह समारोह के अन्तर्गत संस्थान मुख्यालय में विद्यालय, महाविद्यालय, स्नातक एवं स्नाताकोत्तर स्तर पर सुभाषित कण्ठपाठ, स्तोत्रपाठ, भाषण स्पर्धा, निबन्ध लेखन इत्यादि स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इस समारोह में दिल्लीस्थ विभिन्न संस्थाओं के छात्र-छात्राओं ने सहर्ष भाग लिया।

दिनांक 11.08.2017 को सम्पूर्ति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि डॉ. हृषिकेश सेनापति, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली, विशिष्टातिथि डॉ. उदयनारायण खावडे, अपर आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नई दिल्ली एवं सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. गिरीशचन्द्र पन्त, विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा अध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री महोदय रहे। इस अवसर पर छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

समापन कार्यक्रम में मंच पर आसीन अतिथिगण

माननीय कुलपति महोदय छात्रों पुरस्कार वितरित करते हुए

5.3 स्थापना दिवस

दिनांक 15.10.2017 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 48वां स्थापना दिवस संस्थान के मुख्यालय मे बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भारतीय परम्परा के अनुसार दीपप्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संस्थापक प्रो. रामकरण शर्मा उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान के कुलसचिव प्रो. सुब्रह्मण्य शर्मा जी एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति जी उपस्थित थे।

5.4 दशम अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव

संस्थान का दशम युवा महोत्सव दिनांक 08.03.2018 से 11.03.2018 तक के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठ, मुम्बई में आयोजित किया गया। इस युवा महोत्सव में साहित्य-सङ्गीत- कला-क्रीडादि स्पर्धाओं में परिसरीय छात्रों ने उत्साह सहित भाग लिया। युवा महोत्सव के उद्घाटन सत्र में सोमैया परिसर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। ध्वजोत्तोलन के बाद उद्घाटन सत्र में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के कुलपति प्रो. मुरलीधरशर्मा, सोमैया न्यासी संस्था की अध्यक्ष एवं संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री सहित सभी परिसरों के प्राचार्य भी मञ्चासीन थे।

कार्यक्रमाध्यक्ष प्रो. पी.एन. शास्त्री ने कहा कि वेद कहता है कि – 'जय एवं पराजय समान रूप से स्वीकार्य होना चाहिए तथा पराजय विजय प्राप्त करने की एक सोपान होगा'। अतः सभी छात्र सोत्साह भाग ग्रहण करें तद् द्वारा शरीरिक मानसिक विकास होगा।

इस तीन दिनों के उत्सव में विभिन्न प्रकार की स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। जिनमें सांस्कृतिक स्पर्धाओं में एककसंगीत, शास्त्रीय गायन, वादन, नृत्य, अभिनय तथा चित्रकला स्पर्धाओं में आशुचित्रण, भित्तिपत्र निर्माण, व्यङ्ग्य चित्र निर्माण तथा रङ्गवल्ली चित्रण का आयोजन किया गया। शैक्षिक स्पर्धाओं में कण्ठ–पाठ, वादविवाद, सङ्गणकीय स्पर्धा तथा स्फूर्ति स्पर्धा आयोजित हुई। इस प्रकार शारीरिक स्पर्धाओं खो–खो, कबड्डी, हस्तकन्दुक, धावन, कूद, कुन्तक्षेपण, गोलक्षेपण, चक्रक्षेपण, योगासन इत्यादि स्पर्धाएं हुई।

दिनांक 11.03.2018 को अपराह्न युवा महोत्सव का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समापन समारोह में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के कुलपति प्रो. अर्कनाथ चौधरी मुख्यातिथि थे। युवा महोत्सव के स्पर्धाओं में गुरूवायूर स्थित गुरूवायूर परिसर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

5.5 56वीं अखिलभारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

56वीं अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा संस्कृत विश्वविद्यालयों, पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रिय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

दीप प्रज्जवलन करते हुए महामहिम राज्यपाल

समापन कार्यक्रम में मंच पर आसीन अतिथिगण

राष्ट्रीय स्तर की 56वीं अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन 18.01.2018 से 21.01.2018 तक अगरतला, त्रिपुरा राज्य में स्थित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के एकलव्य परिसर में किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 320 छात्रों ने 27 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर भाषणस्पर्धा, 7 परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर विभिन्न शलाका परीक्षा, धातुरूप, काव्यपाठ, अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर 4 कंठपाठ प्रतियागिताएँ, शास्त्रार्थ-विचार, समस्यापूर्ति, अन्त्याक्षरी स्पर्धाओं भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के निर्णायक के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से 55 तत्तद् विषय के मूर्धन्य विद्वान् निमंत्रित थे।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु. 10000/-, 7000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रु. 2000/- एवं रु. 1500/- प्रदान किये गये। कर्णाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वद्गण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है। दिनांक 18.01.2018 को त्रिपुरा राज्य के महामहिम राज्यपाल प्रो. तथागत राय जी ने उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लिया तथा द्वारा उत्कृष्ट छात्रों को तैयार करने के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की प्रशंसा की।

5.6 तृतीय अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस आयोजित

संस्थान में दिनांक 21.06.2017 को अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सोत्साह भाग लिया।

योग के अभ्यास में रत संस्थान के कुलसचिव तथा कर्मचारीगण

5.7 पंद्रहवां अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्यस्पर्धा के रूप में पंद्रहवां संस्कृत नाट्य महोत्सव एकलव्य परिसर, अगरतला में दिनांक 22.11.2017 से 24.11.2017 तक आयोजित किया गया। इस उत्सव के उद्घाटन समारोह (दिनांक 22.11.2017) मे मुख्यातिथि के रूप में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के भूतपूर्व कुलपति प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र जी विशिष्टातिथि के रूप में तथा अध्यक्ष संस्थान के कुलपति, प्रो. पी. एन. शास्त्री उपस्थित रहे। इस उत्सव में 11 नाटकों/रूपकों की प्रस्तुति की गई।

नाट्यमहोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर मंच पर आसीन अतिथिगण

समापन कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात के कुलपति, प्रो. पंकज जानी तथा संस्थान के कुलपति प्रो. पी.एन. शास्त्री ने अध्यक्ष पद को अलङ्कृत किया। प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, निदेशक मुक्तस्वाध्यायपीठ इस कार्यक्रम के संयोजक रहे।

नाट्योत्सव में राजीव गांधी परिसर, गुरुवायूर परिसर, के.जे. सोमैया परिसर ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया तथा एकलव्य परिसर ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

कुलपति महोदय अतिथि का सम्मान करते हुए

पूर्वरंग का एक दृश्य

5.8 स्वच्छता पखवाडा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एवं इसके सभी परिसरों में बहुत ही मनोयोग से स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 16.05.2016 से 31.05.2016 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता प्रतिज्ञा ली गई। स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

5.9 हिन्दी पखवाडा

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान में हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार एवं विकास हेतु बहुत ही मनोयोग से हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन दिनांक 14.09.2017 से 28.09.2017 तक किया गया। इस उपलक्ष्य पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। हिन्दी पखवाड़ा के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

5.10 एकता दिवस

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा राष्ट्रीय एकता सम्पादन हेतु दिनांक 31.10.2017 एकता दिवस का आयोजन बहुत ही उत्साह से किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं देश भक्ति के जागरण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त संस्थान के अधिकारियों/ कर्मचारियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में सोत्साह भाग लिया।

5.11 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण के प्रयास हेतु सतर्कता जागरूकता सप्ताह उपलक्ष्य पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन बहुत ही उत्साह से दिनांक 31.10.2017 से 05.11.2017 तक किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों एवं संस्थान के सभी परिसरों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया तथा विविध सामाजिक माध्यमों के द्वारा भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण हेतु प्रचार-प्रसार किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का एक दृश्य

सतर्कता जागरुकता सप्ताह में प्रमाणपत्र वितरण

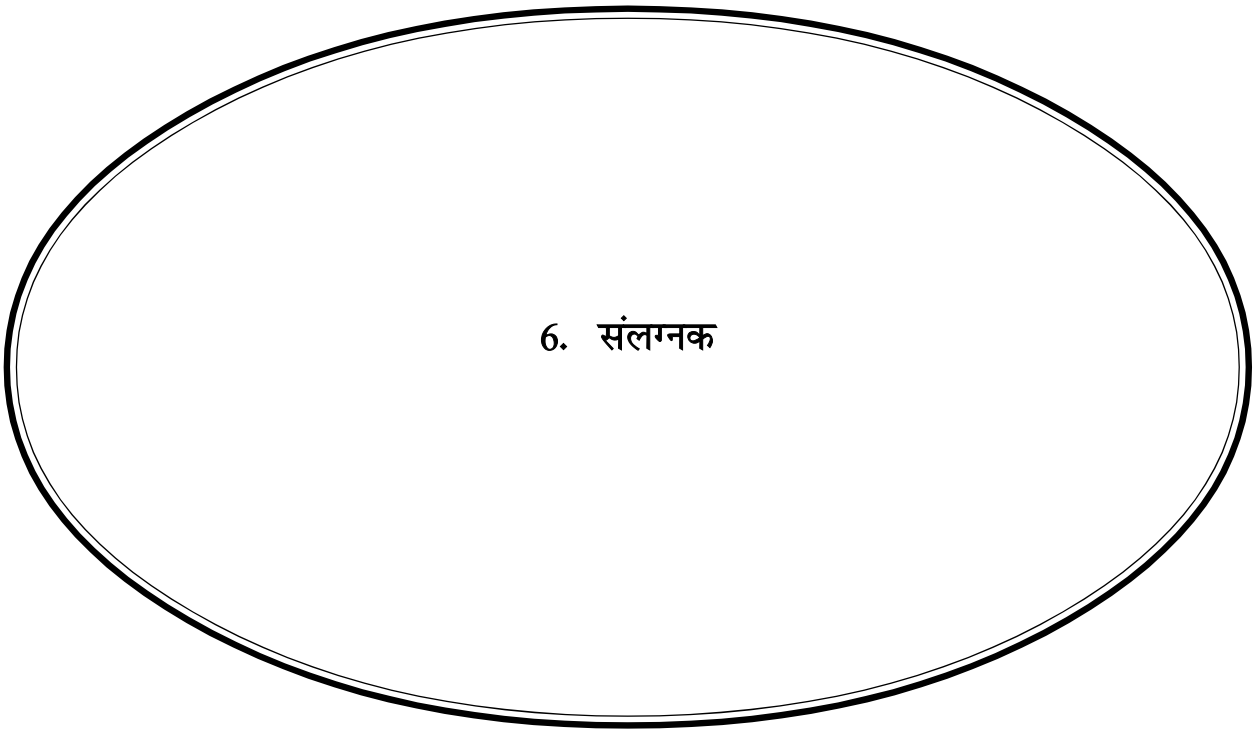

6. संलग्नक

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

(1.04.2017 से 31.03.2018)

1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष, पदेन
2.	प्रो. विश्व मूर्त्ति शास्त्री सेवानिवृत प्रो. एवं प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जम्मू परिसर, जम्मू	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित) (15.01.2016 से 14.01.2019)
3.	प्रो. सीतानाथ डे वेद श्रीराम नगर, कमरा न. 05, पोस्ट-रामनगर, अगरतला (त्रिपुरा)	सदस्य (15.01.2016 से 14.01.2019)
4.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, एस.एल.बी.एस.आर.एस.वी. नई दिल्ली-16	सदस्य (15.01.2016 से 14.01.2019)
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन) (01.04.2017 से 31.03.2018)
6.	संयुक्त सचिव एवं (वित्त सलाहकार) मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य (पदेन) (01.04.2017 से 31.03.2018)
7.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (26.04.2016 से 26.04.2019)
8.	प्रो. वासुदेव शर्मा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (27.04.2017 से 26.04.2019)
9.	प्रो. विजय कुमार जैन प्राचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर, लखनऊ	सदस्य (27.04.2017 से 26.04.2019)

क्रमशः....

10. (क)	डॉ. एस्.वी. रमणमूर्ति, सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, केरल	सदस्य (06.12.2017 से 05.12.2019)
(ख)	प्रो. वैद्यनाथ झा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर	सदस्य (01.04.2017 से 05.12.2019)
(ग)	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति परीक्षा नियन्त्रक (प्रभारी), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	विशेष आमन्त्रित (01.04.2017 से 31.3.2018)
11.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा प्रभारी-कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	सचिव (पदेन) (01.04.2017 से 31.03.2018)

विद्वत् परिषद के सदस्यों की सूची
(31 मार्च 2018 के अनुसार)

1. कुलपति — अध्यक्ष
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

संकायाध्यक्ष

2. प्रो. सीएच. लक्ष्मी नारायण शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पोस्ट आफिस-पुरानाटुकरा,
जिला-त्रिचूर-680551 (केरला)

3. प्रो. वासु देव शर्मा — सदस्य
संकायाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपाल पुरा बाईपास,
जयपुर-302018 (राजस्थान)

4. प्रो. विजय कुमार जैन — सदस्य
संकायाध्यक्ष, सर्वदर्शन, जैनदर्शन और बुद्धदर्शन संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ-226010 (उ.प्र.)

5. प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय — सदस्य
संकायाध्यक्ष, आधुनिक विषय संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

6. प्रो. राम लखन पाण्डेय — सदस्य
संकायाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

क्रमशः....

7. प्रो. महाबलेश्वर पी. भट्ट — सदस्य
संकायाध्यक्ष, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा
संख्या योग और न्याय दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.आ. शृंगेरी,
जिला-चिकमंगलूर-577139 (कर्नाटक)

8. निदेशक, मुक्तस्वाध्यायपीठम् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

विभागाध्यक्ष

9. प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द — सदस्य
विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

10. प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद वेदांग संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर,
देवप्रयाग, पौड़ी-गढ़वाल,
(उत्तराखण्ड)

11. प्रो. मदन मोहन पाठक — सदस्य
विभागाध्यक्ष, ज्योतिष,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ

12. प्रो. हरेकृष्ण महापात्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, व्याकरण
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी

13. प्रो. वैद्यनाथ झा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, न्याय
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

14. प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश — सदस्य
विभागाध्यक्ष, धर्मशास्त्र
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

15. प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघाई — सदस्य
विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

16. प्रो. शैलकुमारी मिश्रा — सदस्य
विभागाध्यक्ष, साहित्य संकाय,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क,
इलाहाबाद - 211 108 (उ.प्र.)

17. डॉ. मिनति रथ — सदस्य
विभागाध्यक्ष, पुराणेतिहास
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

18. प्रो. सुब्राय वी. भट्ट — सदस्य
विभागाध्यक्ष, मीमांसा
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. शृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

19. प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सर्व दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

20. प्रो अवधेश कुमार चौबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, बौद्ध दर्शन
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, विशाल खण्ड-4, गोमती नगर,
लखनऊ - 226 010 (उ.प्र.)

21. प्रो. मनोज कुमार मिश्र — सदस्य
विभागाध्यक्ष, वेद
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

22. डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति
विभागाध्यक्ष, आंग्लभाषा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
गुरुवायूर परिसर, पो.ओ. पुरनाट्टुकरा,
जि.: त्रिचूर-680 551 (केरल)

23. डॉ. अर्चना दूबे — सदस्य
विभागाध्यक्ष, हिन्दी
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

24. डॉ. अशोक कुमार मीना — सदस्य
विभागाध्यक्ष, सांख्ययोग
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त अन्य दस आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

25. प्रो. वी.एस.के. वेंकट सोमयाजुलु — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

26. प्रो. (श्रीमती) प्रभा देवी चौधरी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

27. प्रो. जे. भानुमूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

28. प्रो. अवनीश अग्रवाल — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

29. प्रो. बोध कुमार झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
के.जे.सोमैया परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

30. प्रो. सुबोध शर्मा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

31. प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

32. प्रो. ईश्वर भट्ट — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

33. प्रो. रंजीत कुमार बर्मन — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

34. प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
एकलव्य परिसर, नजदीक बुद्ध मन्दिर,
राधा नगर, अगरतला, पश्चिम-त्रिपुरा 799006 (त्रिपुरा)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सह आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

35. श्री प्रभात कुमार महापात्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल,
जम्मू - 181122 (जम्मू एवं काश्मीर)

36. डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
राजीव गांधी परिसर, पो.ओ. श्रृंगेरी,
जि. चिकमंगलूर - 577139 (कर्नाटक)

37. डॉ. नागेन्द्र नाथ झा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बाग सेवनिया,
भोपाल - 462 043 (मध्यप्रदेश)

विभागाध्यक्षों के अतिरिक्त तीन सहायक आचार्य (वरीयता एवं परिवर्तित क्रम में)

38. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यन् — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
वेद व्यास परिसर, बलहार, पो. सुहिन,
गरली, जिला-कांगड़ा 177108 (हि.प्र.)

39. डॉ. शुभस्मिता मिश्रा — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास,
जयपुर - 302 018 (राजस्थान)

40. डॉ. निर्मला पाणिग्रही — सदस्य
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
श्री सदाशिव परिसर, नजदीक मोची साही चक,
पुरी - 752 001 (उड़ीसा)

तीन शिक्षाविद् जो संस्थान की सेवा में नहीं हैं

41. डॉ. किशोर चन्द्र पाढ़ि (सेवानिवृत्त) — सदस्य
जगन्नाथ विश्वविद्यालय,
पुरी (उड़ीसा)

42. डॉ. शंकर भट्ट — सदस्य
श्री राजेश्वरी संस्कृत महाविद्यालय,
स्वर्णावल्ली, बलिगाडे, कर्णाटक

43. प्रो. जयप्रकाश नारायण द्विवेदी — ~~सदस्य~~
श्री द्वारकाधीश संस्कृत अकादमी एवं इण्डोलॉजीकल
रिसर्च इन्स्टीट्यूट, द्वारका-361335 जिला-देवभूमि
द्वारका (गुजरात)

44.
45. } विद्वत् परिषद् द्वारा चुने जाने पर
46.

47. कुलसचिव — सचिव
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली - 110 058

संलग्नक-ग

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. परमेश्वर नारायण शास्त्री कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	अध्यक्ष
2.	प्रो. हरेराम त्रिपाठी डीन, श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ, कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	डॉ. पंकज लक्ष्मण जानी कुलपति डॉ. बाबासाहब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय अहमदाबाद - 382481 (गुजरात)	सदस्य
4.	श्री नवीन सोई निदेशक (सेवानिवृत्त) वित्त विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, वाई-34, हौजखास, नई दिल्ली-110016	सदस्य
5.	संयुक्त सचिव (केन्द्रीय विश्वविद्यालय और भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (पदेन)
6.	संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली 110001	सदस्य (पदेन)
7.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा कुलसचिव (प्र.), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

संलग्नक-घ

संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

(31 मार्च 2018 के अनुसार)

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. एन्.आर्. कण्णन्	प्राचार्य	दर्शन
2.	प्रो. शैल कुमारी मिश्रा	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. विश्वम्भरनाथ गिरि	आचार्य	साहित्य
4.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि'	आचार्य	साहित्य
5.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	आचार्य	नव्यव्याकरण
7.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस'	आचार्य	धर्मशास्त्र
9.	डॉ. शैलजा पाण्डेय	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अतुल कुमार नन्द	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	धर्मशास्त्र
2.	प्रो. हरेकृष्ण महापात्र	आचार्य	नव्यव्याकरण
3.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
4.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	आचार्य	पुराणेतिहास
5.	प्रो. के.वी. सोमयाजुलु	आचार्य	नव्यव्याकरण
6.	प्रो. ललित कुमार साहु	आचार्य	धर्मशास्त्र
7.	प्रो. सूर्यमणि रथ	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पुरुस्थी	आचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. (श्रीमती) जी.पी. दाश	आचार्य	सर्वदर्शन
10.	प्रो. वी.पी. कच्छवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
11.	डॉ. उदयनाथ झा	सह-आचार्य	साहित्य
12.	डॉ. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. वृन्दावन पात्र	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. शम्भुनाथ महालिक	सहायक-आचार्य	वेदान्त
15.	डॉ. वी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. दुर्गाचरण षडङ्गी	सहायक-आचार्य	नव्य व्याकरण
17.	डॉ. बी.के. निर्मल	सहायक-आचार्य	ज्योतिष
18.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायक-आचार्य	साहित्य
19.	डॉ. महेश झा	सहायक-आचार्य	नव्यन्याय
20.	डॉ. गौरांग बाग	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. नीलाभ तिवारी	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. गणपति शुक्ल	सहायक-आचार्य	नव्यन्याय
23.	डॉ. अशोक कुमार मीना	सहायक-आचार्य	सांख्ययोग
24.	डॉ. मखलेश कुमार	सहायक-आचार्य	पुराणेतिहास
25.	डॉ. बिस्वरञ्जन पति	सहायक-आचार्य	ज्योतिष
26.	डॉ. श्रीमती अनुराधामणि प्रतिहारि	सहायक-आचार्य	पुराणेतिहास
27.	डॉ. (श्रीमती) केतकी महापात्र	सहायक-आचार्य	हिन्दी
28.	डॉ. नृसिंह चरण साहू	सहायक-आचार्य	उड़िया
29.	डॉ. (श्रीमती) एस. शतपथी	सहायक-आचार्य	सर्वदर्शन
30.	श्री दुर्गाप्रसाद दासमहापात्र	सहायक-आचार्य	इतिहास
31.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	सहायक-आचार्य	नव्यव्याकरण
32.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायक-आचार्य	शिक्षाशास्त्र
33.	डॉ. संजय कुमार	सहायक-निदेशक	क्रीड़ा

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. फतह सिंह	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	.....
2.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायक-आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. हरि नारायण तिवारी	आचार्य	व्याकरण

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
4.	डॉ. घनश्याम मिश्र	सहायकाचार्य	सर्वदर्शन
5.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्र	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिष
6.	श्री शरत्चन्द्र शर्मा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
7.	डॉ. निर्मल कुमारी गुप्ता	सहायकाचार्य	डोगरी
8.	डॉ. एस्.एन्. शर्मा	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
9.	डॉ. राम दास शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सि.एच.एल.एन शर्मा	आचार्य/प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो. सि.एल.सिसिली	आचार्या	व्याकरण
3.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. के.पी. केशवन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहाकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. के. विश्वनाथन्	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	सहायकाचार्या	साहित्य
9.	डॉ. रामचन्द्र जोइसा एच.	सहायकाचार्या	साहित्य
10.	डॉ. आर्.प्रतिभा	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदान्त
11.	डॉ. (श्रीमती) राधिका पी.आर्.	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
12.	डॉ. एन.आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	न्याय
13.	डॉ. ओ. आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
14.	डॉ. सुनीता	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
15.	डॉ. के. के. षैन	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा शास्त्र
16.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
17.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
18.	डॉ. एस.वी. रमणमूर्ति	सहाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक
19.	श्रीमती के.ए. जेस्सी (मलयालम)	सहायकाचार्य	आधुनिक
20.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा
21.	डॉ ललिता चन्द्रन	सहायक आचार्य	व्याकरण

क्रमशः....

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य	
2.	प्रो. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	प्रो. कमलचन्द्र योगी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
6.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
7.	प्रो. ईश्वर भट्ट	प्रोफेसर	ज्योतिष
8.	डॉ. शुभस्मिता मिश्रा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
9.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
10.	प्रो. रामकुमार शर्मा	प्रोफेसर	साहित्य
11.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	असि. प्रोफेसर	साहित्य
12.	प्रो. भगवती सुदेश	प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
13.	प्रो. श्रेयांश कुमार सिंघई	प्रोफेसर	जैनदर्शन
14.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	प्रोफेसर	जैनदर्शन
15.	प्रो. वैद्यनाथ झा	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
16.	प्रो. (श्रीमती) सत्यम् कुमारी	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
17.	प्रो. संतोष मित्तल	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	प्रो. वाई.एस. रमेश	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	प्रो. सोहनलाल पाण्डेय	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. दरियाव सिंह	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. शीशराम	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. लीना तिवारी	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. कुलदीप शर्मा	असि. प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
25.	प्रो. गजेन्द्र प्रसाद शर्मा	प्रोफेसर	शारीरिक-शिक्षा
26.	डॉ. सीमा अग्रवाल	असि. प्रोफेसर	राजनीतिविज्ञान
27.	डॉ. रेखा पाण्डेय	असि. प्रोफेसर	हिन्दी
28.	श्रीमती लक्ष्मी शर्मा	असि. प्रोफेसर	अंग्रेजी
29.	श्रीमती कान्ता गिलानी	असि. प्रोफेसर	अंग्रेजी

क्रमश:....

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. विजय कुमार जैन	प्राचार्य (प्र.)	बौद्धदर्शन
2.	प्रो. भारतभूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
3.	श्री प्रमोद कुमार शुक्ल	सहायक आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. रामलखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
5.	डॉ. पवन कुमार दीक्षित	सहायक आचार्य	साहित्य
6.	डॉ. ग़ज़ाला अंसारी	सहायक आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. राम बहादुर दुबे	सहायक आचार्य	साहित्य
8.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायक आचार्य	साहित्य
9.	प्रो. मदन मोहन पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
10.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायक आचार्य	ज्योतिष
11.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	सह आचार्य	बौद्धदर्शन
12.	डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी	सहायक आचार्य	बौद्धदर्शन
13.	प्रो. लोकमान्य मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
14.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	सह आचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य	आधुनिक
17.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र
18.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक आचार्य	राजनीति-शास्त्र
19.	डॉ. कविता विसारिया	कनिष्ठ-व्याख्याता	अंग्रेजी

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्णाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. ए. पि. सच्चिदानन्द	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	शिक्षा-शास्त्र
2.	डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट	आचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. सुब्राय वि. भट्ट	आचार्य	.....
4.	प्रो. के. ई. मधुसूदनन्	आचार्य	नव्य न्याय
5.	डॉ. सी.एस्.एस्.एन्.मूर्ति	सहाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. चन्द्रकान्त	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री
7.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्री

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत-वेदान्त
9.	डॉ. हरीप्रसाद्. के	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
10.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायकाचार्य	नव्य-न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. चन्द्रकला आर् कोण्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. के. ए. पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
15.	डॉ. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	
16.	डॉ. गणेश टी. पण्डित	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. वेंकटरमण एस् भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा
19.	श्री वेंकटेश तातार्य	सहायकाचार्य	मीमांसा

8. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. अशोक चन्द्र गौड	उपाचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सुज्ञान कु. माहान्ति	सहायकाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. भगवान सामन्त राय	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
9.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	श्री पूर्णचन्द्र महापात्र	सहायकाचार्य	आधुनिक विभाग

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम. चन्द्रशेखर	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	वेदान्त
2.	प्रो. प्रभादेवी चौधरी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. जे. भानूमूर्ति	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. नागेन्द्रनाथ झा	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. श्रीगोविन्द पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
7.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. सोमनाथ साहु	सहायकाचार्य	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
10.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. कैलाशचन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	प्रो. हंसधर झा	आचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
15.	डॉ. अर्चना द्विवेदी	सहाचार्य एवं विभाागाध्यक्षा	आधुनिक
16.	श्री प्रताप	सहाचार्य	जैनदर्शन

10. के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	.....
2.	प्रो. प्रकाशचन्द्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	प्रो. बोध कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. सुभाषचन्द्र मीना	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	प्रो. राजन् ई.एम्.	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
6.	डॉ. नारायणन्. ई. आर्	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
8.	प्रो. मदन मोहन झा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. देवदत्त सरोडे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	डॉ. वी.एस.वी. भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	आचार्य/ASM/ASS प्र. कुलसचिव	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. रमाकान्त पाण्डेय	आचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
3.	प्रो. एस.के. सेनापति	आचार्य/परीक्षानियन्त्रक प्र.	सर्वदर्शन
4.	प्रो. मनोज कुमार मिश्र	आचार्य/विभागाध्यक्ष	वेद
5.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
6.	डॉ. आर्. गायत्री मुरलीकृष्ण	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
7.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. माला चन्द्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. मधुकेश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण

12. एकलव्य परिसर, अगरतला (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. रणजित कुमार बर्मन	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	वेदान्त
2.	प्रो. सच्चिदानन्द तिवारी	आचार्य	साहित्य
3.	प्रो. बच्चा भारती	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
5.	श्री अजय कुमार गन्धा	सहायकाचार्य	वेदान्त
6.	डॉ रमाकान्त मिश्र	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
7.	डॉ. कृपाशंकर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. ओम प्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. ऋषि राज	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	श्री कनपाल कुमार	सहायकाचार्य	व्याकरण

13. श्रीरघुनाथ-कीर्ति-परिसर, देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु	आचार्य/प्राचार्य (प्र.)	वेदान्त
2.	प्रो. बनमाली बिश्वाल	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. आर. बालमुरुगन	सहाचार्य	न्याय
4.	डॉ. प्रफुल्ल गड़पाल	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

(01.04.2017 से 31.03.2018 तक)

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१.	दिनेष्ठा चन्द्र पाण्डेय (१२८८)	संस्थान मुख्यालय	व्यक्तिविवेकविवेचितानामनौचित्यप्रकाराणां समीक्षणम्	साहित्य
२.	किरण सिंह (१२०८)	संस्थान मुख्यालय	श्रीहरिहरानन्दविरचितस्य चातुर्वर्ण्यसंस्कृतिविमर्ष्टास्य परिष्ठीलनम	धर्मष्ठास्त्र
३.	हेमन्त मिश्रा (१३०१)	जम्मू परिसर	राजस्थानराज्यस्य सीकरमण्डलस्थानां किष्ठोरविद्यार्थिनां तेषां बौद्धिकस्तरस्य संवेगात्मकपरिपक्वतायाम् अध्ययनप्रवष्ठौ ष्ठैक्षिकोपलब्धिस्तरे च जायमानस्य प्रभावस्य अध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
४.	सुदीपा भट्ट (१२९२)	पुरी परिसर	प्रायष्ठित्तविषये याज्ञवल्क्यपराष्ठारयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मष्ठास्त्र
५.	राजेष्ठा कुमार (१२७५)	भोपाल परिसर	संस्कृतगलज्जलिका (गज़ल) विकासे अभिराजराजेन्द्रमिश्रस्य योगदानम्-एका समीक्षा	साहित्य
६.	कमलेष्ठा कुमार (१२९९)	जयपुर परिसर	राजस्थानप्रान्ते अनुसूचितजनजातीनां ष्ठिक्षाव्यवस्थाया अध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
७.	अभिनेष्ठवर सिंह (१२००)	इलाहाबाद परिसर	श्रीनीलकण्ठविरचितस्य 'वेदान्तकतकम्' इत्याख्यस्य ग्रन्थस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	साहित्य
८.	जि.के. सत्यमूर्ति (११२१)	पूर्णप्रज्ञ संष्ठोधन मन्दिर, बैंगलूरु	श्रीसुमतीन्द्रतीर्थविरचिताया: ऋग्भाष्यटीकाभावरत्नकोष्ठाख्य-टिप्पण्या: सविमर्ष्टाम् अध्ययनं सम्पादनं च	द्वैतवेदान्त
९.	दीपा हेगडे (१२७९)	शृंगेरी परिसर	श्रीरामपाणिवादविरचित रूपकाणां नाट्यष्ठास्त्रीयम् अध्ययनम्	साहित्यम्
१०.	ष्ठैलेन्द्र कुमार जैन (१२८९)	भोपाल परिसर	श्रीसोमदेवसूरिविरचितस्य नीतिवाक्यामष्ठग्रन्थस्य सूक्तीनां साहित्यिकञ्च सांस्कृतिकं च विष्ठलेषणम्	साहित्य
११.	राधाकान्त तिवारी (१३०९)	लखनऊ परिसर	वाराणसीनगरस्थसंस्कृत-संस्कृतेतरमहाविद्यालयेषु अध्ययनरतानां छात्राणां व्यक्तित्वस्य विविधपक्षाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
१२.	स्वप्न कुमारी पाणिग्राही (१२७७)	पुरी परिसर	वरदराज-वाचस्पतिकृतव्यवहारयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मष्ठास्त्र

क्रमश:....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
१३.	भुवन चन्द्र सुयाल (१३१५)	संस्थान मुख्यालय	माध्यमिकस्तरीयच्छात्राणां भाषोपलब्धेः कक्षाधिगमस्य ष्टाब्दिकबुद्धेष्टच सन्दर्भे सम्प्रेषणकौष्टालानाम् अध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
१४.	अनिरुद्ध पण्डा (१३२५)	पुरी परिसर	नीलाद्रिनाथष्टातकस्य समीक्षात्मकसंपादनम्	साहित्य
१५.	ओम प्रकाष्टा वर्मा (१२८२)	संस्थान मुख्यालय	वक्रोक्तिदष्टानैषधीयचरितमहाकाव्यस्य समालोचनात्मक-मध्ययनम्	साहित्य
१६.	रागेष्. एस्. आर्. (१३३०)	गुरुवायूर परिसर	तैत्तिरीयोपनिषदः ष्टाङ्करभाष्यवनमालाटीकायाः समालोचनात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
१७.	अर्जुन गतौला (१२९७)	लखनऊ परिसर	ष्टाब्दार्थतर्कामष्टे प्रतिपादितपदार्थमीमांसायाः वाक्यपदीयपदकाण्डदष्ट्याऽनुष्टीलनम्	व्याकरण
१८.	रितेष्टा जोष्टी (१३३६)	भोपाल परिसर	महाविद्यालयीयविद्यार्थिनां स्नायुविकृतेः, व्यवहारानुकूलनस्य च सन्दर्भे आधुनिकसामाजिकसम्प्रेषणस्य अध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
१९.	सीमा बैस (१३११)	जयपुर परिसर	भट्टमथुरानाथष्टास्त्रिणां साहित्ये समाज वर्णनम्	साहित्य
२०.	विकास वर्धन भारती (१३२७)	मुम्बई परिसर	संस्कृतच्छात्राध्यापकानां प्रस्तावनाकौष्टालविकासे सूक्ष्मष्टिक्षणस्य प्रभावस्याध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
२१.	सुभाष चन्द्र (१३०२)	जम्मू परिसर	आधुनिकष्टिक्षायां उच्चतरमाध्यमिकस्तरे ग्रामीणनगरीय-च्छात्राणां नैतिकष्टौक्षिकमूल्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
२२.	कौष्टालेष्टा ष्टार्मा (१२८४)	पुरी परिसर	पारम्परिकाधुनिकविष्टवविद्यालयेषु ष्टिक्षाचार्यस्तरीय-च्छात्राणां व्यावसायिकचिन्ता-नैराष्टय-समायोजनपक्षाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
२३.	अरुणदीप (१३३८)	गरली परिसर	उत्तरनैषधीयचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
२४.	जितेन्द्र कुमार रायगुरु (१३२६)	पुरी परिसर	सिद्धान्तकौमुदीस्थानां स्त्रीप्रत्ययसूत्रोदाहरणानाञ्च सङ्गणक-दष्ट्या विष्टलेषणम्	व्याकरण
२५.	महीपाल सिंह (१३१८)	गरली परिसर	अष्टाध्यायी-लघुवष्टेः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	व्याकरण
२६.	घनष्टयाम पाल (१२६२)	लखनऊ परिसर	आचार्य ष्टान्तिदेवस्य कृतीनां समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्धदर्ष्टान
२७.	जयन्ति पण्डा (१३४५)	पुरी परिसर	काव्यष्टास्त्रभक्तिरसदष्ट्या भङ्गदूतकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
२८.	ष्टीला यादव (१३१७)	लखनऊ परिसर	डॉ. ष्टिवदत्तष्टार्मचतुर्वेदविरचितस्य 'चर्चा' महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
२९.	विजय कुमार जेना (१३३४)	पुरी परिसर	उत्कलराज्यस्थानां पारम्परिकसंस्कृताध्यापकानाम् आत्मसम्प्रत्ययस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
३०.	अनामिका त्रिपाठी (१३१६)	लखनऊ परिसर	दैवज्ञसूर्यप्रणीतस्य नृसिंहचम्पूकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
३१.	गोपाल शर्मा (१३१३)	जयपुर परिसर	कर्मकाण्डोपयोगिवैदिकमन्त्राणां पाणिनीयव्याकरणदृष्ट्या अर्थविवेचनम्	व्याकरण
३२.	राहुल शर्मा (१३०३)	भोपाल परिसर	दर्शनान्तरमतालोचनपूर्वकं प्रत्ययार्थानां प्राधान्याप्राधान्य-निरूपणपुरस्सरं व्याकरणसम्मतशाब्दबोधप्रक्रियाया अनुशीलनम्	व्याकरण
३३.	डि.एन्. व्यासमुनि (१२५०)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलूरु	श्री लक्ष्मीनाथतीर्थकृत-तात्पर्यचन्द्रिकाटिप्पण्याः अवशिष्टभागस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	द्वैतवेदान्त
३४.	जितेन्द्र तिवारी (१३२९)	भोपाल परिसर	साहित्यदर्पणोक्तालङ्काराणां सङ्गणकसहानुदेशनात्मक सामग्र्याः विकासः मूल्याङ्कनञ्च	साहित्य
३५.	सत्यम रिछारिया (१३२८)	भोपाल परिसर	हर्षदेवमाधवप्रणीतानां पद्यकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम् (२०००-२०१० ई.)	साहित्य
३६.	उमा सि.एन्. (१२९४)	गुरुवायूर परिसर	कूटल्लूर् नीलकण्ठद्विजविरचितस्य लघुविवरणाख्यस्य विष्णुसहस्रनामभाष्यस्य संपादनम् अध्ययनञ्च	साहित्य
३७.	प्रशान्त कुमार वारिक (१३२४)	पुरी परिसर	संस्कृतशिक्षकप्रशिक्षकाणां तदितरशिक्षकप्रशिक्षकाणाञ्च छात्राध्यापकनिरीक्षणे प्रोयोगिककार्यक्रमाणां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
३८.	केशव कुमार (१२५६)	मुख्यालय	अलिविलासिसंलापकाव्ये श्रीगङ्गाधरोक्तनास्तिकदर्शन-खण्डनोपक्रमे वेदान्तसिद्धान्तामध्ययनम्	वेदान्त
३९.	श्वेता शर्मा (१३५०)	जयपुर परिसर	डॉ. रामकुमारशर्मप्रणीत भरतचरितमहाकाव्यस्य समीक्षणात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
४०.	स्मिता गुप्ता (१३४६)	इलाहाबाद परिसर	बलदेवचरितम् महाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
४१.	पुष्कर काण्डपाल (१३३९)	लखनऊ परिसर	भारतीयदर्शनपरम्परायां वर्णितमानवीयजीवनमूल्यानां विवेचनात्मकम् अध्ययनम्	दर्शन
४२.	विवेक शर्मा (१३२०)	गरली परिसर	कालिकापुराणस्थदार्शनिकतत्त्वानामनुशीलनम्	दर्शन
४३.	मनीष पारीक (१३१०)	जयपुर परिसर	पं. गजाननरामचन्द्रकरमलकरविरचितस्य लोकमान्या-लङ्कारग्रन्थस्य समीक्षात्मकमनुशीलनम्	साहित्य
४४.	अर्चना शर्मा (१२९६)	जयपुर परिसर	श्रीरामदासभूपतिप्रणीतायाः सेतुबन्धस्य रामसेतुप्रदीप व्याख्यायाः समीक्षणम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
४५.	ष्टौलेन्द्र कुमार यादव (१३१४)	जयपुर परिसर	राजस्थानराज्यस्य संस्कृतविद्यालयेषु कार्यरतानाम् अध्यापकानां, प्रधानाध्यापकानां, प्रष्ठासकानाञ्च ष्टिक्षायाः मौलिक-अधिकारं (२००९) प्रति सचेष्टतायाः अभिवष्टेष्टच तुलनात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
४६.	दिनेष्टा गौतम (१२३८)	जयपुर परिसर	रुय्यकरचितायाः काव्यप्रकाष्टासङ्केतटीकायाः समीक्षणम्	साहित्य
४७.	ष्टिवाली सिंह (१३०४)	जयपुर परिसर	संस्कृतसाहित्ये गङ्गाविषयक-स्तोत्राणामुद्भवो विकासष्टच	साहित्य
४८.	ताळूरु वुद्धारु माधव राव् (१३३२)	पूर्णप्रज्ञा संष्टोधन मन्दिर, बैंगलूरु	उपलब्धेभ्यः पुराणेभ्यः आगमेभ्यष्टच माध्वाचार्योदाहृत-प्रमाणानां समीक्षा	इतिहास
४९.	नवीन ष्टार्मा (१३६२)	गरली परिसर	मनोविज्ञानज्योतिर्विज्ञानयोः परस्परसम्बन्धस्य ष्टौक्षिकदष्टया समीक्षात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
५०.	सुमन प्रसाद भट्ट (१३६७)	जयपुर परिसर	वञ्चितवर्गीयच्छात्राणां ष्टिक्षाव्यवस्थायाः विष्टलेषणात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
५१.	संजय सुनाल (१३७०)	लखनऊ परिसर	अन्तर्मुखिबहिर्मुखिच्छात्राणामध्ययनस्वरूपाणां ष्टौक्षिकोपलब्धीनाञ्च सन्दर्भे संवेगात्मकबुद्धेरध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
५२.	दिनेष्टा कुमार (१२९८)	लखनऊ परिसर	काष्टिकायाः तष्टीयचतुर्थोध्याययोः न्यासपदमञ्जरीदष्टया प्रत्युदाहरणानां प्रक्रिया विमर्ष्टाः	व्याकरण
५३.	स्नेहलता बेहुरिआ (१३३१)	पुरी परिसर	परमहंसस्वामिनिगमानन्ददेवविरचिते ज्ञानीगुरु ग्रन्थे अद्वैततत्त्वविमर्ष्टाः	अद्वैतवेदान्त
५४.	रष्टिमरञ्जन ष्टातपथी (१३५३)	पुरी परिसर	दायभागविषये स्वत्त्ववादेन सह दायभागसमीक्षाया-स्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मष्टास्त्र
५५.	नरेन्द्र सिंह चौहान (१३२३)	जयपुर परिसर	सप्तर्षिकाङ्ग्रेसस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
५६.	अमन दीप ष्टार्मा (१३०५)	जयपुर परिसर	औचित्यदष्टया ष्टिष्टुपालवधस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
५७.	हितेष कुमार तिवाड़ी (१३६६)	जयपुर परिसर	राजस्थानस्य पारम्परिकसंस्कृतच्छात्राणां मानवाधिकार-जागर्यायाः अध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
५८.	श्रीकृष्ण ष्टुक्ल (१३४१)	इलाहाबाद परिसर	वादसुधाकराख्य समीक्षात्मकमध्यनं सम्पादनञ्च	नव्यव्याकरण
५९.	ष्टवेता ष्टार्मा (१२७१)	जयपुर परिसर	पञ्चसंध्यन्तप्रौढ़मनोरमाबष्टच्छब्देन्दुष्टोखरयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
६०.	सोनिया राठौर (१२१३)	लखनऊ परिसर	अभिधावष्टितमातष्टकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
६१.	पुरुषोत्तम कुमार (१३००)	लखनऊ परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः कारकप्रकरणस्य प्रौढ़मनोरमा-लघुशब्देन्दुशेखराभ्यां सिद्धान्तरत्नाकरस्य वैशिष्ट्यानुशीलनम्	व्याकरण
६२.	अजय कुमार पाण्डे (१३५६)	पुरी परिसर	परमहंसस्वामिनिगमानन्दविरचितयोगिगुरुग्रन्थस्य योगदर्शन-दृष्ट्या विश्लेषणात्कममध्ययनम्	सर्वदर्शन
६३.	मनीषा शर्मा (१३४८)	जयपुर परिसर	श्रीमद्रामायण-महाभारतगतस्तोत्रेषु काव्यतत्त्वानुशीलनम्	साहित्य
६४.	नवनीत भट्ट (१२८०)	शृंगेरी परिसर	भाट्टसम्मतातिदेशस्य विमर्शात्मकमध्ययनम्	मीमांसा
६५.	धर्मेन्द्र कुमार (१३०६)	इलाहाबाद परिसर	वंशरत्नाकरस्य सेतुटीकायाः सम्पादनमनुशीलनञ्च	साहित्य
६६.	प्रभात कुमार साहु (१३५१)	जयपुर परिसर	आस्तिकदर्शनेष्वन्तः करणविमर्शाः	सर्वदर्शन
६७.	सुशील कुमार तिवारी (१३६९)	इलाहाबाद परिसर	विंशतिशताब्द्याः रामकथाधारितानां संस्कृतमहाकाव्यानां समीक्षात्मकमनुशीलनम्	साहित्य
६८.	शङ्कर ल. भट्ट (१२६६)	शृंगेरी परिसर	कृत्तद्धितसमासादिप्रकरणानुसारं नैकेषां पदद्वन्द्वानाम् अर्थभेदसमीक्षणम् तेषां प्रक्रियाप्रकाशनञ्च	व्याकरण
६९.	पुरुषोत्तम दास (१४१२)	लखनऊ परिसर	प्रौढ़मनोरमाखण्डनस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	नव्यव्याकरण
७०.	सुमनचन्द्र पन्त 'सुमन्त' (१३६१)	लखनऊ परिसर	काव्यप्रकाशस्य तिलकटीकायाः समीक्षात्मकसम्पादनम्	साहित्य
७१.	प्रेम प्रकाश पाण्डेय (१३४३)	भोपाल परिसर	परम्परागताधुनिकपद्धत्या उच्चशिक्षायामध्ययनरत-च्छात्राणाम् आध्यात्मिकप्रज्ञा-संवेगात्मकबुद्धि-समायोजनानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
७२.	सन्तोष कुमार (१२४८)	गरली परिसर	कर्मसिद्धान्तस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	दर्शन
७३.	युवराज घिमिरे (१३५५)	शृंगेरी परिसर	न्यायविशिष्टाद्वैतमतयोः जीवस्वरूपविमर्शाः	न्यायवैशेषिक
७४.	सचिन कुमार (१३९३)	जयपुर परिसर	दृश्य-श्रव्यशिक्षामाध्यमेन संस्कृतभाषाकौशलानां विकासाय विभिन्नशिक्षणसामग्र्याः निर्माणं तत्प्रयोगप्रभावपरिशीलनञ्च	शिक्षाशास्त्र
७५.	प्रमोद कुमार शर्मा (१३७५)	जयपुर परिसर	भरतमुनिविरचिते नाट्यशास्त्रे विद्यमानानां मनोवैज्ञानिक-तत्वानां शिक्षणे उपादेयतायाः अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
७६.	प्रसेनजित् माइति	पुरी परिसर	आशुबोधव्याकरणस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
७७.	प्रियंका (१२४१)	लखनऊ परिसर	त्रिपिटकग्रन्थेषु प्रबन्धशास्त्रीयतत्त्वानां विवेचनम्	बौद्धदर्शन

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
७८.	विष्ठवनाथ हेगड़े (१३६५)	श्रंष्ठेरी परिसर	श्रीगन्नेपूडि-आदिवेङ्कटयोगिविरचितस्य ब्रह्मविन्निधिः इत्याख्यस्य ग्रन्थस्य सम्पादनं समीक्षात्मकम् अध्ययनञ्च	अद्वैत वेदान्त
७९.	तुलसी बेहेरा (१३७४)	पुरी परिसर	उपेन्द्रभञ्जवैदेहीष्ठविलास-कालिदासमेघदूतयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
८०.	राहुल जोष्ठी (१३३७)	लखनऊ परिसर	ष्ठिशुपालवधमहाकाव्ये प्रयुक्तानां तिङन्तपदानां विष्ठिष्टपदानाञ्चानुष्ठीलनम्	नव्यव्याकरण
८१.	गोविन्द मिश्र (१३४२)	इलाहाबाद परिसर	व्याकरण-वेदान्त-ष्ठास्त्रदिष्ठा ष्ठाब्दतत्त्वविमर्ष्ठाः	वेदान्त
८२.	विनय कुमार सिंह (१३०७)	इलाहाबाद परिसर	पं. कृष्णमाधवष्ठार्मकृत अलङ्कारविद्योतनस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
८३.	सुरजित सामन्त (१३९९)	पुरी परिसर	अष्टाध्याय्याः रचनावैचित्र्यस्य भाषावैज्ञानिकम् अनुष्ठीलनम्	व्याकरण
८४.	अभिनव कुमार मौर्य (१३६४)	भोपाल परिसर	माध्यमिकस्तरीयाणामध्यापकानां मानसिकस्वास्थ्यस्य व्यावसायिकपरिपक्वतायाष्ठच सन्दर्भे ष्ठौक्षिकदक्षतानामध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
८५.	महेष्ठा चन्द्र मासीवाल (१३९८)	गरली परिसर	उत्तराखण्डस्थ देहरादूनजनदीय संस्कृतसंस्कृतेतरमाध्यमिक-विद्यालयेष्वध्ययनरतच्छात्राणां व्यक्तित्वविकासे अध्यापिका-ऽभिभावकभूमिकयोः तौलनिकमध्ययनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
८६.	वन्दना सिंह (१३७७)	इलाहाबाद परिसर	विदग्धमनोत्सवविरचितस्य विदग्धमनोत्सवस्य समीक्षात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	साहित्य
८७.	गोपी कृष्ण मिश्र (१३९०)	लखनऊ परिसर	व्यक्तित्वविकासे पातञ्जलयोगदर्ष्ठनस्य ष्ठौक्षिकमवदानम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
८८.	प्रेम प्रकाष्ठा (१३९२)	गरली परिसर	भासनाटकेषु मनौवैज्ञानिकतत्त्वानां समीक्षणम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
८९.	बि.ए. नरसिंहय्य (१३९७)	पूर्णप्रज्ञ संष्ठोधन मन्दिर, बैंगलूरु	महाकविभासविरचितरूपकेषु पुरुषार्थचतुष्टयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
९०.	सुधीर कुमार (१३५७)	श्रंष्ठेरी परिसर	रसगङ्गाधरदिष्ठा चित्रमीमांसाखण्डन विमर्ष्ठाः	साहित्य
९१.	गजानन धरेन्द्र (१४११)	भोपाल परिसर	पाणिनिजैनेन्द्रव्याकरणयोः सन्धिप्रकरणस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
९२.	यज्ञ दत्त (१३५९)	श्रंष्ठेरी परिसर	सिद्धान्तष्ठोखरसिद्धान्तष्ठिरोमण्योः निरूपितस्य अव्यक्तगणितस्य तौलनिकमध्ययनम्	ज्यौतिष
९३.	अन्जू चौधरी (१४०३)	जयपुर परिसर	विद्यालयीयसंस्कृतव्याकरणष्ठिक्षणे अभिनवानां ष्ठिक्षण-विधीनाम् उपागमानां प्रविधिनां सामग्रीणाञ्च प्रभावपरिष्ठीलनम्	ष्ठिक्षाष्ठास्त्र
९४.	अरुण ष्ठार्मा (१३४७)	जयपुर परिसर	संस्कृतकाव्यष्ठास्त्रदष्ट्या साहित्ये ष्ठाब्दतत्त्वस्य अर्थतत्त्वस्य च वैष्ठिष्ट्यम्	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
९५.	आष्ठीष दीक्षित (१३९६)	भोपाल परिसर	संस्कृतबुन्देलीभाषोपभाषयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
९६.	बाबू राम (१३५८)	इलाहाबाद परिसर	श्रीमद्विष्णुपुरीग्रथितस्यभगवद्भक्तिरत्नावलीग्रन्थस्य समालोचनात्मकमध्ययनं सम्पादनञ्च	साहित्य
९७.	आनन्द कुमार त्रिपाठी (१३६८)	इलाहाबाद परिसर	रामऋषिकृतायाः नलोदयकाव्यटीकायाः यमकबोधिन्याः सम्पादनालोचनात्मकमध्ययनञ्च	साहित्य
९८.	राधा तिवारी (१३७६)	लखनऊ परिसर	उच्चस्तरे कार्यरतानां प्राध्यपकानां सांवेगिकस्थिरतायाः स्वबोधस्य समायोजनस्य ष्टौक्षणिकप्रभावष्टीलतायाष्टच सह-सम्बन्धात्मकमध्ययनम्	ष्टिक्षाष्टास्त्र
९९.	सुश्री सङ्गिता पण्डा (१२७६)	पुरी परिसर	उत्कलीयकाव्ये विदग्धचिन्तामणौ संस्कृतव्याकरणस्य प्रभावः एकं समीक्षणम्	नव्यव्याकरण
१००.	मुकेष्टा कुमार (१३७३)	भोपाल परिसर	बन्धुजीवम् इत्युपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१०१.	विकाष्टा (१४१६)	संस्थान मुख्यालय	संस्कृतवाङ्मये स्वामिदयानन्दचरिताश्रित साहित्यस्य विकास परम्परा	साहित्य
१०२.	मीनू (१३७९)	जयपुर परिसर	पुराणेषु समुपलब्धानां दार्ष्टानिकतत्त्वानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्ष्टान
१०३.	भारती आन्दोलन (१४०९)	जयपुर परिसर	काव्यष्टास्त्रीयदष्टट्या ईष्टादिदष्टोपनिषदां परिष्टीलनम्	साहित्य
१०४.	सुमित्रा देवी (१३७२)	भोपाल परिसर	विक्रमरितम् इति उपन्यासस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१०५.	दीप चन्द ष्टार्मा (१३५२)	जयपुर परिसर	गणपतिदैवज्ञविरचितस्य मुहूर्तगणपतिग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	फलितज्यौतिष
१०६.	श्रीपति (१४०१)	श्रंष्टेरी परिसर	जैमिनिसूत्रव्याख्यायाः ज्योतिः प्रदीपकायाः पाठसमीक्षणात्मकं सम्पादनं व्याख्यान्तरैः सह तुलनात्मकमध्ययनञ्च	ज्यौतिष
१०७.	रेखा ष्टार्मा (१३८२)	जयपुर परिसर	वैयाकरणसिद्धान्तलघुमञ्जूषायाः कुञ्जिकारत्नप्रभयोः टीकयोः वष्टितत्रयस्य काव्यप्रकाष्टादष्टट्या समीक्षणम्	व्याकरण
१०८.	गजेन्द्र सिंह (१३९५)	जयपुर परिसर	धातोः इत्यधिकारे प्रयुक्तेषु सूत्रेषु न्यासबालमनोरमा-टीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	नव्यव्याकरण
१०९.	मौनिका बोल्ला (१४०७)	मुम्बई परिसर	वैयाकरणभूषणसारस्य धात्वाख्यातार्थप्रकरणस्य ष्टाङ्करीव्याख्यादष्टा-परिष्टीलनम्	व्याकरण
११०.	सौभाग्यमञ्जरी दाष्टा (१३८५)	पुरी परिसर	व्याकरणमहाभाष्ये प्रत्याख्यातपाणिनीयसूत्राणां समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
१११.	सोनल सिंह (१३८०)	लखनऊ परिसर	दार्ष्टानिक-ष्टौक्षणिक-दष्टट्या मैत्रेय बुद्धावधारणायाः अध्ययनम्	बौद्धदर्ष्टान

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
११२.	विजय कुमार (१४०२)	भोपाल परिसर	जीर्णोद्धारविषयमवलम्ब्य मयमतं प्रासादमण्डनमिति-ग्रन्थयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	फलितज्यौतिष
११३.	श्रीनिवास जी. नवलगुन्द (१३८७)	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर, बैंगलूरु	गूढकर्तृकायाः श्रीविष्णुतत्वविनिर्णयटीकाटिप्पण्याः पाठसमीक्षात्मकसम्पादनमध्ययनं च	द्वैतवेदान्त
११४.	पूनम जेना (१४१७)	पुरी परिसर	प्रायचित्तचित्तविषये विज्ञानेश्वरस्यांशदानम्	धर्मशास्त्र
११५.	रुद्र नारायण नरसिंह मिश्र (१४२१)	जयपुर परिसर	लावण्यवती-अभिज्ञानशाकुन्तलयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
११६.	रमेश कुमार दाश (१४४१)	पुरी परिसर	उत्कलीयविदुषाम् आधुनिकसंस्कृतसाहित्य प्रति अवदानम्	साहित्य
११७.	इतिप्रभा पाइकराय (१३३५)	पुरी परिसर	ब्रह्मतत्त्वनिरूपणे मधुसूदनरावस्य कृतीनां समीक्षणात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
११८.	सीताराम दास (१४१३)	पुरी परिसर	श्रीहरिहरप्रसादविरचितस्य भास्करत्रयस्य समीक्षणात्मकमध्ययनम्	सर्वदर्शन
११९.	विनोद कुमार शर्मा (१४१९)	जयपुर परिसर	भासनाटकचक्रे शैक्षिकतत्त्वानां विवेचनम्	शिक्षाशास्त्र
१२०.	सुनील कुमार मीना (१३४०)	जयपुर परिसर	शिक्षक-प्रशिक्षणस्य संस्कृताध्यापकानामाधुनिकीकरणे सार्थक्यम्	शिक्षाशास्त्र
१२१.	भूरा सिंह सोलंकी (१४३०)	जयपुर परिसर	वैदिककाले छात्राणां नैतिकप्रशिक्षणस्य परम्परा एकम् ऐतिहासिकम् अध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
१२२.	सविता (१३२२)	गरली परिसर	अष्टाध्याय्याः तृतीयाध्यागतसूत्रोदाहरणानामर्थ-प्रयोगयोरनुशीलनम्	साहित्य
१२३.	कल्पना (१३२१)	गरली परिसर	अष्टाध्याय्याः प्रथमद्वितीयाध्यायगतसूत्रोदाहरणानामर्थ-प्रयोगयोरनुशीलनम्	साहित्य
१२४.	प्रज्ञा (१३७१)	गरली परिसर	अष्टाध्याय्याः सप्तमाष्टमाध्यायगतसूत्रोदाहरणानामर्थप्रयोग-योरनुशीलनम्	साहित्य
१२५.	सुशील कुमार (१३९१)	गरली परिसर	ब्रह्माण्डपुराणे परशुरामचरितस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
१२६.	तिलक राज (१४१४)	गरली परिसर	श्रीमद्भगवद्गीतायाः "सारार्थवर्षिणी" टीकायाः दार्शनिकं समीक्षणम्	अद्वैतवेदान्त
१२७.	अरुण कुमार बी. (१३०८)	गुरुवायूर परिसर	दर्शनमालायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानितविश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	प्रथमा-तृतीय पूर्वमध्यमा-प्रथम उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला समस्तीपुर, पिन 848132 (बिहार)	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पो.आ. कोलहण्टा पटोरी, जिला दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, फलित एवं सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण, फलित)
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार 851101	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोली बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वाया बहेरा, जिला दरभंगा 847407 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय,

क्रमशः....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला समस्तीपुर 848302 (बिहार)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला मधुबनी, बिहार 847404	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली 110015	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली 2	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली 110092	आचार्य प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली 110057	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612, दरीबा कलाँ, दिल्ली 110006	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली 110002	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली 110063	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
19.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली 110027	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
20.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली 110060	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
21.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली 110081	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
22.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली 110039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
23.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली 110041	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
	गुजरात	
24.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात 380007	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
	हरियाणा	
25.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) 123039	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
26.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील पलवल जिला फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
27.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा) - 126102	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
	जम्मू व कश्मीर	
29.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला राजौरी, जम्मू	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	झारखण्ड	
30.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय
	कर्नाटक	
31.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर 560028	विद्यावारिधि
	केरल	
32.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिलात्तरा रोड, वाया मंडुर जिला कन्नूर 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
33.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो. अरुणापुरम, पलै जिला कोट्टायम 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
34.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
35.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला कालीकट 673612	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
36.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
37.	वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला कोजीकोड 673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
39.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई 400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
40.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) 400097	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
41.	मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय संगईपेटए सेरीकल्चर प्रोजेक्ट के सामने, पूर्वी इम्फाल, मणिपुर 795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
42.	राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर 795134	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन)
पंजाब		
43.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
44.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो. खन्ना, जिला लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
45.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा द्वितीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तर-प्रदेश		
46.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
47.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी 221010	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
48.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद 201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश 248005	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
51.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	रानी पद्मावती तारायोग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा तृतीय पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
उत्तरांचल		
53.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तरांचल	शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
54.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला पौडी गढ़वाल 246279 (उत्तरांचल)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
55.	पगलानन्द संस्कृत महाविद्यालय (विद्यालय स्तर) आचार्य भवन, प्लाट नं. 216, ग्राम व पो. दरुआ, थाना-कान्ताई, जिला-पूरबा, मेदिनीपुर-721401 (प.बं.)	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय
56.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता 700035	प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
57.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प.बं.) 737133	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय
58.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
59.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) 733123	प्रथमा तृतीय, पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय

क्र.	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
60.	भारती चतुष्पती संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) 741302	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री प्रथम, द्वितीय शास्त्री प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
61.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला हावड़ा (पश्चिम बंगाल) 711202	पूर्वमध्यमा प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा प्रथम, द्वितीय
62.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-छ

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	वही

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	वही
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	वही
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ(2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	वही
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	ओडिशा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89 कोलकाता, दिनांक 6 मई 1990	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.

क्रमश:....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित) 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

संलग्नक-ज

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	हायर सेकेण्डरी बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री-भाग-1 शास्त्री-भाग-3 आचार्य	प्री-यूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग-1) बी.ए. (अंतिम वर्ष) एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय एल. डिस्. पी-बी 21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान आर.सी.आई/सम/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष) एम.ए. डी.फिल्. डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं. ए सी-1/आर.एम./171/51046/75 दिनांक 1.7.1975	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	आचार्य	एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/ 2009/6147 दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77	वाचस्पति	डी.लिट्
	दिनांक 3.1.81		
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से) एम.ए.
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्णाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा-शास्त्री शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ)	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए।
		शास्त्री आचार्य	शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

संलग्नक-झ

वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	04
2.	असम	--
3.	बिहार	07
4.	छत्तीसगढ़	11
5.	दिल्ली	07
6.	गुजरात	02
7.	हरियाणा	13
8.	हिमाचल प्रदेश	02
9.	जम्मू और कश्मीर	01
10.	झारखण्ड	--
11.	कर्नाटक	10
12.	केरल	11
13.	मध्य प्रदेश	14
14.	महाराष्ट्र	07
15.	मणिपुर	01
16.	ओड़िशा	03
17.	पाण्डिचेरी	--
18.	पंजाब	03
19.	राजस्थान	22
20.	सिक्किम	04
21.	तमिलनाडु	--
22.	उत्तर प्रदेश	74
23.	उत्तराखंड	37
24.	पश्चिम बंगाल	154
	कुल	**387**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	श्री जगदीश मिश्र	रघुवंशमहाकाव्य	30,844/-
2.	शिवभारती शोध प्रतिष्ठान	श्रीसिद्धान्तशिखामणिः	71,400/-
3.	डॉ. नारायण दास	साकेतराजवधूः उर्मिला	27,071/-
4.	डॉ. शिवचरण शर्मा	महाकविधनेदेश्वरस्य कामाभिनन्दमहाकाव्यम्	26,125/-
5.	श्री जयप्रकाश मिश्रा	प्रक्रियाकौमुदी प्रकाशस्य प्रौढ़ मनोरमायाश्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	1,15,780/-
6.	डॉ. अनीता शर्मा	संस्कृतकाव्यपरम्पराया मध्यमकाव्यस्य व्यापकत्वसमीक्षणमः	21,900/-
7.	डॉ. हनीफ खान	1. श्रीमद्भगवद्गीता और कुर्आन 2. विश्व बंधुत्व के लिए सनातन धर्म और इस्लाम का समन्वत्यात्म अध्ययन	43,150/-
8.	श्रीमती स्वेजा त्रिपाठी	भर्तृहरि के अनुसार शब्दब्रह्म का स्वरूप तुलनात्मक अध्ययनम्	30,576/-
9.	पूर्णप्रज्ञसंशोधनमन्दिरम्	प्रणमाञ्जलि (7 भाग)	3,66,722/-

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु अनुमोदित प्रस्तावों का विवरण

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डॉ. रिचा. दिल्ली	नारदभक्तिसत्रस्य भारतीयदर्शनदिशनशीलनम	92.600/-
2.	डॉ. शैना प्रकाश पाठक. उ.प्र.	श्रीमदभगवतमहापराणे चतष्षष्टिकला विमर्शः	70.970/-
3.	डॉ. सभाष चन्द्र मिश्रा. जयपर	ज्योतिषशास्त्रेरोगविमर्शः	44.100/-
4.	सपिया सञ्ज. हरियाणा	विष्णपराणे दार्शनिकतत्वम	70.970/-
5.	डॉ. जयकष्णन आचार्य. गजरात	कावल्यदीपिका	1.18.850/-

क्रमशः....

संलग्नक-ट (क्रमशः....)

क्र.	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
6.	डॉ. हरि सिंह राजपरोहित. राजस्थान	लघुशब्देन्दुशेखरबृहच्छब्देन्दशेखरयोः तलनात्मकमनशीलनम	65.228/-
7.	डॉ. अशोक कमारी मिश्रा. हि.प्र.	संस्कतभाषावैज्ञानिकप्रबन्धमक्तावली	1.01.912/-
8.	प्रो. शैल कमारी मिश्रा. उ.प्र.	विभ्रमविवेकः	53.318/-
9.	विद्वान उमाकान्त भटट. कर्णाटक	न्यायनिबनधमाला	55.250/-
10.	वैदिक संशोधन मन्दिर. महाराष्ट	श्रीवाजसनेयकाण्वशत पथब्राह्मणम (पञ्चभागात्मकम)	3.58.012/-
11.	डॉ. शशि नाथ झा. बिहार	महामहोपाध्यायकेशवमिश्रविरचितः अलंकारशेखरः	92.715/-

संलग्नक-ठ

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
आन्ध्र प्रदेश	1.	संस्कृत अकादमी (शोध संस्थान), ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश-500007
बिहार	2.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा, पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार-846003
	3.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-लगमा, वाया-लोहनारोड, रामभद्रपुर, जिला-दरभंगा, बिहार-847407
	4.	डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार-842001
	5.	स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, गया, बिहार-804407
	6.	श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान, रमौली-वेलौन (लक्ष्मीनाथनगर) भाया-बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

क्रमशः....

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
हरियाणा	7.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा-121102
	8.	श्री दीवान कृष्ण किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, अम्बाला छावनी, हरियाणा-133001
हिमाचल प्रदेश	9.	हिमाचल प्रदेश आदर्श संस्कृत महाविद्यालय जांगला (रोहडू), जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214
	10.	सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307
झारखण्ड	11.	लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम्, कालीराखा, जिला-बी. देवघर, झारखण्ड-600004
कर्नाटक	12.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मंदिरम्, कत्रिगुप्पा मुख्य सड़क मार्ग, बंग्लौर, कर्नाटक-560028
केरल	13.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बालुशेरी, जिला-कालीकट, केरल-673612
	14.	चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान आदि शंकरा नीलियम वेलियानाड, एरनाकुलम्, केरल-682319
महाराष्ट्र	15.	वैदिक संशोधन मंडल, तिलक विद्यापीठ, गुलटेकड़ी, पुणे, महाराष्ट्र-400037
	16.	मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय द्वारा भारतीय विद्या भवन, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई, महाराष्ट्र-400007
मणिपुर	17.	श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर-795134
तमिलनाडु	18.	मद्रास संस्कृत महाविद्यालय, 84, रोयपीठा हाई रोड, मइलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु-600004
	19.	अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय सन्निधि गली, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु-603306
उत्तराखण्ड	20.	श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट गुरुकुल कांगड़ी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड, पिन-249404
उत्तरप्रदेश	21.	रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी उत्तर प्रदेश-221003
	22.	श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001
	23.	श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, जिला-मथुरा, उत्तर प्रदेश-281121

क्रमश:....

संलग्नक-ठ (क्रमश:....)

राज्यों के नाम		आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों के नाम
पश्चिम बंगाल	24.	कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम-कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला-पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल-721430
	25.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल-700035
राजस्थान	26.	श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, भीलवाड़ा, राजस्थान, पिन कोड-311604

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2018 का तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
समग्र/पूंजी निधि	1	2847872155.00	2130701234.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	16807275.00	57652678.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	-78840938.00	142381194.00
योग		**2785838492.00**	**2330735106.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4	644806706.00	652207501.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		476666.00	650435.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		1884003259.00	1196596605.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि	5	886391.00	886391.00
निवेश - अन्य	6		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	245553546.00	467186094.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि	8	10111924.00	13208080.00
(जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)			
योग		**2785838492.00**	**2330735106.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

31 मार्च 2018 का आय एवं व्यय लेखा

राशि ₹ में

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2017-18	पूर्व वर्ष (2016-17)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	9	10578087.00	11947173.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	1434768576.00	1316968034.00
निवेश से आय	11	10153638.00	13605865.00
अर्जित ब्याज	12	9289107.00	12183185.00
अन्य आय	13	6248771.00	11901607.00
पूर्व अवधि आय	14	-1.00	0.00
योग (ए)		**1471038178.00**	**1366605864.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	731965130.00	583963725.00
शैक्षिक व्यय	16	594385379.00	639779288.00
प्रशासनिक व्यय	17	95956432.00	80652949.00
यात्रा व्यय	18	3025169.00	2817585.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	6163153.00	9754487.00
वित्तीय लाग	20		
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	30638004.00	29563446.00
अन्य व्यय	21		
पूर्व अवधि व्यय	22	3273313.00	1845144.00
योग (बी)		**1465406580.00**	**1348376624.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		5631598.00	18229240.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		0.00	0.00
		0.00	0.00
		0.00	0.00
भवन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		0.00	0.00
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**5631598.00**	**18229240.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	25		

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	**उप निदेशक (वित्त)**	**कुलसचिव**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	2130701234.00	1768896168.00
जमा : योजना निधि का योगदान	0.00	0.00
जमा : आय एवं व्यय खाते से शुद्ध आय का शेष	5631598.00	18229240.00
जमा : यू.जी.सी. से प्राप्त अनुदान, भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय का उपयोग	711959962.00	343168546.00
देवप्रयाग परिसर का प्रतिकात्मक मूल्य	0.00	1.00
दान पुस्तक में जमा		0.00
वर्ष 2016-17	83832.00	253279.00
पूर्व वर्ष समायोजन		
घटा : सम्पत्ति लेनी चाहिए थी		
घटा : 31.03.2015 तक आय व्यय खातों में भूलवश ले जाई गई अप्रयुक्त अनुदान राशि	(504,471.00)	0.00
मुम्बई गबन हेतु कान्ट्रा प्रविष्टि		154,000.00
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**2847872155.00**	**2130701234.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/विन्यास निधि		निधि-वार ब्रेक-अप						योग	
		पेंशन फंड	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के.शर्मा	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए)									
ए)	धन का प्रारंभिक शेष	56799254.00	186931.00	7523.00	315282.00	5871.00	337817.00	**57652678.00**	67632452.00
बी-1	वर्ष के दौरान जोड़ - पेंशन हेतु सरकार से प्राप्त अनुदान	70200000.00						**70200000.00**	65000000.00
बी-2	वर्ष के दौरान जोड़- आय एवं व्यय खाते से आबंटित रकम	0.00						**0.00**	0.00
सी	निधि में निवेश से आय		6326.00	300.00	10669.00			**17295.00**	0.00
डी	अग्रिम/निवेश से अर्जित ब्याज							**0.00**	0.00
ई	बचत बैंक खाते पर ब्याज							**0.00**	
एफ	अन्य प्राप्तियां	5597504.00	5502.00	221.00	9230.00	463.00	31468.00	**5644388.00**	5781562.00
	योग (ए)	**132596758.00**	**198759.00**	**8044.00**	**335181.00**	**6334.00**	**369285.00**	**133514361.00**	**138414014.00**
बी)									
	निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय								
	i) पूंजीगत व्यय								0.00
	ii) वर्ष के दौरान राजस्व व्यय	116707086.00						**116707086.00**	80761336.00
	iii) राजस्व व्यय (विगत वर्षों का व्यय जिसे पूर्व वर्ष समायोजन व्यय से समायोजित किया गया)							**0.00**	0.00
	योग (बी)	**116707086.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**116707086.00**	**80761336.00**
	वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	**15889672.00**	**198759.00**	**8044.00**	**335181.00**	**6334.00**	**369285.00**	**16807275.00**	**57652678.00**

उपस्थापित कर्ता :

नकद एवं बैंक में शेष		0.00	0.00	0.00		0.00	0.00	0.00
निवेश		148226.00	6000.00	250000.00	5000.00	250000.00	659226.00	659226.00
अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं		38705.00	1523.00	65282.00	871.00	87817.00	194198.00	194198.00
योग		**186931.00**	**7523.00**	**315282.00**	**5871.00**	**337817.00**	**853424.00**	**853424.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) वर्तमान देनदारियां		
1. कर्मचारियों द्वारा जमा	0.00	-
2. छात्रों द्वारा जमा		
3. विविध देनदार		
ए) सामान हेतु	0.00	-
बी) अन्य	0.00	-
4. अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	969269.00	815340.00
5. वैधानिक देनदारियां	0.00	0.00
ए) अतिदेय	0.00	0.00
बी) अन्य	0.00	0.00
6. अन्य वर्तमान देनदारियां		
ए) वेतन (पूर्व 2262717 + वर्तमान 8622875)	10885592.00	2262717.00
बी) प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	0.00	0.00
सी) शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ संलग्नक संलग्न	4192449.00	2223231.00
डी) अनुपयोगी अनुदान	-102930083.00	130387984.00
ई) अग्रिम अनुदान		
एफ) अन्य निधियाँ		2159272.00
7. अन्य देनदारियां (विवरण संलग्न)	8041835.00	4532650.00
योग (ए)	**-78840938.00**	**142381194.00**
बी) प्रावधान		
1. कर हेतु	0.00	
2. ऐच्छिक दान		
3. अधिवर्षिता/पेंशन		
4. संचित छुट्टियों का नकदीकरण		
5. व्यापार वारंटी/दावा		
6. अन्य (निर्दिष्ट)	0.00	-
योग (बी)	**0.00**	**-**
योग (ए+बी)	**-78840938.00**	**142381194.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2018

राशि ₹ में

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	सा.भ.नि.	0.00	60882108.00	60897832.00	-15724.00
2	(सी.पी.एफ.) अ.भ.नि.	0.00			0.00
3	जी.आई. प्रीमियम	661039.00	253239.00	384507.00	529771.00
4	मुम्बई परिसर देनदारियां	100000.00			100000.00
5	जी.आई.एस.	161330.00	674388.00	617894.00	217824.00
6	आय कर	116975.00	83303753.00	83305562.00	115166.00
7	एल.आई.सी.	-50767.00	2210199.00	2210199.00	-50767.00
8	परिसरों को प्रेषण	3172527.00	49367296.00	46572129.00	5967694.00
9	एन.पी.एस.	284396.00	11094310.00	10287985.00	1090721.00
10	छात्रकोश	97900.00			97900.00
11	पेशेवर कर	-5175.00			-5175.00
12	टी.डी.एस.	-5575.00	1627070.00	1627070.00	-5575.00
13	पी.एल.आई.		244312.00	244312.00	0.00
	योग	**4532650.00**	**209656675.00**	**206147490.00**	**8041835.00**

संलग्नक ई.एम.डी./जमानती राशि 31.03.2018

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	ई.एम.डी.	512033.00	966724.00	873945.00	604812.00
2	जमानती राशि	303307.00	172200.00	111050.00	364457.00
	योग	**815340.00**	**1138924.00**	**984995.00**	**969269.00**

संलग्नक प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृत्ति 31.03.2018

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	यू.जी.सी. जे. आर. फैलोशिप	418834.00	1475922.00	1793756.00	101000.00
2	एम.एस.पी.	85637.00	9829687.00	7542635.00	2372689.00
3	दान गुरुवायूर	1718760.00			1718760.00
	योग	**2223231.00**	**11305609.00**	**9336391.00**	**4192449.00**

संलग्नक ऋण एवं अग्रिम 31.03.2018

	विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
1	अग्रिम भुगतान	1708314.00	22985275.00	23044893.00	1648696.00
2	एल.टी.सी. अग्रिम	1381670.00	2070210.00	2184460.00	1267420.00
3	एच.बी. अग्रिम	1487387.00		344974.00	1142413.00
4	कम्प्यूटर अग्रिम	120007.00	492480.00	405304.00	207183.00
5	टी.ए. अग्रिम	-296560.00	5536014.00	4471693.00	767761.00
6	यात्रा वाहन अग्रिम	833508.00	329520.00	536654.00	626374.00
7	चिकित्सकीय अग्रिम	820394.00	131777.00	808777.00	143394.00
8	त्यौहार अग्रिम	-279510.00	298400.00	514991.00	-496101.00
9	भविष्य निधि अग्रिम				0.00
	योग	**5775210.00**	**31843676.00**	**32311746.00**	**5307140.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

राशि ₹ में

		ग्रास ब्लाक				वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
क्र.सं.	परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2017	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/समायोजन	कुल ह्रास	**31.03.2018**	**31.03.2017**
1	i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व (गुरुवायूर, जयपुर, जम्मू, अगरतला एवं शृंगेरी)	3595156.00			3595156.00		0%	0.00		0	3595156.00	3595156.00
	ii. भूमि - पट्टे पर (लखनऊ, इलाहाबाद, भोपाल, गरली, मुम्बई, पुरी, दिल्ली मुख्यालय एवं देवप्रयाग)	5170175.00			5170175.00	2297102.00	Lease Period	55525.00		2352627.00	2817548.00	2873073.00
2	साइट का विकास				0.00		0%	0.00		0	0	0.00
3	भवन	578847984.00	6945165.00		585793149.00	73235331.00	2%	11715863.00		84951194.00	500841955.00	505612653.00
4	सडक एवं पुल				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
5	ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
6	सीवरेज एवं ड्रेनेज				0.00		2%	0.00		0.00	0.00	0.00
7	पाण्डुलिपियाँ	327000.00	300000.00		627000.00		0%	0.00		0.00	627000.00	327000.00
8	बिजली संस्थापन एवं उपकरण	834926.00	4372747.00		5207673.00	41746	5%	260384.00		302130.00	4905543.00	793180.00
9	यंत्र एवं मशीनरी	8211882.00	2984656.00		11196538.00	410594	5%	559827.00		970421.00	10226117.00	7801288.00
10	जेनरेटर	37534461.00			37534461.00	12491580.00	5%	1876723.00		14368303.00	23166158.00	25042881.00
11	प्रयोगशाला उपकरण	1460825.00	303805.00		1764630.00	461725.00	8%	141170.00		602895.00	1161735.00	999100.00
12	वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला उपकरण				0.00		8%	0.00		0.00	0.00	0.00
13	कार्यालय उपकरण	70560.00	87916.00	38635.00	119841.00	5292.00	7.50%	8988.00		14280.00	105561.00	65268.00
14	दृश्य श्रव्य उपकरण	903648.00	85176.00		988824.00	67774.00	7.50%	74162.00		141936.00	846888.00	835874.00
15	कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	17347361.00	1407759.00	435065.00	18320055.00	7189239.00	20%	3664011.00		10853250.00	7466805.00	10158122.00
16	फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	93621322.00	4929352.00	1100000.00	97450674.00	23700859.00	7.50%	7308801.00		31009660.00	66441014.00	69920463.00
17	लकड़ी के विभाजन	838927.00			838927.00	272653.00	7.50%	62920.00		335573.00	503354.00	566274.00
18	वाहन	4330191.00			4330191.00	1948586.00	10%	433019.00		2381605.00	1948586.00	2381605.00
19	पुस्तकालय एव वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	17603405.00	1418852.00		19022257.00	11248111.00	10%	1902226.00		13150337.00	5871920.00	6355294.00
20	कम मूल्य की संपत्तियां				0.00		100%	0.00		0.00	0.00	0.00
21	प्रकाशन	22012976.00	1780437.00		23793413.00	7132706.00	10%	2379341.00		9512047.00	14281366.00	14880270.00
योग (ए)		**792710799.00**	**24615865.00**	**1573700.00**	**815752964.00**	**140503298.00**		**30442960.00**	**0**	**170946258.00**	**644806706.00**	**652207501.00**
22	**पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)**	**1196596605.00**	694351819.00	6945165.00	**1884003259.00**	0.00	0%	0.00	0.00	0	**1884003259.00**	**886709090.00**
	अमूर्त संपत्तियाँ	**प्रारंभिक शेष 01.04.2016**	**समायोजन**	**कटौती**	**अन्तिम शेष**	**प्रारंभिक शेष ह्रास**		**वर्ष में ह्रास**	**ह्रास/समायोजन**	**कुल ह्रास/ समायोजन**	**31.03.2018**	**31.03.2017**
	कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	267070.00	21275.00		288345.00	166108.00	40%	115338.00		281446.00	6899.00	100962.00
	ई-जरनल	999463.00			999463.00	999463.00	40%	0.00		999463.00	0.00	0.00
	पेटेंट	717354.00			717354.00	167881.00	9 years	79706.00		247587.00	469767.00	549473.00
योग (सी)		**1983887.00**	**21275.00**	**0**	**2005162.00**	**1333452.00**		**195044.00**	**0**	**1528496.00**	**476666.00**	**650435.00**
कुल योग (ए+बी+सी)		**1991291291.00**	**718988959.00**	**8518865.00**	**2701761385.00**	**141836750.00**		**30638004.00**	**0**	**172474754.00**	**2529286631.00**	**1539567026.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	53100.00	53,100.00
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	0.00	-
4. शेयर	0.00	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	0.00	-
6. बैंक में अवधि जमा	0.00	-
जिंदल ट्रस्ट	148226.00	148,226.00
दूबे ट्रस्ट	6000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	250000.00	250,000.00
शुक्ला अवार्ड	5000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	250000.00	250,000.00
7. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	0.00	-
बी.एस.ई.एस.	174065.00	174,065.00
योग	**886391.00**	**886,391.00**

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. केन्द्र सरकार को प्रतिभूतियाँ डी.ए.वी.पी.एस.	-	-
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ		
3. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
4. शेयर	-	-
5. ऋणपत्र एवं प्रतिज्ञापत्र	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	-	-
योग	**-**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 7 - वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
(क) वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
1. स्टॉक		
गोदाम एवं पुर्जे		
खुले औजार		-
प्रकाशन		-
प्रयोगशाला रासायनिक/उपभोगीय		-
भवन निर्माण सामग्री		-
बिजली सामग्री		
लेखन सामग्री		
पानी सप्लाई मैटिरीयल		
2. विविध टेनयर		
बकाया ऋण 6 महीने से अधिक		-
अन्य		-
3. नगद एवं बैंक में शेष		
हाथ में नकद	1020003.00	919253.00
हाथ में नकद एम.एस.पी.	84165.00	33532.00
बैंक में शेष		
ए) अनुसूचित (बैंकों के साथ)		
-नगद खाते		0.00
-अवधि जमा	147292639.00	222425359.00
-बचत खाते	94445315.00	242878929.00
-यू.जी.सी./जे.आर.एफ.	101000.00	418834.00
-एम.एस.पी.	2610424.00	510187.00
बी) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ		
-नगद खाते		0.00
-जमा खाते		0.00
-बचत खाते		0.00
4. डाक घर बचत खाते		
योग	**245553546.00**	**467186094.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
तुलन पत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. कर्मचारियों को अग्रिम		
ए) वेतन		
बी) त्यौहार		
सी) चिकित्सा हेतु अग्रिम		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)	5307140.00	4309228.00
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि हेतु अग्रिम		
ए) वाहन ऋण		
बी) घर लोन		
सी) अन्य (निर्दिष्ट)		
3. अग्रिम एवं अन्य वसूली योग्य नकद रकम		
ए) मुख्य खाता		
बी) आपूर्तिकर्ताओं को		
सी) अन्य		
4. पेशगी खर्च		
ए) बीमा		
बी) अन्य		
5. अर्जित आय निवेश निर्धारित/दान निधि		
ए) रु. 4918740 पूर्व वर्ष में एवं रु. 1263586 वर्ष 2017-18 - रु. 3891672	2290654.00	4918740.00
बी) निवेश - अन्य		
सी) ऋण एवं अग्रिम		
डी) अन्य (टी.डी.एस. बैंक द्वारा) अर्जित ब्याज		
6. जमा		
दूरभाष, पट्टा किराया एवं बिजली		
7. दावा		
सस्पेंस खाता	723000.00	723000.00
सस्पेंस खाता नकद	59122.00	59122.00
6. यू.जी.सी. से प्राप्त करने योग्य नकद सम्पत्तियां		
प्रायोजित परियोजनाएँ		
प्रायोजित परियोजनाओं में जमा राशि		
दान गुरुवायूर	1718459.00	1718459.00
अनुदान प्राप्त		
अन्य प्राप्तियां	13549.00	13549.00
योग (बी)	**10111924.00**	**11742098.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
प्रशासन		
1. शिक्षा शुल्क		
2. प्रवेश शुल्क	466740.00	0
3. नामांकन शुल्क		
4. पुस्तकाल प्रवेश शुल्क		
5. प्रयोगशाला शुल्क		
6. कला एवं शिल्प शुल्क		
7. एन. एफ. एस. ई.	290835.00	1,040,321.00
8. दान खाता		
9. जे.आर.एफ.		
योग (ए)	**757575.00**	**1040321.00**
परीक्षाएँ		
1. प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	67200.00	125100
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क		0.00
3. अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क		
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क	6422901.00	5810325.00
5. फार्म की बिक्री		0
योग (बी)	**6490101.00**	**5935425.00**
अन्य शुल्क		
1. पहचान पत्र शुल्क		
2. दण्ड/विविध शुल्क		
3. चिकित्सा शुल्क		
4. परिवहन शुल्क		
5. छात्रावास शुल्क	264650.00	503200.00
6. एम.एस.पी.		
योग (सी)	**264650.00**	**503200.00**
		589505.00

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ **राशि ₹ में**

प्रकाशनों का विक्रय		
1. प्रवेश फार्म की बिक्री		589505.00
2. पाठ्यक्रम एवं प्रशनपत्रों की बिक्री		
3. फार्म सहित विवरणिका की बिक्री	2858536.00	3352476.00
योग (डी)	**2858536.00**	**3941981.00**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
1. कार्यशालाओं एवं कार्यक्रमों हेतु पंजीकरण		
2. पंजीकरण शुल्क (शैक्षिक कर्मचारी महाविद्यालय)		
3. पी.एस.एस.टी.	18705.00	46650.00
4. पत्राचार प्राप्तियाँ	188520.00	479596.00
योग (ई)	**207225.00**	**526246.00**
कुल योग (ए+बी+सी+डी+ई)	**10578087.00**	**11947173.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त)

राशि ₹ में

विवरण	अनुदान			चालू वर्ष योग (2017-18)	पूर्व वर्ष योग (2016-17)
	भारत सरकार	यू.जी.सी.			
		योजना	विशिष्ट योजना		
		एम.एस.पी.	जे.आर.एफ.		
शेष लाया गया	130892455.00			130892455.00	364785953.00
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	1912906000.00			1912906000.00	1461382399.00
योग	**2043798455.00**			**2043798455.00**	**1826168352.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी					
शेष	-			-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	711959962.00			711959962.00	343168546.00
शेष	**1331838493.00**			**1331838493.00**	**1482999806.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	1434768576.00			1434768576.00	1352107351.00
शेष ले जाया गया (सी)	**-102930083.00**			**-102930083.00**	**130892455.00**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

राशि ₹ में

विवरण	यू.जी.सी.		चालू वर्ष योग (2017-18)	पूर्व वर्ष योग (2016-17)
	एम.एस.पी.	जे.आर.एफ.		
शेष लाया गया	85637.00	418834.00	504471.00	1235389.00
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	9829687.00	1475922.00	11305609.00	34408399.00
	9915324.00	**1894756.00**	**11810080.00**	**35643788.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी				
शेष	-	-	-	
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)			0.00	0.00
शेष	**9915324.00**	**1894756.00**	**11810080.00**	**35643788.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	7542635.00	1793756.00	9336391.00	35139317.00
शेष ले जाया गया (सी)	**2372689.00**	**101000.00**	**2473689.00**	**504471.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 11 - निवेश से आय	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	योजना			
1) ब्याज		-	-	-
ए) सरकारी प्रतिभूतियों पर		-	-	-
बी) अन्य बॉण्ड/डिबेंचर		-	-	-
2) अवधि जमा पर ब्याज	18320602.00	24,918,430.00	-	-
		-	-	-
3) ब्याज अर्जित किए गए किन्तु अवधि जमा पर कोई देनदारी नहीं		-	-	-
4) बचत खाता पर ब्याज				
5) अन्य (निर्दिष्ट)		-	-	-
योग (ए)	**18320602.00**	**24918430.00**	**-**	**-**
चिह्नित दान खाता में स्थानांतरित - रु. 4380802/-	**-4380802.00**	**-1928885.00**		
31.03.2017 तक सा.ज. खाता पर कम अर्जित ब्याज रु. 3786162/-	**-3786162.00**	-9383680.00		
योग (बी)	**-8166964.00**	-11312565.00		
योग (ए - बी)	**10153638.00**	**13605865.00**		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 12 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1) बचत खाता :		
ए) अनुसूचित बैंक	7889210.00	11747936.00
बी) गैर अनुसूचित बैंक		
सी) डाक घर बचत खाता		
डी) अन्य	15818.00	22259.00
2) ऋण		
ए) कर्मचारी	1377090.00	412990.00
बी) दान (शृंगेरी)	6989.00	
सी) अन्य		
3) अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		
योग	**9289107.00**	**12183185.00**
नोट - स्त्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) जमीन एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्ष किराया		
2. लाइसेंस शुल्क	50961.00	31372.00
3. प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सममेलन कक्ष आदि		
4. बिजली शुल्क वापिस		
5. पानी शुल्क वापिस		
बी) संस्थान प्रकाशन बिक्री		
सी) होल्डिंग इवेंट्स से आय		
1. वार्षिक समारोह/खेल उत्सव से प्राप्त सकल आय		
घटा : वार्षिक समारोह/खेल उत्सव पर होने वाला खर्च		
2. मेलों से प्राप्त कुल राशि		
घटा : मेलों पर होने वाला खर्च		
3. शिक्षा यात्रा के लिए प्राप्त कुल राशि		
घटा : शिक्षा यात्रा पर होने वाला खर्च		
4. अन्य (अलग से निर्दिष्ट)		
मन्त्रालय प्रकाशन	295325.00	288125.00
डी) अन्य		
1. परामर्श से आय		
2. आर.टी.आई. शुल्क	260.00	15.00
3. रायल्टी से आय		
4. आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)		
5. विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)		
6. बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान		
ए) सम्पत्ति स्वामित्व		
बी) सम्पत्तियां		

राशि ₹ में

अनुसूची 13 - अन्य आय क्रमश:.....	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
7. अनुदान/संस्थाओं से प्राप्त दान (कल्याणकारी संगठन) एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन 8. अन्य (निर्दिष्ट) एम.एस.पी. अवकाश वेतन एवं पी.सी.	5902225.00	11582095.00 -
योग	**6248771.00**	**11901607.00**

अनुसूची 14 - पूर्व अवधि आय	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. शैक्षिक प्राप्तियाँ 2. निवेश से आय 3. अर्जित ब्याज 4. अन्य आय	(1.00)	-
योग	**(1.00)**	**-**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 15 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) वेतन एवं मजदूरी	645542977.00	518784198.00
बी) भत्ते एवं बोनस		0.00
सी) भविष्य निधि को योगदान		0.00
डी) अन्य फंड को योगदान (निर्दिष्ट)		0.00
एन.पी.एस.	12387662.00	9104135.00
सी.पी.एफ.		0.00
जी.पी.एफ. ब्याज	4289598.00	5272432.00
ई) कर्मचारी कल्याण खर्च	320009.00	210694.00
एफ) सेवानिवृत्ति एवं टर्मिनल लाभ (45931432+8622875)	54554307.00	33909169.00
जी) पेंशन		
एच) एल.टी.सी. सुविधा	4144614.00	3521298.00
आई) चिकित्सा सुविधा	6999857.00	8649815.00
जे) बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	3071653.00	3211686.00
के) मानदेय	654453.00	1300298.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**731965130.00**	**583963725.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 16 - शैक्षिक व्यय

राशि ₹ में

विवरण	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
प्रशासनिक व्यय		
ए) प्रयोगशाला व्यय		
बी) क्षेत्र कार्य/सम्मेलन सहभागिता	683198.00	259500.00
सी) सेमिनार खर्च/कार्यशाला	4092034.00	9580106.00
डी) अभ्यागत संकाय भुगतान		0
ई) परीक्षा	11632619.00	12502080.00
एफ) छात्र कल्याण खर्च	399038.00	404541.00
जी) प्रवेश खर्च		0
एच) दीक्षांत समारोह खर्च		0
आई) प्रकाशन	372193.00	442336
जे) वजीफा/योग्यता छात्रवृत्ति		0
के) अनुसंधान खर्च	1237012.00	1678079.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	3094053.00	573820
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	9611305.00	14384990.00
वार्षिक उत्सव	561165.00	3771589.00
कांटेस्ट ऑल इण्डिया एलोकेशन	11082775.00	8324832.00
कम्प्यूटर शिक्षा	632987.00	641678.00
दूरस्थ शिक्षा		7318204.00
सी.सी. आकस्मिकता	554003.00	232149.00
ई-टेक्स्ट	165354.00	178618.00
ई-ग्रन्थालय	611402.00	497354.00
कौमुदी महोत्सव	6962922.00	4414016.00
उपहार	60780.00	109509.00
पी.एस.एस.टी.-शुल्क	28490.00	226003.00
संस्कृत आयोग		0.00
संस्कृत दिवस समारोह	1651794.00	1292491.00
संस्कृत विश्वविद्यालय		
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र		
हिन्दी दिवस समारोह	140565.00	137004.00
महिला अध्ययन केन्द्र	25583.00	10000.00

विवरण	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ग्लोरी फेस्टिवल		20000.00
प्रतियोगिताएँ		204312.00
विश्व संस्कृत सम्मेलन		
भाषा मन्दाकिनी		
ज्ञान दर्शन		
बसन्त महोत्सव	309412.00	43539.00
पालि प्राकृत		
आइ.क्यू.ए.सी.	546544.00	1817604.00
विस्तृत व्याख्यान	1094385.00	653802.00
रोड मैप विकास		11203.00
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छ माह)	1925360.00	4720768.00
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता	422004.00	72774.00
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद्		
अष्टादशी परियोजना	287593.00	0.00
मु.स्वा.पी. (मुख्य खाता)	9403400.00	3965969.00
मु.स्वा.पी. (भोपाल)	1020637.00	
भारतीय विश्वविद्यालय का संघ		98000.00
योजना खर्च		
छात्रवृत्ति	68903741.00	64078917.00
एन.एफ.एस.ई.	18194124.00	22363264.00
शास्त्र चूड़ामणि	6854406.00	4382221.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक शिक्षा	214772.00	391549.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3122567.00	3738087.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	197922.00	829272.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	1558248.00	2853759.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	5576837.00	10053882.00
राष्ट्रपति सम्मान	9337771.00	11009884.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	274749870.00	323733086.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	22579841.00	
ऐच्छिक संस्कृत संगठन	70380798.00	73406721.00
अखिल भारतीय शलाका प्रतियोगिता/राज्य स्तरीय		475415.00
उत्तर पूर्वी राज्य	9464504.00	10504578.00
स्वयं सेवी संगठन/स्वयं सेवी विश्वविद्यालय	75006.00	476076.00

विवरण	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	15179203.00	13674527.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	5817041.00	3195052.00
सम्मान राशि	5955129.00	3756114.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान		379323.00
पंचांग परियोजना	186839.00	120397.00
समायोजन प्रविष्टि	-387223.00	387223.00
पालि एवं प्राकृत	5291154.00	5396569.00
राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी		420908.00
ई.पाठशाला पुस्तक		
परियोजनाएँ	264490.00	1145102.00
जगन्नाथ वी.के. परियोजनाएँ	165360.00	
ज्योतिष परियोजनाएँ		608806.00
यू.जी.सी./नैक	1337069.00	392528.00
नाट्य शास्त्र परियोजना	757303.00	919158.00
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन		2500000.00
योग	**594385379.00**	**639779288.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) आधारभूत संरचना		
a) बिजली एवं पावर	19489942.00	14524805.00
b) पानी शुल्क	273940.00	160451.00
c) बीमा		0.00
d) किराया, दर एवं टैक्स (सम्पत्ति कर सहित)	10449274.00	6296770.00
बी) संचार		0.00
e) डाक खर्च एवं लेखन सामग्री	1806702.00	2147130.00
f) दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	1618636.00	1107906.00
सी) अन्य		0.00
g) मुद्रण एवं लेखन सामग्री (खपत)	3255468.00	3716513.00
h) यात्रा एवं वाहन खर्च	14373671.00	17249357.00
i) अतिथि-सत्कार		0.00
j) लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	497870.00	364992.00
k) पेशेवर प्रभार		26368.00
l) विज्ञापन एवं प्रचार	1288529.00	2265857.00
m) पत्रिकाएं एवं जरनल	62910.00	56126.00
n) अन्य (निर्दिष्ट) नये परिसर की स्थापना	16030411.00	0.00
आकस्मिक खर्च		0.00
संविदा मजदूर		0.00
कानूनी खर्च	1511095.00	1179689.00
बैंक प्रभार		0.00
सुरक्षा हाउस कीपींग	9668776.00	8152641.00
विविध खर्च	15629208.00	23344052.00
सी.वी.वी.टी.		60292.00
योग	**95956432.00**	**80652949.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 18 - परिवहन व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
ए) रनिंग व्यय	1357582.00	1301724.00
बी) मरम्मत एवं रखरखाव	147895.00	0.00
सी) बीमा व्यय		0.00
डी) स्टाफ कार व्यय	155944.00	225615.00
2. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		0.00
ए) किराया/लीज व्यय	1077595.00	1090215.00
3. वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	286153.00	200031.00
योग	**3025169.00**	**2817585.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) भवन	3043358.00	7118234
बी) फर्नीचर एवं फिक्सर	58157.00	127865
सी) प्लांट एवं मशीनरी	185546.00	335523.00
डी) कार्यालय उपकरण	1392654.00	1080516.00
ई) कम्प्यूटर	375324.00	593201.00
एफ) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण		570.00
जी) दृश्य श्रव्य उपकरण	43750.00	217449.00
एच) सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	292685.00	162866.00
आई) पुस्तक जिल्द शुल्क	5138.00	29075.00
जे) बागवानी	292601.00	38904.00
के) जायदाद रखरखाव	573953.00	0.00
एल) अन्य (निर्दिष्ट)	98336.00	50284.00
एम) घटा : देनदारियां पुस्तक 2016-17	-198349.00	
योग	**6163153.00**	**9754487.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) बैंक प्रभार		
बी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 21 - अन्य व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
ए) बैड एवं संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान/अग्रिम		
बी) अप्रतिलभ्य शेष बट्टे खाते में डाला गया		
सी) अन्य संस्थाओं/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी		
डी) अन्य (निर्दिष्ट)		
योग	**0**	**0**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

आय व्यय खाते की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 22 - पूर्व अवधि व्यय

राशि ₹ में

	चालू वर्ष (2017-18)	पूर्व वर्ष (2016-17)
1. स्थापना व्यय	1806508.00	188315.00
2. शैक्षिक व्यय	1363.00	1126715.00
3. प्रशासनिक व्यय	307524.00	4599.00
4. परिवहन व्यय		0.00
5. मरम्मत एवं रखरखाव		0.00
6. अन्य (निर्दिष्ट) छात्रवृत्ति (भोपाल)	1157918.00	226344.00
7. अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)		299171.00
8. अन्य (ऋणमुक्ति ..... ई-बुक)		
9. अन्य (ऋणमुक्ति ..... एकस्व अधिकार)		
योग	**3273313.00**	**1845144.00**

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसची 23 - महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परिपाटी

जब तक अन्यथा न कहा गया हो, वित्तीय विवरण आद्य लागत अवधारणा और सामान्यत: लेखांकन की उपार्जन पद्धति के आधार पर बनाए गए हैं।

2. राजस्व स्वीकरन

2.1 छात्रों से शुल्क (शिक्षा शुल्क को छोड़कर) प्रवेश फार्म की बिक्री, रॉयल्टी और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकदी आधार पर हैं।

2.2 निवेश से आय का लेखांकन उपार्जन आधार पर किया जाता है।

3. अचल संपत्तियाँ और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्तियो को आवक भाड़ा, शुल्कों व करों एवम् अधिग्रहण, स्थापना और कमीशन से संबंधित आनुषंगिक और प्रत्यक्ष खर्च सहित, अधिग्रहण की लागत पर कहा गया है।

3.2 उपहार/दान की संपत्ति जहां घोषित मूल्य उपलब्ध हो पर आँकी जाती है, यदि उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की स्थिति के संदर्भ में समायोजित वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर अनुमान लगाया गया है। ये पूंजी निधि कोष क्रेडिट करके संस्थान की अचल संपत्ति में समाहित की जाती है। मूल्यह्रास दर संबंधित परिसंपत्तियों के लिए लागू दर के हिसाब से लगाया गया।

3.3 उपहार के रूप में प्राप्त किताबें, किताबों पर मुद्रित मूल्य के आधार पर मूल्यांकित हैं। जहाँ मूल्य मुद्रित नहीं है उसकी कीमत का आंकलन अनुमानित है।

3.4 अचल संपत्तियाँ लागत में से संचित मूल्यह्रास घटाकर दिखाई गई है। अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास सीधी रेखा पद्धति द्वारा निम्न दरों पर लगाया गया है–

मूर्त संपत्ति

1. भूमि	0%
2. साइट का विकास	0%
3. भवन	2%
4. सड़क एवं पुल	2%
5. ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	2%
6. सीवरेज और ड्रेनेज	2%
7. विद्युत स्थापना और उपकरण	5%

8. संयंत्र और मशीनरी	5%
9. वैज्ञानिक एवं प्रयोगशाला के उपकरण	8%
10. कार्यालय उपकरण	7.5%
11. दृश्य श्रव्य उपकरण	7.5%
12. कम्प्यूटर एवं संबंधित उपकरण	20%
13. फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	7.5%
14. वाहन	10%
15. पुस्तकालय, पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएँ	10%

अमूर्त संपत्तियाँ (परिशोधन)

1. ई-पत्रिका	40%
2. कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
3. पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5 मूल्यह्रास वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए प्रदान की जाती है।

3.6 जहाँ एक परिसंपत्ति का पूरी तरह ह्रास हो जाता है, वहाँ तुलन पत्र में उसका मूल्य 1 रूपया लिखा जाएगा एवं आगे मूल्य ह्रास नहीं लगाया जाएगा। इसके बाद मूल्यह्रास की गणना प्रत्येक वर्ष ली गई संपत्ति पर अलग से उस संपत्ति पर लागू मूल्य ह्रास की दर से की जाएगी।

3.7 चिह्नित निधियां एवम् प्रायोजित परियोजना निधियों की धनराशि से बनाई गई संपत्ति जिसका स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, पूँजीनिधि को क्रेडिट करते हुए विश्वविद्यालय की संपत्तियों में समाहित की जाती है। मूल्य ह्रास, संबंधित संपत्ति पर लागू मूल्यह्रास की दर से लगाया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधि से बनाई गई संपत्तियाँ जिनका स्वामित्व प्रायोजकों द्वारा अपने पास रखा गया, पर संपत्ति संस्थान के द्वारा उपयोग की जाती है, का उल्लेख खाता टिप्पणियों में किया जाता है।

3.8 पट्टा आधारित भूमि का पट्टे का अवधि में परिशोधन किया गया है।

4. अमूर्त संपत्तियाँ

पेटेंट और प्रतिलिपि अधिकार, ई-पत्रिकाऐं और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के तहत वर्गीकृत किया गया है।

5. स्टॉक

कार्यालय और कम्प्यूटर स्टेशनरी राजस्व व्यय के रूप में स्टॉक में दर्ज की जाती है। संस्कृत के अग्रणी व मुख्य संस्थान होने के कारण संस्कृत के प्रचार और विकास हेतु संस्कृत प्रकाशन के स्टॉक को संस्थान की स्थायी संपत्ति के रूप में दिखाया गया है। (संदर्भ अनुसूची-4)

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ के लिए भारत सरकार के नियमों का अनुपालन किया जाता है। इसमें पेंशन, ग्रेच्यूटी, छुट्टियों का नकदीकरण एवं भविष्यनिधि शामिल हैं।

6.2 भारत सरकार के दिनांक 19.07.2017 के परिपत्रानुसार हर माह एक निर्धारित चिकित्सा भत्ता रुपये 1000/- दिया जा रहा है।

6.3 संस्थान के कर्मचारियों के भविष्यनिधि के लिए अलग से प्राप्ति और भुगतान, आय एवं व्यय, तुलन पत्र में तैयार किया जाता है एवं इन खातों से जुड़ा हुआ है।

6.4 पेंशन के लिए भी एक निर्धारित निधि, बनाया गया है, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रदत्त अनुदान राशि एवम् खर्चों का लेखांकन किया गया है। (अनुसूची-2)

6.5 145 कर्मचारियों को नई पेंशन योजना के तहत कवर किया गया है।

7. निवेश

निवेश बैंक में सावधि जमा के रूप में है। वहाँ इसके मूल्य में कोई ह्रास नहीं है।

8. चिह्नित / दान निधि

8.1 संस्थान में पेंशन के लिये एक चिह्नित निधि है एवं पांच दान निधि जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट और आर. के. शर्मा के नाम पर हैं। अनुसूची-2 में इन सभी समर्पित निधि को दर्शाया गया है।

8.2 इन विशेष निधि का खर्च इन्हीं निधि में से घटाया गया है। इसे आय एवं व्यय खाते में नही दर्शाया गया है।

9. भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान

9.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुदान के आधार पर संस्थान कार्य का लेखा-जोखा किया जा रहा है। हालांकि, जहां वित्त वर्ष से संबंधित अनुदान की प्राप्ति के लिए मंजूरी 31 मार्च से पहले प्राप्त होता है और अनुदान वास्तव में अगले वित्त वर्ष में प्राप्त होता है, अनुदान उपचय के आधार पर जिम्मेदार है और एक समान राशि अनुदाता से वसूली के रूप में दिखायी गयी है।

9.2 अचल संपत्तियों के लिए उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है और शेष राजस्व के रूप में। (अनुसूची-10 देखें)

9.3 अप्रयुक्त अनुदान खर्च ना की गई राशि के रूप में आगे ले जाया जाता है। (अनुसूची-10 देखें) और बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में प्रदार्शित की जाती है। (अनुसूची-3)

10. चिह्नित निधि एवं ब्याज आय की तरह कुछ जगह निवेश किये गए

10.1 ये निर्धारित निधि बैंकों में सावधि जमा में निवेश की जा रही हैं।

10.2 प्राप्त ब्याज और अर्जित ब्याज इस तरह के निवेश से संबंधित निधि में जोड़ दिए जाते हैं और विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं दिखाए जाते। (संदर्भ ले अनुसूची-2)

11. प्रायोजित परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना संस्थान में चल रही है जिसका लाभ वरिष्ठ शोध अध्येता/कनिष्ठ शोध अध्येता (वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधानकर्त्ता) जिसका लाभ ले रहें हैं।

12. आयकर

12.1 संस्थान एक मानित विश्वविद्यालय है और पूरी तरह सरकार के माध्यम से वित्त/अनुदान पोषित है। विश्वविद्यालय को आयकर अधिनियम की धारा 10(23 सी) के तहत आयकर से छूट दी गई है। इसलिए खातों में कर का कोई प्रवाधान नहीं है। अवधि जमा राशि एवं निवेश पर बैंक द्वारा कोई टी.डी.एस. कटौती नहीं की जाती है।

वित्तीय विवरणों का स्वरूप (गैर लाभकारी संगठन)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

तुलनपत्र की अनुसूची का हिस्सा 31.03.2018

अनुसूची 24 - आकस्मिक देनदारियाँ और खाता टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देनदारियाँ

न्यायालय मुकदमा खर्च - रुपये 40,00,000/- (पूर्व वर्ष - रुपये 30,84,000/-)

2. स्थायी संपत्तियाँ

2.1 वर्ष 2017-18 में रुपये 71,19,59,962/- का अमूर्त संपत्तियों के रूप में समावेश किया गया (अनुसूची-4)।

2.2 खाते में रुपये 83,832/- की राशि को दान के रूप में लिया गया है।

3. विदेशी मुद्रा में व्यय

ए. राष्ट्रपति सम्मान	शून्य
बी. विश्व संस्कृत सम्मेलन विदेश यात्रा साहित	शून्य

4. वर्ष 2017-18 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों पर दिनांक 25.06.2018 को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया गया।

5. पिछले साल के आकड़े जहां आवश्यक हो फिर से दर्शाया गया है।

6. अंतिम खाते में आकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

7. अनुसूची 1 से 24 तुलन पत्र 31 मार्च 2018 के लिए आय एवं व्यय खाते का एक अभिन्न हिस्सा है।

8. भविष्य निधि लेखा और नई पेंशन योजना खाते सदस्यों के खाते हैं, विश्वविद्यालय के नहीं ये खाते विश्वविद्यालय से अलग हैं। प्राप्ति एवं भुगतान लेखा, आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खातों के साथ ही नई पेंशन योजना के तुलन पत्र को विश्वविद्यालय के खातों में संलग्न किया गया है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2017-18 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

2017-18 को प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

राशि ₹ में

क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**पूर्व बकाया**			**1**	**व्यय**		
a)	हाथ में रोकड़	919253.00	894962.00	a)	**स्थापना व्यय**	840049341.00	662462344.00
b)	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	33532.00	67649.00	b)	शैक्षिक व्यय	76151242.00	85939833.00
c)	बैंक में शेष			c)	प्रशासनिक व्यय	95956432.00	80652949.00
	i) चालू खाता			d)	यातायात व्यय	3025169.00	2817585.00
	ii) जमा खाता			e)	मरम्मत एवं देखभाल	6361502.00	9556138.00
	iii) बचत खाता	242878929.00	410227304.00	f)	पूर्व अवधि व्यय	3273313.00	1545973.00
d)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	510187.00	874991.00	g)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		
e)	छात्रवृत्ति	418834.00	872790.00	**2**	**निर्धारित भुगतान/दान निधि**		0.00
2	**अनुदान प्राप्त**			**3**	**परिसरों को अनुदान**	1497063684.00	1040287645.00
a)	भारत सरकार से प्राप्त	1983106000.00	1491974000.00	**4**	**प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना**	526163995.00	560805195.00
b)	राज्य सरकार से प्राप्त			**5**	**कनिष्ठ अध्यता शोधछात्रवृत्ति**	1793756.00	27786354.00
c)	भारत के अन्य स्रोत से प्राप्त			**6**	**निर्धारित बैंक में अवधि जमा**	117733406.00	94711986.00
d)	परिसर अनुदान	1497063684.00	1040287645.00	**7**	**पूर्व अवधि व्यय**		0
e)	(पूंजी एवं राजस्व व्यय अनुदान में अलग से दिखाया जाएगा)			**8**	**स्थायी सम्पत्ति पर खर्च एवं कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर**		
f)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (वि.अ.आ.)	1475922.00	19798715.00	9	स्थायी सम्पत्ति	17608143.00	32431060.00
3	**शैक्षणिक प्राप्तियाँ**	10578087.00	11947173.00	**9**	कैपिटल वर्क कार्य प्रगति पर	694351819.00	310737486.00
a)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	16078458.00	18977608.00	a)	सी.पी.डब्ल्यू.डी. (वापसी)		0.00
b)	पूर्व अवधि आय	-1		b)	**अन्य भुगतान संवैधानिक भुगतान सहित**	207132485.00	160940026.00
4	**निर्धारित प्राप्तियाँ/अक्षय निधि**			c)	**जमा एवं अग्रिम**	31843676.00	36771277.00
a)	इन्डोनमेंट पुरस्कार		0.00	**10**	**शेष राशि**		
5	**प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ**			**11**	हाथ में रोकड़	1020003.00	919253.00
a)	मुख्यालय से प्राप्त			**12**	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	84165.00	33532.00
b)	अन्य स्रोत से आय			a)	बैंक में शेष		
6	**प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति प्रतिभूति प्राप्तियाँ**			b)	i) चालू खाते में		

राशि ₹ में

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
कनिष्ठ छात्र वृत्ति		7533683.00	c)	ii) जमा खाते में		
निवेश से आय				iii) बचत खाते में	94445315.00	242878929.00
निर्धारित/दान निधि		0.00	d)	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2610424.00	510187.00
अन्य निवेश	192866126.00	112633351.00	e)	कनिष्ठ शोध छात्रवृत्ति	101000.00	418834.00
ब्याज प्राप्त						
बैंक में जमा	18320602.00	24918430.00				
ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	1377090.00	412990.00				
बैंक बचत खाता	7889210.00	11747936.00				
बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)	15818.00	22259.00				
दान पर ब्याज	129794.00	0.00				
नकद में निवेश						
स्थायी सम्पत्ति बिक्री						
कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी		0.00				
अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)		0.00				
जमा एवं अग्रिम	32311746.00	38237259.00				
वापसी योग्य प्राप्तियाँ संवैधानिक प्राप्तियाँ (भेजी हुई रकम)	210795599.00	160777841.00				
योग	**4216768870.00**	**3352206586.00**		**योग**	**4216768870.00**	**3352206586.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2017-18 के लिए प्राप्तियाँ की समेकित अनुसूची

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
1	**आदि शेष**														
i	हाथ में रोकड़	18290.00	5138.00	270558.00	23757.00	53247.00	163244.00	9909.00	10308.00	142233.00	829.00	69466.00	11900.00	140374.00	**919253.00**
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	19544.00	13988.00												**33532.00**
iii	बचत खाता	181058754.00	5113987.00	2417008.00	2313920.00	2752134.00	6044161.00	6272448.00	6726204.00	3680401.00	8062583.00	5833366.00	5819310.00	6784653.00	**242878929.00**
iv	बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	66093.00	444094.00												**510187.00**
v	बचत खाता (शोधछात्रवृत्ति)	418834.00													**418834.00**
vi	रखरखाव (मु.स्वा.पी.)														**0.00**
vii	रखरखाव	1983106000.00													**1983106000.00**
viii	सहायता सामान्य में योजना अनुदान		78460000.00	56707000.00	180099135.00	69353000.00	209735000.00	130464000.00	69954000.00	74843666.00	99323000.00	82806700.00	321106081.00	124212102.00	**1497063684.00**
ix	जे.आर. शोधछात्रवृत्ति (यू.जी.सी.)	1475922.00													**1475922.00**
x	पूर्व अवधि आय				(1.00)										**-1.00**
	योग	**2166163437.00**	**84037207.00**	**59394566.00**	**182436811.00**	**72158381.00**	**215942405.00**	**136746357.00**	**76690512.00**	**78666300.00**	**107386412.00**	**88709532.00**	**326937291.00**	**131137129.00**	**3726406340.00**
2	**शैक्षिक प्राप्तियाँ**														
i	प्रवेश पत्र			2500.00	350.00				390050.00		6550.00			67290.00	**466740.00**
ii	परीक्षा प्राप्तियाँ	6385541.00				6910.00					4500.00		10700.00	15250.00	**6422901.00**
iii	प्रकाशनों की बिक्री	2726050.00		4262.00	41058.00	525.00		1223.00		85391.00				27.00	**2858536.00**
iv	एन.एफ.एस.सी.	287835.00	3000.00												**290835.00**
v	छात्रावास शुल्क										2300.00			262350.00	**264650.00**
vi	पी.एस.एस.टी.	18705.00													**18705.00**
vii	पत्रचार प्राप्तियाँ	188520.00													**188520.00**
viii	विद्यावारिधि शुल्क	67200.00													**67200.00**
ix	प्रतिभा पुरस्कार														**0.00**
	योग	**9673851.00**	**3000.00**	**6762.00**	**41408.00**	**7435.00**	**0.00**	**1223.00**	**390050.00**	**85391.00**	**13350.00**	**0.00**	**10700.00**	**344917.00**	**10578087.00**
3	**विविध प्राप्तियाँ**														**0.00**
i	मन्त्रालय प्रकाशन	295325.00													**295325.00**
ii	ज्ञान दर्शन	9601.00													**9601.00**
iii	कनिष्ठ शोध अध्येता (परिसरों से धन-वापसी)														**0.00**
iv	आर.टी.आई.								20.00			240.00			**260.00**
v	मुक्त स्वाध्याय पीठ	9829687.00													**9829687.00**
vi	अन्य विविध प्राप्तियाँ	115517.00	225934.00	8407.00	21815.00	10704.00	58994.00	30838.00	984241.00	658698.00	362395.00	529680.00	560033.00	1316790.00	**4884046.00**
vii	सी.पी.डब्ल्यू. द्वारा वापसी										45604.00				**45604.00**
viii	छुट्टियों की तन्ख्वाह एवं पेंशन अंशदान	962974.00													**962974.00**
ix	लाइसेंस शुल्क					5080.00		6340.00	14410.00			10616.00		14515.00	**50961.00**
	योग	**11213104.00**	**225934.00**	**8407.00**	**21815.00**	**15784.00**	**58994.00**	**37178.00**	**998671.00**	**658698.00**	**407999.00**	**540536.00**	**560033.00**	**1331305.00**	**16078458.00**

राशि ₹ में

लेखा शीर्ष	मुख्यालय	भोपाल	गरली	मुम्बई	शृङ्गेरी	एकलव्य	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	लखनऊ	देवप्रयाग	जयपुर	योग
ब्याज														**0.00**
बचत खाते पर ब्याज	5479439.00	112221.00		45582.00	62585.00	552742.00	113113.00			143226.00		1380302.00		**7889210.00**
सावधि जमा रसीद पर ब्याज	8166964.00				3764503.00		6389135.00							**18320602.00**
ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर ब्याज	75786.00		12726.00		114670.00	9600.00	87709.00	159191.00		604629.00	227918.00		84861.00	**1377090.00**
बचत पर ब्याज (मु.स्वा.पी.)		15818.00												**15818.00**
दान राशि पर ब्याज	122805.00				6989.00									**129794.00**
योग	**13844994.00**	**128039.00**	**12726.00**	**45582.00**	**3948747.00**	**562342.00**	**6589957.00**	**159191.00**	**0.00**	**747855.00**	**227918.00**	**1380302.00**	**84861.00**	**27732514.00**
भेजी हुई रकम														
आय कर	8289641.00	6637253.00	2659614.00	4737283.00	5560370.00	3599247.00	13440275.00		6073389.00	7742666.00	8031112.00	1292777.00	15240126.00	**83303753.00**
सा.भ.नि.	9229265.00	3467500.00	1875270.00	2805000.00	2736317.00	1656320.00	10215998.00		3788500.00	6770182.00	4950000.00	3524736.00	9863020.00	**60882108.00**
एन.पी.एस.		1534748.00	728950.00	646626.00	1675771.00	1176926.00	1667911.00	240129.00		1012984.00	888600.00	226594.00	1295071.00	**11094310.00**
जी.आई.एस.	23646.00	70320.00	33630.00	25680.00	61200.00	51995.00	100140.00		89882.00	48540.00	55542.00	10860.00	102953.00	**674388.00**
जी.आई.पी.	253239.00													**253239.00**
अन्य विभागों को प्रेषण	6672544.00		340000.00	975298.00	1465976.00	7405593.00	17123474.00	1150000.00		1298130.00	6977250.00	283350.00	5675681.00	**49367296.00**
एल.आई.सी.	1042438.00						512676.00			346577.00	113860.00		194648.00	**2210199.00**
पुस्तकालय/छात्रावास जमानत राशि											143200.00	29000.00		**172200.00**
टी.डी.एस.	1208209.00		88282.00		28351.00						69230.00	148459.00	84539.00	**1627070.00**
पी.एल.आई.	244312.00													**244312.00**
एस.डी. अग्रिम धन	227724.00			10000.00			650000.00						79000.00	**966724.00**
योग	**27191018.00**	**11709821.00**	**5725746.00**	**9199887.00**	**11527985.00**	**13890081.00**	**43710474.00**	**1390129.00**	**9951771.00**	**17219079.00**	**21228794.00**	**5515776.00**	**32535038.00**	**210795599.00**
सावधि जमा रसीद														
सावधी जमा रसीद पूर्ण विकसित	88545563.00				65710000.00		36976435.00			1634128.00				**192866126.00**
योग	**88545563.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**65710000.00**	**0.00**	**36976435.00**	**0.00**	**0.00**	**1634128.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**192866126.00**
रकम वापसी कैपिटल कार्य प्रगति पर						0.00	0.00							**0.00**
योग	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**
अग्रिम खाता														
एल.टी.सी.	118350.00	78700.00	108000.00	7000.00	83000.00	394600.00	363000.00	325000.00		193460.00	57950.00	151400.00	304000.00	**2184460.00**
टी.ए.	140164.00	415580.00	6000.00	369449.00	429000.00	670000.00	468000.00	537000.00	317000.00	753500.00	63000.00		303000.00	**4471693.00**
त्यौहार	74700.00		45450.00	10400.00		19800.00	66300.00	32625.00	36900.00	107766.00	49500.00		71550.00	**514991.00**
वाहन	86700.00		74020.00	1200.00			41000.00	15000.00	3500.00	37034.00	168800.00		109400.00	**536654.00**
आकस्मिक व्यय	672700.00	2381164.00	2023205.00	1452565.00	1356600.00	3154500.00	3484350.00	2191000.00	1126628.00	1060476.00	1733905.00	379000.00	2028800.00	**23044893.00**
एच.बी.ए.	227972.00							11500.00	14676.00		47230.00		43596.00	**344974.00**
चिकित्सा	342000.00						315000.00	20000.00					131777.00	**808777.00**
कम्प्यूटर	100825.00		14780.00	4523.00	41000.00		17500.00	56000.00	53500.00	51776.00	34400.00		31000.00	**405304.00**
योग	**1763411.00**	**2875444.00**	**2271455.00**	**1845137.00**	**1909600.00**	**4238900.00**	**4755150.00**	**3188125.00**	**1552204.00**	**2204012.00**	**2154785.00**	**530400.00**	**3023123.00**	**32311746.00**
गबन रकम की वापसी														**0.00**
कुल योग	**2318395378.00**	**98979445.00**	**67419662.00**	**193590640.00**	**155277932.00**	**234692722.00**	**228816774.00**	**82816678.00**	**90914364.00**	**129612835.00**	**112861565.00**	**334934502.00**	**168456373.00**	**4216768870.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 के लिए समेकित भुगतान लेखा

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
व्यय														
A) स्थापना व्यय														
a) वेतन एवं मजदूरी	81359384.00	32348296.00	33623568.00	53292873.00	28459262.00	62005977.00	89937149.00	35539076.00	54108132.00	32807201.00	49364092.00	11911813.00	80786154.00	**645542977.00**
b) कर्मचारी कल्याण व्यय	320009.00													**320009.00**
c) एल.टी.सी. सुविधा	608624.00	581958.00	145880.00	242429.00	20768.00	260119.00	795296.00	242009.00		112777.00	224870.00	157572.00	752312.00	**4144614.00**
d) चिकित्सा सुविधा	2660197.00	105354.00	275719.00	267243.00	256069.00	618496.00	566838.00	370716.00	572283.00	79884.00	171736.00	53556.00	1001766.00	**6999857.00**
e) बच्चों हेतु शिक्षा	784584.00	189994.00	246390.00		452260.00	200004.00	243150.00	108000.00		177260.00	249017.00	39248.00	381746.00	**3071653.00**
f) मानदेय	498153.00			13000.00	93300.00							50000.00		**654453.00**
g) सेवानिवृत्ति लाभ (बी)	9981388.00		7644915.00		1542994.00	8377125.00		9664118.00	2703920.00		2865319.00		3151653.00	**45931432.00**
h) पेंशन	36454499.00		8890218.00	2599717.00	985598.00	12448727.00	13421284.00	11264088.00	7084684		1352838.00		22205433.00	**116707086.00**
i) एन.पी.एस.	1359435.00	403823.00	783868.00	1534748.00	728950.00	1012984.00	1295071.00	240129.00	888600.00	613404.00	1675771.00	182968.00	1667911.00	**12387662.00**
j) सी.पी.एफ. परिसर														**0.00**
k) सा.भ.नि. ब्याज		141216.00	104459.00			30466.00	179854.00					362997	3470606.00	**4289598.00**
योग (ए)	**134026273.00**	**33770641.00**	**51715017.00**	**57950010.00**	**32539201.00**	**84953898.00**	**106438642.00**	**57428136.00**	**65357619.00**	**33790526.00**	**55903643.00**	**12758154.00**	**113417581.00**	**840049341.00**
(बी) शैक्षिक व्यय														
अखिल भारतीय युवा महोत्सव		200667.00		168357.00	356551.00	171826.00	353603.00	506164.00	149989.00	7292725.00	150000.00	248953.00	12470.00	**9611305.00**
वार्षिक समारोह		21222.00		93087.00	87243.00	131715.00	91920.00		50949.00		85029.00			**561165.00**
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा		10843549.00		54684.00	184542.00									**11082775.00**
कम्प्यूटर शिक्षा				532790.00		100197.00								**632987.00**
परीक्षा	9316768.00	125185.00		246348.00	221461.00	104900.00	213226.00	221724.00	328554.00	181815.00	174368.00	42380.00	455890.00	**11632619.00**
पत्राचार आकस्मिकता	350435.00									7620.00	195948.00			**554003.00**
ई-टैक्स्ट				165354.00										**165354.00**
डी.ई.ओ./ई-ग्रन्थालय			252633.00			129383.00		118263.00		32290.00			78833.00	**611402.00**
संगोष्ठी/कार्यशाला पर व्यय	450000.00	358411.00	80485.00	431203.00	576914.00	185482.00		150001.00	102445.00	238406.00	407475.00	411212.00	700000.00	**4092034.00**
फील्ड कार्य/सम्मेलन में प्रतिभागिता		683198.00												**683198.00**
कौमुदी महोत्सव		6638672.00		41320.00	56991.00							225939.00		**6962922.00**
विद्वानों को मानदेय														**0.00**
उपहार		60780.00												**60780.00**
प्रकाशन/पत्रिका				51799.00					22960.00	297434.00				**372193.00**
पी.एस.एस.टी. - शुल्क	28490.00													**28490.00**
संस्कृत आयोग														**0.00**
संस्कृत दिवस समारोह	1064705.00	64661.00		38235.00	41376.00	40000.00	47207.00			148433.00	56828.00	30104.00	120245.00	**1651794.00**
ग्लोरी फैस्टिवल														**0.00**
छात्र कल्याण व्यय					1501.00	27381.00		194451.00	78812.00		32681.00		64212.00	**399038.00**

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
हिन्दी दिवस समारोह	66894.00				9208.00					14463.00			50000.00	**140565.00**
महिला अध्ययन केन्द्र					25583.00									**25583.00**
अनुसंधान सक्रियता	1149795.00										87217.00			**1237012.00**
विश्व संस्कृत सम्मेलन														**0.00**
भाषा मन्दाकिनी														**0.00**
वसंत महोत्सव								238907.00	70505.00					**309412.00**
आई.क्यू.ए.सी.		3379.00		351065.00							192100.00			**546544.00**
विस्तृत व्याख्यान		131071.00		6272.00	2000.00	45451.00	478691.00	61068.00	126587.00	20230.00	58015.00		165000.00	**1094385.00**
आंकलन कार्य				3094053.00										**3094053.00**
राष्ट्रीय संस्कृत परिषद														**0.00**
शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम (6 माह)			1862320.00								63040.00			**1925360.00**
राज्य स्तरीय प्रतियोगिता		180988.00			104922.00							136094.00		**422004.00**
अष्टादशी परियोजना	287593.00													**287593.00**
मु.स्वा.पी. (मुख्य रोकड़ बही)	822702.00	132704.00	493819.00		480949.00	1353866.00	804457.00	322843.00	495573.00	422901.00	2374263.00		1699323.00	**9403400.00**
मु.स्वा.पी. (रोकड़ बही)	7542635.00			1020637.00										**8563272.00**
योग (बी)	**21080017.00**	**19444487.00**	**2689257.00**	**6295204.00**	**2149241.00**	**2290201.00**	**1989104.00**	**1813421.00**	**1426374.00**	**8656317.00**	**3876964.00**	**1094682.00**	**3345973.00**	**76151242.00**
(सी) प्रशासनिक व्यय														
विद्युत आपूर्ति	2284843.00	337307.00	690601.00	2631936.00	1059920.00	877165.00	1579485.00	5900443.00	1993171.00		564883.00	55795.00	1514393.00	**19489942.00**
जल शुल्क	72070.00			22122.00	170550							9198.00		**273940.00**
किराया, दरें एवं कर (सम्पत्ति कर सहित)	424819.00		6335927.00	1638632.00	766303.00	11961.00					15744.00	1198883.00	57005.00	**10449274.00**
डाक व्यय एवं स्टेशनरी	1273017.00	30009.00	32004.00	18000.00	35287.00	45645.00	67453.00	50000.00	47480.00	30082.00	45841.00	20702.00	111182.00	**1806702.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इन्टरनेट व्यय	229528.00	77014.00	64182.00	261882.00	104358.00	60460.00	68897.00	115403.00	13360.00	32922.00	440096.00	58266.00	92268.00	**1618636.00**
प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी (खपत)	1497018.00	85600.00	118353.00	37693.00	236877.00	93695.00	88466.00	557816.00	69847.00	68875.00	214285.00	48741.00	138202.00	**3255468.00**
यात्रा एवं भत्ता व्यय	5780000.00	362846.00	533986.00	506939.00	1025670.00	1051180.00	609989.00	716647.00	441282.00	853090.00	979206.00	136287.00	1376549.00	**14373671.00**
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	139950.00			131400.00	101825.00	25550.00	74180.00			24965.00				**497870.00**
प्रोफेशनल व्यय														**0.00**
विज्ञापन एवं प्रचार	475773.00	9268.00	55238.00	78971.00	34140.00	59753.00	92069.00	35308.00	50221.00	96654.00	149084.00	96986.00	55064.00	**1288529.00**
अन्य (निर्दिष्ट) आकस्मिक व्यय														**0.00**
सविदा श्रमिक														**0.00**
कानूनी व्यय	755729.00		30021.00		41125.00	527000.00		110760.00	8000.00				38460.00	**1511095.00**
बैंक प्रभार	7910.00												55000.00	**62910.00**
प्रतिभूति हाउस कीपिंग	1731846.00		409220.00	2478443.00	2790357.00		2258910.00							**9668776.00**
विविध व्यय	2331524.00	3327850.00	647986.00	172533.00	1375379.00	591295.00	877017.00	2543734.00	557821.00	667203.00	1428245.00	263984.00	844637.00	**15629208.00**
बाहरी ठेका	5677403.00		1206089.00				1346452.00		3192194.00			1680439.00	2927834.00	**16030411.00**
सी.वी.टी.टी.														**0.00**
नये परिसरों पर स्थापना व्यय														**0.00**
योग (सी)	**22681430.00**	**4229894.00**	**10123607.00**	**7978551.00**	**7741791.00**	**3343704.00**	**7062918.00**	**10030111.00**	**6373376.00**	**1773791.00**	**3837384.00**	**3569281.00**	**7210594.00**	**95956432.00**
d) यातायात व्यय														
1. वाहन (संस्थान के स्वामित्व में)														**0.00**
a) रनिंग व्यय	179868.00				1116464.00					61250.00				**1357582.00**
b) मरम्मत एवं रख-रखाव	147895.00													**147895.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
c) बीमा व्यय														0.00
d) स्टॉफ कार खर्च			77538.00			78406.00								155944.00
2. किराए के वाहन/लीज पर वाहन														0.00
a) किराया/लीज व्य	605412.00											472183.00		1077595.00
3. वाहन (टेक्सी) किराया खर्च		193976.00		3352.00									88825.00	286153.00
योग (डी)	**933175.00**	**193976.00**	**77538.00**	**3352.00**	**1116464.00**	**78406.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**61250.00**	**0.00**	**472183.00**	**88825.00**	**3025169.00**
e) मरम्मत एवं रखरखाव														
मरम्मत एवं रखरखाव			1016035.00			110516.00	457848.00	211660.00	564939.00	52287.00	373210.00			2786495.00
a) भवन	187070.00	10598.00			59195.00									256863.00
b) फर्नीचर					7780.00								50377.00	58157.00
c) मशीनरी एवं उपकरण					72476.00								113070.00	185546.00
d) कार्यालयीय उपकरण	1286567.00	46871.00		10920.00	43026.00								5270.00	1392654.00
e) कम्प्यूटर		33923.00	116260.00	48240.00	16550.00		96049.00						64302.00	375324.00
f) प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण														0.00
g) दृश्य-श्रव्य उपकरण				43750.00										43750.00
h) सफाई सामग्री एवं सेवाएं		6231.00			5465.00					90568.00			190421.00	292685.00
i) पुस्तक जिल्द प्रभार													5138.00	5138.00
j) बागवानी देखभाल					4500.00	50600.00	84428.00				101868.00		51205.00	292601.00
k) भूमि रखरखाव						106011.00	266770.00	95734.00					105438.00	573953.00
l) अन्य (निर्दिष्ट)													98336.00	98336.00
योग (ई)	**1473637.00**	**97623.00**	**1132295.00**	**102910.00**	**208992.00**	**267127.00**	**905095.00**	**307394.00**	**564939.00**	**142855.00**	**475078.00**	**0.00**	**683557.00**	**6361502.00**
F) पूर्व अवधि व्यय				1441619.00	1831694.00									3273313.00
III. प्रायोजित परियोजनाओं के अगेंस्ट भुगतान/योजनाएँ														
छात्रवृत्ति	21061257.00	1195239.00	7062998.00	3409291.00	7151031.00	3343190.00	4751541.00	2041507.00	3590639.00	929734.00	4546908.00	420859.00	9399547.00	68903741.00
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	16505867.00	3000.00	1665676.00	5620.00	1450.00	3000.00		3150.00		511.00			5850.00	18194124.00
शास्त्र चूड़ामणि	6854406.00													6854406.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम/व्यावसायिक प्रशिक्षण	214772.00													214772.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	3122567.00													3122567.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	197922.00													197922.00
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	1558248.00													1558248.00
डेक्कन कॉलेज, पुणे	5576837.00													5576837.00
राष्ट्रपति सम्मान	9337771.00													9337771.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	274749870.00													274749870.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	22579841.00													22579841.00
स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	70380798.00													70380798.00
अखिल भारतीय भाषण स्पर्धा/राज्य स्तर														0.00
एन.ई.आर.	9464504.00													9464504.00
एन.जी.ओ./एन.जी.ओ. विश्वविद्यालय	75006.00													75006.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	15179203.00													15179203.00

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	शृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
उच्चमाध्यमिक/उच्च विद्यालयों को अनुदान	5817041.00													**5817041.00**
सम्मान राशि	5955129.00													**5955129.00**
विशिष्ठ सेवा संस्कृत सम्मान														**0.00**
पंचांग परियोजना				186839.00										**186839.00**
गुरुकुल संकल्पना														**0.00**
पालि एवं प्राकृत	933936.00						1105045.00		3252173.00					**5291154.00**
राष्ट्रीय संस्कृत सेमिनार														**0.00**
ई-पाठशाला पुस्तक														**0.00**
परियोजना	224793.00									6697.00		33000.00		**264490.00**
जगन्नाथ वी.के. परियोजना													165360.00	**165360.00**
ज्योतिष परियाजना														**0.00**
यू.जी.सी./नैक							1000000.00			234165.00			102904.00	**1337069.00**
नाट्यशास्त्र परियोजना				757303.00										**757303.00**
48वाँ अखिल भारतीय प्राच्यविद सम्मेलन														**0.00**
परिसर को प्रेषण	1497063684.00													**1497063684.00**
योग (एफ)	**1966853452.00**	**1198239.00**	**8728674.00**	**4359053.00**	**7152481.00**	**3346190.00**	**6856586.00**	**2044657.00**	**6842812.00**	**1171107.00**	**4546908.00**	**453859.00**	**9673661.00**	**2023227679.00**
V. प्रायोजित शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति को भुगतान														**0.00**
कनिष्ठ शोध अध्येता	1793756.00													**1793756.00**
														0.00
VI. परिसरों को अनुदान														**0.00**
														0.00
VI. राष्ट्रकृत बैंको में अवधि जमा	96712527.00					578664.00	1027780.00				12438000.00		6976435.00	**117733406.00**
														0.00
VII. स्थाई सम्पत्तियों एव कैपिटल कार्य प्रगति पर व्यय	6945165.00	154000000.00				7167518.00	506220.00		2496700.00	133208135.00	56272000.00	303756081.00	30000000.00	**694351819.00**
स्थायी सम्पत्तिया														**0.00**
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण					182000.00	63049.00	10000.00				279600.00	690000.00	183110.00	**1407759.00**
फर्नीचर, फिक्सर एवं फिटिंग्स	447790.00		1514976.00	81146.00	183996.00	366049.00	98624.00	252080.00	431574.00	182147.00		411208.00	959762.00	**4929352.00**
पुस्तकालय पुस्तकें एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	26538.00	13549.00	520.00	292695.00	152089.00	36369.00	126124.00	25070.00	141475.00	143221.00	4237.00	213585.00	159548.00	**1335020.00**
प्लांट एवं मशीनरी	826122.00	14900.00	534888.00			35800.00	221772.00	87206.00	449493.00		425625.00		388850.00	**2984656.00**
प्रकाशन	1748015.00		32422.00											**1780437.00**
पाण्डुलिपियां			300000.00											**300000.00**
प्रयोगशाला उपकरण				20317.00				108408.00					175080.00	**303805.00**
विद्युत स्थापन एवं उपकरण	3989919.00							299815.00				7320.00	75693.00	**4372747.00**
दृश्य श्रव्य उपकरण				83226.00									1950.00	**85176.00**
कार्यालयीय उपकरण					85316.00					2600.00				**87916.00**
इन्टेन्जीबल (कम्प्यूटर एवं सॉफ्टवेयर)												21275.00		**21275.00**
इन्टेन्जीबल (जरनल)														**0.00**
आई.क्यू.ए.सी.														**0.00**
योग (एफ)	**7038384.00**	**28449.00**	**2382806.00**	**477384.00**	**603401.00**	**501267.00**	**456520.00**	**772579.00**	**1022542.00**	**327968.00**	**709462.00**	**1343388.00**	**1943993.00**	**17608143.00**

राशि ₹ में

भुगतान	मुख्यालय	एकलव्य	इलाहाबाद	भोपाल	गरली	गुरुवायूर	जयपुर	जम्मू	लखनऊ	मुम्बई	श्रृङ्गेरी	देवप्रयाग	पुरी	योग
VIII. अन्य भुगतान वैधानिक भुगतान सहित														
आय कर	8289641.00	3599247.00	6073389.00	6637253.00	2659614.00	7742666.00	15240126.00		8031112.00	4739092.00	5560370.00	1292777.00	13440275.00	**83305562.00**
सा.भ.नि.	9229265.00	1656320.00	3788500.00	3467500.00	1875270.00	6770182.00	9863020.00		4950000.00	2820724.00	2736317.00	3524736.00	10215998.00	**60897832.00**
जी.आई.एस.	23646.00	51995.00	89882.00	66642.00	33630.00	48540.00	102953.00		55542.00	25680.00	56160.00	10860.00	52364.00	**617894.00**
जी.आई.पी.	336731.00												47776.00	**384507.00**
एन.पी.एस.		403823.00		1534748.00	728950.00	1012984.00	1295071.00	240129.00	888600.00	613404.00	1675771.00	226594.00	1667911.00	**10287985.00**
सी.पी.एफ.														**0.00**
प्रोफेशनल कर														**0.00**
एल.आई.सी. वेतन	1042438.00					346577.00	194648.00		113860.00				512676.00	**2210199.00**
पुस्तकालय/छात्रावास जमानती राशि									111050.00					**111050.00**
अग्रिम राशि/एस.डी.	9994.00						164951.00					29000.00	670000.00	**873945.00**
अन्य परिसरीय विभागों से प्राप्त राशि	4269976.00	6947595.00			140000.00	1298130.00	5861056.00	1151574.00	6977250.00	990619.00	1440343.00	283350.00	17212236.00	**46572129.00**
पी.एल.आई.	244312.00													**244312.00**
टी.डी.एस.	1208209.00				88282.00		84539.00		69230.00		28351.00	148459.00		**1627070.00**
योग (जी)	**24654212.00**	**12658980.00**	**9951771.00**	**11706143.00**	**5525746.00**	**17219079.00**	**32806364.00**	**1391703.00**	**21196644.00**	**9189519.00**	**11497312.00**	**5515776.00**	**43819236.00**	**207132485.00**
X. जमा एवं अग्रिम														
वाहन					197520.00		84000.00		24000.00	24000.00				**329520.00**
त्यौहार अग्रिम			63000.00		41400.00	67500.00	72000.00		45000.00	9500.00				**298400.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	118350.00	394600.00		78700.00	108000.00	181460.00	304000.00	245000.00	55700.00	7000.00	63000.00	151400.00	363000.00	**2070210.00**
टी.ए.	140164.00	1446351.00	317000.00	415580.00	6000.00	845650.00	303000.00	547000.00	63000.00	455269.00	429000.00		568000.00	**5536014.00**
कम्प्यूटर अग्रिम	199700.00				95280.00	30000.00							167500.00	**492480.00**
आकस्मिक व्यय	672700.00	3115500.00	1103200.00	2381164.00	1983205.00	1058288.00	2028800.00	2238000.00	1733905.00	1372563.00	1356600.00	457000.00	3484350.00	**22985275.00**
चिकित्सा अग्रिम							131777.00							**131777.00**
एच.बी.ए.														**0.00**
योग (एच)	**1130914.00**	**4956451.00**	**1483200.00**	**2875444.00**	**2431405.00**	**2182898.00**	**2923577.00**	**3030000.00**	**1921605.00**	**1868332.00**	**1848600.00**	**608400.00**	**4582850.00**	**31843676.00**
														0.00
XII. अन्तिम शेष														**0.00**
a) हाथ में रोकड़	7138	144566.00	74805.00	65992.00	250615.00	1919.00	38375.00	142334.00	92151.00	76444.00	43942.00	72809.00	8913.00	**1020003.00**
हाथ में रोकड़ (मु.स्वा.पी.)	55250.00			28915.00										**84165.00**
b) बैंक में शेष														**0.00**
i. चालू खाता														**0.00**
ii. जमा खाता														**0.00**
iii. बचत खाता	30591609.00	3969416.00	2555394.00	5401883.00	5868631.00	7681964.00	7445192.00	5856343.00	5566803.00	3324396.00	3828639.00	5289889.00	7065156.00	**94445315.00**
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	2317439.00			292985.00										**2610424.00**
जे.आर. शोधछात्रवृत्ति	101000.00													**101000.00**
योग (आई)	**33072436.00**	**4113982.00**	**2630199.00**	**5789775.00**	**6119246.00**	**7683883.00**	**7483567.00**	**5998677.00**	**5658954.00**	**3400840.00**	**3872581.00**	**5362698.00**	**7074069.00**	**98260907.00**
योग	**2318395378.00**	**234692722.00**	**90914364.00**	**98979445.00**	**67419662.00**	**129612835.00**	**168456373.00**	**82816678.00**	**112861565.00**	**193590640.00**	**155277932.00**	**334934502.00**	**228816774.00**	**4216768870.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

31.03.2018 को सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन पत्र

देनदारियां

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष			सम्पत्तियां			
		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	57234328.00	53423288.00	1	सावधि जमा	266759729.00	296651448.00
2	जोड़ा-अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अंशदान वसूली	83572798.00	90347975.00	2	निवेश से अर्जित ब्याज	6836482.00	4343889.00
3	घटाया - अन्य परिसरों को सा.भ.नि. के अग्रिम एवं निकासी का स्थानान्तरण	116596971.00	85542674.00	3	मुम्बई परिसर संदिग्ध खाता	427000.00	427000
4	घटाया - पूर्व वर्ष त्रुटियां	0.00	0.00	4	बैंक में रोकड़	74689702.00	57234328.00
5	31.03.2017 को देनदारियां	296651448.00	271712600.00				
6	मुम्बई परिसर में गबन की प्रविष्टि	427000.00	427000.00				
7	जोड़ा - आय से अधिक व्यय	27424310.00	28288476.00				
	योग	**348712913.00**	**358229665.00**		**योग**	**348712913.00**	**358656665.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय एवं व्यय का लेखा विवरण

राशि ₹ में

व्यय				आय			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
a	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	2762269.00	2371057.00	क्र.सं.	अर्जित ब्याज	रुपये	रुपये
b	बैंक प्रभार	2148.00	41242.00	a	सावधि जमा पर ब्याज	16626162.00	19358812.00
c	ग्राहको को दिया गया ब्याज	4141781.00	4133351.00	b	बचत खाता	2712626.00	3748280.00
	कुल योग (बी)	**6906198.00**	**6545650.00**	c	मुख्य खाते से स्थानान्तरित ब्याज	4013457.00	7383145.00
				d	सा.भ.नि. पर अर्जित ब्याज	4141781.00	0.00
				e	निवेश से अर्जित ब्याज	6836482.00	4343889.00
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**27424310.00**	**28288476.00**	f	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	0.00	0.00
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**27424310.00**	**28288476.00**		**कुल योग (ए)**	**34330508.00**	**34834126.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	57234328.00	53423288.00	1	अन्तिम भुगतान	63318488.00	39136305.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	52429012.00	51605986.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	9371665.00	13252457.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	15304931.00	9638205.00	3	सावधि जमा की खरीद	123769537.00	173849721.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	0.00	0.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	43906818.00	33153912.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	153661256.00	148910873.00	5	मुख्य खाते में स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	2762269.00	2371057.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	16626162.00	19358812.00	6	बैंक प्रभार	2148.00	41242.00
7	बचत खाता पर ब्याज	2712626.00	3748280.00	7	अशंदायी को देय ब्याज	4141781.00	4133351.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	15803295.00	29103784.00	8	**नगद शेष**		
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	0.00	0.00		बैंक में रोकड़	74689702.00	57234328.00
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	4013457.00	7383145.00				
11	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	4141781.00	0.00				
12	पूर्व वर्ष त्रुटियां	35560.00	0.00				
	कुल योग	**321962408.00**	**323172373.00**		**कुल योग**	**321962408.00**	**323172373.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2017-18 की सामान्य भविष्य निधि/अंशदायी भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	देवप्रयाग	मुम्बई	कुलयोग
1	आदि शेष	3580958.00	5144853.00	896511.00	926247.00	383732.00	1403519.00	2000007.00	9769764.00	53093.00	1353262.00	19935963.00	4055093.00	7731326.00	**57234328.00**
2	सा.भ.नि. अंशदान	8799778.00	8950000.00	3210100.00	3512000.00	4454017.00	7234500.00	3809000.00	1656320.00	2119997.00	1578800.00	3323000.00	976000.00	2805500.00	**52429012.00**
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	429487.00	1265998.00	1087187.00	276500.00	2316165.00	2341770.00	1141000.00	5418100.00	616320.00	267904.00	144500.00			**15304931.00**
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)														**0.00**
5	सावधि जमा परिपक्व	23352169.00		7342807.00	28996844.00	6561482.00	52565989.00	3000000.00	3000000.00	2000000.00	3000000.00	20000000.00		3841965.00	**153661256.00**
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	3476447.00	2425247.00		1644134.00	848087.00	3889892.00	2599970.00	223485.00		494112.00	1024788.00			**16626162.00**
7	बचत खाता पर ब्याज	140570.00	337022.00	40904.00		51606.00	72035.00		539858.00	179453.00	123906.00	303622.00	213396.00	710254.00	**2712626.00**
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	534516.00	6124923.00		214459.00					906510.00	400531.00	2462640.00	2548736.00	2610980.00	**15803295.00**
9	संस्थान का अंशदान योगदान														**0.00**
10	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण		3470606.00				179854.00						362997.00		**4013457.00**
11	पूर्व वर्ष त्रुटि													35560.00	**35560.00**
12	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज						4141781.00								**4141781.00**
	योग	**40313925.00**	**27718649.00**	**12577509.00**	**35570184.00**	**14615089.00**	**71829340.00**	**12549977.00**	**20607527.00**	**5875373.00**	**7218515.00**	**47194513.00**	**8156222.00**	**17735585.00**	321962408.00
भुगतान															
1	अन्तिम भुगतान	11004537.00	7078303.00	3099000.00	6125382.00	8165752.00	3480000.00	7791704.00	9283819.00	1417765.00	857240.00			5014986.00	**63318488.00**
2	सा.भ.नि. अग्रिम	105000.00	1277800.00	872875.00	441000.00	2440385.00	2316720.00	1303000.00		59385.00	115000.00	198000.00		242500.00	**9371665.00**
3	सावधि-जमा की खरीद	26828616.00	10000000.00		480000.00	3805040.00	59455881.00			3200000.00		20000000.00			**123769537.00**
4	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि		938375.00	4101612.00	28188667.00						4695256.00	2617473.00		3365435.00	**43906818.00**
5	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण		2762269.00												**2762269.00**
6	बैंक प्रभार	30.00	280.00			86.00				265.00	1328.00		70.00	89.00	**2148.00**
7	अंशदायी को देय ब्याज						4141781.00								**4141781.00**
	नगद शेष														0
8	बैंक में रोकड़	2375742.00	5661622.00	4504022.00	335135.00	203826.00	2434958.00	3455273.00	11323708.00	1197958.00	1549691.00	24379040.00	8156152.00	9112575.00	**74689702.00**
	योग	**40313925.00**	**27718649.00**	**12577509.00**	**35570184.00**	**14615089.00**	**71829340.00**	**12549977.00**	**20607527.00**	**5875373.00**	**7218515.00**	**47194513.00**	**8156222.00**	**17735585.00**	321962408.00

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

राशि ₹ में

देयताएं				सम्पत्तियाँ			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूंजी निधि**			**1.**	सावधि जमा	2190545.00	1752239.00
i)	पूर्व शेष	751735.00	616558.00	**i)**	वर्तमान सम्पत्तियां	2190545.00	1752239.00
ii)	जोड़ा-योगदान+अंशदान+परिसरों से प्राप्त राशि	24837932.00	18488517.00	**2.**	बैंक में शेष	1123491.00	751735.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष में समायोजन त्रुटि	0.00	0.00				
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को स्थानान्तरित	24185056.00	17867733.00				
v)	घटाया - 31.03.16 में जमा देनदारियां	1752239.00	2140545.00				
vi)	व्यय से अधिक आय	157186.00	-873913.00				
	कुल योग	**3314036.00**	**2503974.00**		**कुल योग**	**3314036.00**	**2503974.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित आय एवं व्यय

राशि ₹ में

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1	मुख्य खाते में स्थानांतरित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रहण प्रभार	528.00	435.00	1	सावधि जमा पर ब्याज	0.00	41982.00
3	अनुमोदनकर्ता को दिया ब्याज	0.00	1175174.00	2	बचत खाते पर अर्जित ब्याज	157714.00	259714.00
	कुल योग (बी)	**528.00**	**1175609.00**				
	व्यय से अधिक आय (ए-बी)	**157186.00**	**-873913.00**				
	संतुलन हेतु अधिशेष को सामान्य में आरक्षित	**157186.00**	**-873913.00**		**कुल योग (ए)**	**157714.00**	**301696.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

वर्ष 2017-18 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	1950000.00	1911694.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	848350.00
i)	आदि शेष	751735.00	616558.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	12318326.00	9180025.00	4	बैंक प्रभार	528.00	435.00
iii)	संस्थान का योगदान	12318326.00	9097404.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	30466.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	127248.00	259714.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	1175174.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	24185056.00	17019383.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	201280.00	211088.00	9	**बैंक में शेष**	1123491.00	751735.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	1511694.00	2300000.00				
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	41982.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	टी.आर.	0.00	0.00				
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
कुल योग		**27259075.00**	**21706771.00**		**कुल योग**	**27259075.00**	**21706771.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

(मानित विश्वविद्यालय)

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि ₹ में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	29939.00		10485.00		39103.00				672208.00				**751735.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	1359435.00	1667911.00	240129.00	783868.00	1126616.00	1295071.00	888600.00	403823.00	1675771.00	728950.00	1534748.00	613404.00	**12318326.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	1359435.00	1667911.00	240129.00	783868.00	1126616.00	1295071.00	888600.00	403823.00	1675771.00	728950.00	1534748.00	613404.00	**12318326.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज					30466.00								**30466.00**
v)	पूर्व शेष													**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	1115.00				5353.00				120780.00				**127248.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि		201280.00											**201280.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व									1511694.00				**1511694.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज													**0.00**
ix)	ब्याज का अन्तर													**0.00**
x)	टी.आर													**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि													**0.00**
	कुल योग	**2749924.00**	**3537102.00**	**490743.00**	**1567736.00**	**2328154.00**	**2590142.00**	**1777200.00**	**807646.00**	**5656224.00**	**1457900.00**	**3069496.00**	**1226808.00**	**27259075.00**
	भुगतान													
i)	सावधि जमा क्रय					350000.00				1600000.00				**1950000.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि													**0.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज													**0.00**
iv)	बैंक प्रभार									528.00				**528.00**
v)	अन्तिम भुगतान													**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W													**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी													**0.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	2718870.00	3537102.00	480258.00	1567736.00	1927874.00	2590142.00	1777200.00	807646.00	3024024.00	1457900.00	3069496.00	1226808.00	**24185056.00**
	बैंक में शेष	31054.00		10485.00		50280.00				1031672.00				**1123491.00**
	कुल योग	**2749924.00**	**3537102.00**	**490743.00**	**1567736.00**	**2328154.00**	**2590142.00**	**1777200.00**	**807646.00**	**5656224.00**	**1457900.00**	**3069496.00**	**1226808.00**	**27259075.00**

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2017-18 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां **भुगतान** **राशि ₹ में**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष
1	**आदि शेष**		**1**	**स्थापना व्यय**	
i	हाथ में रोकड़	19544.00	i	वेतनादि एवं भत्ते	5600000.00
ii	बैंक में जमा (एस.बी.आई.)	44853.00		**योग**	**5600000.00**
iii	बैंक में जमा (आई.ओ.बी.)	21240.00	**2**	**प्रशासनिक व्यय**	
iv	प्राप्त अनुदान	0.00		डाक एवं तार	0.00
	विविध प्राप्तियाँ			मरम्मत एवं रखरखाव	
i	पंजीकरण शुल्क	9296436.00		यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	0.00
ii	ब्याज	77689.00		विज्ञापन	155000.00
iii	एस.एल.एम. प्रप्तियां	78208.00		स्टेशनरी एवं मुद्रण	0.00
iv	अन्य प्राप्तियां	377354.00		विविध आकस्मिकता	1323.00
v	विक्रय	0.00		परीक्षा आकस्मिकता	0.00
	योग	**9915324.00**		दूरभाष खर्च	0.00
				वसूलीयोग्य अग्रिम	0.00
				सा.भ.नि. खरीद	1786312.00
				संस्थान प्रकाशन	0.00
				योग	**1942635.00**
			3	**अन्तिम शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	55250.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता (एस.बी.आई.)	2250978.00
			ii	बचत खाता (आई.ओ.बी.)	66461.00
				योग	**2372689.00**
	कुल योग	**9915324.00**		**कुल योग**	**9915324.00**

स्थान - दिल्ली

दिनांक - 29 जून, 2018

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च, 2018 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों एवं प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के प्रबन्धन का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के बारह एककों के लेखे सम्मिलित हैं। इनमें से दो एककों की लेखा परीक्षा की गई और उनकी टिप्पणियां इस रिपोर्ट में समाहित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा के आधार पर राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारी राय को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:

(i) पैरा सी-1, संलग्नक 3(ii) एवं 4(ii) के माध्यम से प्रतिवेदन के पर्यवेक्षण के अनुसार हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षा के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आदेश संख्या 29-4/2012-एफ.डी. दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

(iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. तुलन-पत्र

क.1 दायित्व

क.1.1 वर्तमान देयताएँ और प्रावधान (अनुसूची-3) रु. 7.88 करोड़

(i) बीमाकिंक मूल्यांकन के आधार पर सेवा निवृत्ति लाभों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है जो कि लेखा मानक 15 और भारत सरकार के मानव संसाधन मंत्रालय के प्रारूप के विपरीत है।

(ii) उपर्युक्त धनराशि में (-) 10.29 करोड़ रुपये अप्रयुक्त अनुदान शामिल है। यह अनुदान मन्त्रालय से प्राप्य है। संस्थान के कथनानुसार यह धनराशि मन्त्रालय से प्राप्य नहीं है क्योंकि यह पूर्व वर्ष में प्राप्त है। इस स्थिति के परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियाँ के न्यून कथन एवं संग्रह निधि के अधिक कथन के हद तक यह परिणत हुआ है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 वर्तमान देयताएँ और प्रावधान (अनुसूची-4) रु. 252.93 करोड़

उपर्युक्त में 142.81 लाख के प्रकाशन का मूल्य भी शामिल है। जिसे वर्तमान परिसम्पत्तियों के रूप में व्यवहृत किया जा सकता है क्योंकि ये संस्कृत के एक क्षेत्र में कार्यरत लेखकों/प्रकाशकों को प्रोत्साहित करने के लिए संस्कृत संस्थाओं के पुस्तकालयों में वितरण के लिए अभिप्रेत हैं। इस स्थिति में वर्तमान परिसम्पत्तियों के न्यन कथन एवं स्थिर परिसम्पत्तियों के 142.81 लाख के अधिक कथन के रूप में परिणत हआ है।

संस्थान के प्रकाशन के भण्डार को स्थिर परिसम्पत्ति के रूप में व्यवहृत करने के लिए महत्त्वपर्ण लेखांकन नीति संख्या-5 में संशोधन की अपेक्षा है।

ख. तुलन-पत्र (सामान्य भविष्य निधि)

ख.1 परिसंपत्तियां

ख.1.1 सावधि जमा राशि पर अर्जित ब्याज - रुपये 68.36 लाख

उपर्युक्त में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय रु. 7.08 करोड़ के निवेश पर अर्जित रु. 68.36 लाख का ब्याज शामिल है। जबकि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के पास रु. 26.68 करोड़ का निवेश सावधि जमा के रूप में है। इसके परिसरों के रु. 19.60 करोड़ के सवधि जमा के निवेश पर अर्जित ब्याज की गणना नहीं की गयी है। परिसरों के सवधि जमा राशि के विवरण के अभाव में अर्जित ब्याज की मात्रा लेखा परीक्षा में निर्धारित नहीं की जा सकी।

ग. सामान्य

ग.1 राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसके सभी बारह परिसरों के खाते में प्रदर्शित बैंक बैलेंस एवं निवेश की सचना एवं अभिलेख प्रदान नहीं किए गए थे।

ग.2 सामान्य भविष्य निधि के तुलनपत्र में आरक्षित ब्याज को अलग से प्रदर्शित नहीं किया गया है. जैसा की मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा स्वीकृत प्रारूप में अपेक्षित है। चूँकि तुलनपत्र में प्रदर्शित रकम 31.03.2018 तक अंशधारकों की देनदारियाँ हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य भविष्य निधि के खाते ऋण में हैं या धन में हैं।

ग.3 2008-09 में मुम्बई परिसर की वित्तीय अनियमितता की दृष्टि से लेखांकन समायोजनों को ऋण अग्रिमराशियों एवं अन्य परिसम्पत्तियों में प्रदर्शित किया गया था। (अनुसूची-8): उचंत खाता नकद-7.82 लाख एवं वर्तमान देनदारियां (अनुसूची-3): रु. 1.00 लाख एवं सामान्य भविष्य निधि तुलनपत्र परिसम्पत्तियाँ एवं देनदरियाँ रु. 4.27 लाख। वर्तमान स्थिति के साथ वित्तीय अनिमितता के संदर्भ में लेखांकन की टिप्पणी में कोई खलासा नहीं किया गया है।

घ. सहायता अनुदान राशि

प्राप्ति एवं भुगतान लेखा के आधार पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वर्ष 2017-18 के दौरान 198.31 करोड़ रुपये की अनुदान राशि प्राप्त हुई (पूँजी: 61.10 करोड़ रुपए और राजस्व: 137.21 करोड़ रुपए) और इसके पास 24.43 करोड़ रुपए की सहायता अनुदान राशि का प्रारम्भिक अव्ययित शेष था (पूँजी: शून्य और राजस्व: 24.43 करोड़ रुपए)। इसके पास 13.37 करोड़ रुपए की अपनी प्राप्तियाँ थीं (राजस्व: 5.85 करोड़ रुपए और पूंजीगत 7.52 करोड़ रुपए)। 236.11 करोड़ रुपए की कुल अनुदान-सहायता राशि में से 226.29 करोड़ रुपए का उपयोग किया गया (पूंजी: 71.19 करोड़ रुपए और राजस्व: 155.10 करोड़ रुपए)। रु. 9.82 करोड की सहायता अनदान राशि का उपयोग नहीं किया गया (पंजी : 7.52 करोड और राजस्व 2.30 करोड रुपए)।

ङ. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार वित्तीय विवरणों, लेखांक नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ पठित और अन्य पूर्वोक्त महत्वपूर्ण मामलों और अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन यह लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन सामान्यत भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सत्य और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करता है।

(क) जहाँ तक यह 31 मार्च 2018 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ख) जहाँ तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 04.12.2018

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता

(i) यहां कोई आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली नहीं है। और लेखा अधिकारी का पद (आंतरिक लेखा) खाली है।

(ii) मन्त्रालय द्वारा आन्तरिक लेखा-परीक्षा का संचालन नहीं किया जा रहा है।

(iii) आन्तरिक लेखा-परीक्षा की कोई नियमावली नहीं है।

2. आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता

- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्यालय की आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली निम्न कारणों से अपर्याप्त है-

(i) लेखा अधिकारी का पद (आंतरिक लेखा) फरवरी, 2015 से खाली है।

(ii) अनियमित आन्तरिक लेखा परीक्षा एवं आन्तरिक लेखा परीक्षा नियमावली का पालन न करना।

(iii) 2002-03 से लेकर 2016-17 तक की अवधि के राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय की 27 बाह्य लेखा परीक्षा आपत्तियाँ 31.03.2018 तक अनिस्तारित थीं।

3. परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) पुस्तकों एवं प्रकाशनों के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय की अचल सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन 2017-18 तक कर लिया गया है। 2015-16 तक पुस्तकों एवं प्रकाशनों का भौतिक सत्यापन कर लिया गया है। रु. 2.33 लाख की 2202 पुस्तकें उपलब्ध नहीं थीं। जिस पर कार्यवाही करना अभी बाकी है।

(ii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान परिसरों की अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया।

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

(i) वर्ष 2017-18 का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के लेखन-सामग्री एवं उपभोज्य वस्तुओं का सत्यापन कर लिया गया है।

(ii) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों के सामान की भौतिक सत्यापन लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया।

5. देय राशि के भुगतान की नियमितता

31-3-2018 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छः महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।